THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 72 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.12 2083 शुक्रवार, 12 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ⁂ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

SHOWROOMS: TELANGANA: HYDERABAD: RENAULT **KUKATPALLY** Ph: 7067322620, RENAULT **KOMPALLY** Ph: 7303083789, RENAULT **NACHARAM** Ph: 7303083785, RENAULT **LB NAGAR** Ph: 9311700671. RENAULT **KARIMNAGAR** Ph: 9582305983. RENAULT **KHAMMAM** Ph: 8527234093. RENAULT **MAHBUBNAGAR** Ph: 9289995319. RENAULT **NIZAMABAD** Ph: 9311700672. RENAULT **SHADNAGAR** Ph: 9311700675.

आंध्र प्रदेश हाई कोर्ट ने विदेश यात्रा करने वाले पुजारियों को मंदिर की पूजा-विधि से रोकने वाले आदेश पर रोक लगाई

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। हाई कोर्ट की एक डिवीज़न बेंच (जिसमें चीफ जस्टिस लिसा गिल और जस्टिस निनाला जयसूर्या शामिल थे) ने सिंगल जज के उस आदेश पर रोक लगा दी है, जिसमें एंडोवमेंट्स डिपार्टमेंट को विदेश यात्रा करने वाले पुजारियों को मंदिर के गर्भगृह में पूजा-विधि करने से रोकने का निर्देश दिया गया था। यह विवाद एंडोवमेंट्स डिपार्टमेंट द्वारा 2010 में जारी एक सर्कुलर और श्रृंगेरी शारदा पीठम के जगद्गुरु श्री श्री श्री महातीर्थ भारती स्वामी द्वारा दिसंबर 2024 में जारी एक निर्देश से जुड़ा है।

इस साल 30 मार्च को, सिंगल जज ने अधिकारियों को इन गाइडलाइंस को लागू करने का आदेश दिया था, जिनके तहत विदेश यात्रा से लौटने वाले पुजारियों को मंदिर के गर्भगृह में पूजा-विधि कराने से रोका गया था। हालांकि, अपील पर सुनवाई करते हुए डिवीज़न बेंच ने पाया कि एंडोवमेंट्स डिपार्टमेंट के अधिकारियों ने सिंगल जज के ध्यान में कई अहम तथ्य नहीं लाए थे। नतीजतन, बेंच ने माना कि 30 मार्च का आदेश कानूनी रूप से सही नहीं ठहराया जा सकता और निर्देश दिया कि सभी संबंधित तथ्यों और कानूनी मुद्दों की जांच के बाद मामले पर नए सिरे से विचार किया जाए। मामले को नए सिरे से सुनवाई के लिए सिंगल जज के पास वापस भेज दिया गया है। मूल याचिका डीएसएसएस सुब्रह्मण्यम सोमयाजी ने दायर की थी, जो श्री दुर्गा मल्लेश्वर स्वामीवरला देवस्थानम मंदिर में श्री चक्र नववरण अर्चना का पाठ करते हैं। उन्होंने आरोप लगाया था कि विदेश यात्रा करने वाले कुछ मुख्य पुजारियों को अभी भी गर्भगृह में पूजा-विधि करने की अनुमति दी जा रही थी। यह अपील सिम्हाचलम के श्री वराह लक्ष्मी नरसिम्हा स्वामी मंदिर के मुख्य पुजारी जी। श्रीनिवासचार्युलु ने दायर की थी। उनके वकील ने तर्क दिया कि अपीलकर्ता ने एंडोवमेंट्स कमिश्नर से पूर्व अनुमति लेने और बिना वेतन के छुट्टी लेने के बाद 2001 और 2006 के बीच अमेरिका की यात्रा की थी।

कोर्ट को बताया गया कि चूंकि 2010 का सर्कुलर उनकी विदेश यात्रा के बाद जारी किया गया था, इसलिए इसे पिछली तारीख से लागू नहीं किया जा सकता। वकील ने बेंच को बताया कि 2010 के सर्कुलर को चुनौती देने वाली एक रिट याचिका हाई कोर्ट में लंबित है। इस दलील को स्वीकार करते हुए, डिवीज़न बेंच ने सिंगल जज के आदेश को रद्द कर दिया और नए सिरे से सुनवाई का आदेश दिया।

जगन को 'उकु' विशाखापत्तनम स्टील प्लांट के मुद्दे पर राजनीति नहीं करनी चाहिए

विशाखापत्तनम, 11 जून (एजेंसियां)। पूर्व सीएम जगन को अपने कर्मों के बारे में बात करने का कोई अधिकार नहीं है। गृह मंत्री अनीता मंदी हैरान थीं। जगन, जो इन दिनों सीएम हैं, उन्होंने कहा कि वे वहां जा नहीं सकते। जगन्मोहन रेड्डी पर शवों पर राजनीति करने का आरोप लगा। इस फैक्ट्री के इतिहास में कभी भी मृतकों के परिवारों को इतना मुआवज़ा और पक्की नौकरी नहीं दी गई। इसकी घोषणा केंद्रीय मंत्री कुमारस्वामी ने की, जिन्होंने इसका श्रेय सीएम चंद्रबाबू के दखल को दिया। एलजी पॉलिमर्स को इस घटना में 150 करोड़ रुपये देने पड़े। मरने वाले 12 लोगों के लिए 150 करोड़ रुपये दिए गए।

सरकार ने यह राशि दी। उसके बाद, दो मृतकों को मुआवज़ा नहीं दिया गया और उनके खिलाफ़ फिर से मामले दर्ज किए गए। टीडीपी के प्रदेश अध्यक्ष और विधायक पल्ला श्रीनिवास राव ने इस वर्कशॉप में यह बात कही। जगन निजीकरण का विरोध कर रहे कर्मचारियों की चिंताओं को नज़रअंदाज़ करते हैं। अब उन पर राजनीति करने का आरोप है। पिछले साल, प्लांट में पांडे गंभीर रूप से घायल हो गए और उनकी मौत हो गई। परिवार के लिए नौकरी और मुआवज़े का मुद्दा उठा। कहा गया कि यह मामला उनके ध्यान में नहीं लाया गया था।

मैं 1 करोड़ रुपये का मुआवज़ा दूंगा

या फिर सत्ता में आने पर ऐसा करूंगा

विशाखापत्तनम, 11 जून (एजेंसियां)। वाईसीपी अध्यक्ष और पूर्व मुख्यमंत्री वाईएस। जगनमोहन रेड्डी ने स्टील प्लांट हादसे में मारे गए लोगों के परिवारों को राज्य सरकार की ओर से करोड़ों रुपये का मुआवज़ा देने की मांग की है। उन्होंने हादसे में घायल हुए व्यक्ति का विशाखा सेवन हिल्स अस्पताल में हाल-चाल जाना। बाद में, उन्होंने बाहर आकर इलाज करा रहे लोगों के परिवारों से बात की। इसके बाद, अस्पताल की लॉबी में स्टील प्लांट लेबर यूनियन के नेताओं के साथ 20 मिनट तक चर्चा की।

अस्पताल से बाहर आकर उन्होंने मीडिया से बात की। उन्होंने कहा कि स्टील प्लांट में हुआ हादसा बहुत दुखद था; यह घटना कच्चे माल की वजह से हुई। उन्होंने कहा कि जहां इंसानियत दिखानी चाहिए, वहां केंद्र और राज्य सरकारों का रवैया अमानवीय है। उन्होंने कहा कि लोकेश का 'स्टील प्लांट हादसे में मारे गए लोगों को 1.72 करोड़ रुपये का मुआवज़ा दिया जाएगा' वाला बयान ठीक है। इसमें से 1.45 करोड़ रुपये तो इंश्योरेंस, पीएफ, ग्रेच्युटी आदि के ज़रिए मज़दूरों को वैसे भी मिलते हैं। स्टील प्लांट मालिकों की ओर से 25 लाख रुपये और पीएम रिलीफ फंड से भी 25 लाख रुपये मिलेंगे।

जगन ने टिप्पणी की, इसमें। उन्होंने याद दिलाया कि पहले एलजी पॉलिमर्स में हुए हादसे में 14 लोगों की मौत हुई थी और राज्य सरकार ने उनके परिवारों को मुआवज़ा दिया था। जगन ने राज्य सरकार से मांग की कि ऐसे हादसों में मारे गए लोगों को भी उसी स्तर का मुआवज़ा दिया जाए। उन्होंने कहा कि अगर ऐसा नहीं किया गया, तो सत्ता में आने के एक महीने के भीतर वे खुद ऐसा करेंगे। साथ ही, उन्होंने कहा कि वे भी पहले मारे गए लोगों के परिवारों को 1 करोड़ रुपये का दान देंगे।

ईरान में फँसे आंध्र प्रदेश के चार नाविकों ने सरकार से सुरक्षित वापसी सुनिश्चित करने की अपील की

श्रीकाकुलम, 11 जून (एजेंसियां)। कई युवा, जिनमें आंध्र प्रदेश के चार युवक भी शामिल हैं, महीनों से ईरान के तट पर फँसे हुए हैं। पश्चिम एशिया में चल रहे संघर्ष के कारण उनका कार्गो जहाज़ बंदर अब्बास बंदरगाह के पास फँसा हुआ है। आरोप है कि जहाज़ के मैनेजमेंट ने क्रू मेंबर्स की अनदेखी की है, जिससे उन्हें न तो ठीक से खाना-पीना मिल रहा है और न ही सैलरी। सूत्रों के मुताबिक, जहाज़ पर कुल 13 क्रू मेंबर्स हैं, जिनमें चार विदेशी नागरिक और नौ भारतीय शामिल हैं। फँसे हुए नाविकों में विजयनगरम के सोमराजू, अमदलावल्सा के दुर्गा प्रसाद, श्रीकुर्मम के जेरी विष्णु और श्रीकाकुलम के परापतिवनिपेटा के परापति रमना शामिल हैं। एक वीडियो मैसेज में उन्होंने बताया कि वे पिछले कुछ महीनों से बहुत मुश्किल हालात का सामना कर रहे हैं। खाने-पीने की चीज़ों की कमी हो गई है, जिससे उन्हें दिन में सिर्फ़ एक बार खाना खाकर गुज़ारा करना पड़ रहा है। उन्होंने यह भी बताया कि कई बार लंबे समय तक बिजली नहीं रहती है। परिवार वालों ने सरकार से अपील की है कि फँसे हुए नाविकों की सुरक्षित वापसी सुनिश्चित की जाए।

शादीशुदा महिला की उसके घर में बेरहमी से हत्या

श्रीकाकुलम, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के श्रीकाकुलम जिले के टेक्कली मंडल के सोरलिगांव गांव में हुई। दुमपल हरिणी (24) नाम की एक शादीशुदा महिला की उसके घर में बेरहमी से हत्या कर दी गई। उसकी हत्या किसी और ने नहीं, बल्कि उसके पिता ने की थी। लेकिन इसमें उसका पति दुमपल दंतेश्वर राव भी शामिल था। 1 तारीख की रात, तीन आरोपियों ने सोरलिगा में हरिणी के घर पर उसके साथ गैंगरेप किया। कहा गया कि उसकी मौत दिल का दौरा पड़ने से हुई थी, और उसके शव का अंतिम संस्कार कर दिया गया।

लेकिन जब पुलिस को शक हुआ और उन्होंने जांच की, तो पता चला कि यह सामान्य मौत नहीं बल्कि हत्या थी। पुलिस ने मामले की जांच की। पुलिस ने तीन आरोपियों को गिरफ्तार किया और उन्हें रिमांड पर भेज दिया। 2020 में, उसकी शादी टेक्कली मंडल के सोरलिगा गांव के रहने वाले दंतेश्वर राव से हुई थी। दंपति का 4 साल का बेटा भी था। डिग्री के दूसरे वर्ष की पढ़ाई के दौरान हरिणी की शादी हो गई थी। लेकिन डिग्री पूरी करने के बाद, हरिणी ग्रुप परीक्षाओं की तैयारी के लिए हैदराबाद चली गई। पढ़ाई में मुश्किलों के कारण, उसने अपने बेटे को अपनी मां विजय कुमारी के पास छोड़ दिया। वह शहर के हॉस्टल में रहकर ग्रुप कोचिंग लेती थी। इसी दौरान, उसके जीवन में नगर के एसआर। सुधा नागेंद्र का प्रवेश हुआ। हरिणी अपनी कोचिंग पार्टनर सुधा नागेंद्र के साथ लिव-इन रिलेशनशिप में आ गई। इस बात की जानकारी मिलने पर, उसके पति दंतेश्वर राव और मां विजय कुमारी ने हरिणी को कड़ी फटकार लगाई।

फिर वह अपनी बात पर अड़ी रही और साफ़ कहा कि वह दांतेश्वर से तलाक लेकर अपने प्रेमी सुधा नागेंद्र से शादी करना चाहती है। इस दौरान, हरिणी के परिवार वालों ने उसे मनाने की कई कोशिशें कीं। साथ ही, हरिणी ने परिवार वालों द्वारा परेशान किए जाने की शिकायत हैदराबाद के बालानगर पुलिस स्टेशन में भी की। हरिनी की हत्या एक योजना के तहत की गई। इस मामले में हरिणी का सेल्फी वीडियो एक अहम सबूत है।

'लोकेश मामा' को लिखी एक छोटी सी पोस्ट मंत्री ने तुरंत जवाब दिया

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। कुरनूल के मंत्री नारा लोकेश ने जिले के बच्चों की मानसिक परेशानी पर तुरंत प्रतिक्रिया दी। मंत्री ने भरोसा दिलाया कि उनका पूरा ध्यान शिक्षा पर रहेगा। नेरेडुप्पल गांव के खेतिहर मजदूरों की बेटी मानस हॉस्टल में रहकर पढ़ाई करना चाहती थी। उसने सोशल मीडिया के ज़रिए लोकेश से सीट दिलाने की गुहार लगाई। पांचवीं कक्षा पूरी करने के बाद, लड़की ने केजीबीवी स्कूल में सीट के लिए आवेदन किया था, लेकिन सीट न मिलने पर उसने अपना दुख ज़ाहिर किया। उसने 'लोकेश मामा' से कहा कि माता-पिता के काम के सिलसिले में दूसरी जगह चले जाने पर उसकी पढ़ाई छूट जाती है।

यह बात सोशल मीडिया पर पोस्ट की गई और मंत्री ने तुरंत बच्ची की परेशानी पर ध्यान दिया। मंत्री ने इस मामले पर अधिकारियों को आदेश जारी किए और मानस को हॉस्टल में सीट दिलाकर उसकी मदद की। मंत्री लोकेश ने बच्ची को आशीर्वाद दिया और उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की। बच्ची को पढ़ाई का मौका मिलने पर उसके माता-पिता ने खुशी ज़ाहिर की और लोकेश का धन्यवाद किया।

आंध्र प्रदेश की बापटला पुलिस ने महिलाओं के खिलाफ अपराध करने वाले 301 लोगों के खिलाफ हिस्ट्री शीट खोली

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। महिलाओं के खिलाफ अपराधों पर लगाम लगाने के लिए एक बड़ी कार्रवाई करते हुए, बापटला पुलिस ने महिलाओं के प्रति अपराध और अभद्र व्यवहार में शामिल 301 लोगों के खिलाफ हिस्ट्री शीट खोली है। जारी एक आधिकारिक बयान में, बापटला जिले के एसपीबी। उमामहेश्वर ने बताया कि पिछले एक हफ्ते में ही संदिग्ध गतिविधियों और आपराधिक बैकग्राउंड वाले लोगों के खिलाफ 26 संदिग्ध शीट (सस्पेक्ट शीट) खोली गई हैं। साथ ही, अपराध रोकने और लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करने के लिए पुलिस आदतन अपराधियों की गतिविधियों पर लगातार नज़र रख रही है। उन्होंने चेतावनी दी कि महिलाओं और बच्चों के साथ अभद्र व्यवहार करने या उनके खिलाफ अपराध करने वाले किसी भी व्यक्ति के खिलाफ सख्त कानूनी कार्रवाई की जाएगी। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार महिलाओं और बच्चों की सुरक्षा को सबसे ज़्यादा प्राथमिकता दे रही है और सुरक्षा व्यवस्था को मजबूत करने के लिए कई पहल शुरू की हैं।

क्या चंद्रबाबू और पवन कल्याण के शासन ने लोगों को प्रभावित किया है?

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश में गठबंधन सरकार के 2 साल का रिपोर्ट कार्डः तेलुगु देशम, जनसेना और बीजेपी गठबंधन ने शानदार बहुमत के साथ सरकार बनाई। पिछली वाईसीपी सरकार की नीतियों से नाखुश लोगों ने राज्य के भविष्य के लिए एकतरफा वोट दिया। मुख्यमंत्री नारा चंद्रबाबू नायडू की रणनीतिक सोच, उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण का जन-आकर्षण और युवा मंत्री नारा लोकेश के आधुनिक विचारों के मेल ने राज्य में बदलाव लाया है। क्या यह कल्याण और विकास के बीच संतुलन बनाने में सफल रहा है? क्या इसने लोगों की उम्मीदों को पूरा किया है? पिछली सरकार के दौरान औद्योगिक रूप से पिछड़े रहे आंध्र प्रदेश में गठबंधन सरकार के आने से नई स्थिति बनी है।

विशाखापत्तनम में आयोजित सीआईआई पार्टनरशिप समिट में लगभग 13.25 लाख करोड़ रुपये के 610 समझौते हुए। सिर्फ़ दो साल में लगभग 23 लाख करोड़ रुपये का निवेश आकर्षित करना एक बड़ी उपलब्धि है। गूगल आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस डेटा सेंटर जैसे प्रतिष्ठित प्रोजेक्ट्स और आईटी सेक्टर में नई गतिविधियों ने युवाओं में उम्मीद जगाई है। जॉब रावलंटे बाबू रावली (नौकरी चाहिए तो बाबू को आना होगा) के नारे के तहत, मेगा

डीएससी के ज़रिए 15,491 शिक्षकों के पद निकाले गए। 5,757 पुलिस कॉन्स्टेबल की भर्तियां और बेरोजगारों के लिए भर्ती प्रक्रिया में तेज़ी लाई गई। गठबंधन सरकार की सबसे बड़ी राजनीतिक और प्रशासनिक जीत राजधानी को लेकर बनी उलझन को खत्म करना है। 'अमेंडमेंट एक्ट 2026 बिल' के ज़रिए अमरावती को आंध्र प्रदेश की एकमात्र और स्थायी राजधानी का कानूनी दर्जा दिया गया। गठबंधन सरकार सफल रही। केंद्र सरकार अमरावती निर्माण कार्यों के लिए 50,000 करोड़ रुपये से ज़्यादा की धनराशि के साथ फिर से काम शुरू करेगी। विशेष पैकेज देकर निवेशकों का भरोसा बढ़ाया गया।

दूसरी ओर, राज्य के व्यापक विकास के लिए तीन-क्षेत्रीय मास्टर प्लान बनाया गया है। इसे लागू करते समय सरकार ने क्षेत्रीय संतुलन पर ध्यान दिया है। कल्याणकारी योजनाओं में 'सुपर सिक्स' - एनटीआर भरोसा गठबंधन सरकार के सत्ता में आते ही कल्याणकारी योजनाओं को बंद करने के बजाय उन्हें और मजबूत किया गया। खासकर 'एनटीआर भरोसा' सोशल पेंशन में 4,000 रुपये की बढ़ोतरी की गई और हर महीने एक निश्चित तारीख पर लाभार्थियों को लाभ पहुंचाया जा रहा है; आवास योजना ने गरीब समुदायों पर बहुत सकारात्मक प्रभाव डाला है।'

थल्लिकी वंदनम' के तहत माताओं के खातों में 10,090 करोड़ रुपये जमा किए गए और 'दीपम-2' योजना के माध्यम से महिलाओं को साल में 3 मुफ्त गैस सिलेंडर सफलतापूर्वक वितरित किए जा रहे हैं। साथ ही, गरीबों की भूख मिटाने के लिए राज्य भर में 204 'अन्ना कैंटीन' फिर से खोली गईं; एक करोड़ से अधिक भोजन उपलब्ध कराने की इस पहल ने इलाके के लोगों को काफी प्रभावित किया है।

सरकार ने सरकारी अस्पतालों में डायबिटिक रेटिनोपैथी का पता लगाने के लिए एआई-बेस्ड पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया

विशाखापत्तनम, 11 जून (एजेंसियां)। राज्य सरकार ने डायबिटिक रेटिनोपैथी का पता लगाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का इस्तेमाल करने की एक पायलट पहल शुरू की है। डायबिटिक रेटिनोपैथी, डायबिटीज के मरीजों में होने वाली आंखों की एक गंभीर समस्या है। स्वास्थ्य मंत्री वाई। सत्य कुमार यादव द्वारा घोषित यह प्रोग्राम गुंटूर, कुरनूल और विशाखापत्तनम के सरकारी अस्पतालों में शुरू किया जा रहा है। इस स्कीम के तहत, एआई सिस्टम मरीजों की आंखों की फंडस कैमरा इमेज का एनालिसिस करेंगे ताकि रेटिनोपैथी की गंभीरता का पता लगाया जा सके और यह तय किया जा सके कि स्पेशलिस्ट से सलाह लेने की ज़रूरत है या नहीं। अब तक, ऐसी जांच पूरी तरह से नेत्र रोग विशेषज्ञों (ऑप्थल्मोलॉजिस्ट) की उपलब्धता पर निर्भर करती थी।

एआई की मदद से, ट्रेंड ऑप्टोमेट्रिस्ट मरीजों की स्क्रीनिंग कर सकते हैं और उन मामलों की पहचान कर सकते हैं जिनमें तुरंत मेडिकल मदद की ज़रूरत है, जिससे नेत्र विशेषज्ञों की कमी को दूर करने में मदद मिलेगी। डायबिटिक रेटिनोपैथी डायबिटीज के लगभग 20 प्रतिशत मरीजों को प्रभावित करती है। इलाज न होने पर इससे धुंधली दृष्टि, नसों को नुकसान या रेटिना अलग होने जैसी समस्याएं हो सकती हैं। अकेले गुंटूर सरकारी जनरल अस्पताल में हर महीने लगभग 3,000 डायबिटीज के मरीज आते हैं, जिनमें से 15-20 प्रतिशत में रेटिनोपैथी के लक्षण दिखाई देते हैं। यह पायलट प्रोग्राम बुधवार को गुंटूर जीजीएच में शुरू हुआ और 13 जून को कुरनूल रीजनल अस्पताल और 16 जून को विशाखापत्तनम रीजनल आई हॉस्पिटल तक बढ़ाया जाएगा।

अगले तीन महीनों में, तीनों सेंटर्स पर लगभग 9,000 मरीजों की स्क्रीनिंग होने की उम्मीद है। यह पहल एम्स दिल्ली और एम्स ऋषिकेश के नेतृत्व में किए जा रहे राष्ट्रीय प्रयासों पर आधारित है। इसमें एनजीओ वाधवानी फाउंडेशन की भी साझेदारी है, जिसने मधुनेत्र एआई सॉल्यूशन विकसित किया है। 13,000 मरीजों के डेटा पर ट्रेंड किए गए इस सिस्टम को पहले ही कई राज्यों के 45 मेडिकल कॉलेजों में लागू किया जा चुका है। इन राज्यों में राजस्थान, असम, छत्तीसगढ़, दिल्ली, हरियाणा, मध्य प्रदेश, मेघालय, ओडिशा, उत्तर प्रदेश, तेलंगाना, उत्तराखंड और बिहार शामिल हैं।

मंत्री नादेन्डला मनोहर ने तेनाली में कचरे के ढेर को लेकर सिविक अधिकारियों को फटकार लगाई

गुंटूर, 11 जून (एजेंसियां)। सिविल सप्लाई विभाग के मंत्री नादेन्डला मनोहर ने तेनाली नगर निगम (टीएमसी) के अधिकारियों पर नाराज़गी जताई है क्योंकि निर्देश मिलने के बावजूद उन्होंने जमा हुए कचरे को नहीं हटाया। उन्होंने तेनाली नहर के किनारे एक बेंच पर बैठकर अपना विरोध जताया और कसम खाई कि जब तक कचरा नहीं हटाया जाएगा, वे वहीं बैठे रहेंगे। इससे हैरान होकर नगर निगम के अधिकारियों ने नहर के किनारे जमा कचरे के ढेर को हटाना शुरू कर दिया। कुछ घंटों बाद, नगर निगम के अधिकारियों ने उस जगह से कचरा हटा दिया। नादेन्डला ने गुंटूर ज़िले के तेनाली शहर में ईस्ट कैनाल बंड रोड का औचक निरीक्षण किया। यह मामला मंत्री के ध्यान में तब आया जब उन्होंने दो दिन पहले उस इलाके का दौरा किया था और स्थानीय लोगों ने एपीएसआरटीसी बस स्टैंड के पास कचरे के ढेर के बारे में शिकायत की थी। मनोहर ने टीएमसी कमिश्नर और सफाई कर्मचारियों को तुरंत कचरा हटाने का निर्देश दिया था। हालांकि, सुबह मंत्री ने देखा कि कचरा नहीं हटाया गया था।

कोई कार्रवाई न होने से नाराज़ होकर उन्होंने नगर निगम के अधिकारियों को मौके पर बुलाया और देरी के बारे में उनसे सवाल किया। खबरों के मुताबिक, अधिकारियों ने उन्हें बताया कि कचरा बहुत ज़्यादा मात्रा में जमा हो गया था और इसे हटाने के काम के लिए टेंडर मंगाए जाएंगे। अधिकारियों के जवाब से संतुष्ट न होकर, नादेन्डला ने सवाल किया कि जिस काम को नगर पालिका की अपनी मशीनों (जैसे जेसीबी और ट्रैक्टर) से पूरा किया जा सकता है, उसके लिए टेंडर प्रक्रिया की क्या ज़रूरत है। नाराज़गी ज़ाहिर करते हुए उन्होंने कर्मचारियों को चेतावनी दी कि अगर वे अपनी ड्यूटी नहीं करना चाहते हैं, तो वे छुट्टी ले सकते हैं और काम से दूर रह सकते हैं।

अमरावती में जीपीआरए और ऑफिस के लिए जगह बनाने वाले प्रोजेक्ट्स को मंज़ूरी

अमरावती, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के लिए एक ऐतिहासिक कदम के तौर पर, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में आर्थिक मामलों की कैबिनेट समिति (सीसीईए) की बैठक में अमरावती में 'जनरल पूल रेजिडेंशियल अकोमोडेशन' (जीपीआरए) के निर्माण को मंज़ूरी दी गई है। यह केंद्र सरकार के कर्मचारियों के लिए राज्य का पहला रिहायशी कॉम्प्लेक्स होगा। 1,234.91 करोड़ रुपये के इस प्रोजेक्ट को पूरी तरह से केंद्र सरकार फंड कर रही है। इसे काम की जगहों के पास आधुनिक घर उपलब्ध कराने के लिए डिज़ाइन किया गया है, जिससे आर्थिक बोझ कम होगा और राजधानी शहर का प्रशासनिक इकोसिस्टम मज़बूत होगा।

मुख्यमंत्री एन। चंद्रबाबू नायडू ने इस मंज़ूरी का स्वागत किया और जीपीआरए व 'सेंट्रल गवर्नमेंट जनरल पूल ऑफिस अकोमोडेशन' (सीजीजीपीओए) दोनों को मंज़ूरी देने के लिए केंद्रीय कैबिनेट का धन्यवाद किया। 'एक्स' पर एक पोस्ट में, नायडू ने केंद्रीय कैबिनेट के फैसले को अमरावती के विकास के लिए एक बड़ा बढ़ावा बताया। उन्होंने कहा कि इससे केंद्रीय संस्थानों की मौजूदगी मज़बूत होगी, विभागों के बीच तालमेल बेहतर होगा और सर्विस डिलीवरी में सुधार होगा। मुख्यमंत्री ने ज़ोर देकर कहा कि यह प्रोजेक्ट अमरावती के भविष्य को गवर्नेंस और पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन के एक प्रमुख केंद्र के तौर पर स्थापित करने की नींव रखता है। भवन में बोलते हुए, ग्रामीण विकास और संचार राज्य मंत्री पेम्मासानी चंद्रशेखर ने कहा कि जीपीआरए की मंज़ूरी एक बड़े प्रशासनिक प्रयास का हिस्सा है। रिहायशी कॉम्प्लेक्स के साथ-साथ, केंद्र ने 1,299.08 करोड़ रुपये की लागत और 23.25 लाख वर्ग फुट में फैले 'कॉमन सेंट्रल सेक्रेटेरिएट' प्रोजेक्ट को भी मंज़ूरी दी है।

इससे अमरावती में केंद्र का कुल निवेश लगभग 2,534 करोड़ रुपये हो गया है। चंद्रशेखर ने बताया कि ये प्रोजेक्ट्स सबसे पहले 2018 में प्रस्तावित किए गए थे लेकिन 2019 में रुक गए थे। मौजूदा गठबंधन सरकार के नेतृत्व में इन्हें फिर से शुरू किया गया और तेज़ी से आगे बढ़ाया गया। जीपीआरए को 17 एकड़ के कैंपस में बनाया जाएगा, जिसका कुल बिल्ट-अप एरिया 31.30 लाख वर्ग फुट होगा। इसमें 1,972 कारों के लिए 9.10 लाख वर्ग फुट की बेसमेंट पार्किंग सुविधा भी शामिल होगी। मास्टर प्लान में 11 रिहायशी टावर शामिल हैं जिनमें टाइप आईआई से टाइप वीआई तक की 1,504 यूनिट्स होंगी, साथ ही सुरक्षा के लिए रिफ्यूज एरिया भी होंगे।

'मैं दरोगा हूं, तुम्हारी कार चाहिए', वर्दी में अफसर जैसा रौब देखकर युवक ने ठग को दे दी अपनी कार, गजब है ठगी की कहानी

अनंतपुर, 11 जून (एजेंसियां)। आंध्र प्रदेश के अनंतपुर जिले में पुलिस ने एक ऐसे शातिर ठग को गिरफ्तार किया है, जो खुद को पुलिस सब-इंस्पेक्टर (एसआई) बताकर लोगों को ठगी का शिकार बना रहा था। आरोपी पुलिस की वर्दी पहनकर और वाट्सऐप पर वर्दी वाली तस्वीरें भेजकर लोगों का भरोसा जीतता था। इसी तरीके से उसने कई लोगों से धोखाधड़ी की और ठगी को अंजाम दिया। मामला कल्याणदुर्गम के तिम्मसमुद्रम गांव का है। यहां रहने वाले मनोहर नामक शख्स के पास एक कार थी, जिसे आरोपी ने किराये पर लेने की बात कही। आरोपी ने खुद को कल्याणदुर्गम पुलिस स्टेशन में तैनात सब-इंस्पेक्टर अनिल कुमार बताया। उसने फोन पर इतनी विश्वासपूर्ण तरीके से बातचीत की कि मनोहर को उस पर शक नहीं हुआ।

भरोसा बढ़ाने के लिए उसने पुलिस वर्दी में अपनी तस्वीरें भी वाट्सएप पर भेजीं और कहा कि यदि अभी भी विश्वास नहीं है तो तस्वीरें देखकर तसल्ली कर लें। आरोपी ने कार के बदले हर महीने 75 हजार रुपये किराया देने का वादा किया। पुलिस अधिकारी समझकर मनोहर ने बिना ज्यादा जांच-पड़ताल किए उसे कार दे दी। हालांकि कार लेने के बाद आरोपी ने न तो किराया दिया और न ही कार वापस की। एक-दो महीने नहीं बल्कि पूरे तीन महीने बीत जाने के बाद भी जब कोई भुगतान नहीं हुआ तो मनोहर को शक हुआ। इसके बाद मनोहर ने कल्याणदुर्गम ग्रामीण पुलिस थाने में शिकायत दर्ज कराई। शिकायत मिलने के बाद पुलिस ने जांच शुरू की। जब पुलिस ने आरोपी के बारे में जानकारी जुटाई तो पता चला कि अनिल कुमार नाम का कोई सब-इंस्पेक्टर वहां तैनात ही नहीं है। जांच में सामने आया कि आरोपी पूरी तरह फर्जी पहचान के सहारे लोगों को ठग रहा था। पुलिस ने आरोपी की तलाश शुरू की और उसके संभावित ठिकानों पर नजर रखी। इसी दौरान वाहन जांच अभियान के समय एक कार को रोका गया, कार में बैठे व्यक्ति को देखकर पुलिसकर्मी भी हैरान रह गए, क्योंकि वह बिल्कुल असली पुलिस अधिकारी की तरह वर्दी पहनकर बैठा था।

पूछताछ और जांच के दौरान उसकी सच्चाई सामने आ गई और उसे गिरफ्तार कर लिया गया। पुलिस पूछताछ में आरोपी ने कई चौंकाने वाले खुलासे किए। उसने स्वीकार किया कि वह केवल कार किराये पर लेकर नहीं घूम रहा था, बल्कि जिले के विभिन्न इलाकों में खुद को पुलिस अधिकारी बताकर लोगों से ठगी करता था। इतना ही नहीं, उसने कई बेरोजगार युवाओं को पुलिस विभाग में नौकरी दिलाने का झांसा देकर लाखों रुपये भी वसूले थे। फिलहाल आरोपी को गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

epaper.vaartha.com
Vaartha Hindi
@Vaartha_Hindi
Vaartha official
www.hindi.vaartha.com

वर्ष-31 अंक : 72 (हैदराबाद, निजामाबाद, विशाखापट्टणम, तिरुपति से प्रकाशित) ज्येष्ठ कृ.12 2083 शुक्रवार, 12 जून-2026

प्रधान संपादक - डॉ. गिरीश कुमार संघी हैदराबाद ✽ पृष्ठ : 16 मूल्य : 8 रुपये

मणिपुर में कुकी समुदाय के 2 लोगों की हत्या

30 घर भी जलाए; एक दिन पहले 6 नगा लोगों के शव मिले थे

इम्फाल, 11 जून (एजेंसियां)। मणिपुर में गुरुवार सुबह 4:55 बजे संदिग्ध उग्रवादियों के कुकी समुदाय के 2 लोगों की गोली मारकर हत्या कर दी। 30 घरों में आग भी लगा दी गई। घटना कामजोंग जिले के कुलतूह कुकी गांव की है। एक दिन पहले कांगपोकपी जिले में नगा समुदाय के 6 लोगों के शव बरामद हुए थे। आशंका जताई गई है कि सभी शव उन 6 लोगों के हैं, जिन्हें 13 मई को लीलोन वैफेई गांव से अगवा किया गया था। पुलिस के मुताबिक दोनों की घटनाओं के बाद से इन इलाकों में तनाव का माहौल है। इलाके में सुरक्षाबलों की तैनाती की गई है।

'हम किसी के पास कटोरा लेकर समर्थन मांगने नहीं जाएंगे'

जम्मू-कश्मीर को राज्य के दर्जे के लिए प्रदर्शन पर बोले फारूक अब्दुल्ला

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। नेशनल कॉन्फ्रेंस के अध्यक्ष फारूक अब्दुल्ला ने गुरुवार को कहा कि उनकी पार्टी केंद्र शासित प्रदेश को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर दिल्ली में प्रस्तावित विरोध प्रदर्शन में भाग लेने के लिए जम्मू और कश्मीर की अन्य राजनीतिक पार्टियों से संपर्क नहीं करेगी और न ही उन्हें औपचारिक रूप से आमंत्रित करेगी। अब्दुल्ला ने यहां पत्रकारों से कहा, जो भी चाहे, हमारे प्रदर्शन में शामिल हो सकता है। हम किसी के पास कटोरा लेकर समर्थन मांगने नहीं जाएंगे। नेशनल कॉन्फ्रेंस ने जम्मू और कश्मीर को राज्य का दर्जा बहाल करने की मांग को लेकर संसद के आगामी मानसून सत्र के उद्घाटन दिवस पर दिल्ली में विरोध प्रदर्शन करने की योजना की घोषणा की है।

केरलम में निपाह वायरस लौटा

संक्रमित वेंटिलेटर पर : हॉस्पिटल स्टाफ क्वारंटीन, राज्य में इस साल पहला केस, 8 साल में छठी बार संक्रमण

तिरुवनंतपुरम, 11 जून (एजेंसियां)। केरलम में इस साल निपाह वायरस का पहला केस मिला है। इसकी जानकारी गुरुवार को सामने आई। मरीज 43 साल का है और कोझिकोड का रहने वाला है। राज्य सरकार ने रिपोर्ट पॉजिटिव आने के बाद पूरे प्रदेश में हाई अलर्ट जारी कर दिया है।

मरीज को हल्का बुखार आने पर प्राइवेट हॉस्पिटल में भर्ती किया गया था। बाद में कोझिकोड मेडिकल कॉलेज भेजा गया। उसकी हालत गंभीर है और वह वेंटिलेटर पर है। स्वास्थ्य मंत्री के. मुरलीधरन ने कहा, मरीज कई लोगों के संपर्क में आया था। अस्पताल के स्टाफ और उसके संपर्क में आए संभावित लोगों को क्वारंटीन रहने को कहा गया है।

फिलहाल घबराने की जरूरत नहीं है। 2018 के बाद से केरलम में छठी बार संक्रमण फैला है। आखिरी बार दो साल पहले 2024 में दो केस मिले थे। इनमें एक मरीज की जान चली गई थी।

मरीज निपाह वायरस की चपेट में कैसे आया :

अधिकारियों के मुताबिक, मरीज ने हाल ही में एक गोदाम किराए पर लिया था और खुद उसकी सफाई की थी। आशंका है कि इसी दौरान वह संक्रमण की चपेट में आया। निपाह वायरस मुख्य रूप से फ्रूट बैट (फल खाने वाले चमगादड़ों) से फैलता है।

अब आगे क्या...

> मरीज का रूट मैप तैयार किया जा रहा है।

> संपर्क में आए लोगों की पहचान की जा रही है।

> एनआईवी की रिपोर्ट आने के बाद आगे के कदम तय किए जाएंगे।

1998 में मलेशिया में निपाह का पहला केस सामने आया :

1998-99 में पहली बार मलेशिया के सुंगाई निपाह गांव में इस वायरस की पहचान हुई। इसी गांव के नाम पर इसका नाम निपाह वायरस रखा गया। यह वायरस चमगादड़ से फैला था। चमगादड़ों से वायरस सूअरों तक पहुंचा। सूअरों के फार्म में काम करने वाले लोग संक्रमित हुए।

मलेशिया में 100 लोगों की मौत हुई :

मलेशिया में लगभग 265 लोग संक्रमित हुए हुए थे। 100 से अधिक लोगों की मौत हुई। >14

शत्रुघ्न सिन्हा ने कहा- ममता और टीएमसी के साथ

कोलकाता, 11 जून (एजेंसियां)। तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) में फूट की चर्चाओं के बीच पार्टी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा ने बड़ा बयान दिया है। उन्होंने साफ कहा कि वह ममता बनर्जी और टीएमसी के साथ मजबूती से खड़े रहेंगे। एक समाचार एजेंसी से बात करते हुए सिन्हा ने कहा कि ममता बनर्जी और पार्टी का साथ देना उनका कर्तव्य है।

शत्रुघ्न सिन्हा ने सबसे पहले आसनसोल और पश्चिम बंगाल की जनता का शुक्रिया अदा किया। उन्होंने कहा कि वहां के लोगों ने उन्हें बहुत प्यार और समर्थन दिया है। उन्होंने बताया कि वह ममता बनर्जी के बुलावे और उनके निर्देश पर ही आसनसोल आए थे। उन्होंने वहां पहली बार उपचुनाव में रिकॉर्ड अंतर से जीत दर्ज की थी। इसके बाद दूसरी बार भी वह बड़े अंतर से चुनाव जीते। सिन्हा ने कहा कि वह बंगाल के सभी लोगों के लिए काम करते हैं, चाहे वे किसी भी पार्टी के हों।

14 उम्मीदवार निर्विरोध राज्यसभा चुनाव जीते

भाजपा से 10, कांग्रेस से 4 चुने गए; जीतने वालों में मल्लिकार्जुन खड़गे और पवन खेड़ा शामिल

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। 14 उम्मीदवार गुरुवार को निर्विरोध राज्यसभा चुनाव जीत गए। इनके सामने कोई और कैंडिडेट खड़ा नहीं था। इनमें 10 भाजपा और 4 कांग्रेस से हैं। चुनाव जीतने वालों में कर्नाटक से कांग्रेस के राष्ट्रीय अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे और मीडिया व प्रचार प्रमुख पवन खेड़ा का नाम शामिल है।

वहीं, राजस्थान से भाजपा के सतीश पूनिया, अलका गुर्जर और कांग्रेस के नीरज डांगी निर्विरोध राज्यसभा के लिए चुने गए हैं। इसके अलावा गुजरात से भाजपा के सभी चार राज्यसभा उम्मीदवारों को निर्विरोध निर्वाचित घोषित कर दिया गया है।

वहीं, मध्य प्रदेश से भाजपा के रजनीश अग्रवाल, तरुण चुघ और महेश केवट की जीत हुई है। हालांकि, इससे पहले सुप्रीम कोर्ट ने कांग्रेस उम्मीदवार मीनाक्षी नटराजन का नामांकन रद्द होने के खिलाफ पार्टी की याचिका पर सुनवाई शुक्रवार तक के लिए टाल दी थी। दरअसल, तीसरी सीट के लिए कांग्रेस ने मीनाक्षी नटराजन को उम्मीदवार बनाया था। कांग्रेस के पास संख्या बल भी था, लेकिन 9 जून को नटराजन का नामांकन फॉर्म निरस्त कर दिया गया था।

12 सीटों पर 18 जून को वोटिंग

अंध्रप्रदेश की 4, झारखंड की 2 और मणिपुर, मेघालय, अरुणाचल, मिजोरम, महाराष्ट्र, और तमिलनाडु की एक सीट पर 18 जून को वोटिंग होगी। यहां कांग्रेस को एक, भाजपा को 8, जेएमएम को दो और टीवीके को एक सीट पर जीत मिल सकती है। 244 सदस्यों वाली राज्यसभा में एनडीए के पास अभी 149 सांसद हैं, जबकि विपक्ष के पास 78 और गैर-गठबंधन वाले क्षेत्रीय दलों के पास 17 सांसद हैं।

फौरन बंद हो अटैक... ओमान में 3 भारतीयों की मौत पर भारत सरकार का सख्त संदेश

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में भारतीय नाविकों को निशाना बनाकर किए जा रहे हमलों पर भारत ने कड़ा रुख अपनाया है। भारत ने भारतीय नाविकों की सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता जताई है। विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने कहा कि पिछले कुछ दिनों में क्षेत्र में भारतीय नाविकों से जुड़े कई गंभीर घटनाक्रम सामने आए हैं। भारत अपने नाविक समुदाय की सुरक्षा को प्राथमिकता देता है इसलिए स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है।

विदेश मंत्रालय ने ओमान के तट के पास एक जहाज पर हुए हमले की कड़ी निंदा की है। इस हमले में तीन भारतीय नागरिकों की मौत हो गई थी। जायसवाल ने कहा कि यह बेहद दुखद घटना है और भारत सरकार पीड़ित परिवारों के साथ खड़ी है। सरकार इस मामले में सभी आवश्यक कूटनीतिक कदम उठा रही है।

भारत ने इस घटना को लेकर नई दिल्ली में अमेरिकी दूतावास के प्रभारी को तलब किया और अपना कड़ा विरोध दर्ज कराया। विदेश मंत्रालय ने स्पष्ट किया कि क्षेत्र में लगातार हो रहे हमले न केवल अंतरराष्ट्रीय समुद्री सुरक्षा के लिए खतरा हैं, बल्कि इससे वैश्विक व्यापार और नाविकों की सुरक्षा पर भी गंभीर असर पड़ रहा है।

रणधीर जायसवाल ने कहा कि पश्चिम एशिया में जारी संघर्ष के कारण ही इस तरह की घटनाएं लगातार सामने आ रही हैं। उन्होंने कहा कि जहाजों पर हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और इनका सीधा संबंध क्षेत्र में बढ़ते तनाव से है। भारत का मानना है कि हिंसा और टकराव से किसी भी समस्या का समाधान नहीं निकल सकता।

हाई कोर्ट ने अभिषेक बनर्जी को सीआईडी ऑफिस में पेश होने का निर्देश दिया

कोलकाता, 11 जून (एजेंसियां)। कलकत्ता हाई कोर्ट की सिंगल-जज वाली वेकेशन बेंच ने गुरुवार को तृणमूल कांग्रेस (टीएमसी) के महासचिव और लोकसभा सदस्य अभिषेक बनर्जी को निर्देश दिया कि वे शाम 6 बजे तक सीआईडी के सामने पेश हों और जांच में शामिल हों। फर्जी हस्ताक्षर मामले में अभिषेक बनर्जी को दक्षिण कोलकाता के भवानी भवन में सीआईडी (क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट) के हेडक्वार्टर में रिपोर्ट करने और पूछताछ का सामना करने के लिए कहा गया है। अभिषेक बनर्जी की उस याचिका पर दोपहर में जस्टिस कौशिक चंदा की सिंगल-जज वेकेशन बेंच के सामने सुनवाई हुई, जिसमें उन्होंने पूछताछ के लिए सीआईडी के समन को चुनौती दी थी और गिरफ्तारी समेत पुलिस की सख्त कार्रवाई से सुरक्षा की मांग की थी।

तृणमूल कांग्रेस के दिग्गज नेता और सीनियर वकील कल्याण बनर्जी के बजाय, कोर्ट में तृणमूल कांग्रेस के जनरल सेक्रेटरी का पक्ष वकील अयन भट्टाचार्य ने रखा। कल्याण बनर्जी ने अभिषेक बनर्जी की ओर से पेश होने से इनकार कर दिया और कहा कि उन्होंने यह फैसला अभिषेक के लगातार उनके प्रति अहंकारी व्यवहार के कारण लिया।

4 दिन में टीएमसी के 4 राज्यसभा सांसदों का इस्तीफा

दावा-20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके; कल्याण बनर्जी बोले- ममता मुझे चुनें या अभिषेक को

कोलकाता/नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। टीएमसी के राज्यसभा सांसद प्रकाश चिक बड़ाईक और कोयल मल्लिक ने गुरुवार को इस्तीफा दे दिया। पिछले चार दिन में 13 में से चार राज्यसभा सांसद ममता को छोड़कर जा चुके हैं। 10 जून को सुष्मिता देव ने रिजाइन किया था। 8 जून को सुखेंदु शेखर ने राज्यसभा सदस्यता और पार्टी छोड़ी थी। इससे पहले टीएमसी की बागी सांसद काकोली घोष ने दावा किया था कि 20 लोकसभा सांसद अलग गुट बना चुके हैं। वहीं, 80 में से 58 टीएमसी विधायक अलग गुट बना चुके हैं। इस बीच, ममता बनर्जी के सबसे करीबी सांसद कल्याण बनर्जी की भी नाराजगी सामने आई। कल्याण की नाराजगी की वजह फर्जी साइन केस है। उन्होंने कहा कि ममता दीदी को तय करना होगा कि वे मेरे साथ हैं या अभिषेक बनर्जी के साथ। अभिषेक को सीनियर नेताओं का सम्मान करना नहीं आता। वे बहुत अहंकारी हैं। इसी वजह से पार्टी बर्बाद हुई है। उन्होंने कहा, अगर ममता दीदी को अभिषेक पर ही निर्भर रहना है, तो उनके साथ रहें और मुझे छोड़ दें। अगर उनसे अलग रास्ता चुनती हैं, तो मैं ममता दीदी के साथ हूं। उन्होंने बताया कि मुझे आधी रात को बताया गया कि केस से जुड़े वकील बदल दिए गए हैं। इनमें मैं भी था। यह अपमानजनक है।'

टीएमसी सांसद शत्रुघ्न सिन्हा- ममता बनर्जी एक स्ट्रीट फाइटर हैं। पार्टी में संकट के बावजूद उनके साथ अब भी 41% वोट शेयर है। हालांकि इससे पहले उन्होंने X पर लिखा था कि पीएम मोदी देश और समाज के मार्गदर्शक हैं। मैं आपके लंबे, स्वस्थ और समृद्ध जीवन की कामना करता हूं। सांसद सौगत रॉय ने कहा- कांग्रेस और टीएमसी का साथ काम करना जरूरी है। इतना मैं कह सकता हूं। विलय होगा या गठबंधन, यह आगे देखा जाएगा।

खगड़िया में सुबह-सुबह ठनका गिरने से 4 लोगों की मौत, पिता-पुत्र ने भी गंवाई जान

खगड़िया, 11 जून (एजेंसियां)। खगड़िया में गुरुवार की सुबह अलग-अलग जगहों पर ठनका (वज्रपात) गिरने से चार लोगों की मौत हो गई है। गोगरी प्रखंड के पौरा थाना अंतर्गत बलतारा पंचायत स्थित फुलबड़िया बहियार अवस्थित दुखहरण बाबा स्थान के पास ठनका गिरने से पिता-पुत्र समेत तीन लोगों की मौत हो गई। मृतकों में पिता-पुत्र आशुतोष यादव (26) और अंकेश कुमार (10) समेत विद्यानंद यादव (62) शामिल हैं। जबकि तीन लोग घायल हैं।

घायलों में दो को इलाज को लेकर चौथम सीएचसी भेजा गया है। चौथम सीएचसी प्रभारी डॉ। अनिल कुमार ने कहा कि दोनों घायल खतरे से बाहर है। घटना की पुष्टि गोगरी सीओ दीपक कुमार ने की है। वहीं बेलदौर प्रखंड के नारदपुर गांव में ठनका गिरने से युवक कुश कुमार की मौत हो गई। इसकी पुष्टि बेलदौर थानाध्यक्ष अजित कुमार ने की है।

यूपी चुनाव के लिए बीजेपी में कब होगी सीट शेयरिंग की बात?

संजय निषाद को अमित शाह ने बता दिया उचित समय

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश सरकार में मंत्री और निषाद पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष संजय निषाद ने भारतीय जनता पार्टी नीत राष्ट्रीय जनतांत्रिक गठबंधन में यूपी चुनाव 2027 के लिए सीट बंटवारे के संदर्भ में बड़ा दावा किया है। सीट शेयरिंग को लेकर गृह मंत्री अमित शाह के साथ हुई बैठक का जिक्र करते हुए उन्होंने बताया कि उन्होंने गृह मंत्री से जल्द चर्चा करने का आग्रह किया था, जिस पर जवाब मिला कि उचित समय पर इस विषय पर बातचीत की जाएगी।

इसके साथ ही निषाद ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के लिए कहा कि पीएम ने लगातार पिछड़ों के विकास के लिए काम किया है और मछुआरा समाज के लिए अलग विभाग बनाकर उनकी समस्याओं के समाधान की

दिशा में महत्वपूर्ण कदम उठाया। उन्होंने कहा कि हाथी, पंजा और साइकिल वालों को सत्ता मिली, लेकिन उन्होंने हमारे समाज के लिए कुछ नहीं किया, जबकि हमें आगे बढ़ाने का काम प्रधानमंत्री ने किया है। पीडीए को लेकर पूछे गए सवाल पर संजय निषाद ने कहा कि हम किसी का जवाब नहीं देते, बल्कि अपनी लकीर खींचते हैं। उन्होंने कहा कि हमारे पास वैश्विक नेता हैं। मेडिकल कॉलेजों में धर्मांतरण रोधी सेल बनाने के प्रस्ताव पर मंत्री ने कहा कि यह अच्छा कदम है। उन्होंने कहा कि धर्मांतरण रोकने के लिए कानून बनाया जाना चाहिए और वह इसके समर्थन में हैं।

वहीं यूपी बीजेपी चीफ और केंद्रीय मंत्री पंकज चौधरी के संगठन संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए उन्होंने कहा कि संगठन से शक्ति मिलती है, इसलिए संगठन का महत्व बहुत अधिक है। राम मंदिर में चढ़ावा चोरी के कथित मामले पर संजय निषाद ने कहा कि इस पूरे मामले की निष्पक्ष जांच होनी चाहिए।

शिवचंद्र राम से मिलने अस्पताल पहुंचे आरजेडी विधायक भाई वीरेंद्र, हॉर्लिक्स ले गए

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। बिहार में एमएलसी चुनाव के बीच आरजेडी नेता और पूर्व मंत्री शिवचंद्र राम की नाराजगी सामने आई थी। उन्होंने प्रेस कॉन्फ्रेंस कर पार्टी छोड़ने की घोषणा की थी। एमएलसी चुनाव में मौका नहीं मिलने से नाराज शिवचंद्र राम की तबीयत बिगड़ गई है। ऐसे में वे अस्पताल में हैं और पार्टी के नेता उनसे मिलने भी पहुंच रहे हैं। आरजेडी के विधायक भाई वीरेंद्र भी शिवचंद्र राम से मिलने के लिए अस्पताल पहुंचे थे। सबसे बड़ी बात है कि वे उनके लिए हॉर्लिक्स लेकर पहुंचे थे।

हॉर्लिक्स देते हुए तस्वीर को आज (गुरुवार) खुद भाई वीरेंद्र ने अपने एक्स हैंडल से शेयर किया है। एक नहीं बल्कि दो-दो डिब्बा हॉर्लिक्स देते हुए भाई वीरेंद्र नजर आ रहे हैं। भाई वीरेंद्र अपने एक्स पोस्ट में लिखते हैं, हमारे मनेर में यह प्रथा है कि जब कोई बीमार हो जाए तो हॉस्पिटल में हॉर्लिक्स लेकर जाते हैं। बचपन में सुनता था कि इसको दूध में मिलाकर पीने से ताकत आती है। शिवचंद्र राम जी के शीघ्र स्वास्थ्य लाभ की कामना है। आजकल लोग सेब अनार भी लेकर जाते हैं, लेकिन असल यही हॉर्लिक्स है। बता दें कि शिवचंद्र राम आरजेडी के पुराने नेता हैं। 1990 से वे पार्टी से जुड़े हैं।

अब जब सुनील सिंह को एमएलसी के लिए आरजेडी ने दोबारा मौका दिया है तो शिवचंद्र राम का मानना है कि उनके साथ नाइंसाफी हुई है क्योंकि वे पार्टी के हर फरमान को मानते आए हैं। जैसे ही उन्होंने इस्तीफे का ऐलान किया था तो तेज प्रताप की प्रतिक्रिया भी आई थी। तेज प्रताप ने कहा था कि वे शिवचंद्र राम के साथ हैं। इसी तरह केंद्रीय मंत्री जीतन राम मांझी ने भी शिवचंद्र राम का साथ दिया था और कहा था कि उनकी पार्टी 'एचएएम' शिवचंद्र राम के साथ है।

इमरान मसूद के बयान पर बीजेपी का पलटवार

केंद्रीय मंत्री बोले- अगर सही चश्मे से देखेंगे तो साफ दिखाई देगा

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। केंद्रीय मंत्री बी एल वर्मा ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के ग्रोथ रेट संबंधी बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा कि पिछले 12 वर्षों में देश ने विकास के कई नए आयाम स्थापित किए हैं। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस ने हमेशा मुस्लिम तुष्टिकरण की राजनीति की और अपने शासनकाल की विफलताओं का ठीकरा हिंदुओं पर फोड़ने का काम किया।

वर्मा ने कहा कि कांग्रेस का इतिहास तुष्टिकरण और भ्रष्टाचार की राजनीति से जुड़ा रहा है। उन्होंने कांग्रेस नेता और उत्तर प्रदेश स्थित सहारनपुर से सांसद इमरान मसूद के बयान पर कहा कि यदि वे सही नजरिए से देखेंगे तो उन्हें देश का विकास साफ दिखाई देगा। केंद्रीय मंत्री ने कहा कि उनकी सरकार हिंदू-मुस्लिम की राजनीति नहीं बल्कि 'सबका साथ, सबका विकास' के सिद्धांत पर काम करती है। उन्होंने कहा कि आवास योजना हो या उज्ज्वला योजना, सरकार ने बिना किसी भेदभाव के सभी वर्गों को लाभ पहुंचाया है। वर्मा ने कहा कि जब इमरान मसूद सही चश्मे से विकास को देखेंगे तो वे भी सरकार के कामों के मुरीद हो जाएंगे।

समस्तीपुर में रिश्वत लेते रंगे हाथ पकड़े गए मुखिया जी, रेड के दौरान पंचायत सचिव फरार

समस्तीपुर, 11 जून (एजेंसियां)। बिहार के समस्तीपुर जिले में निगरानी विभाग की टीम ने बड़ी कार्रवाई करते हुए दलसिंहसराय थाना क्षेत्र अंतर्गत चकबहुद्दीन पंचायत के मुखिया सिया राम राय को 1 लाख 25 हजार रुपये रिश्वत लेते रंगे हाथ गिरफ्तार कर लिया। जानकारी के अनुसार, एक शिक्षक से निलंबन मुक्त कराने के नाम पर कुल 5 लाख रुपये रिश्वत की मांग की जा रही थी। शिकायत मिलने के बाद निगरानी विभाग की टीम ने मामले की जांच शुरू की और आरोपों को सत्य पाए जाने पर जाल बिछाया। इसी क्रम में शिक्षक से 1 लाख 25 हजार रुपये रिश्वत लेते हुए मुखिया सिया राम राय को गिरफ्तार कर लिया गया। कार्रवाई के दौरान मौके पर मौजूद पंचायत सचिव फरार हो गया, जिसकी तलाश की जा रही है। निगरानी विभाग की टीम ने रिश्वत की रकम भी बरामद कर ली है। घटना के संबंध में आवेदक शिक्षक अब्दुल मन्नान का बताना है कि वह प्राइमरी स्कूल चकबहाउद्दीन मोहन वार्ड 7 दलसिंहसराय में पदस्थापित थे। 2024 में उन पर एक एससी-एसटी और पॉस्को एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया था और उसे निलंबित किया गया था हालांकि 2025 में कोर्ट ने उसे बरी कर दिया। इसके बाद कोर्ट ने आदेश दिया था की मुखिया निलंबन वापस करें लेकिन मुखिया के द्वारा निलंबन वापस करने के लिए पांच लाख की मांग की

हाजीपुर में नगर परिषद के अकाउंटेंट के ठिकानों पर ईओयू का छापा, कई कागजात खंगाल रही टीम

हाजीपुर, 11 जून (एजेंसियां)। आर्थिक अपराध इकाई (ईओयू) ने हाजीपुर नगर परिषद कार्यालय के लेखापाल मनीष कुमार के खिलाफ कार्रवाई की। आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के मामले में गुरुवार को उनके दो ठिकानों पर एक साथ छापेमारी की। मनीष कुमार के खिलाफ आय से अधिक संपत्ति अर्जित करने के प्रथम दृष्टया सबूत मिले हैं। जांच में उनके पास टोटल 2 करोड़ 2 लाख 31 हजार 500 रुपये की ऐसी संपत्ति पाए जाने का दावा किया गया है, जो उनकी ज्ञात आय के स्रोतों की तुलना में 208.57 प्रतिशत अधिक है। जांच में पर्याप्त सबूत मिलने के बाद आर्थिक अपराध इकाई ने 10 जून को मामला दर्ज किया और विशेष न्यायालय से तलाशी वारंट प्राप्त किया।

इसके बाद गुरुवार सुबह मनीष कुमार के हाजीपुर स्थित बागमती आवासीय परिसर में स्थित आवास और हाजीपुर नगर परिषद कार्यालय में उनके कार्यालय समेत दो जगहों पर एक साथ तलाशी अभियान शुरू किया गया। ईओयू की टीम पुलिस उपाधीक्षक स्तर के अधिकारियों के नेतृत्व में तलाशी की कार्रवाई कर रही है। छापेमारी के दौरान दस्तावेजों, चल-अचल संपत्तियों और अन्य वित्तीय लेन-देन से जुड़े साक्ष्यों की जांच की जा रही है। आर्थिक अपराध इकाई ने कहा है कि तलाशी अभियान पूरा होने के बाद बरामदगी और अन्य तथ्यों का विस्तृत खुलासा होगा।

बिहार में 8054 राजस्व कर्मचारियों की होगी बहाली, मंत्री दिलीप जायसवाल ने किया ऐलान

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। बिहार में आज से 17 जून तक राजस्व महाअभियान चलाया जाएगा। इस बीच मंत्री दिलीप जायसवाल ने 8054 राजस्व कर्मचारियों की बहाली का ऐलान कर दिया है। राजस्व एवं भूमि सुधार विभाग के मंत्री दिलीप जायसवाल ने प्रभात खबर से बातचीत की। इस दौरान उन्होंने राज्य में राजस्व कर्मचारियों के कमी होने की बात कही। मंत्री दिलीप जायसवाल ने बातचीत के दौरान यह भी बताया कि राज्य में राजस्व कर्मचारियों की कमी की वजह से कई सारे काम पेंडिंग हैं।

ऐसी स्थिति को देखते हुए राजस्व कर्मचारियों की बहाली का ऐलान किया गया है। सामान्य प्रशासन विभाग से रोस्टर क्लियरेंस कराकर 15 जून के बाद वैकेंसी निकाली जाएगी। साथ ही उन्होंने यह भी जानकारी दी कि डाटा एंट्री ऑपरेटर कम क्लर्क की वैकेंसी भी 10 से 15 दिनों में भेजी जाएगी। पंचायत भवन में इनकी कमी होने की वजह से काम नहीं हो पा रहे हैं। अगर डाटा एंट्री ऑपरेटर की बहाली होगी, तो पंचायत भवन में काम हो सकेंगे। मंत्री दिलीप जायसवाल ने बाचतीच में यह भी बताया कि जमीन से जुड़े जमाबंदी में सुधार, वंशावली में नामांतरण सहित कई शिकायतें आ रही हैं, जिसका समाधान किया जा रहा है। सरकारी जमीन को लेकर लैंड बैंक भी बनाए जायेंगे। ऐसा होने के बाद भूमिहीन को जमीन दिए जायेंगे।

एक्सयूवी ने आधा दर्जन लोगों को मारी टक्कर, हादसे में 4 की मौत; दो गंभीर

गोंडा, 11 जून (एजेंसियां)। गोंडा में थाना कर्नलगंज कोतवाली क्षेत्र के गोंडा-लखनऊ राजमार्ग पर नारायणपुर मोड़ के पास हिट एंड रन का मामला सामने आया है। अनियंत्रित लग्जरी गाड़ी एक्सयूवी ने एक दर्जन से अधिक लोगों को रौंद दिया, जिसमें चार लोगों की मौके पर मौत हो गई और दो लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। जबकि इस हादसे में कई अन्य लोग मामूली रूप से घायल हैं। गंभीर रूप से दो घायलों को बेहतर इलाज के लिए गोंडा मेडिकल कॉलेज रेफर किया गया है। घटना की गंभीरता को देखते हुए डीएम प्रियंका निरंजन मेडिकल कॉलेज पहुंचकर घायलों का हाल-चाल जाना है

खान सर कोचिंग विवाद: रौशन आनंद की बेल पर सुनवाई टली

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। खान ग्लोबल स्टडीज मारपीट मामले में नामजद आरोपी ज्ञान बिंदु कोचिंग के शिक्षक रौशन आनंद की मुश्किलें कम होने का नाम नहीं ले रही हैं। प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश की अदालत में दाखिल की गई उनकी नियमित जमानत याचिका को सुनवाई के लिए एडीजे-33 की अदालत में स्थानांतरित किया गया था। गुरुवार को इस पर सुनवाई होनी प्रस्तावित थी, लेकिन केस से जुड़े जरूरी रिकॉर्ड और बेल दस्तावेज समय पर अदालत में पेश नहीं हो सके। इस तकनीकी वजह से अदालत ने सुनवाई को अगली तिथि तक के लिए स्थगित कर दिया, जिसके कारण रौशन आनंद को फिलहाल बेऊर जेल में ही रहना होगा।

गुरुवार को पटना की एडीजे-33 अदालत में रौशन आनंद की जमानत याचिका पर कानूनी बहस शुरू होनी थी।

हालांकि, ऐन वक्त पर मामले से संबंधित महत्वपूर्ण कानूनी दस्तावेज और केस रिकॉर्ड अदालत के पटल पर नहीं पहुंच पाए। इसके चलते न्यायाधीश ने मामले को आगे बढ़ाते हुए सुनवाई स्थगित कर दी। अब अगली निर्धारित तिथि पर ही जमानत याचिका पर विस्तृत बहस हो सकेगी। बिहार में कोचिंग संचालकों के बीच उपजा यह विवाद अब पूरी तरह से आपराधिक मामले में बदल चुका है। पटना पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए 3 जून को ज्ञान बिंदु कोचिंग के निदेशक रौशन आनंद को गिरफ्तार किया था।

गिरफ्तारी के बाद उन्हें अदालत में पेश कर न्यायिक हिरासत के तहत बेऊर जेल भेज दिया गया था, जहां वे तब से बंद हैं। इस पूरे विवाद के तार एक अन्य गंभीर मामले से भी जुड़े हुए हैं, जिसकी समानांतर सुनवाई अदालत में चल रही है। खान ग्लोबल स्टडीज के संचालक खान सर उर्फ फैजल खान के सुरक्षाकर्मी प्रदीप कुमार और तालेबर सिंह पर हत्या के प्रयास और हथियार के अवैध इस्तेमाल के आरोप हैं।

नीतीश कुमार के बेटे की शिक्षा पर तेजस्वी यादव की पहली प्रतिक्रिया

निशांत जी को इंजीनियर बनाने का काम करें

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। जेडीयू के राष्ट्रीय अध्यक्ष नीतीश कुमार के बेटे निशांत कुमार की शिक्षा (बी.टेक पर) को लेकर विपक्ष के नेता खूब सवाल उठा रहे हैं। आरजेडी के एक्स हैंडल से हाल ही में कई पोस्ट भी किए गए थे। इस बीच अब नेता प्रतिपक्ष तेजस्वी यादव की प्रतिक्रिया सामने आई है। गुरुवार (11 जून, 2026) को मीडिया से बातचीत में आरजेडी नेता ने इस पर बयान दिया। साथ ही शिक्षा मंत्री को वे तंज कसते हुए सलाह देते नजर आए। निशांत कुमार को लेकर तेजस्वी यादव ने कहा, बिहार के शिक्षा मंत्री पर पूरा विश्वास है कि निशांत जी को इंजीनियर बनाने का काम करें। एक प्रोफेसर बन गए। एक इंजीनियर बन जाएंगे। प्रोफेसर शब्द तेजस्वी यादव ने जेडीयू के मंत्री अशोक चौधरी के लिए इस्तेमाल किया है। कुछ दिनों पहले ही अशोक चौधरी ने पटना के एएन कॉलेज में योगदान दिया था। ऐसे में जब निशांत की शिक्षा पर बात हुई तो तेजस्वी यादव ने अशोक चौधरी को भी निशाने पर ले लिया। बता दें कि निशांत कुमार ने हाल ही में अपने चुनावी हलफनामे में बताया है कि वे 12वीं पास हैं। बीच में ही उन्होंने इंजीनियरिंग की पढ़ाई छोड़ दी है।

आरजेडी प्रमुख लालू प्रसाद यादव का आज (11 जून, 2026) जन्मदिन है। राबड़ी आवास में धूमधाम से जन्मदिन मनाया गया। भंडारे का भी आयोजन हुआ। इस मौके पर तेजस्वी यादव ने कहा, सामाजिक न्याय और जो भाईचारा के प्रतीक हैं... गरीबों के मसीहा हैं, उनका (लालू यादव) आज जन्मदिन है। उनका संघर्ष का जीवन रहा है... हर एक व्यक्ति, बच्चा-बच्चा, नौजवान, बुजुर्ग, सब लोग उनके जीवन से प्रेरित हैं। तेजस्वी यादव ने कहा, सब लोग लालू यादव को दिल से चाहते हैं। देश भर से उनको बधाई मिल रही है। बधाई देने वालों को धन्यवाद देते हैं। हम सब लोग उम्मीद करते हैं, प्रार्थना करते हैं कि उनका स्वास्थ्य ठीक रहे ताकि उनका मार्गदर्शन मिलता रहे...

सयानी घोष सहित टीएमसी के 19 बागी सांसदों पर

जेडीयू का बड़ा बयान, कर दी ये भविष्यवाणी

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। सयानी घोष सहित टीएमसी के 19 बागी संसदों पर नीतीश कुमार की पार्टी जेडीयू की प्रतिक्रिया आई है। जेडीयू के नेता और प्रवक्ता राजीव रंजन ने गुरुवार (11 जून, 2026) को इस पर अपना बयान दिया। साथ ही टीएमसी को लेकर भविष्यवाणी भी कर दी। पूछा गया कि सयानी घोष, युसुफ पठान सहित 19 टीएमसी सांसदों ने कहा है कि मुझे एनडीए में जाना है। इस पर जेडीयू नेता राजीव रंजन प्रसाद ने कहा, देखिए ये साफ है कि अब टीएमसी का भविष्य नहीं है... और इसीलिए विधानसभा के चुने हुए विधायकों ने पहले ही ममता बनर्जी का साथ छोड़ दिया है। उन्होंने आगे कहा, बड़ी संख्या में विधायकों ने एक अलग समूह बनाया... उस समूह को विधानसभा अध्यक्ष ने मंजूरी दी। अब संसदीय दल के विभाजन को लेकर जिस बड़ी संख्या में सांसदों ने बगावत का बिगलु बजाया है। स्पष्ट है कि टीएमसी का कोई राजनीतिक भविष्य नहीं है। कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खरगे ने प्रधानमंत्री के पद के कार्यकाल को लेकर बीजेपी पर इतिहास को तोड़-मरोड़कर पेश करने का आरोप लगाया है।

उन्होंने कहा है कि सबसे लंबे समय तक प्रधानमंत्री रहने का रिकॉर्ड जवाहर लाल नेहरू का है, दूसरे स्थान पर इंदिरा गांधी का है, इस पर जेडीयू नेता ने कहा, प्रधानमंत्री मोदी ने जितने दिन देश की सेवा बतौर प्रधानमंत्री की है, वे आंकड़े सभी के सामने हैं। प्रधानमंत्री मोदी का कार्यकाल भारत के 77-78 वर्षों के इतिहास का सर्वाधिक महत्वपूर्ण कार्यकाल है। जनता ने बार-बार प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में एनडीए की सरकार बनाई क्योंकि जनता ने उन्हें स्वीकार किया है।

विवाद से बदनामी हुई, न्यायिक जांच हो

राम मंदिर चंदा मामले पर बोले जन्मभूमि तीर्थ क्षेत्र ट्रस्ट के उत्तराधिकारी कमल नयन दास

अयोध्या, 11 जून (एजेंसियां)। राम मंदिर में दान के पैसे को लेकर चल रहे आरोपों को लेकर राम मंदिर ट्रस्ट के अध्यक्ष महंत नित्य गोपाल दास के उत्तराधिकारी महंत कमल नयन दास का बयान सामने आया है। उन्होंने कहा, हमें आरोप के संबंध में कुछ पता नहीं है। मेरे लिए सब कुछ राष्ट्र है। चाहे राम मंदिर का आंदोलन हो या कोई और आंदोलन हो...मैं ज्यादा कुछ नहीं कहूंगा। जो कुछ भी हो, उसकी जांच अच्छे ढंग से होना चाहिए और दोषी पाये जाने पर उन्हें दंड मिलना चाहिए। जानकारी करना चाहिए। ऐसे लोगों को दंडित करना चाहिए। कमल नयन दास ने कहा, 'जिसकी साइकिल पर चलने की औकात नहीं थी, आज उनकी बड़ी-बड़ी बिल्डिंग है। मैं किसी का नाम नहीं लूंगा, जिसका भी नाम आए सबको दंडित करना चाहिए। हमें विश्वास है मुख्यमंत्री ईमानदार हैं। इस पर जरूर कार्रवाई करेंगे।' कमल नयन दास ने आगे कहा कि सारा समाज जानता है, किसी के होटल लखनऊ में बन रहे हैं, किसी का कही बन रहा है, कहां से पैसा आ रहा है?

जानकारी करना चाहिए। बैठक में कभी इस तरह की बातें सामने नहीं आईं। इतना है कि इसकी जांच होनी चाहिए। मुख्यमंत्री जी क्षमा नहीं करेंगे। भक्तों ने कुंतल चांदी दिया है। बिना नाम के चेक हमारे पास आया है, सब दिया है पता लगाइये। हमने कभी हिसाब नहीं लिया है। हम यह चाहते हैं कि इस पर जांच होना चाहिए। बहुत बड़ी बदनामी हो रही है। न्यायिक जांच होना चाहिए। हमें विश्वास है मुख्यमंत्री जी हमारे जरूर करेंगे। 19 से महाराज जी का जन्मोत्सव है। हम संतों से भी बात करेंगे। सीएम से भी बात करेंगे। दरअसल, यह मामला सपा के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव ने हाल ही में उठाया था। इसके बाद इसको लेकर सियासी तूफान खड़ा हो गया।

कैमूर में 16 जून को सीएम सम्राट चौधरी का दौरा, मुंडेश्वरी धाम में पूजा के बाद सभा को करेंगे संबोधित

पटना, 11 जून (एजेंसियां)। मुख्यमंत्री बनने के बाद पहली बार सम्राट चौधरी कैमूर पहुंचेंगे। जानकारी के अनुसार, 16 जून को भभुआ जिले के मुंडेश्वरी धाम में उनका आगमन होगा। उनके संभावित आगमन को लेकर जिला प्रशासन ने युद्धस्तर पर तैयारियां शुरू कर दी हैं। इसे लेकर बुधवार को जिलाधिकारी नितिन कुमार सिंह और पुलिस अधीक्षक हरिमोहन शुक्ला समेत सभी विभागों के जिला स्तरीय अधिकारी मुंडेश्वरी में एकत्रित हुए और कार्यक्रम की रूपरेखा तैयार की। जानकारी के अनुसार, मुख्यमंत्री का 16 जून को कैमूर और रोहतास दोनों जिलों का दौरा प्रस्तावित है। निर्धारित कार्यक्रम के तहत वे पहले कैमूर पहुंचेंगे और उसके बाद रोहतास जिले के लिए प्रस्थान करेंगे। संभावित कार्यक्रम के मुताबिक मुख्यमंत्री मुंडेश्वरी धाम पहुंचने के बाद सबसे पहले मां मुंडेश्वरी मंदिर में पूजा-अर्चना करेंगे।

धर्मांतरण रोकने के लिए सभी मेडिकल कॉलेजों में बनेगी विशेष सेल, राज्यपाल ने दिए आदेश

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश में मेडिकल कॉलेजों में धर्मांतरण का खेल सामने आने के बाद सरकार ने बड़ा कदम उठाया है, जिसके तहत प्रदेश के सभी चिकित्सा संस्थानों में धर्मांतरण रोकने के लिए विशेष सेल गठित करने के निर्देश दिए गए हैं। यूपी की राज्यपाल एवं कुलाधिपति आनंदीबेन पटेल के सभी मेडिकल कॉलेजों में धर्मांतरण की रोकथाम को लेकर ये फैसला लिया है।

लखनऊ में किंग जॉर्ज चिकित्सा विश्वविद्यालय (केजीएमयू) और संजय गांधी स्नातकोत्तर आयुर्विज्ञान संस्थान (एसजीपीजीआईएमएस) में हाल में आए कथित धर्मांतरण के मामलों को गंभीरता से लेते हुए राज्यपाल आनंदी बेन पटेल ने ये महत्वपूर्ण कदम उठाया है। राज्यपाल के विशेष कार्याधिकारी डॉ। सुधीर एम। बोबड़े के पत्र के आधार पर अटल बिहारी वाजपेयी चिकित्सा विश्वविद्यालय के कुलपति डॉ। अमित देवगन ने सभी संबद्ध मेडिकल और डेंटल कॉलेजों को तुरंत 'धर्मांतरण रोकथाम सेल' गठित करने के निर्देश जारी कर दिए गए हैं।

विश्वविद्यालय प्रशासन ने सभी कॉलेजों से सेल गठन की जानकारी शीघ्र उपलब्ध कराने को कहा है। इस आदेश के बाद अब सभी मेडिकल और डेंटल कॉलेजों में धर्मांतरण को रोकने के लिए विशेष सेल गठित किया जाएगा। जो छात्रों, रेजिडेंट डॉक्टरों और कर्मचारियों के बीच जागरूकता अभियान चलाएगा और किसी भी संदिग्ध गतिविधि पर सतर्क नजर रखेगा। इस सेल का उद्देश्य शैक्षणिक परिसर में सुरक्षित और स्वस्थ वातावरण सुनिश्चित करना, प्राप्त शिकायतों पर तत्काल नियमानुसार कार्रवाई करना, नियमों, अधिकारों और जिम्मेदारियों की जानकारी देना होगा।

राज्यपाल के निर्देश के बाद प्रदेश भर के चिकित्सा संस्थानों में निगरानी व्यवस्था को और सख्त करने की तैयारी तेज हो गई हैं। बता दें कि बीते दिनों लखनऊ के केजीएमयू में भी युवती को लव जिहाद में फंसाने और धर्मांतरण का मामला सामने आया था। इस मामले में पैथोलॉजी विभाग के रेजिडेंट डॉक्टर रमीज को गिरफ्तार किया था। आरोपी ने पहले शादी का झांसा देकर हिन्दू युवती को फंसाया और फिर धर्मांतरण का दबाव बनाया।

'विभाग से जुड़ी जानकारी मुझे टीवी चैनल से मिलती है' ऊर्जा मंत्री ने यूपीपीसीएल चेयरमैन को लिखा पत्र

लखनऊ, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजली विभाग में ऊर्जा मंत्री और यूपी पावर कॉरपोरेशन लिमिटेड (यूपीपीसीएल) के शीर्ष अधिकारियों के बीच मतभेद खुलकर सामने आ गए हैं। ऊर्जा मंत्री एके शर्मा ने यूपीपीसीएल चेयरमैन आशीष गोयल को पत्र लिखकर कई महत्वपूर्ण मुद्दों पर नाराजगी जताई है और जवाब मांगा है। ऊर्जा मंत्री ने आरोप लगाया है कि जून 2026 के बिजली बिलों में 10 प्रतिशत एफपीपीएएस (फ्यूल एंड पावर परचेज एडजस्टमेंट सरचार्ज) लागू करने का निर्णय उनकी जानकारी और अनुमति के बिना लिया गया। उन्होंने कहा कि ऐसे फैसलों से सरकार की छवि प्रभावित हुई है और आम उपभोक्ताओं में गलत संदेश गया है। पत्र में मंत्री ने यह भी कहा कि विभाग से जुड़े कई महत्वपूर्ण निर्णयों और गतिविधियों की जानकारी उन्हें सीधे अधिकारियों से नहीं, बल्कि मीडिया और टीवी चैनलों के माध्यम से मिलती है।

उन्होंने इसे गंभीर प्रशासनिक स्थिति बताते हुए कार्यप्रणाली पर सवाल खड़े किए हैं। ऊर्जा मंत्री ने यूपीपीसीएल मुख्यालय में चेयरमैन की

उपस्थिति, विभागीय समन्वय और अनुभवी अधिकारियों को हटाने जैसे मामलों पर भी असंतोष व्यक्त किया है। उन्होंने कहा कि महत्वपूर्ण निर्णयों में विभागीय नेतृत्व और सरकार को विश्वास में लिया जाना चाहिए। पत्र में संविदा कर्मचारियों की छंटनी का मुद्दा भी उठाया गया है। मंत्री ने कहा कि विभिन्न स्थानों से शिकायतें मिली हैं कि कुछ संविदा कर्मियों को जाति और धर्म के आधार पर हटाया गया है। उन्होंने इस संबंध में विस्तृत रिपोर्ट तलब करते हुए पूछा है कि ऐसी कार्रवाई किन परिस्थितियों में की गई और इसके पीछे क्या आधार था। ऊर्जा मंत्री और यूपीपीसीएल चेयरमैन के बीच सामने आया यह विवाद अब विभागीय और राजनीतिक गलियारों में चर्चा का विषय बन गया है।

THE LARGEST CIRCULATED AND READ HINDI DAILY IN TELANGANA & ANDHRA PRADESH

स्वतंत्र वार्ता

मेरा हैदराबाद

शुक्रवार, 12 जून, 2026 5

सुविचार

गिर ने से मत डरो,
गिर कर उठने वाला ही
जिंदगी की मुश्किलों
को संभाल सकता है।

मुख्यमंत्री ने नीति आयोग की बैठक में शिक्षा और स्वास्थ्य को विकास की नींव बताया

तेलंगाना मॉडल और भविष्य की योजनाओं का किया प्रस्तुतिकरण

नई दिल्ली, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को कहा कि शिक्षा और स्वास्थ्य किसी भी देश के राष्ट्रीय विकास की मजबूत नींव हैं। उन्होंने नीति आयोग की 11वीं शासी परिषद की बैठक में राज्य के विकास मॉडल और भविष्य की योजनाओं को विस्तार से प्रस्तुत किया। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की अध्यक्षता में राष्ट्रपति भवन में आयोजित इस बैठक में मुख्यमंत्री ने 'विकसित भारत 2047' लक्ष्य को हासिल करने के लिए शिक्षा, कौशल विकास और आधुनिक बुनियादी ढांचे पर विशेष ध्यान देने की आवश्यकता पर बल दिया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि वर्ष 2024 में किए गए सामाजिक, आर्थिक, शैक्षिक, रोजगार, राजनीतिक और जाति संबंधी सर्वेक्षण से यह स्पष्ट हुआ है कि सामाजिक पिछड़ेपन का मुख्य कारण धन या भूमि की कमी नहीं, बल्कि शिक्षा की कमी है। इस सर्वेक्षण में 242 जातियों के लगभग 3.55 करोड़ लोगों को शामिल किया गया था। उन्होंने कहा कि इसी कारण उन्होंने शिक्षा विभाग की जिम्मेदारी स्वयं अपने पास रखी है, ताकि इस क्षेत्र में सुधार को प्राथमिकता दी जा सके। मुख्यमंत्री ने बताया कि सरकारी स्कूलों में अब अंग्रेजी माध्यम की शिक्षा, डिजिटल कक्षाएं, निःशुल्क भोजन व्यवस्था, स्कूल बसें और खेल सुविधाएं उपलब्ध कराई जा रही हैं।

उन्होंने घोषणा की कि प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में 'यंग इंडिया एकीकृत आवासीय विद्यालय' स्थापित किए जा रहे हैं, जहां विभिन्न वर्गों के बच्चे एक साथ पढ़ सकेंगे, जिससे सामाजिक समानता को बढ़ावा मिलेगा। कौशल विकास के क्षेत्र में उन्होंने 'यंग इंडिया कौशल विश्वविद्यालय' की स्थापना का उल्लेख किया, जिसे उद्योग जगत के सहयोग से शुरू किया गया है। इसके अलावा टाटा समूह के सहयोग से आईटीआई संस्थानों को आधुनिक प्रशिक्षण केंद्रों में बदला जा रहा है। मुख्यमंत्री ने राष्ट्रीय राजधानी क्षेत्र के बड़े शहरों के विकास के लिए एक विशेष कार्यबल और छह लाख करोड़ रुपये के विशेष कोष की भी मांग रखी। उन्होंने हैदराबाद मेट्रो विस्तार, क्षेत्रीय रिंग रोड, मूसी नदी पुनर्जीवन, फ्यूचर सिटी परियोजना और सिंचाई योजनाओं के लिए केंद्र से सहयोग का आग्रह किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार का लक्ष्य है कि वर्ष 2034 तक तेलंगाना को एक ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था और 2047 तक तीन ट्रिलियन डॉलर की अर्थव्यवस्था बनाया जाए।

नई दिल्ली में तेलंगाना के मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात की।

तेलंगाना इंटर सप्लीमेंटरी परीक्षा परिणाम घोषित

एक बार फिर लड़कियों ने मारी बाजी

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना इंटरमीडिएट पब्लिक एडवांस्ड सप्लीमेंटरी परीक्षा 2026 के परिणाम गुरुवार को घोषित कर दिए गए, जिसमें कुल 49.29 प्रतिशत छात्र सफल रहे। तेलंगाना बोर्ड ऑफ इंटरमीडिएट एजुकेशन के अनुसार, द्वितीय वर्ष की परीक्षा में सामान्य और व्यावसायिक धाराओं के कुल 1,31,128 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 64,639 छात्र (49.29 प्रतिशत) उत्तीर्ण हुए। परिणामों के विश्लेषण में सामने आया कि 47,395 छात्राओं ने परीक्षा दी, जिनमें से 52.56 प्रतिशत सफल रहीं। वहीं 83,733 छात्र शामिल हुए, जिनका पास प्रतिशत 47.45 रहा। प्रथम वर्ष इंटरमीडिएट परीक्षा में कुल 2,67,331 छात्र शामिल हुए, जिनमें से 68.84 प्रतिशत ने सफलता प्राप्त की। इस स्तर पर भी छात्राओं ने बेहतर प्रदर्शन किया, 1,23,974 छात्राओं का पास प्रतिशत 76.10 रहा, जबकि 1,43,357 छात्रों का पास प्रतिशत 62.57 दर्ज किया गया। बोर्ड ने बताया कि परिणाम आधिकारिक वेबसाइटों पर उपलब्ध हैं। पुनर्मूल्यांकन और पुनः सत्यापन के लिए छात्र 12 जून से 18 जून तक आवेदन कर सकते हैं। इसके लिए क्रमशः 100 रुपये (री-काउंटिंग) और 800 रुपये (री-वेरिफिकेशन प्रति पेपर) शुल्क निर्धारित किया गया है। बोर्ड ने छात्रों को सलाह दी है कि वे अपनी मार्क्स मेमो की रंगीन प्रति 11 जून शाम 5 बजे के बाद वेबसाइट से डाउनलोड कर लें।

दिल्ली दौरे पर सीएम रेवंत रेड्डी, कई अहम परियोजनाओं पर पीएम मोदी से की चर्चा

नई दिल्ली, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना के मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी ने गुरुवार को नई दिल्ली में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात कर राज्य से जुड़े लंबित मुद्दों और महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं पर चर्चा की। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री को एक ज्ञापन सौंपते हुए केंद्र सरकार से विभिन्न परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देने का अनुरोध किया। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी ने प्रधानमंत्री से तेलंगाना और महाराष्ट्र सरकारों के बीच गोदावरी नदी के जल उपयोग को लेकर संवाद स्थापित कराने में सहयोग देने की अपील की। उन्होंने कहा कि राज्य की भविष्य की सिंचाई और पेयजल आवश्यकताओं को पूरा करने के लिए गोदावरी जल का प्रभावी उपयोग अत्यंत महत्वपूर्ण है। बैठक के दौरान मुख्यमंत्री ने हैदराबाद मेट्रो रेल फेज-2 परियोजना को मंजूरी देने का आग्रह किया। उन्होंने बताया कि 122.9 किलोमीटर लंबी, सात कॉरिडोर वाली इस परियोजना की अनुमानित लागत 38,595 करोड़ रुपये है और इसका प्रस्ताव पहले ही केंद्र सरकार को भेजा जा चुका है। उन्होंने इसे केंद्र और राज्य सरकार की संयुक्त परियोजना के रूप में स्वीकृत करने का अनुरोध किया। रेवंत रेड्डी ने हैदराबाद रीजनल रिंग रोड परियोजना को भी तत्काल मंजूरी देने की मांग की। उन्होंने प्रधानमंत्री को बताया कि राज्य सरकार उत्तरी खंड के लिए भूमि अधिग्रहण लागत का 50 प्रतिशत वहन करने पर सहमत हो चुकी है और इस मद में 626 करोड़ रुपये राष्ट्रीय राजमार्ग प्राधिकरण को जारी किए जा चुके हैं। उन्होंने कहा कि उत्तरी हिस्से के लिए 90 प्रतिशत से अधिक भूमि अधिग्रहण पूरा हो चुका है। मुख्यमंत्री ने रिंग रोड के दक्षिणी खंड, जो चौटुप्पल से संगारेड्डी तक प्रस्तावित है, को भी समान रूप से महत्वपूर्ण बताते हुए इसके शीघ्र निर्माण की आवश्यकता पर बल दिया। उन्होंने प्रधानमंत्री से उत्तरी और दक्षिणी दोनों कॉरिडोर को मंजूरी देकर कार्यों में तेजी लाने का अनुरोध किया। बैठक में मुख्यमंत्री ने हैदराबाद—अमरावती—बंदर पोर्ट एक्सप्रेसवे परियोजना का भी मुद्दा उठाया। उन्होंने कहा कि प्रस्तावित 12-लेन एक्सप्रेसवे तेलंगाना के लिए रणनीतिक दृष्टि से बेहद महत्वपूर्ण है। यह मार्ग हैदराबाद को अमरावती के रास्ते बंदरगाह से जोड़ेगा और फार्मास्यूटिकल, इलेक्ट्रॉनिक्स तथा फूड प्रोसेसिंग उद्योगों के निर्यात को बढ़ावा देगा। रेवंत रेड्डी ने वारंगल हवाई अड्डे के निर्माण कार्य को शीघ्र शुरू करने की मांग भी की। उन्होंने बताया कि इसके लिए भूमि अधिग्रहण पूरा कर एयरपोर्ट अथॉरिटी ऑफ इंडिया को सौंप दिया गया है। उन्होंने कहा कि यह हवाई अड्डा उत्तर तेलंगाना के औद्योगिक, शैक्षणिक और पर्यटन क्षेत्रों के विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएगा। मुख्यमंत्री ने प्रधानमंत्री से हैदराबाद में भारतीय प्रबंधन संस्थान की स्थापना को मंजूरी देने का भी अनुरोध किया। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार इसके लिए 200 एकड़ भूमि उपलब्ध कराने को तैयार है। मुख्यमंत्री ने उम्मीद जताई कि केंद्र सरकार तेलंगाना की इन महत्वपूर्ण विकास परियोजनाओं को शीघ्र मंजूरी देकर राज्य के विकास को नई गति प्रदान करेगी।

मोदी के रिकॉर्ड पर सियासी घमासान

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। भारत के सबसे लंबे समय तक निर्वाचित प्रधानमंत्री रहने के रिकॉर्ड को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और कांग्रेस के बीच राजनीतिक बयानबाजी तेज हो गई है। तेलंगाना भाजपा ने कांग्रेस अध्यक्ष मल्लिकार्जुन खड़गे द्वारा प्रधानमंत्री मोदी के रिकॉर्ड पर उठाए गए सवालों की कड़ी आलोचना की है। भाजपा के प्रदेश मुख्य प्रवक्ता एन.वी. सुभाष ने गुरुवार को जारी एक प्रेस विज्ञप्ति में कहा कि कांग्रेस बार-बार ऐतिहासिक मुद्दों को उठाकर स्वयं को असहज तथ्यों के सामने खड़ा कर देती है। उन्होंने सवाल किया कि कांग्रेस आखिर ऐसे विषयों को क्यों उठाती है, जिनसे उसकी अपनी राजनीतिक विरोधाभास उजागर हो जाते हैं। सुभाष ने कहा कि खड़गे उस महत्वपूर्ण अंतर को नजरअंदाज कर रहे हैं, जिसमें एक ओर वे नेता हैं जो देश के पहले आम चुनाव से पहले पद पर रहे, जबकि दूसरी ओर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी हैं, जिन्होंने लगातार चुनाव जीतकर जनता का जनादेश प्राप्त किया है।

तेज रफ्तार कार की टक्कर से बाइक सवार की मौत, एक व्यक्ति गंभीर घायल

मेदक, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मेदक-नरसापुर सड़क पर वेंकटरावपेट के पास गुरुवार को हुई सड़क दुर्घटना में एक बाइक सवार की मौत हो गई, जबकि एक पैदल यात्री गंभीर रूप से घायल हो गया। यह हादसा कार चालक की कथित लापरवाही और तेज रफ्तार के कारण हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान चिंथकुंटा मल्लेशम (36) के रूप में हुई है। वह सड़क पार कर रहा था, तभी तेज रफ्तार कार ने उसे जोरदार टक्कर मार दी। टक्कर इतनी भीषण थी कि बाइक अनियंत्रित होकर सड़क किनारे खड़े पैदल यात्री दप्पू कुमार से जा टकराई।

हादसे में दोनों लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। स्थानीय लोगों की मदद से घायलों को तुरंत कौडीपल्ली स्थित सरकारी अस्पताल पहुंचाया गया, जहां चिकित्सकों ने मल्लेशम को मृत घोषित कर दिया। वहीं, दप्पू कुमार की हालत गंभीर बनी हुई है और उसका इलाज जारी है।

किन्नरसानी वन्यजीव अभयारण्य में शुरू होगी सफारी पर्यटन सुविधा

पर्यटकों के लिए वन विभाग की नई पहल

कोत्तागुडेम, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। कोत्तागुडेम जिले के पलोंचा के पास स्थित किन्नरसानी वन्यजीव अभयारण्य में वन विभाग जल्द ही सफारी पर्यटन की शुरूआत करने जा रहा है। इस पहल का उद्देश्य पर्यटकों को जंगल और वन्यजीवों के करीब से दर्शन कराने के साथ-साथ क्षेत्र में पर्यटन को बढ़ावा देना है।

यह अभयारण्य लगभग 635.4 वर्ग किलोमीटर क्षेत्र में फैला हुआ है और अपनी प्राकृतिक सुंदरता तथा समृद्ध जैव विविधता के लिए जाना जाता है। यहां तेंदुआ, चित्तीदार हिरण, गौर जैसे वन्यजीवों के साथ-साथ कई प्रकार की पक्षी प्रजातियां भी पाई जाती हैं। अभयारण्य के भीतर किन्नरसानी नदी पर बना किन्नरसानी बांध पर्यटकों के लिए विशेष आकर्षण का केंद्र है। बांध के आसपास फैली हरियाली और छोटे-छोटे द्वीप मनमोहक दृश्य प्रस्तुत करते हैं। वर्तमान में पर्यटन विभाग स्थानीय सहयोग से जलाशय में नौका विहार की सुविधा भी प्रदान कर रहा है।

वन विभाग ने पर्यटकों की सुविधा के लिए 45 लाख रुपये की लागत से तीन सफारी वाहन खरीदे हैं। वन मंडल अधिकारी बाबू राव के अनुसार, अभयारण्य में सफारी ट्रैक विकसित किए गए हैं, जिससे पर्यटक लगभग 8 किलोमीटर क्षेत्र में प्राकृतिक वातावरण और वन्यजीवों का आनंद ले सकेंगे।

इसके अलावा पर्यटक माउस डियर पार्क और हिरण पार्क का भी भ्रमण कर सकेंगे। सफारी के दौरान वन गाइड और निगरानीकर्ता पर्यटकों के साथ रहेंगे और उन्हें वन्यजीवों तथा क्षेत्र की प्राकृतिक विशेषताओं की जानकारी देंगे। अभयारण्य जिला मुख्यालय कोत्तागुडेम से लगभग 24 किलोमीटर और पलोंचा कस्बे से करीब 12 किलोमीटर की दूरी पर स्थित है। निकटतम रेलवे स्टेशन कोत्तागुडेम में है, जबकि निकटतम हवाई अड्डा हैदराबाद में है, जो यहां से लगभग 300 किलोमीटर दूर स्थित है।

नौकरी दिलाने के नाम पर 10 लाख की ठगी करने वाले आरोपी को एक वर्ष की सजा

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। नामपल्ली स्थित आठवीं अतिरिक्त मुख्य न्यायिक मजिस्ट्रेट अदालत ने नौकरी दिलाने के नाम पर एक नागरिक से 10 लाख रुपये की धोखाधड़ी करने वाले आरोपी को दोषी करार देते हुए एक वर्ष के सश्रम कारावास की सजा सुनाई है तथा उस पर 10,000 रुपये का जुर्माना भी लगाया है। दोषी ठहराए गए आरोपी की पहचान अनंतुला अभिलाष (24) के रूप में हुई है, जो निजामाबाद जिले के निर्मल का निवासी है। शिकायतकर्ता श्याम सुंदर (25) हैदराबाद के मलकपेट क्षेत्र के निवासी और व्यवसायी हैं। अभियोजन पक्ष के अनुसार, आरोपी ने शिकायतकर्ता को उच्च पद पर प्रभावशाली संपर्क होने का झांसा देकर उच्च वेतन वाली नौकरी दिलाने का वादा किया और इसके बदले 10 लाख रुपये की मांग की। विश्वास में लेकर शिकायतकर्ता ने यह राशि आरोपी को साक्षियों की उपस्थिति में सौंप दी। आरोपी ने इसके बदले 10 लाख रुपये का एक सुरक्षा चेक जारी किया और साथ ही खाली चेक तथा एक प्रॉमिसरी नोट भी ले लिया, यह आश्वासन देते हुए कि एक माह के भीतर नौकरी दिला दी जाएगी। हालांकि बाद में आरोपी ने न तो नौकरी दिलाई और न ही पैसे लौटाए, बल्कि विभिन्न बहानों से समय टालता रहा। 5 मार्च 2017 को जब शिकायतकर्ता ने अपने पैसे वापस मांगे, तो आरोपी ने कुछ असामाजिक तत्वों के साथ उसके घर पहुंचकर उसे जान से मारने की धमकी दी। मामले में कोर्ट रेफर शिकायत के आधार पर चदरघाट पुलिस स्टेशन में धारा 420 और 506 आईपीसी के तहत मामला दर्ज किया गया था। लंबे ट्रायल के बाद और चदरघाट पुलिस द्वारा प्रस्तुत वैज्ञानिक एवं परिस्थितिजन्य साक्ष्यों के आधार पर अदालत ने आरोपी को दोषी पाया। न्यायाधीश च. संपत ने 11 जून 2026 को फैसला सुनाते हुए आरोपी को एक वर्ष के साधारण कारावास और 10 हजार रुपये जुर्माने की सजा दी। इस मामले की जांच तत्कालीन एसआई ए. राज शेखर रेड्डी ने की थी, जबकि अभियोजन पक्ष की ओर से सहायक लोक अभियोजक कु. जे. रमणी ने प्रभावी पैरवी की। पुलिस विभाग ने प्रक्रिया ड्यूटी अधिकारियों और जांच टीम की भूमिका की सराहना भी की।

CHANGE OF NAME

I, Aruna, Legally wedded spouse of 666155K SGT JAGANATH RAO, House no. 3-2-150,Road no.6, shathavahana nager, L.B Nager, Hyderabad, pincode. 500074.TG,have changed my name from ARUNA to CIDIRI ARUNA and my DOB 20-06-1972 vide affidavit dt. 08-06-2026 duly sd. by Marreddy Rajesh Reddy ADV& NOTARY.

CLASSIFIEDS

CHANGE OF NAME

I. No. 14652978X, Hav, Susil Kumar Muduly, R/o, Dist: Dhenkanal, Odisha, changed my Mother's name from Kamaline Muduly to Kamalini Muduli, vide Affidavit No. 467142 dt. 09.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, Kajal, W/o, No. 17007652A, CFN, Raorane Vinod Arun, R/o, Dist: Sindhudurg, Maharashtra, changed my name from Kajal to Kajal Vinod Raorane, vide Affidavit No.204548 dt 09.06.2026 before Taluka Magistrate at Vaibhavwadi.

I, No. 14654242Y, Hav, Ravinder Kumar, R/o, Dist: Gurugram, Haryana, changed my Mother's name from Sarti Devi to Sarti , vide Affidavit No. 467166 dt. 10.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

I, No. 14652928M, Hav, Goutam Ghosh, R/o, Dist: North 24 Parganas, West Bengal, changed my Mother's name from Partima Ghosh to Pratima Ghosh vide Affidavit No. 467172 dt. 10.06.2026 before Medchal-Malkajgiri Court, Telangana.

सावधान

पाठकों को सूचित किया जाता है कि वर्गीकृत विज्ञापन का प्रतिवादन करने से पहले उसकी पूरी तरह से जाँच पड़ताल कर लें। विज्ञापनदाता ने दावा कर रहे हैं या कह रहे हैं, उन बातों से दैनिक समाचार पत्र (स्वतंत्र वार्ता) का किसी भी तरह का कोई सम्बन्ध नहीं है।

इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में बड़ी चोरी, महंगे मोबाइल फोन गायब

खम्मम, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। शहर के एक इलेक्ट्रॉनिक्स शोरूम में बुधवार की मध्यरात्रि बड़ी चोरी की घटना सामने आई है। अज्ञात चोरों ने सोनोविजन शोरूम को निशाना बनाकर गोदाम में रखे महंगे मोबाइल फोन चोरी कर लिए। पुलिस के अनुसार, चोरों ने शोरूम के ताले तोड़कर अंदर प्रवेश किया और पूरी योजना के साथ वारदात को अंजाम दिया। घटना की जानकारी मिलते ही शोरूम प्रबंधन ने पुलिस में शिकायत दर्ज कराई, जिसके बाद स्थानीय पुलिस ने जांच शुरू कर दी।

पुलिस आयुक्त सुनील दत्त ने मौके पर पहुंचकर घटनास्थल का निरीक्षण किया और स्थिति की जानकारी ली। प्रारंभिक जांच में यह स्पष्ट हुआ कि चोरों ने गोदाम को निशाना बनाकर कीमती मोबाइल फोन ले गए हैं, हालांकि चोरी गए सामान की कुल कीमत अभी तय नहीं की गई है।

जांच के दौरान फॉरेंसिक टीम ने मौके से फिंगरप्रिंट सहित अन्य महत्वपूर्ण साक्ष्य एकत्र किए हैं। पुलिस आसपास लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाल रही है ताकि आरोपियों की पहचान की जा सके। पुलिस अधिकारियों का कहना है कि सभी पहलुओं से जांच की जा रही है और जल्द ही आरोपियों को पकड़ने के प्रयास तेज कर दिए गए हैं।

तहसीलदार पदोन्नति में अनियमितता की जांच की मांग

एफजीजी ने सतर्कता जांच और नियुक्तियां रोकने की अपील की

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। फोरम फॉर गुड गवर्नेंस (एफजीजी) ने मुख्यमंत्री ए. रेवंत रेड्डी से अपील की है कि हाल के महीनों में तहसीलदारों को दी गई सभी अस्थायी पदोन्नतियों और नियुक्तियों की सतर्कता जांच कराई जाए। संगठन ने यह भी मांग की है कि जांच पूरी होने तक सभी पदोन्नतियों और नियुक्तियों पर रोक लगाई जाए। एफजीजी अध्यक्ष एम. पद्मनाभ रेड्डी ने आरोप लगाया कि तहसीलदारों को राजस्व विभाग में राजस्व मंडल अधिकारी पद पर पदोन्नत करते समय निर्धारित प्रक्रिया का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि चयन समिति की जांच और सेवा रिकॉर्ड के मूल्यांकन के बिना ही कई पदोन्नतियां की गईं।

उन्होंने यह भी आरोप लगाया कि कुछ ऐसे अधिकारियों को भी पदोन्नति दी गई है जिनके खिलाफ गंभीर अनुशासनात्मक मामले और भ्रष्टाचार के आरोप लंबित हैं। संगठन का कहना है कि इस तरह की प्रक्रियागत अनियमितताएं प्रशासनिक व्यवस्था की पारदर्शिता पर सवाल खड़े करती हैं।

जानकारी के अनुसार, 27 मई को 12 तहसीलदारों को अस्थायी रूप से पदोन्नति दी गई थी। इनमें से कुछ मामलों में न्यायालय के आदेशों का हवाला दिया गया, लेकिन एफजीजी का कहना है कि उन आदेशों में केवल मामले पर विचार करने का निर्देश था, न कि सीधे पदोन्नति देने का। एफजीजी ने यह भी कहा कि न्यायालय के आदेशों की गलत व्याख्या करके पदोन्नति दिए जाने के कई उदाहरण सामने आए हैं, जिससे प्रशासनिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल उठते हैं। संगठन ने यह भी उल्लेख किया कि भ्रष्टाचार निरोधक ब्यूरो द्वारा पिछले आठ महीनों में लगभग 200 मामले दर्ज किए गए हैं, लेकिन इन मामलों का शीघ्र निपटारा नहीं हो पा रहा है। एफजीजी के अनुसार, मामलों में देरी से भ्रष्टाचार पर अंकुश लगाने के प्रयास कमजोर पड़ रहे हैं। एफजीजी ने सरकार से अपील की है कि पूरे मामले की निष्पक्ष जांच कराई जाए और प्रशासनिक प्रक्रिया में पारदर्शिता सुनिश्चित की जाए, ताकि भविष्य में ऐसी अनियमितताओं को रोका जा सके।

देसी चिकन करी को लेकर हुए झगड़े में पिता की मौत, बेटा हिरासत में

जनगांव, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले में देसी चिकन करी बनाने को लेकर हुए पारिवारिक विवाद में एक व्यक्ति की मौत हो गई। यह घटना तारिगोप्पुला मंडल के अक्कराजूपल्ली गांव की है। पुलिस के अनुसार, मृतक जांगिति रमेश (42) मंगलवार रात लगभग 10 बजे घर में देसी मुर्गी लाया था और उसने अपनी पत्नी अनुषा से उसे पकाने के लिए कहा। पत्नी ने बताया कि उसने पहले ही मछली करी बना ली है और चिकन अगले दिन पकाया जा सकता है। इसी बात पर दोनों के बीच कहासुनी हो गई।

विवाद बढ़ने पर रमेश ने पत्नी को गाली देना शुरू कर दिया। इस दौरान उनका बेटा गणेश बीच-बचाव करने आया, लेकिन रमेश ने उसे भी डांट दिया और थप्पड़ मार दिया। इसके बाद गुस्से में आकर बेटे ने रमेश के सिर पर मूसल से वार कर दिया, जिससे वह गंभीर रूप से घायल हो गया। स्थानीय लोगों की मदद से रमेश को पहले जनगांव के सरकारी अस्पताल ले जाया गया, जहां से गंभीर हालत के कारण उसे वारंगल के महात्मा गांधी अस्पताल रेफर किया गया। वहां से बेहतर इलाज के लिए उसे हैदराबाद के उस्मानिया अस्पताल ले जाने की सलाह दी गई। हालांकि, इलाज के लिए ले जाते समय बुधवार रात उसकी मौत हो गई। पुलिस ने शव को पोस्टमार्टम के बाद परिजनों को सौंप दिया है। पुलिस कांस्टेबल श्रीदेवी के अनुसार, मृतक के भाई श्रीनिवास की शिकायत पर मामला दर्ज कर लिया गया है और आगे की जांच की जा रही है। आरोपी बेटे को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है।

करीमनगर में अवैध मेडिकल दुकान का भंडाफोड़, 5.51 लाख रुपये की दवाएं जब्त

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना ड्रग्स कंट्रोल एडमिनिस्ट्रेशन के अधिकारियों ने चोप्पडांडी गांव में एक बिना लाइसेंस संचालित मेडिकल दुकान पर छापा मारते हुए लगभग 5.51 लाख रुपये मूल्य की दवाएं जब्त की हैं। अधिकारियों ने विशेष सूचना के आधार पर कार्रवाई करते हुए दुकान की जांच की, जहां 28 प्रकार की दवाएं, जिनमें एंटीबायोटिक्स, आईवी फ्लूइड्स, दर्द निवारक दवाएं और डायग्नोस्टिक किट शामिल थीं, बिना वैध औषधि लाइसेंस के बिक्री के लिए रखी गई थीं। जानकारी के अनुसार यह दुकान कथित रूप से मल्लारापु अखिल द्वारा संचालित की जा रही थी। मौके से जब्त की गई दवाओं को जांच के लिए प्रयोगशाला भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई जारी है। ड्रग्स कंट्रोल प्रशासन ने स्पष्ट किया है कि बिना लाइसेंस वाली दुकानों को दवाएं सप्लाई करने वाले थोक विक्रेताओं के खिलाफ भी औषधि एवं सौंदर्य प्रसाधन अधिनियम के तहत सख्त कार्रवाई की जाएगी। यह छापेमारी ड्रग्स इंस्पेक्टर एस. उमरानी ने की, जो उप निदेशक के. दास (निजामाबाद) और सहायक निदेशक डॉ.एन. नरसैया (करीमनगर) के पर्यवेक्षण में की गई।

साइबराबाद यातायात पुलिस की नई पहल

व्हाट्सएप से मिल रहे रियल टाइम अलर्ट

यात्रियों को जाम और मार्ग बदलाव की तुरंत जानकारी

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद यातायात पुलिस ने शहर में यातायात व्यवस्था को अधिक सुगम बनाने के लिए तकनीक और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म का व्यापक उपयोग शुरू किया है। इसके तहत नागरिकों को अब सड़क जाम, दुर्घटनाओं और मार्ग परिवर्तनों की वास्तविक समय में जानकारी सीधे उनके मोबाइल फोन पर मिल रही है। पुलिस और साइबराबाद सुरक्षा परिषद के सहयोग से पिछले वर्ष शुरू की गई 'ट्रैफिक पल्स' पहल के माध्यम से यात्रियों को व्हाट्सएप के जरिए तुरंत अपडेट भेजे जा रहे हैं। इस सेवा का उद्देश्य लोगों को भीड़भाड़ वाले मार्गों से बचाना और यात्रा को अधिक सुरक्षित व तेज बनाना है।

अधिकारियों के अनुसार, इस प्रणाली से नागरिक व्यस्त समय में वैकल्पिक मार्गों का चयन कर सकते हैं और अपने यात्रा समय को कम कर सकते हैं, विशेषकर बारिश या अन्य आपात परिस्थितियों में यह सेवा अधिक उपयोगी साबित हो रही है। व्हाट्सएप के अलावा यह जानकारी गूगल आरसीएस, एसएमएस और फ्लैश एसएमएस के माध्यम से भी साझा की जा रही है, जिससे अधिक से अधिक लोग समय पर सूचना प्राप्त कर सकें।

జాతీయ భారతీయ వైద్య పరంపర సంస్థ
राष्ट्रीय भारतीय चिकित्सा संपदा संस्थान
(केन्द्रीय आयुर्वेदीय विज्ञान अनुसंधान परिषद्, आयुष मंत्रालय, भारत सरकार)
रेवेन्यू बोर्ड कॉलोनी, गड्डीअन्नारम, हैदराबाद -500036, तेलंगाना, भारत
National Institute of Indian Medical Heritage
(Central Council for Research in Ayurvedic Sciences, Ministry of Ayush, Govt. of India)
Revenue Board Colony, Gaddiannaram, Hyderabad-500 0036, Telangana, India
040-24067388
9493627388
Website: http://niimh.nic.in

अधिसूचना. 05/2026

इस संस्थान में उपलब्ध परियोजना के लिए **"योग थेरेपिस्ट"** के पदों के लिए आवेदन आमंत्रित किए जाते हैं। इच्छुक उम्मीदवार विस्तृत विवरण और आवेदन की आवश्यकताओं को आधिकारिक वेबसाइटों http://niimh.nic.in या http://ccras.nic.in से डाउनलोड कर सकते हैं। किसी भी अन्य स्पष्टीकरण/जानकारी के लिए, कृपया सभी कार्य दिवसों (working days) में कार्यालय समय के दौरान मोबाइल नंबर 9493627388 पर संपर्क करें।

प्रभारी सहायक निदेशक

भारत संग बातचीत से सुलझाएंगे सीमा विवाद

नेपाली विदेश मंत्री का बड़ा बयान, बालेन के 'मध्यस्थता' पर यूटर्न

काठमांडू, 11 जून (एजेंसियां)। नेपाल की सरकार ने भारत के साथ सीमा विवाद में किसी भी तीसरे देश की मध्यस्थता की बात को खारिज कर दिया है। नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर खनाल ने कहा है कि सरकार भारत के साथ सीमा विवादों को आपसी बातचीत से सुलझाना चाहती है। खनाल ने बुधवार को नेपाली संसद में कहा 'मैं इस सम्मानित सदन में यह स्पष्ट करना चाहता हूं कि नेपाल-भारत सीमा का मुद्दा दोनों देशों के बीच का मामला है और नेपाल ऐतिहासिक संधियों, समझौतों और नक्शों के आधार पर कूटनीतिक बातचीत और चर्चा के जरिए इस समस्या को सुलझाने के लिए हमेशा प्रतिबद्ध रहा है।'

खनाल ने आगे कहा कि नेपाल-भारत सीमा कार्य समूह (बीडब्ल्यूजी) और अन्य द्विपक्षीय निकायों ने उन क्षेत्रों में काम फिर से शुरू कर दिया है जहां प्रगति वर्षों से रुकी हुई थी। हालांकि उन्होंने इस बारे में विस्तार से जानकारी नहीं दी। आपको बता दें कि नेपाल के विदेश मंत्री शिशिर

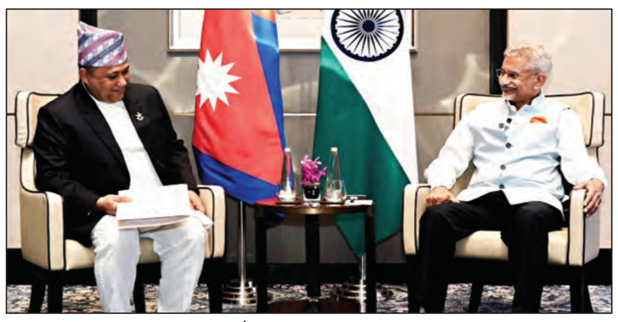

खनाल पिछले हफ्ते भारत दौरे पर थे जहां उन्होंने भारतीय विदेश मंत्री एस. जयशंकर से मुलाकात की थी।

इससे पहले नेपाल के प्रधानमंत्री बालेन शाह ने कहा था कि उन्होंने भारत के साथ लिलुलेख विवाद को लेकर पुराने दस्तावेजों को लेकर ब्रिटेन से संपर्क किया था। नेपाली प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सुझाव दिया था कि भारत और नेपाल के सीमा विवाद से जुड़ी बातचीत में यूनाइटेड किंगडम को भी शामिल किया जाना चाहिए। इससे ये संदेश गया था कि नेपाल सरकार शायद ब्रिटेन की मध्यस्थता चाहती है। भारत किसी भी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता को स्वीकार नहीं करता है। लिहाजा अब शिशिर खनाल के बयान से साफ हो गया है कि नेपाल सरकार 'मध्यस्थता की किसी भी कोशिश' की सोच से पीछे हट गई है।

यह दूसरी बार है जब खनाल ने नेपाल सरकार का मध्यस्थता पर रुख साफ किया है। पिछले हफ्ते भारत दौरे के दौरान उन्होंने कहा कि सभी विवादों को 'सबूतों और तथ्यों पर आधारित मौजूदा द्विपक्षीय तंत्र' के जरिए सुलझाया जाएगा न कि किसी तीसरे पक्ष की मध्यस्थता से। खनाल का 5-7 जून का भारत दौरा नेपाल की सत्ताधारी राष्ट्रीय स्वतंत्र पार्टी (आरएसपी) के प्रमुख रवि लामिछाने के भारत दौरे और प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह और विदेश मंत्री एस. जयशंकर के साथ बातचीत के ठीक बाद हुआ था।

ये दौरे भारत-नेपाल संबंधों के लिए एक संवेदनशील समय पर हुए हैं क्योंकि प्रधानमंत्री बालेन शाह ने सीमा विवाद को फिर से हवा दी है और इसे अंतरराष्ट्रीय स्तर पर उठाने की कोशिश की है। उन्होंने सरकार या राज्य के प्रमुख के स्तर से नीचे के सरकारी अधिकारियों से न मिलने की नीति भी अपनाई है। खबरों के मुताबिक उन्होंने विदेश सचिव विक्रम मिसरी और अमेरिकी राजदूत सर्जियो गोर से मिलने से इनकार कर दिया था। बालेन शाह के बयान के बाद भारतीय विदेश मंत्रालय (एमईए) ने कहा था कि सीमा से जुड़े मुद्दों को सिर्फ आपसी बातचीत से ही सुलझाया जाएगा।

पुलिस ने जहांगीर खान की हाफ पैंट में परेड कराई

जांच के लिए फालता लेकर आई थी, दुर्गापुर में टीएमसी नेता पर अंडे फेंके, भीड़ ने घेरा

कोलकाता, 11 जून (एजेंसियां)। बंगाल के फलता में गुरुवार को टीएमसी नेता जहांगीर खान की पुलिस ने हाफ पैंट (निक्कर) में परेड कराई। जांच के सिलसिले में पुलिस उन्हें फलता लेकर गई थी। 8 जून को अवैध वसूली के आरोप में उन्हें नेपाल बॉर्डर से गिरफ्तार किया था।

वहीं, दुर्गापुर में एक और टीएमसी नेता सुकुमार दत्ता को भ्रष्टाचार और जबरन वसूली समेत कई आरोपों में गिरफ्तार किया गया। जब पुलिस उन्हें थाने से अदालत ले जा रही थी, तब भीड़ ने उन पर अंडे फेंके।

टीएमसी नेता पर जमीन कब्जाने, रंगदारी वसूलने और स्थानीय लोगों को डराने-धमकाने का भी आरोप है। थाने के बाहर प्रदर्शनकारियों ने दत्ता के खिलाफ नारेबाजी की। रिपोर्ट्स के मुताबिक, प्रदर्शन में भाजपा कार्यकर्ता और स्थानीय लोग मौजूद थे।

भाजपा बोली- ये टीएमसी के खिलाफ आम जनता का गुस्सा

घटना पर भाजपा नेता स्वाधीन राय ने कहा कि अंडा फेंकने का

काम भाजपा ने तय करके नहीं किया था। यह तृणमूल नेता के खिलाफ आम जनता के गुस्से का नतीजा था। दत्ता लंबे समय से लोगों को डरा-धमका रहे थे।

उन्होंने आगे कहा कि स्थानीय लोग सालों से उत्पीड़न और शोषण झेल रहे थे, जिससे दत्ता के खिलाफ गुस्सा था। दत्ता के खिलाफ सख्त कार्रवाई होनी चाहिए। साथ ही टीएमसी के अन्य स्थानीय नेताओं की भूमिका की भी जांच होनी चाहिए।

जहांगीर ने 2026 का विधानसभा चुनाव फालता सीट से लड़ा था। चुनाव के दौरान हुई गड़बड़ियों के कारण यहां 21 मई को दोबारा वोटिंग हुई थी। दोबारा चुनाव से 48 घंटे पहले ही जहांगीर ने मैदान छोड़ दिया था और कहा था कि वे चुनाव से अपना नाम वापस ले रहे हैं।

24 मई को आए नतीजे में जहांगीर की हार हुई। इसके बाद से जहांगीर लगभग गायब ही रहे। उन्हें न तो घर पर देखा गया और न ही पार्टी कार्यालय में।

जहांगीर खान ने चुनाव प्रचार के दौरान खुद को फिल्म 'पुष्पा' के किरदार की तरह पेश किया था। उन्होंने कई बार फिल्म का चर्चित डायलॉग 'पुष्पा झुकेगा नहीं साला' भी बोला था। उन्होंने खुद को इलाके के ऐसे मजबूत नेता के रूप में पेश किया, जो किसी दबाव के सामने नहीं झुकेगा।

मई 2026 में जहांगीर ने कलकत्ता हाईकोर्ट में याचिका दायर कर अपने खिलाफ दर्ज मामलों की जानकारी और गिरफ्तारी से संरक्षण मांगा था। उनका आरोप था कि उनके खिलाफ लगातार कई आपराधिक मामले दर्ज किए जा रहे हैं।

जहांगीर के खिलाफ 2019 में दर्ज एक मामले में और फालता री-पोल से पहले हाईकोर्ट ने सिक्योरिटी दी थी, लेकिन 26 मई को सभी सुरक्षा वापस ले ली गई थीं।

कोलकाता में 7 जून को गिरफ्तार टीएमसी पार्षद बप्पादित्य दासगुप्ता को कोर्ट ले जाते समय लोगों ने उनकी गाड़ी पर अंडे फेंके। वहीं, सोशल मीडिया पर दो और वीडियो वायरल हैं।

बीजेपी ने X पर एक वीडियो शेयर किया है। इसमें पुलिस से बचने के लिए एक नेता साड़ियों के नीचे छिपा मिला।

फिलीपींस में भूकंप के बाद गहराया खाद्य संकट

प्रभावित इलाकों तक कैसे पहुंच रही राहत

मनीला, 11 जून (एजेंसियां)। दक्षिणी फिलीपींस में आए भूकंप को चार दिन बीच चुके हैं, लकिन वहां के हालात आज भी सामान्य नहीं हो पाए हैं। हजारों लोगों को राहत शिविर में रहना पड़ रहा है। इसके साथ ही आपदा प्रभावित इलाकों में अब लोगों को खाने और पीने के पानी की समस्या से जूझना पड़ रहा है।

गंभीर रूप से प्रभावित इलाकों में मदद पहुंचाना कठिन

फिलीपींस के कई इलाके ऐसे हैं जहां पर लोगों की मदद के लिए पहुंच पाना प्रशासन के लिए काफी कठिन हो चला है। भूकंप के कारण कई मुख्य सड़कें या तो बाधित हो गई हैं या फिर खराब हो गई हैं। 7.8 तीव्रता के भूकंप ने कई गांवों का संपर्क भी तोड़ दिया है। इसी कारण से प्रशासन को फंसे हुए लोगों की मदद करने में भी समस्या आ रही है।

इस प्राकृतिक आपदा में सबसे अधिक प्रभावित क्षेत्रों में से एक सारंगानी का ग्लान कस्ब है। जानकारी के मुताबिक इस इलाके में राहत कार्य के लिए कड़ी मशक्कत करनी पड़ रही है। इसी सिलसिले में इलाके के मेयर विक्टर जेम्स याप ने ने सरकार से वायुसेना के हेलीकॉप्टर भेजने की बात कही है। विक्टर का कहना है कि उनके क्षेत्र के 31 में से 10 गांव अभी भी भूस्खलन के कारण पूरी तरह के कटे हुए हैं, जिस कारण से वहां राहत सामग्री पहुंचाने में कठिनाई हो रही है। मेयर विक्टर की मानें तो प्रभावित गांवों में लोगों के सामने खाद्य संकट खड़ा हो गया है। उन्होंने कहा कि लोग भूख से जूझ रहे हैं और जल्द से जल्द खाद्य सामग्री तथा पेयजल पहुंचाने के लिए हेलीकॉप्टरों की जरूरत है।

सारंगानी में अबतक सबसे ज्यादा 20 मौतें दर्ज की गई हैं। इनमें अधिकांश लोग भूस्खलन की चपेट में आए बताए जा रहे हैं। इसके अलावा जनरल सैंटोस, साउथ कोटाबाटो और दावाओ ऑक्सिडेंटल प्रांतों में भी भारी भरकम नुकसान हुआ है।

दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना सकता है नया नाम

बर्लिन, 11 जून (एजेंसियां)। दुनिया का सबसे छोटा गणराज्य नाउरू जल्द ही अपना नाम बदल सकता है। संसद में एक प्रस्ताव पारित होने के बाद देश में जनमत संग्रह कराया जाएगा, जिसमें नागरिक तय करेंगे कि नाउरू का आधिकारिक नाम बदलकर 'नाओएरो' किया जाए या नहीं।

राष्ट्रपति डेविड अडियांग ने संसद में कहा कि 'नाओएरो' नाम देश की विरासत, भाषा और पहचान का अधिक सम्मान करता है। प्रस्ताव बिना किसी विरोध के पारित हुआ है।

सरकार के अनुसार, स्थानीय लोग अपनी भाषा में देश को 'नाओएरो' कहते हैं। हालांकि, विदेशी लोगों के लिए इसका उच्चारण कठिन होने के कारण आधिकारिक रिकॉर्ड में 'नाउरू' नाम प्रचलित हो गया। सरकार का कहना है कि यह बदलाव स्थानीय लोगों की पसंद नहीं बल्कि बाहरी सुविधा के लिए किया गया था। नाउरू का नाम कई बार बदल चुका है। 1798 में एक ब्रिटिश नाविक ने इसका नाम 'प्लेजेंट आइलैंड' रखा था। 1888 में जर्मनी के कब्जे के बाद 'नाउरू' नाम आधिकारिक दस्तावेजों में दर्ज हुआ। बाद में ऑस्ट्रेलियाई प्रशासन ने भी यही नाम जारी रखा। देश को 1968 में स्वतंत्रता मिली। विशेषज्ञों का मानना है कि मूल नामों की वापसी केवल भाषाई बदलाव नहीं बल्कि सांस्कृतिक अधिकार और आत्मनिर्णय का प्रतीक है। दुनिया के कई देशों ने भी अपनी स्थानीय पहचान को मजबूत करने के लिए नाम बदले हैं।

सिर काटने की कोशिश के बाद आयरलैंड-ब्रिटेन में भड़के दंगे

प्रदर्शनकारियों के निशाने पर प्रवासी घर-दुकानें लूटीं, गाड़ियों में आग लगाई

लंदन, 11 जून (एजेंसियां)। आयरलैंड के बेलफास्ट में एक आयरिश व्यक्ति का सिर काटने की कोशिश के विरोध में शुरू हुआ प्रदर्शन बड़े एंटी-इमिग्रेशन दंगों में बदल गया। आयरलैंड और ब्रिटेन में एक दर्जन से ज्यादा जगहों पर हिंसा, आगजनी और लूटपाट की घटना सामने आई।

बेलफास्ट और उसके आसपास के इलाकों में नकाबपोश भीड़ ने घरों, दुकानों, बसों और कारों को निशाना बनाया।

बेलफास्ट के न्यूटाउनाड्र्स रोड पर कई गाड़ियों को आग के हवाले कर दिया गया शैंकिल में दो दुकानें लूट ली गईं और एक अफ्रीकी प्रवासी की दुकान को आग के हवाले कर दिया गया। लंदन के पार्लियामेंट स्क्वायर व स्कॉटलैंड के ग्लासगो में भी प्रवासी विरोधी प्रदर्शन के दौरान जमकर हिंसा हुई।

हिंसा की शुरुआत बेलफास्ट में चाकूबाजी की घटना के बाद हुई। सूडान के एक शरणार्थी का एक आयरिश व्यक्ति से विवाद हो गया था। इसी बीच हादी ने चाकू से उसका गला काटने की कोशिश की थी। हमले में 40 वर्षीय आयरिश व्यक्ति गंभीर रूप से घायल है। इस वारदात का वीडियो वायरल होते ही प्रदर्शन की अपीलें तेज हो गईं थीं। पुलिस के मुताबिक चाकूबाजी घटना का आरोपी हादी अलोदिद सूडान से पेरिस और फिर डबलिन आया था। 2023 में वह बेलफास्ट पहुंचा और शरण मांगी। उसे ब्रिटेन में 2028 तक रहने की अनुमति मिल गई थी। दक्षिणपंथी और प्रवासी विरोधियों ने सोशल मीडिया पर चाकूबाजी की घटना का वीडियो तेजी से फैलाया। कट्टरपंथी व प्रवासी-विरोधी टॉमी रॉबिनसन ने वीडियो शेयर करते हुए पूरे ब्रिटेन में लोगों से 'सड़कों पर उतरने' की अपील की थी। इसके बाद मास्क पहने हजारों लोगों की भीड़ सड़कों पर जमा हो गई। बेलफास्ट में नकाबपोशों ने कई घरों को निशाना बनाया है। कुछ जगह 'विदेशियों को निकालो' जैसे नारे भी लगाए। स्थानीय पादरी जैक मैकी ने बताया कि लोग सिर्फ प्रवासी होने के कारण घर छोड़ने को मजबूर हुए। सैंडी रो इलाके में सूडानी दुकानदारों ने दुकानें जल्द बंद कर दीं। बेलफास्ट इस्लामिक सेंटर ने शाम की नमाज रोक दी।

दिग्गज कारोबारी इलॉन मस्क ने भी सोशल मीडिया पर अपना एक वीडियो शेयर करते हुए कहा- जोरदार प्रदर्शन से ही बदलाव आएगा। ब्रिटेन की कट्टरपंथी पार्टी रिफॉर्म यूके ने घटना को प्रवास नीति का नतीजा बताते हुए वीजा प्रतिबंध की अपनी पार्टी की बात दोहराई। वहीं, सांसद क्लेयर हन्ना ने मस्क, रिफॉर्म यूके के चीफ नाइजल फराज व अन्य को हिंसा का जिम्मेदार ठहराया।

कांगो में इबोला का कहर : संक्रमित मरीजों का आंकडा बढ़कर 635 हुआ

स्वास्थ्य सुविधाओं की कमी बनी बड़ी चुनौती

किन्शासा, 11 जून (एजेंसियां)। डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो (डीआरसी) में इबोला वायरस का प्रकोप तेजी से बढ़ रहा है। स्वास्थ्य मंत्री रोजर कांबा ने जानकारी दी है कि नौ जून तक देश में इबोला के पुष्ट मामलों की संख्या बढ़कर 635 हो गई है। यह बीमारी 'बुंडीबुग्यो इबोला वायरस' के कारण फैली है। हालांकि, इस संकट के बीच राहत की खबर यह है कि अब तक 30 मरीज ठीक होकर घर लौट चुके हैं। हाल ही में आठ नए मरीज ठीक हुए हैं, जिनमें से सात इतुरी प्रांत के न्यानकुंडे और एक मोंगबवालू इलाके से है।

स्वास्थ्य मंत्री ने सोशल मीडिया पर बताया कि सरकार इस बीमारी को रोकने के लिए पूरी कोशिश कर रही है। उन्होंने कहा कि मरीजों के संपर्क में आए लोगों की

पहचान करने का काम अब पहले से बेहतर हो रहा है। अब 61.1 प्रतिशत संपर्कों पर कड़ी नजर रखी जा रही है। सरकार ने इतुरी, उत्तर कीवू और दक्षिण कीवू जैसे प्रभावित प्रांतों में 490 टन दवाइयां भेजी हैं। वहां प्रयोगशालाओं को मजबूत किया गया है और स्वास्थ्य टीमें दिन-रात काम कर रही हैं। मंत्री ने लोगों से अपील की है कि वे लक्षण दिखने पर तुरंत इलाज के लिए आएं, क्योंकि समय पर देखभाल से जान बचाई जा सकती है।

दूसरी ओर, अफ्रीका सेंटर फॉर डिजीज कंट्रोल एंड प्रिवेंशन ने जमीनी हकीकत पर चिंता जताई है। एजेंसी का कहना है कि बचाव कार्यों में कई बड़ी बाधाएं आ रही हैं। प्रभावित इलाकों के अस्पतालों की हालत बहुत खराब है। वहां पीने के साफ पानी, कचरा जलाने वाली मशीनों, पीपीई किट और सफाई के सामान की भारी कमी है। इसके अलावा, खराब सड़कें, एम्बुलेंस की कमी और सुरक्षा से जुड़ी समस्याएं भी काम को धीमा कर रही हैं। कई स्वास्थ्य कर्मियों को समय पर वेतन नहीं मिला है, जिससे उन पर मानसिक दबाव बढ़ रहा है।

एक बड़ी चुनौती स्थानीय लोगों के बीच भरोसे की कमी भी है। इसके अलावा, कुछ देशों ने प्रभावित अफ्रीकी देशों की यात्रा पर पाबंदियां लगा दी हैं, जिसे स्वास्थ्य एजेंसियों ने गलत बताया है। विश्व स्वास्थ्य संगठन ने 17 मई को ही इस प्रकोप को अंतरराष्ट्रीय चिंता का सार्वजनिक स्वास्थ्य आपातकाल घोषित कर दिया था।

पश्चिम बंगाल सरकार ने 5000 बांग्लादेशियों को निकाला तो बौखलाए पाकिस्तानी एक्सपर्ट

बताया 'मजहब' कनेक्शन

इस्लामाबाद/ढाका, 11 जून (एजेंसियां)। सरकारी आंकड़ों के मुताबिक पिछले महीने पश्चिम बंगाल में भारतीय जनता पार्टी के सत्ता में आने के बाद से भारत ने लगभग 5,000 बांग्लादेशी नागरिकों को वापस भेजा है। पाकिस्तान के जियो पॉलिटिकल एक्सपर्ट कमर चीमा भारत की इस कार्रवाई पर बौखला गये हैं।

कमर चीमा ने एक वीडियो में कहा 'भारत ने कहा था कि बांग्लादेशी घुसपैठियों को रोकने के लिए पानी में सांप छोड़ेंगे और अब भारत उन्हें देश से बाहर निकाल रहा है तो असल में भारत बांग्लादेश को एक संदेश दे रहा है।'कमर चीमा ने कहा है कि भारत की तरफ से पहले ऐसा नहीं किया जाता था जब शेख हसीना बांग्लादेश की प्रधानमंत्री थीं लेकिन अब भारत सीमा पर पानी में मगरमच्छ और सांप छोड़ने की

बात कर रहा है तो असल में भारत एक संदेश दे रहा है और इसीलिए भारत ने इस बार बांग्लादेश में एक राजनयिक को नहीं बल्कि एक नेता को राजदूत बनाकर भेजा है।

कमर चीमा ने कहा है कि भारत इस बात से गुस्सा है कि बांग्लादेश में मोहम्मद यूनुस को क्यों भेजा गया और फ्रांस से मोहम्मद यूनुस को उठाकर ढाका में भेजा गया तो इसके पीछे अलग कहानी है। भारत की मुस्लिम-बहुसंख्यक बांग्लादेश के साथ एक लंबी और खुली सीमा है जहां ऐतिहासिक रूप से आर्थिक तंगी और लंबे समय से चले आ रहे पारिवारिक संबंधों की वजह से लोग पलायन करते रहे हैं।

सत्ता में आने के बाद पश्चिम बंगाल की नई सरकार ने बिना वैध कागजात वाले बांग्लादेशियों और म्यांमार में उत्पीड़न से भागकर आए रोहिंग्या शरणार्थियों के लिए डिटेंशन सेंटर बनाने का आदेश दिया है। भारत उन लोगों को देश से निकाल रहा है जो अवैध तरीके से देश में आए थे। दावा किया गया है कि भारत में लाखों की संख्या में अवैध बांग्लादेशी नागरिक रहते हैं। पश्चिम बंगाल में कई ऐसे लोग मिले हैं जो बांग्लादेशी नागरिक हैं लेकिन यहां वोट दिया करते थे।

कमर चीमा ने कहा है कि भारत की पड़ोसी नीति के लिए बांग्लादेश काफी महत्वपूर्ण है और उत्तर-पूर्वी भारत के लिए ये और भी ज्यादा जरूरी है। इसके अलावा भारत बांग्लादेश में डेवलपमेंट प्रोजेक्ट्स में भी अहम भूमिका निभा रहा है।

कमर चीमा ने जहर उगलते हुए कहा 'कि असल में मामला मजहब का है, मसला है भारत की सत्तावादी ताकतों का और मसला ये है कि शेख हसीना जो सर्विस भारत को देती थी वो खालिदा जिया का बेटा तारिक रहमान क्यों नहीं देगा?'

ओमान तट के पास एक और जहाज पर हमला

20 भारतीय नाविक हैं सवार, 3 दिन में तीसरा हमला

मस्कट, 11 जून (एजेंसियां)। अमेरिका और ईरान के बीच जंग एक बार फिर से तेज हो गई है और इसका शिकार भारतीय नाविक हो रहे हैं। ओमान के शिनास पोर्ट के पास एक व्यवसायिक जहाज एमटी जलवीर पर गुरुवार को हमला हुआ है। इस जहाज पर 20 भारतीय नाविक तैनात हैं। इस जहाज का एक वीडियो सामने आया है जिसमें उससे धुंआ निकलता दिख रहा है। ओमान में भारतीय दूतावास ने इस हमले की जानकारी दी है। भारतीय दूतावास ने कहा कि हम हालात की निगरानी कर रहे हैं और स्थानीय अधकिारियों के साथ समन्वय कर रहे हैं। पिछले 3 दिन में यह भारतीय नावकिों वाले व्यवसायिक जहाज पर तीसरा हमला है। अभी यह नहीं पता चल पाया है कि इस ताजा हमले को कसिने अंजाम दिया है। इससे पहले अमेरिका ने 2 जहाजों पर हमले की बात को स्वीकार किया था।

एमटी जलवीर पर तैनात सभी नावकि सुरक्षति बताए जा रहे हैं। हमले की वजह से जहाज के चिमनी और इंजन रूम में आग लग गई है।

इस बीच ओमान तट के पास कमर्शियल जहाज पर हुए अमेरिकी हमले की भारत सरकार ने कड़ी निंदा की है। विदेश मंत्रालय (एमईए) ने बुधवार को बताया कि जहाज पर सवार 24 भारतीय चालक दल के सदस्यों में से 21 को सुरक्षित बचा लिया गया है। तीन भारतीय जो लापता थे, उन्हें मृत घोषित कर दिया गया है। विदेश मंत्रालय ने जारी बयान में कहा, 'हम ओमान तट के पास वाणिज्यिक पोत 'सेटेबेलो' पर हुए हमले की कड़ी निंदा करते हैं। जहाज पर मौजूद 24 भारतीयों में से अब तक 21 को सुरक्षित निकाल लिया गया है।

ओमान स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय प्रशासन के साथ लगातार संपर्क में है और चल रहे खोज एवं बचाव अभियान की निगरानी कर रहा है। मंत्रालय ने कहा कि क्षेत्र में जहाजों पर लगातार हो रहे हमले बेहद चिंताजनक हैं और यह वहां जारी संघर्ष का सीधा परिणाम हैं। बयान में कहा गया, 'हम सभी पक्षों से तत्काल तनाव कम करने और कूटनीतिक समाधान के लिए जारी वार्ताओं को सफल बनाने की अपील करते हैं, ताकि क्षेत्र में शांति और स्थिरता बहाल हो सके। वाणिज्यिक जहाजों और नागरिक ढांचे को निशाना बनाने की घटनाएं तुरंत बंद होनी चाहिए तथा अंतरराष्ट्रीय कानून के अनुरूप समुद्री मार्गों पर निर्बाध आवागमन और व्यापार बहाल किया जाना चाहिए।'

खजाना मिलने की कहानी सुनाकर लोगों को फंसाते

फिर आधे दाम पर नकली सोना बेचते, मेटल से बना रहे थे गोल्ड, 5 अरेस्ट

दुर्ग-भिलाई, 11 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ में खजाना मिलने की कहानी सुनाकर ठगी की जा रही थी। दुर्ग पुलिस ने ऐसे 5 ठगों को पकड़ा है, जो लोगों को जमीन में गड़ा खजाना मिलने की कहानी सुनाकर भरोसे में लेते थे और फिर नकली मेटल को असली सोना बताकर सस्ते दाम में बेचने का लालच देते थे।

जांच में सामने आया कि आरोपी खुद ही कई धातुओं से नकली सोना तैयार करते थे। ज्यादातर ग्रामीण क्षेत्रों के लोगों को निशाना बनाते थे। आरोपियों ने एक मजदूर को 10 हजार रुपए में नकली सोना भी बेचा था। थाने में शिकायत के बाद पुलिस ने कार्रवाई की। आरोपियों के कब्जे से 1 किलो मेटल का बिस्किट मिला हैं। मामला उतई थाना क्षेत्र का है। जानकारी के मुताबिक,

पीड़ित का नाम जीतेंद्र साहू है, बोरसी का रहने वाला है। पेशे से वह मजदूर है। जीतेंद्र को आरोपियों ने पहले 10 हजार रुपए में नकली सोना बेचा। इसके बाद उन्होंने बताया कि उनके पास और भी सोना है, जो जमीन के अंदर एक हांडी में मिला था।

आरोपियों ने इसे बाजार कीमत से आधे दाम पर बेचने की बात कही। शक होने पर जीतेंद्र ने थाने में सूचना दी, जिसके बाद पुलिस ने घेराबंदी कर ठगों को पकड़ा है। उनके कब्जे से करीब 1 किलो 242 ग्राम वजन के सोने जैसे दिखने वाले नकली मेटल का बिस्किट बरामद किया गया हैं।

पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी किसी धातु से सोने जैसे दिखने वाले नकली बिस्किट तैयार करते थे। इसके बाद गांव-गांव घूमकर लोगों को बताते थे कि उन्हें जमीन में दबा हुआ खजाना मिला है, जिसमें सोने के बिस्किट और पुराने सिक्के हैं। भरोसा जीतने के बाद वे इन्हें असली सोना बताकर सस्ते दाम में बेचने का लालच देते थे।

आरोपी लोगों को बाजार भाव से आधी कीमत पर सोना देने की बात कहकर ग्राहक तलाशते थे। कम कीमत में ज्यादा फायदा मिलने की उम्मीद में कई लोग उनके झांसे में आ जाते थे।

पुलिस ने सोने जैसे दिखने वाले नकली धातु के बिस्किट के अलावा एक नकली सिक्का, वारदात में इस्तेमाल की गई वैगनआर कार, मोबाइल और अन्य सामान जब्त किया है।

पुलिस जांच में पता चला है कि आरोपी पन्नालाल पहले भी इसी तरह की ठगी कर चुका है।

तीन महीने बाद हत्या का आरोपी प्रेमी गिरफ्तार

प्रेमिका को डैम में धक्का देकर की थी हत्या, शादी का लगातार बना रही थी दबाव

दुमका, 11 जून (एजेंसियां)। दुमका जिले के मसानजोर थाना क्षेत्र स्थित मसानजोर डैम में तीन महीने पहले एक अज्ञात युवती का शव मिला था। पुलिस ने अब जाकर युवती के आरोपी प्रेमी को गिरफ्तार कर लिया है। मृतका की पहचान रीना के रूप में और आरोपी की पहचान देवघर निवासी केतन कुमार मंडल के रूप में की गई।

शादी के दबाव से बचने के लिए केतन ने रीना की हत्या की थी। 4 मार्च 2026 को वह रीना को बाइक से मसानजोर डैम के सेल्फी ब्रिज पर घुमाने और फोटो लेने के बहाने ले गया। डैम पर दोनों ने कई सेल्फी भी लीं, जिसके बाद केतन ने रीना को डैम में धक्का देकर मार डाला।

सालों तक बंद रहा पूजा-पाठ, झेले विदेशी आक्रमणकारियों के सितम

तमिलनाडु के वेल्लोर किले में स्थित प्राचीन जलकंठेश्वर मंदिर भगवान शिव को समर्पित है जो 16वीं सदी की द्रविड़ वास्तुकला का अद्भुत नमूना है।

भारत का दक्षिणी राज्य तमिलनाडु अपने भव्य मंदिरों के लिए पूरी दुनिया में जाना जाता है। इन्हीं में से एक बेहद खास और प्राचीन जगह है- वेल्लोर शहर के ऐतिहासिक किले के भीतर बसा 'जलकंठेश्वर मंदिर'।

भगवान शिव को समर्पित यह मंदिर सिर्फ आस्था का ही नहीं, बल्कि एक बेहद शानदार और प्राचीन वास्तुकला का भी बेजोड़ नमूना है। आइए, इस अद्भुत शिव मंदिर के इतिहास और इसकी खासियत के बारे में विस्तार से जानते हैं।

कैसे पड़ा 'जलकंठेश्वर' नाम?

स्थानीय मान्यताओं के अनुसार, इस पवित्र स्थान पर भगवान शिव का शिवलिंग स्वयं प्रकट हुआ था। प्राचीन काल में यह शिवलिंग पूरी तरह से पानी से घिरे हुए एक क्षेत्र में स्थापित था। जल के बीच विराजित होने के कारण ही भगवान शिव के इस रूप को 'जलकंठेश्वर' कहा जाने लगा। बाद में भक्तों ने ठीक उसी जगह पर मंदिर के मुख्य गर्भगृह का निर्माण करवाया, जो आज हजारों लोगों की गहरी आस्था का केंद्र है।

16वीं सदी की बेजोड़ द्रविड़ वास्तुकला

अगर आप वास्तुकला या प्राचीन इतिहास में दिलचस्पी रखते हैं, तो यह मंदिर आपको निराश नहीं करेगा। इसका निर्माण 16वीं शताब्दी में विजयनगर साम्राज्य के दौरान स्थानीय नायकों और विजयनगर शासकों की देखरेख में हुआ था। यह द्रविड़ वास्तुकला का एक बहुत ही शानदार उदाहरण है।

मंदिर में मौजूद विशाल गोपुरम और पत्थरों पर की गई बेहद बारीक नक्काशी देखने लायक है। यहां के मंडपों में देवी-देवताओं, पौराणिक कहानियों, नर्तकों और वीर योद्धाओं की सुंदर मूर्तियां उकेरी गई हैं। दक्षिण भारतीय मंदिरों की बनावट और वास्तुकला का अध्ययन करने वालों के लिए यह एक बेहद महत्वपूर्ण जगह है।

'कल्याण मंडपम' है सबसे खास आकर्षण

जलकंठेश्वर मंदिर की वास्तुकला की सबसे बड़ी उपलब्धि इसका 'कल्याण मंडपम' यानी विवाह मंडप है। विजयनगर के कलाकारों ने अपनी असाधारण प्रतिभा का इस्तेमाल करते हुए इसे सजाया है। इस मंडप में कई बेहद खूबसूरत और अलंकृत स्तंभ मौजूद हैं। इन खंभों पर घोड़ों पर बैठे योद्धाओं, 'याली' (शेर जैसी दिखने वाली एक पौराणिक आकृति), देवताओं और कई पुरानी कथाओं के दृश्यों को बड़ी ही बारीकी से तराशा गया है।

विदेशी आक्रमणों का भी किया सामना

इस मंदिर ने समय के साथ कई उतार-चढ़ाव देखे हैं। इतिहासकारों की मानें तो विदेशी आक्रमणकारियों ने इस जगह को काफी नुकसान पहुंचाया था। इस वजह से यहां लंबे समय तक पूजा-पाठ भी बंद रहा। समय-समय पर इस इलाके पर अलग-अलग राजवंशों और विदेशी शक्तियों का कब्जा रहा, लेकिन इतनी मुश्किलों के बाद भी यह मंदिर अपनी सांस्कृतिक पहचान और अस्तित्व को बचाए रखने में कामयाब रहा।

शिव-भक्तों के लिए है शांति का प्रतीक

आज के समय में महाशिवरात्रि, प्रदोष और भगवान शिव से जुड़े अन्य सभी प्रमुख त्योहारों पर यहां विशेष पूजा और बड़े धार्मिक आयोजन होते हैं। मंदिर के अंदर का आध्यात्मिक माहौल भक्तों को एक गहरी शांति और भक्ति का अहसास कराता है।

अगर आप दक्षिण भारत के इतिहास, वहां की संस्कृति और राजनीतिक व सैन्य विरासत को करीब से समझना चाहते हैं, तो जलकंठेश्वर मंदिर और वेल्लोर के किले का एक साथ भ्रमण करना आपके लिए एक शानदार अनुभव हो सकता है। फिलहाल, यह पूरा किला और इसके अंदर की सभी ऐतिहासिक धरोहरें भारतीय पुरातत्व सर्वेक्षण के कड़े संरक्षण में हैं।

श्रीकृष्ण ने दुर्योधन से पांडवों के लिए मांगे थे केवल 5 गांव

भगवान श्रीकृष्ण ने पांडवों के रहने के लिए दुर्योधन से केवल 5 गांव मांगे थे, लेकिन अपने अहंकार की वजह से उसने कुछ नहीं दिया। जिसकी वजह से महाभारत का भीषण युद्ध हुआ। श्रीकृष्ण ने जो 5 गांव मांगे थे, उनके नाम क्या थे और इस समय किस शहर के नाम से प्रसिद्ध हैं?

द्वापर युग में जब कौरवों और पांडवों में सत्ता और अधिकारों को लेकर संघर्ष शुरू हुआ तो भगवान श्रीकृष्ण मध्यस्थता करने हस्तिनापुर आए। उन्होंने महाराज धृतराष्ट्र और दुर्योधन को समझाया कि वे पांडवों को उनका हक दें। भगवान श्रीकृष्ण ने कौरवों से कहा कि पांडवों को केवल 5 गांव ही दे दो, वे उसमें ही खुश रहेंगे। लेकिन दुर्योधन 5 पांडवों को सुई की नोक के बराबर भी जमीन देने के लिए राजी नहीं हुआ। उल्टे उसने भगवान श्रीकृष्ण का अपमान किया और उनको ही बंदी बनाने चला। भगवान श्रीकृष्ण नहीं चाहते थे कि महाभारत का विनाशकारी युद्ध हो, लेकिन कौरवों के हठ की वजह से उसे टाला नहीं जा सका।

भगवान श्रीकृष्ण ने कौन से 5 ग्राम मांगे

महाभारत काल के समय भगवान श्रीकृष्ण ने कौरवों से केवल 5 ही ग्राम देने की बात कही थी। लेकिन दुर्योधन के अहंकार ने ऐसा नहीं होने दिया। उन 5 गांवों के नाम नीचे दिए गए हैं-

पहला गांव था इंद्रप्रस्थ

दूसरा गांव था पानप्रस्थ, जिसे पाणिप्रस्थ या पांडुप्रस्थ भी कहा जाता था।

तीसरा गांव था स्वर्णप्रस्थ, इसे सुवर्णप्रस्थ भी कहते थे।

चौथा गांव था व्याघ्रप्रस्थ या बागप्रस्थ। कुछ लोग इसे गजप्रस्थ भी बताते हैं।

पांचवा गांव था तिलप्रस्थ

पांडवों के 5 गांव के वर्तमान नाम

वर्तमान समय में महाभारत काल के गांवों को अब ढूंढा जाए तो वे भारत के नक्शे पर नहीं मिलते हैं। उसमें एक गांव इंद्रप्रस्थ अपवाद है। समय के साथ उन गांवों का नाम बदल दिया गया। वर्तमान समय में पांडवों के 5 गांव दिल्ली एनसीआर और उसके आस पास के क्षेत्रों में आते हैं।

वर्तमान समय में इंद्रप्रस्थ देश की राजधानी दिल्ली है।

पानप्रस्थ गांव वर्तमान समय में हरियाणा का पानीपत है।

स्वर्णप्रस्थ गांव वर्तमान में हरियाणा का सोनीपत शहर है।

तिलप्रस्थ गांव को इस समय हम फरीदाबाद के नाम से जानते हैं।

व्याघ्रप्रस्थ या बागप्रस्थ वर्तमान में बागपत है। वहीं जो लोग गजप्रस्थ कहते हैं, वो वर्तमान समय का गाजियाबाद शहर है।

गैस चूल्हा और सिंक साथ होना शुभ है या नहीं

रसोई केवल खाना बनाने की जगह नहीं मानी जाती, बल्कि ज्योतिष और वास्तु शास्त्र में इसे घर की समृद्धि, स्वास्थ्य और पारिवारिक सुख का केंद्र माना गया है। यही वजह है कि किचन से जुड़े छोटे-छोटे बदलाव भी ऊर्जा के प्रवाह को प्रभावित करने वाले बताए जाते हैं। आजकल मॉड्यूलर किचन का चलन बढ़ने के साथ गैस चूल्हा और सिंक को एक ही प्लेटफॉर्म पर पास-पास बनवाने का ट्रेंड काफी आम हो गया है। देखने में यह डिजाइन आकर्षक लग सकती है, लेकिन वास्तु और ज्योतिष के जानकार इसे शुभ नहीं मानते।

गैस चूल्हा और ग्रहों का संबंध

अग्नि तत्व का प्रतीक माना जाता है चूल्हा

वास्तु शास्त्र में गैस चूल्हे को अग्नि तत्व का प्रतिनिधि माना जाता है। वहीं ज्योतिष में अग्नि का संबंध मुख्य रूप से मंगल ग्रह और सूर्य से जोड़ा जाता है। मंगल ऊर्जा, साहस और कार्यक्षमता का कारक माना जाता है, जबकि सूर्य आत्मविश्वास और सकारात्मकता का प्रतीक है। मान्यता है कि यदि चूल्हा सही दिशा में रखा जाए, विशेष रूप से आग्नेय कोण यानी दक्षिण-पूर्व दिशा में, तो घर में सकारात्मक ऊर्जा का संचार बना रहता है। इससे परिवार के सदस्यों में उत्साह और बेहतर स्वास्थ्य देखने को मिलता है।

सिंक के पीछे छिपा है जल तत्व का प्रभाव

सिंक को जल तत्व का प्रतीक माना जाता है। ज्योतिषीय दृष्टि से जल का संबंध चंद्रमा और शुक्र ग्रह से जोड़ा जाता है। ये ग्रह भावनाओं, शांति, सौम्यता और रिश्तों का प्रतिनिधित्व करते हैं। जब जल तत्व संतुलित रहता है, तो घर में मानसिक शांति और पारिवारिक सामंजस्य बना रहता है। लेकिन यदि इसकी स्थिति वास्तु नियमों के विपरीत हो जाए, तो इसे ऊर्जा असंतुलन का कारण माना जाता है।

चूल्हा और सिंक साथ होने पर क्या कहता है वास्तु?

अग्नि और जल का टकराव बढ़ा सकता है परेशानियां

वास्तु विशेषज्ञों के अनुसार गैस चूल्हा और सिंक का बिल्कुल पास होना अग्नि और जल तत्व के टकराव का संकेत माना जाता है। एक तरफ अग्नि ऊर्जा और सक्रियता का प्रतीक है, वहीं दूसरी तरफ जल शांति और भावनाओं का प्रतिनिधित्व करता है। मान्यता है कि इन दोनों के बीच संतुलन न होने पर घर में छोटी-छोटी बातों पर विवाद बढ़ सकते हैं। कई लोगों का मानना है कि ऐसी स्थिति आर्थिक अस्थिरता, अनावश्यक खर्च और मानसिक तनाव को भी बढ़ावा दे सकती है। हालांकि ये मान्यताएं धार्मिक और वास्तु आधारित हैं, जिनका कोई सार्वभौमिक वैज्ञानिक प्रमाण उपलब्ध नहीं है।

रोजमर्रा की जिंदगी में कैसे दिखते हैं इसके संकेत?

वास्तु मान्यताओं के अनुसार यदि घर में लगातार तनाव का माहौल बना रहता है, परिवार के सदस्यों के बीच मतभेद बढ़ रहे हैं या बचत करने के बावजूद धन रुक नहीं रहा है, तो लोग इसके पीछे किचन वास्तु को भी एक कारण मानते हैं। कई परिवार घर की मरम्मत या किचन में बदलाव के बाद वास्तु संतुलन पर ध्यान देना शुरू करते हैं। इसी वजह से वास्तु विशेषज्ञ रसोई की दिशा और उसके लेआउट को विशेष महत्व देने की सलाह देते हैं।

वास्तु दोष कम करने के लिए क्या करें?

यदि आपके किचन में गैस चूल्हा और सिंक पहले से ही साथ बने हुए हैं, तो घबराने की जरूरत नहीं है। वास्तु मान्यताओं के अनुसार दोनों के बीच कुछ दूरी रखना लाभकारी माना जाता है। इसके अलावा इनके बीच लकड़ी का छोटा पार्टिशन, लकड़ी का बोर्ड या पत्थर की पट्टी लगाने की सलाह भी दी जाती है। माना जाता है कि इससे अग्नि और जल तत्व के बीच संतुलन बनाने में मदद मिलती है। साथ ही किचन को साफ-सुथरा और व्यवस्थित रखना भी सकारात्मक ऊर्जा के लिए शुभ माना जाता है।

करुणा, मुदिता और मैत्री श्रेष्ठ भावनाएं हैं, ये हमारे मन को शांत, सहज और सकारात्मक बनाती हैं

करुणा, मुदिता और मैत्री श्रेष्ठ भावनाएं हैं। करुणा का अर्थ है दूसरों के दुख और दर्द को समझकर उनके प्रति दया, सहानुभूति और सहायता का भाव रखना। मुदिता का अर्थ है दूसरों के सुख, सफलता और सौभाग्य को देखकर सच्चे मन से प्रसन्न होना। मैत्री का अर्थ है सभी प्राणियों के प्रति मित्रता, प्रेम, सद्भाव और अपनत्व का भाव रखना। ये तीन भावनाएं हमारे मन को शांत, सहज और सकारात्मक बनाती हैं।

हाथ का कड़ा भी चमका सकता है आपकी किस्मत कौन सी धातु से कौन सा ग्रह देगा शुभ फल और लाभ

आपने कई लोगों को देखा होगा कि वे अपने हाथ में कड़ा पहनते हैं। कुछ लोग शौकिया तौर पर कड़ा पहनते हैं तो कुछ लोग धार्मिक स्थलों पर जाते हैं तो वहां पर मिलने वाले कड़े को प्रसाद के स्वरूप हाथ में धारण कर लेते हैं। धातु के कड़े कई प्रकार के होते हैं, ये सोना, चांदी, पीतल, तांबा, लोहा या स्टील के हो सकते हैं। ज्योतिष शास्त्र के अनुसार आप अपनी कुंडली के आधार पर शुभ और फलदायी धातु का कड़ा पहनते हैं तो आपकी किस्मत चमक सकती है। आपकी किस्मत के सितारे आपको बुलंदियों पर पहुंचा सकते हैं। लेकिन आपने गलत धातु का कड़ा पहन लिया तो आपका बैडलक भी शुरू हो सकता है।

सोने का कड़ा: ज्योतिष शास्त्र के अनुसार सोने का कड़ा देव गुरु बृहस्पति और ग्रहों के राजा सूर्य से जुड़ा होता है। आप सोने का कड़ा पहनते हैं तो यह करियर में ग्रोथ देगा, आपके यश, कीर्ति, वैभव, सुख और सुविधाओं में बढ़ोत्तरी कर सकता है। आपके ज्ञान, प्रभाव, पद और प्रतिष्ठा में वृद्धि कर सकता है। इससे कुंडली का सूर्य और गुरु दोष दूर होगा।

चांदी का कड़ा: चांदी का संबंध चंद्रमा से है, जो मन का कारक होता है। जो लोग चांदी का कड़ा पहनते हैं, उनका मन शांत और एकाग्र होता है, वे सही फैसले लेते हैं। गुस्सा और तनाव कम होता है। आप चांदी का कड़ा पहनते हैं तो आपकी कुंडली का चंद्र दोष भी खत्म हो जाएगा।

लोहे का कड़ा: जो लोग लोहे का कड़ा पहनते हैं, उन पर शनि का प्रभाव बढ़ता है। लोहे या स्टील का संबंध शनि ग्रह से है। इस वजह से लोहे या स्टील का कड़ा सभी लोगों को नहीं पहनना चाहिए। यदि कुंडली में शनि दोष है, साढ़ेसाती या ढैय्या का प्रभाव है तो ही इसे कड़े को धारण करना चाहिए।

पीतल का कड़ा: पीतल का संबंध भी गुरु ग्रह से है। यदि आप पीतल का कड़ा पहनते हैं तो यह आपको आध्यात्म से जोड़ता है। पूजा, पाठ, धार्मिक कार्यों में मन लगता है। इसको पहनने से सेहत ठीक रहती है। आरोग्य का आशीर्वाद मिलता है। इसको धारण करने से गुरु मजबूत होता है।

तांबे का कड़ा: तांबे का संबंध भी सूर्य ग्रह से है। करियर या बिजनेस में ग्रोथ चाहते हैं तो तांबे का कड़ा पहनना चाहिए। यह करियर ग्रोथ के लिए सबसे शक्तिशाली माना जाता है। यह भी पहनने से सूर्य मजबूत होता है।

अष्टधातु का कड़ा: यह कड़ा आठ धातुओं से मिलकर बनता है। उत्तम सेहत, गुडलक और सुरक्षा प्राप्ति के लिए अष्टधातु का कड़ा पहना जाता है।

आलस्य छोड़ने और स्वस्थ रहने की सीख से जुड़ी है प्रेरणादायक कहानी

थुलथुल चुहिया को बस एक ही चिंता सताती रहती कि उसको कल खाना मिलेगा या नहीं। उसे भोजन के लिए इधर-उधर भागना बिल्कुल पसंद नहीं था। उसकी इच्छा तो बस इतनी-सी थी कि उसे घर बैठे ही पेट भर खाना मिल जाए।

एक दिन उसने यह समस्या अपनी सहेली चुनमुन चुहिया को बताई। चुनमुन ने कहा, ''बस इतनी-सी बात! चलो मैं अभी तुम्हारी समस्या का समाधान कर देती हूं पर तुम्हें मेरी बात माननी होगी।''

थुलथुल ने उतावली होकर पूछा, ''क्या?' क्या करना होगा?'' चुनमुन बोली, ''तुम्हें वहां के चूहों से हमेशा सावधान रहना होगा।''

''वह कैसे...?''''अरे कुछ नहीं, डरो मत बस वहां मेरी और सहेलियां भी रहती हैं, सभी बहुत चपल चालाक हैं। तुम्हें भी उन्हीं की तरह बिल्ली से हर समय सावधान रहना होगा। कभी-कभी बिल्ली दो-दो दिन तक वहीं डटी रहती है, तुम्हें भी भूख का मुकाबला करने की आदत डालनी होगी, संभव है कभी तेजी से दौड़ना भी पड़े। क्या तुम वहां पर रह पाओगी?''

थुलथुल चुहिया तुरंत बोली, ''न... बाबा... न! मैं नहीं जाऊंगी ऐसी जगह जहां दिन भर डर-डर कर रहना पड़े और मुझसे तो ज्यादा तेज भागा भी नहीं जाता।''

चुनमुन ने सोचा कि चलो कोई दूसरी जगह दिखा देंगे इसे जहां वह आराम से रह सके। कुछ दिन बाद चुनमुन को एक सही जगह नजर आई तो वह दौड़ी-दौड़ी थुलथुल के पास आई बोली, ''मिल गई मुझे तुम्हारे लिए अनुकूल जगह, चलो मेरे साथ।''

फिर क्या था दोनों सखियां चल पड़ीं। चुनमुन ने अपनी

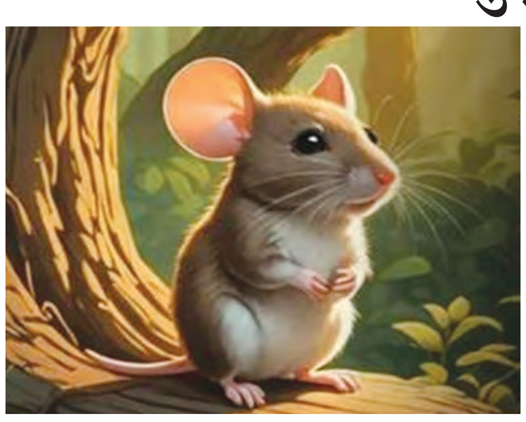

सहेली को एक गोदाम दिखाते हुए कहा, ''देखो तुम यहां आराम से रहना, रहने के लिए जगह भी ठीक है, सुरक्षित है। यहां खाना भी है और पीने का पानी भी है, अब तुम यहां आराम से रहोगी।''

खुशी-खुशी थुलथुल ने हामी भरी। उसको तो जैसे मुंह मांगी मुराद ही मिल गई थी। उसका मानना था कि 'अजगर करे न चाकरी पंछी करे न काज, दास मलूका कह गए सबके दाता श्रीराम।'

गोदाम में ढेरों अनाज था जो बिखर कर उसके बिल की ओर आता रहता और थुलथुल बैठी आराम से खाती रहती, नाली में ढेर-सा पानी बहता जिसे पी कर अपनी प्यास बुझा लेती। अब उसका जीवन आराम से कटने लगा था।कुछ दिन बाद चुनमुन जब थुलथुल से मिलने गोदाम पर गई तो वह उसका हाल देखकर दंग रह गई- 'अरे... कितनी मोटी हो गई थी...थुलथुल!'

उसे तो अपनी सहेली की चिंता सताने लगी। उसने उसको मोटापे के नुकसान से सावधान किया और वजन पर नियंत्रण की सलाह भी दी पर थुलथुल ने ध्यान ही नहीं दिया उसकी बात पर, उल्टे वही 'अजगर वाली कहावत' वापस दोहरा दी। सहेली को मोटापे से बचाने के लिए चुनमुन ने उपाय खोज निकाला। उसने थुलथुल को बताए बगैर बिल के रास्ते को संकरा कर दिया, जिससे अनाज की मात्रा कम आए।

अकेलेपन से परेशान थुलथुल ने बाहर सैर पर जाने की सोची तो उसने बिल से बाहर निकलने का बहुत प्रयास किया पर वह इतनी मोटी हो गई थी कि उससे बाहर ही नहीं आया गया। अब बिखर कर कुछ दाने ही अनाज के आते और उनसे ही संतोष करना पड़ता। इस तरह से थुलथुल का वजन कम होने लगा था और उसे ज्यादा तकलीफ भी नहीं हुई।

थुलथुल को इसका पता तब चला जब उसने सैर के लिए बाहर निकलने का मन बनाया और निश्चय किया कि आज तो चाहे दम ही लगाना पड़े मैं इस बिल से बाहर निकल कर ही रहूंगी और उसके आश्चर्य का ठिकाना नहीं रहा, ''अरे! मैं तो बिना प्रयास ही बाहर आ गई।'' खुशी के मारे चीख निकल गई थुलथुल की। सामने से आती चुनमुन ने उसे कहा, ''देख थुलथुल भगवान ने हमें खाना खाने के लिए भूख दी है, पेट दिया है, उसके साथ ही काम करने के लिए हाथ भी दिए हैं, उसके कारण ही तो हम भोजन पचाते हैं और हम स्वस्थ रहते हैं। मनुष्य हो या जानवर, पक्षी या कीट सभी अपनी-अपनी तरह से हाथ-पांव हिलाकर अपना भोजन पचाते हैं समझी!'' और दोनों सहेलियां खिल-खिला कर हंस पड़ीं।

स्वतंत्र वार्ता

शुक्रवार, 12 जून - 2026

जनसंख्या संतुलन पर जोर

मध्य प्रदेश सरकार द्वारा सरकारी सेवाओं में लागू दो-बच्चा नीति को समाप्त करने का निर्णय केवल एक प्रशासनिक बदलाव नहीं, बल्कि बदलती जनसांख्यिकीय वास्तविकताओं को स्वीकार करने का संकेत है। लगभग दो दशक पहले लागू की गई यह नीति उस दौर की जरूरत थी, जब देश और प्रदेश दोनों तेजी से बढ़ती आबादी की चुनौती से जूझ रहे थे। तब माना गया कि अधिक बच्चों वाले अभ्यर्थियों को सरकारी सेवाओं से दूर रखकर परिवार नियोजन को बढ़ावा दिया जा सकता है। इसी सोच के तहत दो से अधिक जीवित बच्चों वाले व्यक्तियों को सरकारी नौकरियों और कुछ विभागीय नियुक्तियों के लिए अयोग्य घोषित किया गया था। उस समय यह नीति कठोर अवश्य थी, लेकिन जनसंख्या वृद्धि को नियंत्रित करने के व्यापक राष्ट्रीय प्रयासों का हिस्सा भी थी। इसका प्रभाव केवल सरकारी नौकरी चाहने वालों तक सीमित नहीं रहा, बल्कि सरकारी कर्मचारियों पर भी लागू हुआ। परिणामस्वरूप छोटे परिवार की अवधारणा को सामाजिक स्वीकृति मिली और प्रजनन दर में उल्लेखनीय गिरावट आई। अब परिस्थितियां बदल चुकी हैं। मध्य प्रदेश में कुल प्रजनन दर घटकर लगभग 2.0 रह गई है, जबकि जनसंख्या को स्थिर बनाए रखने के लिए आवश्यक प्रतिस्थापन स्तर 2.1 माना जाता है। प्रदेश की औसत महिला अब दो बच्चों से भी कम बच्चों को जन्म दे रही है। यह स्थिति बताती है कि परिवार नियोजन की नीतियां अपने उद्देश्य में काफी हद तक सफल रही हैं। उल्लेखनीय है कि जब मध्य प्रदेश में दो-बच्चा नीति लागू की गई थी, तब एक महिला औसतन 3.9 बच्चों को जन्म देती थी। इस दृष्टि से देखा जाए तो प्रदेश ने लंबा सफर तय किया है। अब सरकार ने नीति में संशोधन करते हुए तीसरा बच्चा होने पर विभागीय कार्रवाई का प्रावधान भी समाप्त कर दिया है। यह निर्णय इस तथ्य को स्वीकार करता है कि वर्तमान चुनौती अनियंत्रित जनसंख्या वृद्धि नहीं, बल्कि संतुलित जनसंख्या संरचना बनाए रखना है। दिलचस्प है कि यह बदलाव केवल मध्य प्रदेश तक सीमित नहीं है। आंध्र प्रदेश ने भी हाल के वर्षों में अपनी जनसंख्या संबंधी नीति में परिवर्तन किया है। वहां सरकार ने यह संदेश दिया है कि "बच्चे ही धन हैं" और अधिक बच्चों वाले परिवारों को प्रोत्साहन दिया जाएगा। इसका प्रमुख कारण वहां की अत्यंत निम्न प्रजनन दर है, जो लगभग 1.5 तक पहुंच चुकी है। यह स्थिति भविष्य में श्रमबल की कमी और वृद्ध होती आबादी जैसी चुनौतियां पैदा कर सकती है। वैश्विक अनुभव भी यही संकेत देता है। चीन ने 1980 में एक-बच्चा नीति लागू की थी, जिसे बाद में दो-बच्चा और फिर तीन-बच्चा नीति में बदलना पड़ा। अत्यधिक जनसंख्या नियंत्रण ने वहां जन्मदर को इतना कम कर दिया कि अब कार्यशील आयु वर्ग की कमी और बुजुर्ग आबादी का दबाव बढ़ रहा है। भारत भी अब उस दौर में प्रवेश कर रहा है, जहां जनसंख्या विस्फोट की चिंता पहले जैसी नहीं रही। देश की कुल प्रजनन दर लगभग 2.0 तक पहुंच चुकी है। केवल कुछ राज्यों जैसे बिहार (2.9), उत्तर प्रदेश (2.4) और झारखंड (2.3) में यह अभी भी प्रतिस्थापन स्तर से ऊपर है। वहीं राष्ट्रीय स्तर पर प्रति महिला जन्म लेने वाले बच्चों की संख्या पिछले 25 वर्षों में 3.3 से घटकर लगभग 1.9 रह गई है। ऐसे में जनसंख्या प्रबंधन का उद्देश्य केवल संख्या घटाना नहीं, बल्कि संतुलित, शिक्षित और उत्पादक मानव संसाधन तैयार करना होना चाहिए। मध्य प्रदेश का निर्णय इसी नई सोच को प्रतिबिंबित करता है। आने वाले समय में भारत की प्राथमिकता जनसंख्या नियंत्रण नहीं, बल्कि बेहतर शिक्षा, स्वास्थ्य, रोजगार और जीवन स्तर के माध्यम से जनसंख्या की गुणवत्ता बढ़ाना होनी चाहिए।

लुभावनी डील्स के दौर में समझदारी भरी खरीदारी

स्नेहा सिंह

आज का बाजार आकर्षक ऑफर्स और छूट योजनाओं से भरा हुआ है। ऑनलाइन और ऑफलाइन दोनों माध्यमों में ग्राहकों को लुभाने के लिए कंपनियां तरह-तरह के डिस्काउंट, कैशबैक, एक्सचेंज ऑफर और 'बाय वन गेट वन फ्री' जैसी योजनाएं पेश कर रही हैं। उपभोक्ता के लिए यह स्थिति अवसर भी है और चुनौती भी। अवसर इसलिए कि वह कम कीमत पर आवश्यक वस्तुएं खरीद सकता है और चुनौती इसलिए कि हर आकर्षक दिखने वाला सौदा वास्तव में लाभकारी हो, यह जरूरी नहीं। विपणन विशेषज्ञ भलीभांति जानते हैं कि उपभोक्ता के निर्णयों को प्रभावित करने में मनोवैज्ञानिक तत्व महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। यही कारण है कि 'ऑफर आज ही समाप्त हो जाएगा' या 'सीमित स्टॉक उपलब्ध है' जैसे संदेशों के माध्यम से ग्राहकों में तात्कालिकता की भावना पैदा की जाती है। परिणामस्वरूप अनेक लोग आवश्यकता के बजाय आवेग में खरीदारी कर बैठते हैं। किसी वस्तु पर 50 प्रतिशत छूट मिलने का अर्थ यह नहीं कि वह खरीदारी स्वतः लाभदायक हो गई। यदि वस्तु की आवश्यकता ही नहीं है, तो खर्च किया गया धन बचत नहीं, बल्कि अनावश्यक व्यय है।

किसी भी खरीदारी का मूल्यांकन केवल उसकी प्रारंभिक कीमत से नहीं किया जाना चाहिए। वस्तु या सेवा की कुल स्वामित्व लागत भी उतनी ही महत्वपूर्ण होती है। विशेष रूप से वाहन, इलेक्ट्रॉनिक उपकरण और मशीनरी जैसे उत्पादों में रखरखाव, मरम्मत, बीमा, ईंधन या संचालन संबंधी खर्च लंबे समय में प्रारंभिक बचत को समाप्त कर सकते हैं। इसलिए उपभोक्ता को खरीद मूल्य के साथ-साथ भविष्य में होने वाले खर्चों पर भी विचार करना चाहिए। इसी प्रकार ऑफर से जुड़ी शर्तों को समझना भी आवश्यक है। कई बार भारी छूट केवल विशेष भुगतान माध्यमों, न्यूनतम खरीद सीमा या गैरवापसी योग्य शर्तों के साथ जुड़ी होती है। यात्रा, बीमा और वित्तीय सेवाओं में यह स्थिति अक्सर देखने को मिलती है। सतही तौर पर सस्ता दिखने वाला विकल्प बाद में महंगा साबित हो सकता है। गुणवत्ता और विश्वसनीयता का प्रश्न भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। केवल कम कीमत के आधार पर किसी उत्पाद का चयन करना बुद्धिमानी नहीं है। यदि सस्ता उत्पाद जल्दी खराब हो जाए या उसकी बिक्री-पश्चात सेवा कमजोर हो, तो उपभोक्ता को अतिरिक्त आर्थिक और मानसिक बोझ उठाना पड़ता है। इसलिए प्रतिष्ठित ब्रांड, विश्वसनीय विक्रेता और अच्छी ग्राहक सेवा भी खरीद निर्णय के महत्वपूर्ण आधार होने चाहिए। उपभोक्ताओं को यह भी समझना चाहिए कि कंपनियां बिना किसी कारण के भारी छूट नहीं देतीं। कई बार उद्देश्य पुराने स्टॉक को निकालना, बाजार में नए उत्पाद के लिए जगह बनाना या बिक्री लक्ष्य पूरा करना होता है। ऐसे में खरीदार को यह परखना चाहिए कि छूट वास्तव में उसके हित में है या केवल विक्रेता की व्यावसायिक रणनीति का हिस्सा है। इसके अतिरिक्त प्रत्येक खरीदारी की एक अवसर लागत भी होती है। किसी एक वस्तु पर खर्च किया गया धन किसी अन्य संभावित निवेश या आवश्यकता पर खर्च नहीं किया जा सकता। इसलिए समझदार उपभोक्ता विकल्पों की तुलना करता है और दीर्घकालिक लाभ को प्राथमिकता देता है। कई बार कम छूट वाला लेकिन अधिक टिकाऊ और उपयोगी विकल्प भविष्य में अधिक लाभदायक सिद्ध होता है। वर्तमान उपभोक्तावादी युग में आर्थिक विवेक पहले से अधिक आवश्यक हो गया है।

पाकिस्तानी जुल्म के खिलाफ सड़कों पर उतरे लोग, भारत के लिए अवसर

अशोक भाटिया

पाकिस्तान के कब्जे वाले कश्मीर (पी ओ के)में बुनियादी अधिकारों, महंगाई और बिजली की भारी कीमतों को लेकर पाकिस्तान सरकार और सेना के खिलाफ विद्रोह छिड़ गया है। हजारों लोग सड़कों पर उतरकर 'आजादी' के नारे लगा रहे हैं, जिसे दबाने के लिए पाकिस्तानी सेना (जनरल आसिम मुनीर) द्वारा निहत्थे नागरिकों पर ताबड़तोड़ गोलियां चलाई जा रही हैं।पाकिस्तान के अवैध कब्जे वाले कश्मीर में इस वक्त तनाव चरम पर है। हजारों लोग आजादी की मांग लिए सड़कों पर उतरे हैं। इस बीच पाकिस्तानी सेना की बर्बरता की ऐसी तस्वीरें सामने आई हैं जिन्हें देखकर आपका दिल भी पसीज जाएगा। पाकिस्तान के सैन्य प्रमुख फील्ड मार्शल आसिम मुनीर की सेना पी .ओ .के के निहत्थे लोगों पर गोलियां बरसा रही है। स्थानीय लोगों के मुताबिक हिंसा में अब तक 100 से ज्यादा लोगों की मौत हो चुकी है और सरकार विरोध दबाने के लिए हर तरह के नापाक हथकंडे अपना रही है। एक वीडियो में देखा जा सकता है कि किस तरह एक शख्स पर पाक सेना ने तब तक फायरिंग की, जब तक वह गोलियों से छलनी नहीं हो गया। जानकारी के मुताबिक यह वीडियो रावलाकोट का है। यह वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो रहा है और लोग वैश्विक समुदाय से लगातार पाकिस्तान को उसकी इस घटिया करतूत के लिए जिम्मेदार ठहराने की मांग कर रहे हैं। वायरल वीडियो में साफ देखा जा सकता है कि पाकिस्तानी सुरक्षा बल एक निहत्थे स्थानीय नागरिक पर अंधाधुंध गोलियां बरसा रहे हैं, जबकि वह नागरिक अपनी जान बचाने के लिए छिपने की जगह ढूंढ रहा है। इंटरनेट पर ऐसी दूसरी कई तस्वीरें भी सामने आई हैं। प्रदर्शनकारियों ने चावल, दाल और आटे की महंगाई और आजादी की मांग उठा रहे है । प्रशासन पर वादों से मुकरने का आरोप भी लगाया जा रहा है । प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि उन्हें रोकने के लिए गोलियां चलाई गईं, पेलेट गन का इस्तेमाल किया गया और आंसू गैस के गोले छोड़े गए। इस कार्रवाई में कम से कम सात लोगों के घायल होने की खबर है। कोटली में भी बड़ी संख्या में लोग सड़कों पर उतरे। पाकिस्तान विरोधी नारे लगाए गए।ददयाल में भी पाक सेना के खिलाफ बड़े पैमाने पर प्रदर्शन हुए। पूरे इलाके में लोगों का गुस्सा दिखा, जिसका असर रोजमर्रा की जिंदगी पर भी पड़ा। मुजफ्फराबाद, रावलकोट, कोटली और भीमबर में बाजार, दुकानें और कारोबारी प्रतिष्ठान बंद रहे। शटडाउन के चलते जनजीवन प्रभावित हुआ। प्रदर्शनकारी लगातार सरकार और सेना के खिलाफ नारेबाजी करते रहे।प्रदर्शनकारियों ने पालंद्री में आंसू गैस के गोलों के अवशेष भी दिखाए, जिन्हें सुरक्षा बलों द्वारा भीड़ को तितर-बितर करने के लिए दागा गया था। हजारों लोग पूरे दिन सड़कों पर डटे रहे और पाकिस्तानी प्रशासन के खिलाफ विरोध दर्ज कराते रहे। वहीं सुधनोटी में लकड़ी की छड़ियां लेकर प्रदर्शन कर रहे लोगों ने पाक सरकार और सेना को आंदोलन तेज करने की चेतावनी दी।मुजफ्फराबाद में नीलम ब्रिज के पास प्रदर्शनकारियों और सुरक्षा बलों के बीच झड़पें भी हुईं। सोशल मीडिया पर सामने आए वीडियो में फायरिंग की आवाजें सुनाई दी हैं। इससे इलाके में तनाव बढ़ा है। प्रदर्शनकारी 38 मांगों को पूरा करने की मांग कर रहे हैं। इनमें सबसे प्रमुख मांग सस्ती बिजली, आटा, चावल और दाल जैसी जरूरी वस्तुओं को कम कीमत पर उपलब्ध कराने की है।प्रदर्शनकारियों का कहना है कि पाकिस्तान ने पी ।ओ ।के में मंगला डैम समेत कई बड़े हाइड्रोइलेक्ट्रिक प्रोजेक्ट स्थापित किए हैं। उनका तर्क है कि चूंकि ये परियोजनाएं स्थानीय संसाधनों पर आधारित हैं, इसलिए यहां के लोगों को बेहद कम दरों पर बिजली उपलब्ध कराई जानी चाहिए। आरोप है कि संसाधन उनके इलाके से लिए जा रहे हैं, लेकिन उसका लाभ स्थानीय लोगों को नहीं मिल रहा।

आर्थिक मांगों के अलावा आंदोलन का एक बड़ा राजनीतिक पहलू भी है। प्रदर्शनकारी पी .ओ . के लेजिस्लेटिव असेंबली में रिफ्यूजी के लिए आरक्षित 12 सीटों को खत्म करने की मांग कर रहे हैं। ये सीटें उन लोगों के लिए आरक्षित हैं, जिन्हें भारत के हिस्से वाले कश्मीर से पी ।ओ ।के में आने वाला शरणार्थी बताया जाता है। हालांकि, इनमें से बड़ी संख्या में लोग पाकिस्तान के अन्य शहरों में रहते हैं।

आंदोलनकारियों का सवाल है कि जो लोग पी .ओ .के में रहते ही नहीं, वे यहां की विधानसभा सीटों पर वोट कैसे डाल सकते हैं। स्थानीय जनता का प्रतिनिधित्व कैसे कर सकते हैं। उनका आरोप है कि इन आरक्षित सीटों का इस्तेमाल पाकिस्तान की खुफिया एजेंसी आईएसआई और सेना अपने प्रभाव को बनाए रखने के लिए करती है। हिजबुल के लोगों को इन सीटों पर चुनाव जिताने में भूमिका निभाती है। उनका कहना है कि पी .ओ .के विधानसभा की कुल 45 सीटों में से 12 सीटें ऐसी हैं, जिन पर आईएसआई और पाकिस्तानी सेना का प्रभाव रहता है। इसी प्रभाव के जरिए राजनीतिक समीकरण बदले जाते हैं और जरूरत पड़ने पर अपनी पसंद का प्रधानमंत्री भी बनवाया जाता है। इस संदर्भ में प्रदर्शनकारी अब्दुल्ला सईद शाह का उदाहरण भी दे रहे हैं, जिन्हें पीर मजहर सईद शाह के नाम से जाना जाता है। उन पर जैश-ए-मोहम्मद के सिंध प्रांतीय प्रमुख होने के आरोप लगते रहे हैं। इसके बावजूद वह पी ।ओ ।के विधानसभा के सदस्य हैं और हाल तक सूचना एवं प्रसारण मंत्री का पद भी संभाल रहे थे। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि ऐसे उदाहरण राजनीतिक व्यवस्था पर गंभीर सवाल खड़े करते हैं। यह पहली बार नहीं है जब पी ।ओ ।के में इस तरह का उबाल देखने को मिला हो। पिछले साल भी विरोध प्रदर्शन हुए थे।कुछ समय पूर्व के प्रदर्शनों के बाद पाकिस्तान के प्रधानमंत्री शहबाज शरीफ ने अपने करीबी सहयोगी और राजनीतिक सलाहकार राणा सनाउल्लाह को बातचीत के लिए पी ।ओ ।के भेजा था। उस समय प्रशासन ने प्रदर्शनकारियों की 38 में से 21 मांगें मानने का भरोसा दिया था। हालांकि, प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि आठ महीने बीत जाने के बाद भी वे वादे पूरे नहीं किए गए। आंदोलनकारियों का दावा है कि पिछले वर्ष ब्रिगेडियर फैक अयूब की पी ।ओ ।के में आईएसआई सेक्टर कमांडर के रूप में नियुक्ति के बाद सेना की कार्रवाई सख्त हो गई है। उसकी कमान में आम लोगों पर दबाव बढ़ा है। पी । ओ । के में तैनाती से पहले वह पंजाब सेक्टर के कमांडर रह चुके हैं। उनके विरोधियों का आरोप है कि लाहौर में की गई एक हिंसक कार्रवाई के कारण उसे 'लाहौर का कसाई' तक कहा जाता है।इस समय पाक आर्मी गो बैक के नारे प्रदर्शनकारियों के बीच बस एक ही आवाज गूंज रही है- पाकिस्तान से आजादी ।

विधानसभा की आरक्षित सीटों को भंग करने की मांग से शुरू हुआ यह आंदोलन अब एक जन-विद्रोह में बदल चुका है।

एक देश, एक पत्रकार पहचान पत्र : लोकतंत्र का नया आधार

सुरेश गांधी

भारत दुनिया का सबसे बड़ा लोकतंत्र है। इस लोकतंत्र की मजबूती चार स्तंभों- विधायिका, कार्यपालिका, न्यायपालिका और मीडिया-पर टिकी हुई है। इनमें मीडिया को लोकतंत्र का चौथा स्तंभ कहा जाता है क्योंकि यह जनता और सत्ता के बीच संवाद का सबसे सशक्त माध्यम है। लेकिन विडंबना यह है कि जिस पत्रकारिता की पहचान सत्य, विश्वसनीयता और जनसरोकारों से होनी चाहिए, आज उसी क्षेत्र में पहचान का संकट गहराता जा रहा है। देश के विभिन्न राज्यों, जिलों और कस्बों में अनेक संस्थाएं, संगठन, पोर्टल, समाचार पत्र, पत्रिकाएं और मीडिया मंच अपने-अपने स्तर पर पत्रकार पहचान पत्र जारी कर रहे हैं। इनमें से अनेक संस्थाएं प्रतिष्ठित हैं, लेकिन बड़ी संख्या में ऐसे मंच भी हैं जो बिना किसी स्पष्ट मानक या वैधानिक प्रक्रिया के पहचान पत्र बांट रहे हैं। परिणामस्वरूप पत्रकारिता की आड़ में फर्जीवाड़ा, दबाव की राजनीति, अवैध वसूली और प्रशासनिक दुरुपयोग जैसी शिकायतें लगातार सामने आती रहती हैं। ऐसे समय में एक देश, एक पत्रकार पहचान पत्र की अवधारणा केवल एक प्रशासनिक सुधार नहीं, बल्कि पत्रकारिता की गरिमा और लोकतंत्र की विश्वसनीयता को मजबूत करने का महत्वपूर्ण कदम बन सकती है।

पहचान का संकट क्यों?

आज यदि किसी जिले में कोई व्यक्ति स्वयं को पत्रकार बताता है, तो उसकी पहचान की पुष्टि करना कई बार मुश्किल हो जाता है। उसके पास किसी संगठन द्वारा जारी पहचान पत्र हो सकता है, लेकिन यह तय करना आसान नहीं होता कि वह वास्तव में सक्रिय पत्रकार है या केवल पत्रकारिता के नाम का उपयोग कर रहा है। पुलिस, प्रशासन, सरकारी विभाग और सार्वजनिक संस्थान अक्सर इस दुविधा में रहते हैं कि किसे वास्तविक पत्रकार माना जाए और किसे नहीं। कई बार घटनास्थलों, वीआईपी कार्यक्रमों, संवेदनशील क्षेत्रों या आपदा स्थलों पर भी इसी कारण भ्रम की स्थिति उत्पन्न होती है। सोशल मीडिया और डिजिटल मीडिया के विस्तार ने इस चुनौती को और बढ़ा दिया है। आज कोई भी व्यक्ति वेबसाइट या यूट्यूब चैनल बनाकर स्वयं को पत्रकार घोषित कर सकता है। डिजिटल पत्रकारिता लोकतंत्र के लिए अवसर भी है, लेकिन इसके साथ पहचान और जवाबदेही का प्रश्न भी उतना ही महत्वपूर्ण है।

फर्जी पत्रकारिता की बढ़ती चुनौती

देश के अनेक राज्यों में समय-समय पर ऐसे मामले सामने आए हैं जहां कुछ लोगों ने पत्रकार पहचान पत्र का उपयोग कर अधिकारियों पर दबाव बनाने, अवैध वसूली करने, सरकारी दफ्तरों में प्रभाव दिखाने या निजी स्वार्थ साधने का प्रयास किया। ऐसे लोगों की गतिविधियों का सबसे अधिक नुकसान उन हजारों ईमानदार पत्रकारों को उठाना पड़ता है जो कठिन परिस्थितियों में जनहित की खबरें जुटाने का कार्य करते हैं। जब कुछ लोग पत्रकारिता की आड़ में अनुचित गतिविधियां करते हैं, तो पूरे मीडिया समुदाय की विश्वसनीयता पर प्रश्नचिह्न लग जाता है। यही कारण है कि पत्रकारिता से जुड़े अनेक विशेषज्ञ लंबे समय से एक ऐसी व्यवस्था की मांग करते रहे हैं जिसमें पत्रकार की पहचान स्पष्ट, प्रमाणित और राष्ट्रीय स्तर पर मान्य हो।

क्या हो सकता है एक देश, एक पत्रकार पहचान पत्र?

इस व्यवस्था के तहत केंद्र और राज्यों के समन्वय से एक ऐसा राष्ट्रीय पत्रकार पहचान पत्र जारी किया जा सकता है, जिसे पूरे देश में मान्यता प्राप्त हो। यह पहचान पत्र आधुनिक तकनीक आधारित हो सकता है, जिसमें-यूनिक पहचान संख्या, क्यूआर कोड, डिजिटल सत्यापन प्रणाली, संस्थान का विवरण, कार्यक्षेत्र, वैधता अवधि, और नवीनीकरण की व्यवस्था शामिल हो। किसी भी अधिकारी, संस्था या आम नागरिक द्वारा क्यूआर कोड स्कैन कर पत्रकार की पहचान और संबद्धता की पुष्टि की जा सके। इससे फर्जी पहचान पत्रों की समस्या काफी हद तक समाप्त हो सकती है।

वास्तविक पत्रकारों को क्या लाभ होगा?

पहचान की राष्ट्रीय मान्यता : आज एक राज्य में जारी पहचान पत्र दूसरे राज्य में कई बार मान्य नहीं माना जाता। राष्ट्रीय पहचान पत्र होने से पत्रकार देश के किसी भी हिस्से में अपनी पहचान आसानी से स्थापित कर सकेगा।

सुरक्षा में सुधार : पत्रकार अक्सर दंगों, प्राकृतिक आपदाओं, चुनावों, अपराध स्थलों और संघर्ष क्षेत्रों में रिपोर्टिंग करते हैं। ऐसी परिस्थितियों में उनकी पहचान स्पष्ट होना बेहद आवश्यक है। राष्ट्रीय स्तर का प्रमाणित पहचान पत्र सुरक्षा एजेंसियों और प्रशासन को भी यह सुनिश्चित करने में मदद करेगा कि घटनास्थल पर मौजूद व्यक्ति वास्तव में पत्रकार है।

कार्यक्रमों में पारदर्शिता : सरकारी कार्यक्रमों, प्रेस कॉन्फ्रेंस, विधानसभा, संसद, अंतरराष्ट्रीय आयोजनों और वीआईपी कार्यक्रमों में प्रवेश को लेकर कई बार विवाद होते हैं। एक समान पहचान पत्र से मान्यता और प्रवेश प्रक्रिया अधिक पारदर्शी हो सकती है।

योजनाओं का बेहतर लाभ : केंद्र और राज्य सरकारें समय-समय पर पत्रकारों के लिए बीमा, स्वास्थ्य सहायता, पेंशन, दुर्घटना सहायता, आवास और कल्याणकारी योजनाएं संचालित करती हैं। लेकिन कई बार पात्र पत्रकारों की पहचान और सत्यापन में कठिनाई आती है। यदि एक राष्ट्रीय डाटाबेस उपलब्ध हो तो वास्तविक पत्रकारों तक लाभ पहुंचाना कहीं अधिक आसान और पारदर्शी हो जाएगा।

सरकार को क्या लाभ होगा?

एक देश, एक पत्रकार पहचान पत्र केवल पत्रकारों के लिए ही नहीं, बल्कि सरकार और प्रशासन के लिए भी लाभकारी सिद्ध हो सकता है। सरकार के पास देशभर के सक्रिय पत्रकारों का अद्यतन और प्रमाणित डाटा उपलब्ध होगा। इससे विभिन्न योजनाओं का संचालन, संवाद कार्यक्रमों का आयोजन, मीडिया समन्वय और संकट की परिस्थितियों में सूचना प्रबंधन अधिक प्रभावी हो सकेगा। इसके अतिरिक्त फर्जी पहचान पत्रों के आधार पर सरकारी सुविधाएं प्राप्त करने की प्रवृत्ति पर भी अंकुश लगेगा।

लोकतंत्र को कैसे मिलेगा लाभ?

पत्रकारिता का मूल उद्देश्य सत्ता से सवाल पूछना, समाज की आवाज बनना और जनहित के मुद्दों को सामने लाना है। जब पत्रकार की पहचान स्पष्ट और विश्वसनीय होगी तो उसकी बात का प्रभाव भी बढ़ेगा। एक प्रमाणित पहचान व्यवस्था से मीडिया और समाज के बीच भरोसा मजबूत होगा। जनता को भी यह विश्वास रहेगा कि सामने मौजूद व्यक्ति वास्तव में पत्रकारिता के पेशे से जुड़ा हुआ है। यह व्यवस्था पत्रकारिता के पेशेवर मानकों को भी मजबूत करेगी और जिम्मेदार पत्रकारिता को प्रोत्साहन देगी।

किन बातों का रखना होगा ध्यान?

हालांकि एक देश, एक पत्रकार पहचान पत्र की अवधारणा आकर्षक और उपयोगी है, लेकिन इसे लागू करते समय कुछ महत्वपूर्ण सावधानियां भी आवश्यक होंगी। सबसे महत्वपूर्ण बात यह है कि यह व्यवस्था पत्रकारिता की स्वतंत्रता पर किसी प्रकार का नियंत्रण या प्रतिबंध न बन जाए। पत्रकार की मान्यता का अधिकार सरकार के हाथों में अत्यधिक केंद्रीकृत नहीं होना चाहिए। यदि ऐसा हुआ तो स्वतंत्र पत्रकारों, डिजिटल पत्रकारों और छोटे मीडिया संस्थानों के लिए समस्याएं उत्पन्न हो सकती हैं। इसलिए पहचान पत्र जारी करने की प्रक्रिया पारदर्शी, निष्पक्ष और बहुस्तरीय होनी चाहिए। इसमें मीडिया संगठनों, प्रेस परिषद, पत्रकार संगठनों, डिजिटल मीडिया प्रतिनिधियों और विशेषज्ञों की भागीदारी सुनिश्चित की जानी चाहिए।

आती-जाती सत्ता के साथ बदलती नेताओं की वफादारी

संजय सक्सेना

पारिवारिक और सामाजिक जीवन में जहां वफादारी सबसे बड़ी पूंजी होती है, वहीं क्या सियासत की दुनिया में वफादारी सबसे सस्ती चीज होती है? आज यह सवाल हर तरफ पूछा जा रहा है। क्या जब तक सत्ता का 'सूरज' चमकता रहता है, दरबार में भीड़ लगी रहती है। लेकिन जैसे ही सूरज 'अस्ताचल' होने लगता है, सियासी 'महफिल' में सन्नाटा छा जाता है। पश्चिम बंगाल की राजनीति में इस वक्त ठीक यही हो रहा है। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 के बाद तृणमूल कांग्रेस की बगावत ने पार्टी को पूरी तरह से तहस-नहस कर दिया है। दिल्ली से कोलकाता तक पूर्व मुख्यमंत्री ममता बनर्जी के भतीजे अभिषेक बनर्जी की मनमानी के खिलाफ पार्टी के 20 लोकसभा सांसदों और 58 से अधिक विधायकों ने मोर्चा खोल दिया है। वैसे यह महज एक पार्टी का संकट नहीं है, यह भारतीय लोकतंत्र के उस गहरे घाव को उजागर करता है, जिसे मौकापरस्ती का नासूर कहते हैं। पश्चिम बंगाल विधानसभा चुनाव 2026 में भाजपा ने 45.43 प्रतिशत वोट पाकर सत्ता पर कब्जा किया और ममता बनर्जी की तृणमूल कांग्रेस का वोट शेयर 7.16 प्रतिशत गिर गया। विधानसभा चुनाव 2026 के परिणाम में ममता बनर्जी की पार्टी को मात्र 80 सीटें मिलीं। ममता बनर्जी के 35 में से 22 मंत्रियों को हार का सामना करना पड़ा, यानी करीब 63 प्रतिशत मंत्री चुनाव हार गए। खुद ममता बनर्जी भी अपने पुराने गढ़ भवानीपुर में हार गईं। पंद्रह साल की सत्ता का यह अंत था, लेकिन असली तमाशा इसके बाद शुरू हुआ।

पिछले 14 दिन में ही पांच बड़े नेताओं ने अपने पद से इस्तीफा दे दिया है। राज्यसभा सांसद सुखेंदु शेखर राय ने पार्टी की सदस्यता से इस्तीफा दे दिया है और अपनी राज्यसभा सीट भी छोड़ दी है। जिस सुखेंदु शेखर राय को ममता का सबसे भरोसेमंद सिपाही माना जाता था, उन्होंने जाते-जाते भाजपा की तारीफ में पत्र लिखा। 14 बागी सांसद भाजपा के राष्ट्रीय रणनीतिकार और केंद्रीय मंत्री भूपेंद्र यादव के आवास पर लंच के लिए जुटे, जहां पश्चिम बंगाल के नवनिर्वाचित मुख्यमंत्री शुभेंदु अधिकारी भी मौजूद थे। यह लंच महज खाने का नहीं, सियासी पाला बदलने का आयोजन था। बागियों की फेहरिस्त लंबी है। काकोली घोष दस्तीदार, जगदीश चंद्र बसुनिया, खलीलुर रहमान, यूसुफ पठान, अबू ताहिर खान, पार्थ भौमिक, बापी हलदार, सायोनी घोष, माला रॉय, मिताली बाग, दीपक अधिकारी, जून मालिया, अरूप चक्रवर्ती और शत्रुघ्न सिन्हा समेत 19 सांसदों के नाम बागी सूची में हैं। टीएमसी सांसद शताब्दी रॉय ने खुलकर कहा कि भारी भ्रष्टाचार की वजह से पार्टी की हार हुई है। उन्होंने संकेत दिए कि वे एनडीए का समर्थन करेंगी और अपने निर्वाचन क्षेत्र के विकास के लिए मौजूदा सरकार के साथ काम करेंगी। टीएमसी के पूर्व राष्ट्रीय प्रवक्ता शांतनु सेन ने भी पार्टी से इस्तीफा देकर ममता बनर्जी और अभिषेक बनर्जी के नेतृत्व को चुनौती दी।

लेकिन यह बीमारी सिर्फ तृणमूल की नहीं है। भारतीय राजनीति का पूरा इतिहास ऐसे मौकापरस्तों से भरा पड़ा है, जिन्होंने सत्ता के लिए अपनी वैचारिक प्रतिबद्धता को ताक पर रख दिया। 2014 में जब नरेंद्र मोदी की अगुआई में भाजपा ने ऐतिहासिक बहुमत हासिल किया, तब से कांग्रेस का एक के बाद एक बड़ा चेहरा पार्टी छोड़ता चला गया। गुलाम नबी आजाद, ज्योतिरादित्य सिंधिया, जितिन प्रसाद, हेमंत बिस्वा सरमा, जगदंबिका पाल, अदिति सिंह काफी लंबी लिस्ट है। राहुल-प्रियंका के सबसे करीबी आरपीएन सिंह तक ने भी कांग्रेस का साथ छोड़ दिया। ये वो लोग थे, जो कभी गांधी परिवार के सबसे करीबी माने जाते थे। ज्योतिरादित्य सिंधिया ने तो मध्य प्रदेश में कांग्रेस की कमलनाथ सरकार ही पलट दी और सीधे केंद्र में मंत्री बन गए। महाराष्ट्र कांग्रेस के बड़े नेता और पूर्व मुख्यमंत्री अशोक चव्हाण ने पार्टी से इस्तीफा दे दिया और अगले ही दिन भाजपा में शामिल हो गए। उन्होंने कहा कि कांग्रेस में निर्णय लेने की क्षमता नहीं है। अमरिंदर सिंह, जो पंजाब के मुख्यमंत्री रहे और जिन्होंने पाकिस्तान से लड़ाई तक की बात की थी, वे भी कांग्रेस छोड़कर अपनी पार्टी बनाकर बाद में भाजपा की गोद में जा बैठे। नारायण राणे, जो महाराष्ट्र के मुख्यमंत्री रहे, उन्होंने भी यही रास्ता चुना। एक नेता ने जाते हुए कहा कि उन्होंने कभी नहीं सोचा था कि वे 55 साल के साथ को छोड़कर पार्टी बदल लेंगे, लेकिन देश के लिए मोदी जी का विजन बहुत बड़ा है। पचपन साल की निष्ठा रातोंरात इस तरह बदल जाती है, यह भारतीय लोकतंत्र के लिए कोई गौरव की बात नहीं है। इन सबके बीच एक सवाल जरूर उठता है कि क्या इन नेताओं में से कोई एक भी वैचारिक आधार पर पार्टी बदलता है? जवाब ज्यादातर नकारात्मक ही है। टिकट न मिलना, पद से हटाया जाना, या सत्ता की धूप से दूर हो जाना, यही तीन कारण होते हैं, जो नेताओं को रातोंरात क्रांतिकारी बना देते हैं। ज्योतिरादित्य सिंधिया को मध्य प्रदेश में मुख्यमंत्री पद नहीं मिला, तो उन्होंने पार्टी ही बदल दी। जितिन प्रसाद को उत्तर प्रदेश में तवज्जो नहीं मिली, तो उन्होंने भाजपा में शरण ली। यह बात और है कि भाजपा ने भी इन्हें उचित महत्व देने में कोई कमी नहीं रखी। तृणमूल के संदर्भ में यह और भी विडंबनापूर्ण है। राजनीतिक विशेषज्ञों का मानना है कि ममता बनर्जी की पहचान हमेशा से एक फाइटर नेता की रही है। 1998 में कांग्रेस से अलग होकर उन्होंने अकेले दम पर तृणमूल कांग्रेस बनाई और 2011 में 34 साल पुराने वामपंथ को सत्ता से उखाड़ फेंका।

सीट नं. 71, वह भी आरएएसी, न बाबा न!

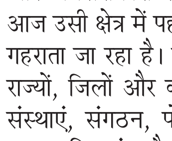

सुरेश कुमार मिश्रा

गाड़ी छूटने में अभी पंद्रह मिनट बाकी थे और मैं प्लेटफार्म पर ऐसे टहल रहा था जैसे बकरे को ईद से पहले आखिरी बार टहलाया जाता है। जेब से टिकट निकालकर मैंने तीसरी बार देखा। नंबर वही, बोगी वही, और वह कुख्यात कोना भी वही था जहाँ पहुँचकर आदमी को अपने पूर्वजों के कर्मों पर शक होने लगता है। रेल विभाग ने शायद ब्रह्मांड के सारे बचे-खुचे पापों की ईएमआई वसूलने के लिए उस जगह सीट नं. 71 साइड लोअर का आविष्कार किया होगा।

मैं जब वहाँ पहुँचा तो लगा किसी ने इंसानों के लिए नहीं, कबाड़ की बोरियों के लिए सीट बनाई है। आधी जगह पर एक राजस्थानी भाई साहब पहले से पालथी मारे जमे थे। मूँछें ऐसी कड़क जैसे दो नेवले आपस में कुश्ती लड़ने की पोजीशन में हों। मुझे देखते ही कबीलाई अंदाज़ में बोले, आओ सा, बैठ जाओ। यहाँ आदमी नहीं बैठता, आदमी की केवल उम्मीद बैठती है। मैं अभी इस भारी-भरकम फिलॉसफी पर विचार ही कर रहा था कि एक तमिल युवक भी वहाँ आ टपका। उसने पहले सीट देखी, फिर हमें देखा, फिर सीधे ऊपर वाले को देखा और रोनी सूरत बनाकर बोला, अय्यो, हम किधर बैठेगा। तभी पीछे का जादुई दरवाजा खुला। एक झोंका आया। फिर दूसरा आया। फिर तीसरा आया। तीनों झोंकों ने मिलकर मेरे जीवन की सारी पुरानी यादों का दूरदर्शन पर लाइव री-टेलीकास्ट शुरू कर दिया। मुझे पहली कक्षा की वो मारकुटानी मास्टरनी याद आ गई। गाँव का वो कीचड़ भरा पोखरा याद आ गया। बचपन में नाली में खोया हुआ लट्टू याद आ गया। राजस्थानी भाई ने तुरंत जेब से रूमाल निकाला, उसे डिटॉल की तरह नाक पर बाँधा और बोले, म्हारे यहाँ ऊँट के तबेले में भी इतनी आत्मीयता और खुशबू नहीं मिलती सा! तमिल युवक तड़पकर बोला, हमारे गाँव में मछली बाजार है भाई, पर वहाँ भी हवा अपनी मर्यादा में रहती है। गाड़ी चली और हमारी रही-सही इज्जत का कचरा होना भी शुरू हुआ। पहला यात्री आया, उसने हमारी बदहाल हालत को देखा, एक कुटिल मुस्कान दी और आगे बढ़ गया। दूसरा आया, उसने हमें देखकर ऐसे सिर हिलाया जैसे किसी भयानक एक्सीडेंट स्पॉट का मुआयना कर रहा हो। तीसरा आया, उसने जेब से फॉग का डब्बा निकाला, फिर हमारी शक्लें देखकर न जाने क्या सोचा और चुपचाप जेब में रख लिया। शायद उसे लगा कि टीवी के विज्ञापन तो सब फेकमफाक होते हैं, यहाँ तो साक्षात यमराज की हवा चल रही है। कुछ ही देर में हमारी वह सीट सार्वजनिक चौपाल और लावारिस बस स्टैंड में बदल गई। कोई हमारे घुटनों को रेल मंत्रालय की लावारिस संपत्ति समझकर उन पर पैर रखकर सुस्ता रहा था।तभी एक बच्चा अपनी मम्मी से बोला, मम्मी, ये तीनों अंकल सो क्यों नहीं रहे? मम्मी ने बड़े गंभीर लहजे में कहा, बेटा, ये लोग सो नहीं रहे, ये जीवन का कड़वा अनुभव ले रहे हैं। मैंने जिंदगी में पहली बार महसूस किया कि साला दुख भी कभी-कभी टूरिस्ट स्पॉट बन जाता है, जहाँ लोग आते हैं, आपको तड़पता देखते हैं और अपनी किस्मत को दुआ देकर चले जाते हैं।

हांसी में जिम संचालक की हत्याः सुबह-सुबह कत्ल

हांसी, 11 जून (एजेंसियां)। हांसी के फव्वारा चौक के पास गुरुवार सुबह करीब 5:30 बजे एक सनसनीखेज वारदात में बाइक सवार हमलावरों ने जिम संचालक की गोलियों से भूनकर हत्या कर दी। हमलावरों ने महज 5 सेकेंड के भीतर करीब 10 राउंड फायर किए, जिनमें कई गोलियां जिम संचालक की पीठ और सिर में लगीं। गंभीर चोटों के कारण उसकी मौके पर ही मौत हो गई। पूरी वारदात का वीडियो भी सामने आया है। घटना के समय जिम संचालक कपिल चौक के पास दुकानों के रैंप पर युवक-युवतियों को सुबह की एक्सरसाइज करवा रहा था।

इसी दौरान हेलमेट पहने बाइक सवार बदमाश वहां पहुंचे और ताबड़तोड़ फायरिंग कर फरार हो गए। फायरिंग के दौरान वार्म-अप कर रही शिखा नामक युवती भी छर्रे लगने से घायल हो गई। उसे उपचार के लिए हिसार के एक निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया है, जहां उसका इलाज जारी है।

'होम मेकर नहीं, नेशन बिल्डर कहें

हर महीने कम से कम 30,000 का काम करती हैं हाउस वाइफ'- सुप्रीम कोर्ट

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने गुरुवार को एक मामले की सुनवाई करते हुए कहा कि परिवार में पत्नियों का योगदान बहुत अहम होता है। इस वजह से उनके लिए होममेकर्स के बजाय नेशन बिल्डर शब्द का इस्तेमाल किया जाना चाहिए। कोर्ट ने घरेलू इनकम के नुकसान के लिए अहम निर्देश जारी किए हैं। सुप्रीम कोर्ट की एक बेंच ने कहा कि घरेलू देखभाल के नुकसान को मोटर एक्सिडेंट क्लेम में मुआवजा देने के लिए एक अतिरिक्त आधार माना जाएगा।

कोर्ट के इस फैसले से होममेकर्स की मौत पर मुआवजे को कंट्रोल करने वाले पहले के उदाहरणों में पहले से तय सिद्धांतों को सपोर्ट मिलेगा। कोर्ट ने कहा कि घर में काम करने वाली महिलाएं किसी ऐसे व्यक्ति से कम नहीं हैं, जो ऑफिस जाता है और घर चलाने के लिए पैसा कमाकर लाता है। जस्टिस संजय करोल और जस्टिस एन। कोटिश्वर सिंह की पीठ ने कहा कि एक गृहिणी का योगदान बेहद अहम होता है। उनके योगदान को आर्थिक

रूप से आंकना मुश्किल है।

कोर्ट ने कहा कि सड़क हादसों के मामले में गृहणियों की काल्पनिक आय का आंकलन उनके काम, श्रण और बलिदान के आधार पर किया जाना चाहिए। पीठ ने अपने आदेश में कहा, एक गृहिणी की भूमिका उतनी ही महत्वपूर्ण है जितनी कि परिवार के किसी ऐसे सदस्य की जिसकी आमदनी स्थिर हो। यदि एक गृहिणी द्वारा किए गए कार्यों का अलग-अलग मूल्यांकन किया जाए, तो इसमें कोई संदेह नहीं है कि उसका योगदान उच्च कोटि का और अमूल्य है। वास्तव में, उसके योगदान का मूल्यांकन केवल मौद्रिक रूप से करना कठिन है।

साल 2006 में उत्तराखंड में एक सड़क हादसे में महिला की मौत हो गई थी। वाहन का बीमा नहीं था। ऐसे में मालिक ने मृतकों के परिजनों को मुआवजा दिया। महिला के पति और नाबालिग बेटे की मौत के बाद मुआवजा 2.50 लाख रुपये तय किया गया। परिवार ने ज्यादा मुआवजे की अपील दायर की, लेकिन 2017 में इसे खारिज कर दिया गया। उच्च न्यायालय ने कहा कि गृहिणी के मामले में मुआवजा जीवन प्रत्याशा और न्यूनतम काल्पनिक आय के आधार पर किया जाना चाहिए। न्यायाधिकरण ने महिला की काल्पनिक आय दिहाड़ी मजदूर से भी कम आंकी थी।

हाई कोर्ट ने भी इसे सही करार दिया। शुक्रवार को सुनवाई के दौरान सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि एक गृहिणी की आय को दिहाड़ी मजदूर से कम कैसे आंका जा सकता है। दो जज की बेंच ने कहा कि इस आंकलन को स्वीकार नहीं किया जा सकता। बेंच ने घर के काम में लगने वाले समय और मेहनत पर प्रयास डाला।

इस दौरान कई तथ्यात्मक गलतियों की भी आलोचना की गई। रिपोर्ट में वाहन का प्रकार गलत लिखा गया था। महिला की उम्र कम बताई गई थी। वहीं, नाबालिग बेटे को वयस्क बता दिया गया था। पीठ ने मुआवजे की राशि बढ़ाकर 6 लाख रुपये कर दी और मृतक महिला के परिवार को छह सप्ताह के भीतर भुगतान करने का निर्देश दिया।

लेडी डॉक्टर ने किया सुसाइड, मां बोली

दामाद ने लिया था ढाई करोड़ का लोन अस्पताल में चल रहा था अफेयर

जालंधर, 11 जून (एजेंसियां)। जालंधर के नेशनल आई अस्पताल के डाक्टर पीयूष की पत्नी डॉक्टर मीनाक्षी ने आत्महत्या कर ली। उसकी मौत का तब पता चला जब उसकी सहकर्मी ड्यूटी पर जाने के लिए उसे लेने केवल विहार स्थित उसके घर पहुंची। इस दौरान डॉ। मीनाक्षी ने दरवाजा नहीं खोला तो उसकी सहेली को शक हुआ तथा पड़ोसियों को इसकी जानकारी दी। जिस पर पड़ोसियों ने खिड़की के शीशे तोड़कर देखा तो मीनाक्षी फर्श पर बेसुध पड़ी थी।

जिसकी जानकारी तुरंत पुलिस व परिवार को दी गई। डॉ। मीनाक्षी पिछले एक वर्ष से अपने पति से अलग रह रही थी। और कपूरथला के स्वास्थ्य केंद्र में काम करती थी वे ड्यूटी पर अपनी सहकर्मी डॉक्टर के साथ जाती थी। डॉक्टर ने आत्महत्या कैसे हुई यह अभी रहस्य बना हुआ है। शव के पोस्टमार्टम के लिए तीन डॉक्टर्स का बोर्ड गठित किया गया है, जो वीरवार को पोस्टमार्टम करेगा।

विनयपाल कौर बनीं मोगा की नई मेयर पहली बार जीती हैं पार्षद का चुनाव

मोगा, 11 जून (एजेंसियां)। पार्षद विनयपाल कौर मोगा की नई मेयर बनी गई हैं। पंजाब सरकार ने इस बार मोगा के मेयर पद को पिछड़ा वर्ग (बीसी) श्रेणी के लिए आरक्षित किया था। मेयर चुनाव की प्रक्रिया में शामिल होने के लिए कैबिनेट मंत्री तरुणप्रीत सिंह सोंद विशेष रूप से मोगा पहुंचे। यह चुनाव मोगा की विधायक डॉ। अमनदीप कौर अरोड़ा तथा जिला प्रशासन के अधिकारियों की मौजूदगी में संपन्न हुआ। मोगा के 50 वार्ड में से 30 वार्ड में आम आदमी पार्टी ने जीत हासिल की है। विनयपाल कौर ने पहली बार राजनीति में कदम रखते हुए आम आदमी पार्टी के टिकट पर वार्ड नंबर 8 से चुनाव लड़ा था। जनता ने उन पर भरोसा जताते हुए उन्हें पार्षद चुना। 44 वर्षीय विनयपाल कौर शिमला यूनिवर्सिटी से बीएससी मेडिकल और पीजीडीसीए हैं। उनके दो बच्चे हैं। उनके परिवार का पहले राजनीति से कोई संबंध नहीं रहा है। निगम चुनाव में विनयपाल कौर ने अपने निकटतम प्रतिद्वंद्वी को 228 वोटों के अंतर से हराकर जीत दर्ज की थी।

कल्याण में पत्रकार के बेटे को मारी गोली

जिंदगी-मौत की जंग लड़ रहा राहुल दही गैंग के 4 आरोपी गिरफ्तार

ठाणे, 11 जून (एजेंसियां)। जिले के कल्याण पूर्व स्थित आत्माराम नगर इलाके में गुरुवार को हुई सनसनीखेज फायरिंग की घटना से पूरे क्षेत्र में दहशत फैल गई। इस गोलीबारी में पत्रकार के बेटे राहुल वर्मा गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें तत्काल अस्पताल में भर्ती कराया गया, जहां उनकी हालत नाजुक बताई जा रही है। जानकारी के अनुसार, आत्माराम नगर में दो राउंड फायरिंग की गई। गोली लगने से राहुल वर्मा गंभीर रूप से जख्मी हो गए। घटना के बाद इलाके में अफरा-तफरी का माहौल बन गया और बड़ी संख्या में लोग मौके पर जमा हो गए। सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और त्वरित कार्रवाई करते हुए दही गैंग से जुड़े चार आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है तथा घटना में इस्तेमाल हथियारों की जांच भी जारी है। डीसीपी अतुल झेंडे ने बताया कि फायरिंग के पीछे के कारणों और आरोपियों की आपराधिक पृष्ठभूमि की जांच की जा रही है। घटना के बाद इलाके में अतिरिक्त पुलिस बल तैनात कर सुरक्षा व्यवस्था कड़ी कर दी गई है। यह घटना एक बार फिर कल्याण में बढ़ती गैंगवार और अपराध की घटनाओं को लेकर सवाल खड़े कर रही है।

भारत-बांग्लादेश सीमा पर तनाव

मेघालय से घुसपैठिये को वापस भेजने पर विवाद, पड़ोसी देश ने नागरिक को नहीं अपनाया!

शिलांग, 11 जून (एजेंसियां)। भारत-बांग्लादेश सीमा पर घुसपैठ को लेकर फिर तनाव की स्थिति बन गई है। मेघालय के दक्षिण पश्चिम गारो हिल्स जिले के महेंद्रगंज (नंदिर चार सेक्टर) में सीमा सुरक्षा बल (बीएसएफ) की ओर से हिरासत में लिए गए एक संदिग्ध बांग्लादेशी नागरिक को वापस भेजे जाने के बाद गतिरोध पैदा हो गया है। सूत्रों के अनुसार अवैध रूप से भारतीय क्षेत्र में दाखिल हुए इस व्यक्ति ने पूछताछ में खुद को बांग्लादेशी नागरिक बताया था। इसके बाद निर्धारित प्रक्रिया के तहत उसे वापस भेजा गया, लेकिन बॉर्डर गाड्र्स बांग्लादेश (बीजीबी) और वहां के स्थानीय लोगों ने उसे स्वीकार करने से इन्कार कर दिया, जिससे वह बाड़ के उस पार फंसा रह गया है। इस पूरे घटनाक्रम पर बीएसएफ की ओर से फिलहाल आधिकारिक बयान जारी नहीं किया गया है। हालांकि, सीमा सुरक्षा से जुड़े सूत्रों का कहना है कि संबंधित एजेंसियां स्थिति पर करीबी निगरानी रख रही हैं। इस बीच सोशल मीडिया पर कुछ वीडियो भी सामने आए हैं, जिनमें सीमा क्षेत्र में हलचल और तनावपूर्ण माहौल का दावा किया जा रहा है। हालांकि, इन वीडियो की स्वतंत्र पुष्टि नहीं हो सकी है। हाल के महीनों में घुसपैठ और संदिग्ध नागरिकों की वापसी को लेकर ऐसी कई घटनाएं सामने आई हैं, जिसके कारण दोनों देशों के बीच समन्वय और प्रत्यावर्तन प्रक्रिया पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है।

'यह अमानवीय और भयावह कृत्य', मणिपुर में छह नगाओं की हत्या पर बोले नागालैंड के मुख्यमंत्री रियो

कोहिमा, 11 जून (एजेंसियां)। नागालैंड के मुख्यमंत्री नेफियू रियो ने मणिपुर में छह नागाओं की हत्या की कड़ी निंदा की। उन्होंने इसे भयानक और अमानवीय कृत्य बताया और दोषियों के खिलाफ जल्द कार्रवाई की मांग की। उन्होंने नागालैंड, मणिपुर और नगा-बहुल क्षेत्रों के लोगों से शांति और संयम बनाए रखने का आग्रह किया। एक्स के एक पोस्ट में रियो लिखा, 'यह घटना विशेष रूप से दर्दनाक थी क्योंकि यह नगा संगठनों ने अपनी हिरासत में लिए गए 14 बंधकों की सुरक्षित रिहाई में सुविधा देने और उनकी कैद के दौरान उनकी भलाई, सुरक्षा और गरिमा सुनिश्चित करने के बाद हुई थी। मणिपुर पुलिस ने बुधवार को कहा कि उन्हें कांगपोकपी जिले में सशस्त्र समूहों द्वारा बंधक बनाए गए लापता नगा पुरुषों के संदिग्ध शव मिले हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि बैपटिस्ट वर्ल्ड एलायंस के नेतृत्व में चर्च संगठनों की अपीलों और नगा नागरिक समाज समूहों के साथ परामर्श के बाद 14 बंधकों की रिहाई की गई। रियो ने कहा कि उन्होंने नगा लोगों के मानवीय और ईसाई मूल्यों के अनुरूप उनकी रिहाई सुनिश्चित करने के उद्देश्य से हुई चर्चाओं में व्यक्तिगत रूप से भाग लिया था। शीर्ष नगा संगठनों को अत्यंत अस्थिर स्थिति के बावजूद संयम बरतने और करुणा एवं शांति का मार्ग चुनने के लिए श्रेय दिया। उन्होंने कहा कि सभी 14 बंधकों की सुरक्षित रिहाई कठिन परिस्थितियों में भी मानवीय गरिमा के प्रति नगा लोगों की प्रतिबद्धता को दर्शाती है।

हैवान टीचर देवानंद बेरा ने 5 मासूम छात्राओं से किया रेप

राजकोट, 11 जून (एजेंसियां)। गुजरात के राजकोट जिले के उपलेटा से सनसनीखेज घटना सामने आई है। यहां एक सरकारी स्कूल के टीचर ने मर्यादाओं की सारी हदें पार करते हुए पांच नाबालिग छात्राओं से रेप किया। इस घटना से इलाके में भारी आक्रोश है। पुलिस ने आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। इस हैवानियत का शिकार बनीं मासूम बच्चियों की उम्र महज छह से सात वर्ष के बीच बताई जा रही है। आरोपी शिक्षक, जिसकी पहचान देवानंद बेरा के रूप में हुई है। इस मामले की भनक लगते ही स्थानीय प्रशासन और पुलिस महकमा तुरंत हरकत में आ गया। एसपी के मार्गदर्शन में पाटनवाव पुलिस स्टेशन की टीम ने मामले को गंभीरता से लेते हुए तत्काल तलाशी अभियान शुरू किया। पुलिस ने आरोपी शिक्षक को दबोच लिया। गिरफ्तार किए गए आरोपी का पूरा नाम देवानंद गोवाभाई बेरा है, जो मूल रूप से पाटनवाव का ही निवासी बताया जा रहा है। पुलिस ने इस मामले की गंभीरता और पीड़िताओं की कम उम्र को देखते हुए आरोपी शिक्षक के खिलाफ भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं और बच्चों को यौन अपराधों से संरक्षण देने वाले कड़े कानून पॉक्सो एक्ट के तहत मामला दर्ज कर लिया है। पुलिस का कहना है कि पीड़ित छात्राओं का मेडिकल कराया जाएगा।

'सलमान खान के ज्यादा करीब हो रहे हो'

दिल्ली में गुरु रंधावा के जिम के बाहर फायरिंग, हमले के पीछे लॉरेंस गैंग

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। पश्चिम विहार स्थित गायक गुरु रंधावा के जिम पर गोलीबारी की घटना सामने आई है। इस वारदात में किसी के भी हताहत होने की कोई सूचना नहीं मिली है। पुलिस ने इस मामले का संज्ञान लिया है और इसकी छानबीन शुरू कर दी है। इस गोलीबारी की जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग के एक सदस्य ने ली है।

अनिल पंडित नामक यह सदस्य अमेरिका में बैठा है। उसने सोशल मीडिया पर एक पोस्ट के जरिए यह दावा किया है। अनिल पंडित ने अपनी पोस्ट में इस हमले का कारण बताया है। उसने दावा किया कि गुरु रंधावा अभिनेता सलमान खान के बहुत करीब हो रहे थे। गैंग ने पहले भी गुरु रंधावा को इस बारे में चेतावनी दी थी। अनिल पंडित के अनुसार, गुरु रंधावा ने इन चेतावनियों को नजरअंदाज किया। इसी कारण से यह गोलीबारी की घटना हुई है। पुलिस टीम सभी पहलुओं से जांच कर रही है। पश्चिम विहार में यह महत्वपूर्ण घटना हुई है। यह घटना प्रसिद्ध गायक गुरु रंधावा के जिम से संबंधित है।

उनके जिम परिसर पर अज्ञात हमलावरों ने गोलीबारी की है। गोलीबारी की इस वारदात में कोई भी व्यक्ति घायल नहीं हुआ है। किसी के हताहत होने की सूचना नहीं मिलने से राहत की खबर है। लॉरेंस बिश्नोई गैंग के सदस्य अनिल पंडित ने हमले की जिम्मेदारी ली है। उसने सोशल मीडिया पर अपने दावे को सार्वजनिक किया है।

दुबई-पाकिस्तान से चल रहा नशा तस्करी नेटवर्क छह तस्कर 30 किलो हेरोइन के साथ गिरफ्तार

अमृतसर, 11 जून (एजेंसियां)। अमृतसर जिला शहरी पुलिस ने सीमा पार संचालित नशा तस्करी नेटवर्क के खिलाफ कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने उनके कब्जे से 30.045 किलोग्राम हेरोइन बरामद की है। ये पूरा नेटवर्क वाया दुबई-पाकिस्तान चल रहा था। पुलिस कमिश्नर गुरप्रीत सिंह भुल्लर ने बताया कि प्रारंभिक जांच में सामने आया है कि गिरफ्तार आरोपी दुबई स्थित एक तस्कर के संपर्क में थे, जो सीमा पार से हेरोइन की खेप पंजाब तक पहुंचाने का काम कर रहा था। पुलिस के अनुसार आरोपी उसके निर्देशों पर निर्धारित स्थानों से नशीले पदार्थों की खेप प्राप्त करते थे और बाद में उन्हें पंजाब के विभिन्न क्षेत्रों में पहुंचाते थे। इस संबंध में थाना छेहरटा में एनडीपीएस एक्ट के तहत मामला दर्ज किया गया है। पुलिस मामले की आगे जांच कर रही है ताकि नेटवर्क से जुड़े अन्य व्यक्तियों की पहचान की जा सके और इसके पूरे तंत्र का पता लगाया जा सके। जांच के दौरान आरोपियों की वित्तीय लेन-देन की कड़ियों की भी पड़ताल की जा रही है।

मूक दर्शक बनकर नहीं रह सकते

हाथी रमन के लिए क्यों टेंशन में है सुप्रीम कोर्ट? सरकार को दिया ये आदेश

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने एक केस की सुनवाई के दौरान कहा कि बेज़ुबान जानवरों की भलाई सबसे जरूरी है। साथ ही कोर्ट ने केरल सरकार को यह निर्देश दिया है कि वह 'रमन' नाम के हाथी की कस्टडी अपने हाथ में ले और उसे किसी सही रिहैबिलिटेशन सेंटर में रखा जाए। रमन राज्य का सबसे लंबा हाथी है, और उसकी ऊंचाई 10.53 फ़ीट है। जस्टिस दीपांकर दत्ता और जस्टिस सतीश चंद्र शर्मा की बेंच ने इस बात पर भी नाराजगी जताई कि रमन का जमकर व्यवसायिक इस्तेमाल किया गया और उसे धार्मिक जुलूसों तथा रस्मों में शामिल किया गया। बेंच ने गहरी नाराजगी जताते हुए कहा, "यह सच में बहुत ही दुर्भाग्यपूर्ण है कि जिस हाथी की बात हो रही है। वह केरल राज्य का सबसे लंबा हाथी है, उसका व्यवसायिक इस्तेमाल किया गया, जबकि इस तरह के इस्तेमाल पर रोक का आदेश पहले ही दिया जा चुका था और यह सब इस कोर्ट के सामने दिए गए एक अंडरटेकिंग के बावजूद हुआ।" बेंच ने आगे कहा, "अगर हम इस तरह की अवहेलना को नजरअंदाज करते हैं, तो हम बेज़ुबान जानवरों के प्रति अपने फर्ज को निभाने में नाकाम रहेंगे। हम हमेशा मूकदर्शक बनकर नहीं रह सकते, खासकर बेजुबान जानवरों के मामलों में, जिनकी भलाई सबसे अधिक जरूरी है।" यह साफ करते हुए कि रमन की कस्टडी देने का कोर्ट का आदेश एक अस्थायी उपाय है और इस पर अंतिम आदेश बाद में दिया जाएगा, बेंच ने कहा, "केरल सरकार अपने खर्च पर हाथी की अस्थायी देखभाल कर सकती है। ऐसी स्थिति में, वह वाइल्डलाइफ़ (प्रोटेक्शन) एक्ट (1972) के तहत दिए गए कानूनी सुरक्षा उपायों के अनुसार उचित प्रशासनिक आदेश जारी कर सकता है।" यह आदेश जयकृष्ण मेनन की ओर से दाखिल एक अवमानना याचिका पर आया।

मेनन का आरोप था कि रमन 'माता अमृतानंदमयी मठ' का हाथी है और उसे देखभाल के लिए कुछ समय के लिए कृष्णनकुट्टी को सौंपा गया था। कृष्णनकुट्टी को -जिसने एक विवादित वसीयत के आधार पर हाथी की कस्टडी अपने पास रखी थी – कोर्ट को दिए गए अंडरटेकिंग का जानबूझकर उल्लंघन करने के लिए अवमानना का दोषी पाया और उस पर 2 हजार रुपये का जुर्माना लगा दिया। कृष्णनकुट्टी ने दावा किया था कि गिफ्ट डीड के जरिए रमन को कानूनी रूप से उसे सौंपा गया था और वह पिछले 10-12 सालों से हाथी की लगातार देखभाल कर रहा है।

'सामना' में एनडीए सरकार पर टिप्पणी

शिवसेना (यूबीटी) ने 12 साल के कार्यकाल की निष्पक्ष जांच की मांग की

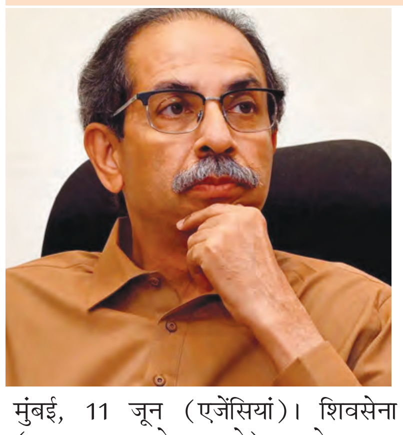

मुंबई, 11 जून (एजेंसियां)। शिवसेना (उद्धव बालासाहेब ठाकरे) गुट ने गुरुवार को कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व वाली भाजपा सरकार का 12 साल का कार्यकाल भारत की शासन परंपरा से मेल नहीं खाता और इसमें बड़ा अंतर दिखाई देता है। पार्टी के मुखपत्र 'सामना' में प्रकाशित संपादकीय में कहा गया कि पंडित नेहरू के नेतृत्व में एम्स, आईआईटी और आईआईएम जैसी संस्थाएं स्थापित हुईं।

उनका कार्यकाल राष्ट्र निर्माण, अंतरराष्ट्रीय सम्मान और समाज में सांप्रदायिक व धार्मिक घृणा से मुक्त वातावरण बनाने पर केंद्रित था। संपादकीय में आरोप लगाया गया कि पिछले 12 वर्षों में प्रवर्तन निदेशालय, सीबीआई, आयकर विभाग और पुलिस जैसी केंद्रीय एजेंसियों का राजनीतिक उपयोग किया गया है। इसमें यह भी कहा गया कि इससे संवैधानिक ढांचे को कमजोर किया गया है और चुनाव आयोग तथा शीर्ष न्यायिक संस्थाओं की स्वतंत्रता प्रभावित हुई है। संपादकीय में कहा गया कि इस दौरान भारतीय अर्थव्यवस्था कमजोर हुई है, रुपये का मूल्य गिरा है और विदेशी मुद्रा भंडार पर दबाव बढ़ा है।

इसमें यह भी आरोप लगाया गया कि राष्ट्रीय हित कुछ बड़े उद्योगपतियों के पक्ष में किए गए हैं। साथ ही बेरोजगारी बढ़ने, महिलाओं के खिलाफ अपराधों में वृद्धि और किसानों की आत्महत्या जैसे मुद्दों पर चिंता जताई गई है। इसमें यह भी कहा गया कि करीब 80 करोड़ लोग मुफ्त राशन पर निर्भर हैं। शिवसेना ने वर्तमान राजनीतिक व्यवस्था पर आरोप लगाया कि ऐतिहासिक बलिदानों और सैन्य घटनाओं को गलत तरीके से प्रस्तुत किया जा रहा है।

इसमें ऑपरेशन ब्लू स्टार, पुलवामा हमला, पहलगाम घटना और कारगिल युद्ध का उल्लेख किया गया। पार्टी ने कहा कि पहले अंग्रेजों ने देश को लूटा था, लेकिन वर्तमान 12 वर्षों की व्यवस्था में शोषण और भी अधिक गंभीर है।

शिवसेना ने इस पूरे कार्यकाल की निष्पक्ष जांच या 'ऑडिट' की मांग की है, ताकि भारत की वैश्विक और घरेलू स्थिति का सही

आज ईडी के सामने नहीं पेश होंगी वीणा विजयन

पूर्व सीएम की बेटी ने क्यों मांगी मोहलत

कोच्चि, 11 जून (एजेंसियां)। केरल के पूर्व मुख्यमंत्री पिनारयी विजयन की बेटी वीना टी ने सीएमआरएल मनी लॉनड्रिंग मामले के संबंध में ईडी से अपनी पूछताछ स्थगित करने का अनुरोध किया है। यह जानकारी सूत्रों के हवाले से हैं। दरअसल, प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने वीना को शुक्रवार को कोच्चि स्थित अपने कार्यालय में जांच दल के समक्ष पेश होने के लिए तलब किया था। हालांकि, सूत्रों के अनुसार, वीना ने हाल ही में स्वास्थ्य समस्याओं का हवाला देते हुए अपनी पेशी स्थगित करने के लिए आपातकालीन विभाग को एक ईमेल भेजा था।

उन्होंने एजेंसी को यह भी सूचित किया है कि सभी आवश्यक दस्तावेज जल्द ही उनके वकील के माध्यम से जमा कर दिए जाएंगे। ईडी सूत्रों ने बताया कि एजेंसी उनकी पेशी के लिए नई तारीख के साथ एक नया समन जारी करने पर विचार करेगी। ईडी की जांच उन आरोपों से संबंधित है कि कोचीन मिनरल्स एंड रुटाइल लिमिटेड (सीएमआरएल) ने वीना के स्वामित्व वाली आईटी कंसल्टेंसी फर्म एक्सालॉजिक सॉल्यूशंस प्राइवेट लिमिटेड को बिना किसी सेवा के बदले में 2.78 करोड़ रुपये का भुगतान किया। ईडी के अनुसार, सीएमआरएल के प्रबंध निदेशक शशिधरन कार्था द्वारा संचालित एक अन्य कंपनी, एम्पावर इंडिया कैपिटल इन्वेस्टमेंट्स प्राइवेट लिमिटेड (ईआईसीपीएल) ने एक्सालॉजिक को 50 लाख रुपये के कर्ज दिए थे। वहीं, कंपनी कथित तौर पर समय पर भुगतान करने में विफल रही थी।

एजेंसी ने आरोप लगाया है कि कार्था और वीना के नेतृत्व वाले सीएमआरएल के प्रबंधन ने इन लेन-देन के माध्यम से अपराध की आय अर्जित की। ईडी ने गंभीर धोखाधड़ी जांच कार्यालय (एसएफआईओ) द्वारा अप्रैल 2025 में एर्नाकुलम की एक अदालत में दायर अभियोजन शिकायत के आधार पर धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत मामला दर्ज किया।

एसएफआईओ, कॉर्पोरेट मामलों के मंत्रालय की जांच शाखा है। जनवरी 2019 में आयकर विभाग द्वारा की गई छापेमारी के बाद सीएमआरएल केंद्रीय एजेंसियों की जांच के दायरे में आ गया, जिसमें कथित तौर पर अनियमितताएं सामने आईं, जिनमें लगभग 130 करोड़ रुपये के कुछ काल्पनिक माने जाने वाले खर्च भी शामिल थे।

पैदा कम हो रहे, मर ज्यादा रहे... केरल में हर साल घट रही हिंदुओं की आबादी, ईसाइयों का भी हाल ठीक नहीं

कोच्चि, 11 जून (एजेंसियां)। केरल में हिंदू और ईसाई समुदाय के लोगों के लिए परेशान करने वाली खबर है। राज्य के इकोनॉमिक्स और स्टैटिस्टिक्स डिपार्टमेंट के ताजा आंकड़ों के मुताबिक, यहां इन दोनों धर्मों में मरने वाले लोगों की संख्या जन्म लेने वाले लोगों की संख्या से ज्यादा है। हिंदू और ईसाई समुदायों में 'नेगेटिव नेचुरल ग्रोथ रेट' (एनजीआर) देखी जा रही है। यानि इन दोनों समुदायों की जनसंख्या प्राकृतिक रूप से घट रही है। यहां सिर्फ मुस्लिम समुदाय में अभी भी लोग ज्यादा जन्म ले रहे हैं, जबकि उनकी मौत की संख्या कम है। इसलिए पूरे केरल की जनसंख्या थोड़ी-बहुत बढ़ रही है।

वहीं हिंदू और ईसाइयों में ये साल दर साल कम होती जा रही है। हिंदुओं में ये दूसरा साल है और ईसाइयों में तीसरा साल है जब उनकी संख्या घट रही है। आने वाले 15-20 साल में इसका ज्यादा असर देखने को मिल सकता है। डेमोग्राफिक (जनसांख्यिकीय) विशेषज्ञों का कहना है कि केरल में सभी समुदायों में जन्म दर लगातार घट रही है। ऐसे में 2041 के आसपास केरल की पूरी जनसंख्या घटने लगेगी। नेगेटिव नेचुरल ग्रोथ रेट का मतलब है कि किसी समुदाय की मृत्यु दर उसकी जन्म दर से ज्यादा है, जिससे प्राकृतिक बदलावों के कारण ही जनसंख्या कम होने लगती है। हिंदुओं की एनजीआर, जो पहली बार 2022 में नेगेटिव (-0.080%) हुई थी, 2023 में और खराब होकर -0.115% हो गई।

वहीं ईसाई समुदाय 2021 (-0.095%) से ही नेगेटिव दायरे में है और 2023 में यह -0.084% तक पहुंच गया। यहां हिंदुओं और ईसाइयों की जनसंख्या घटती हुई रही है, वहीं मुस्लिम समुदाय की वजह से 2023 में केरल की कुल नेचुरल ग्रोथ रेट मामूली रूप से पॉजिटिव (0.249%) रही। केरल में साक्षरता दर ज्यादा है।

साइबर अपराधियों से सावधान, अब एआई से बना रहे असली लगने वाले डीपफेक वीडियो और नकली पहचान

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। साइबर अपराधी अब असली लगने वाले डीपफेक वीडियो और नकली पहचान (सिंथेटिक आइडेंटिटी) बनाने के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (एआई) का तेजी से इस्तेमाल कर रहे हैं। इन तकनीकों का इस्तेमाल फेशियल ऑथेंटिकेशन, लाइवनेस वेरिफिकेशन, वीडियो-केवाईसी, अकाउंट रिकवरी और फाइनेंशियल व डिजिटल सेवाओं तक अनधिकृत पहुंच (बिना इजाजत एक्सेस) पाने के लिए किया जा सकता है। एआई की मदद से साइबर अपराधी फाइनेंशियल इंफ्रास्ट्रक्चर को निशाना बना सकते हैं। यह एडवायजरी 'भारतीय साइबर अपराध समन्वय केंद्र' (आई4सी) द्वारा जारी की गई है। केंद्रीय गृह मंत्रालय के अंतर्गत आने वाले आई4सी के मुताबिक, धोखाधड़ी करने वाले लोग धोखे से की गई वीडियो कॉल, नकली ऑनलाइन जॉब इंटरव्यू या सोशल इंजीनियरिंग के तरीकों से हासिल की गई फेशियल रिकॉर्डिंग का इस्तेमाल करके अकाउंट्स तक अनधिकृत पहुंच पाने की कोशिश कर सकते हैं।

हाईकोर्ट ने सलमान खान के पड़ोसी को दिए निर्देश

एक्टर की बदनामी और सोशल मीडिया पोस्ट से जुड़ा है मामला

सलमान खान और उनके एक पड़ोसी का विवाद कोर्ट तक पहुंच गया है। यह पड़ोसी सलमान खान के खिलाफ सोशल मीडिया पर बदनामी भरी बातें कहता था। इसी मामले पर सुनवाई करते हुए गुरुवार को बॉम्बे हाई कोर्ट ने कहा कि सोशल मीडिया का इस्तेमाल करने का मतलब यह नहीं है कि कोई भी सेलिब्रिटीज के खिलाफ बदनामी वाली बातें पोस्ट कर सकता है। कोर्ट ने सलमान खान के पनवेल फार्महाउस के पड़ोसी से एक्टर के खिलाफ किए गए पोस्ट को हटाने पर विचार करने को कहा।

पड़ोसी ने सलमान खान पर क्या आरोप लगाए थे?

केतन कक्कड़ की प्रॉपर्टी महाराष्ट्र के नवी मुंबई इलाके के पनवेल में है। इस शख्स की प्रॉपर्टी सलमान खान के फार्महाउस से सटी हुई है। केतन ने आरोप लगाया था कि एक्टर ने अपने फार्महाउस के कंस्ट्रक्शन के दौरान पर्यावरण से जुड़े नियमों का उल्लंघन किया। पड़ोसी की प्रॉपर्टी तक जाने का रास्ता रोक दिया। केतन कक्कड़ ने यह भी दावा किया कि उन्होंने इस मामले में अधिकारियों से संपर्क किया था लेकिन कोई कार्रवाई नहीं हुई।

सलमान खान ने भी दायर किया मानहानि का मुकदमा

सलमान खान ने केतन कक्कड़ के खिलाफ मानहानि का मुकदमा दायर किया। उनका आरोप था कि कक्कड़ ने सोशल मीडिया पर उनके फार्महाउस की गतिविधियों के बारे में वीडियो और अन्य कंटेंट अपलोड किए थे। अभिनेता ने कोर्ट से मांग की कि वह केतन कक्कड़ को उनके अपलोड किए गए वीडियो हटाने और आगे ऐसी टिप्पणी करने से रोकने का आदेश दें। जब सिविल कोर्ट ने ऐसा आदेश देने से इनकार कर दिया, तो सलमान खान हाईकोर्ट गए।

हाई कोर्ट में अपनी याचिका में सलमान खान ने कहा कि केतन कक्कड़ द्वारा अपलोड किए गए पोस्ट न केवल मानहानि करने वाले थे, बल्कि सांप्रदायिक रूप से भड़काने वाले भी थे।

कोर्ट ने अगली सुनवाई की तारीख दी

गुरुवार हाईकोर्ट को जस्टिस शर्मिला देशमुख के सामने इस याचिका पर सुनवाई हुई। उन्होंने सवाल किया कि संबंधित अधिकारियों के पास अपनी शिकायत दर्ज कराने के बजाय कोई व्यक्ति सोशल मीडिया पर ऐसे वीडियो और कंटेंट क्यों अपलोड करेगा? जस्टिस देशमुख ने कहा, 'सिर्फ इसलिए कि किसी के पास सोशल मीडिया का एक्सेस है, इसका मतलब यह नहीं है कि वे किसी व्यक्ति, चाहे वह आम नागरिक हो या सेलिब्रिटी को बदनाम करेगा। उसके बारे में वीडियो अपलोड करेगा।'

कोर्ट ने यह भी सवाल किया कि क्या सिर्फ यह तय करने में कोर्ट का समय बर्बाद किया जाना चाहिए कि कोई खास सोशल मीडिया पोस्ट मानहानि करने वाली है या नहीं, इसलिए उसे हटाया जाना चाहिए या नहीं। आखिर में कोर्ट ने केतन कक्कड़ को कंटेंट हटाने पर विचार करने का सुझाव दिया। इस मामले की अगली सुनवाई अब 6 जुलाई को होगी।

इमरान हाशमी की फिल्म के सेट पर हरिद्वार में मचा बवाल, हिंदूवादी संगठनों ने किया हंगामा

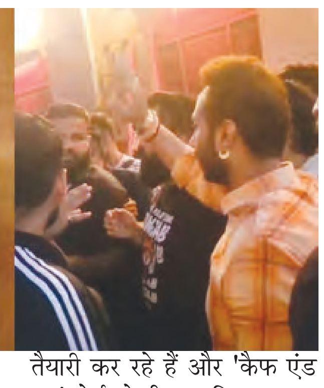

इमरान हाशमी और अपारशक्ति खुराना अपनी एक फिल्म की शूटिंग हरिद्वार में कर रहे हैं। हाल ही इस फिल्म के सेट पर बवाल मच गया। 'बार एंड कैफे' का साइनबोर्ड देख कुछ हिंदूवादी संगठन भड़क गए और सेट पर हंगामा किया। वीडियो भी सामने आया है।

इमरान हाशमी इस वक्त हरिद्वार में अपनी एक फिल्म की शूटिंग कर रहे हैं, पर सेट पर बवाल मच गया। सेट पर एक सीन का शूट चल रहा था, जिसमें 'कैफ एंड बार' का बोर्ड लगा था, और इसी पर बवाल मच गया। कुछ हिंदूवादी संगठनों और तीर्थ पुरोहितों ने इस बात का पता चलते ही सेट पर पहुंचकर जोरदार विरोध करना शुरू कर दिया। सेट पर इमरान हाशमी के साथ एक्टर अपारशक्ति खुराना भी मौजूद थे, जो फिल्म में एक अहम रोल प्ले कर रहे हैं।

हिंदूवादी संगठनों और तीर्थ पुरोहितों का विरोध देखकर फिल्म की टीम को 'कैफे एंड बार' का बोर्ड हटाना पड़ा। रिपोर्ट्स के मुताबिक,टीम ने शूटिंग के लिए एक नकली रेस्टोरेंट का सेट बनाया था। बताया जा रहा है कि सेट पर एक साइनबोर्ड लगा था जिस पर 'कैफे एंड बार' लिखा था। हरिद्वार जैसे पवित्र शहर में 'बार' शब्द के इस्तेमाल पर कुछ स्थानीय लोगों ने आपत्ति जताई और उन्हें यह बात पसंद नहीं आई।

किस बात पर शुरू हुआ विवाद?

फिल्म की टीम और स्थानीय लोगों के बीच इसी बोर्ड को लेकर बहस होने लगी और विवाद शुरू हो गया, जिसका एक वीडियो भी सोशल मीडिया पर सामने आया है। वीडियो में नजर आ रहा है कि शूटिंग के लिए मेकर्स सेट की तैयारी कर रहे हैं और 'कैफ एंड बार' बोर्ड को भी साफ किया जा रहा है। तभी कुछ हिंदूवादी संगठनों के कई लोग वहां पहुंच जाते हैं और बहस शुरू हो जाती है।

उनका कहना था कि हरिद्वार जैसी तीर्थनगरी में करोड़ों श्रद्धालु अपनी आस्था लेकर आते हैं, और यहां बार वाला बोर्ड लगाना धार्मिक भावनाओं को आहत करने वाला है। उन्होंने कहा कि इस कदम से मेकर्स ने फिल्म की शूटिंग के नाम पर हरिद्वार की धार्मिक और सांस्कृतिक छवि को नुकसान पहुंचाने की कोशिश की है।

बोर्ड से 'बार' शब्द हटाने के बाद शांत हुआ मामला

हालांकि, वीडियो में इमरान हाशमी या अपारशक्ति खुराना कहीं नजर नहीं आ रहे हैं, पर सिक्योरिटी पर्सन जरूर दिख रहा है। साथ ही प्रोडक्शन टीम से एक शख्स स्थिति को शांत करवाने की कोशिश कर रहा है। विवाद तभी शांत हुआ, जब फिल्म की टीम ने बोर्ड ने 'बार' शब्द हटाया। हालांकि, अभी तक यह पता नहीं चल पाया है कि हरिद्वार में इमरान हाशमी किस फिल्म की शूटिंग कर रहे थे। उनकी या अपारशक्ति की तरफ से इस घटना को लेकर कोई रिएक्शन नहीं आया है।

इमरान हाशमी की आने वाली फिल्में

प्रोफेशनल फ्रंट की बात करें, इमरान हाशमी इस फिल्म के अलावा दो और फिल्मों में नजर आएंगे। ये फिल्में हैं 'आवारापन 2' और G2 जोकि एक तेलुगू फिल्म है। हाल ही इमरान ने 'आवारापन 2' की शूटिंग खत्म की है। यह फिल्म 14 अगस्त को रिलीज होगी, और उसी दिन सनी देओल की 'बंटवारा 1947' भी रिलीज होगी।

सनी लियोनी को कर्नाटक सीआईडी ने थमाया नोटिस 2400 करोड़ की धोखाधड़ी मामले में होगी पूछताछ

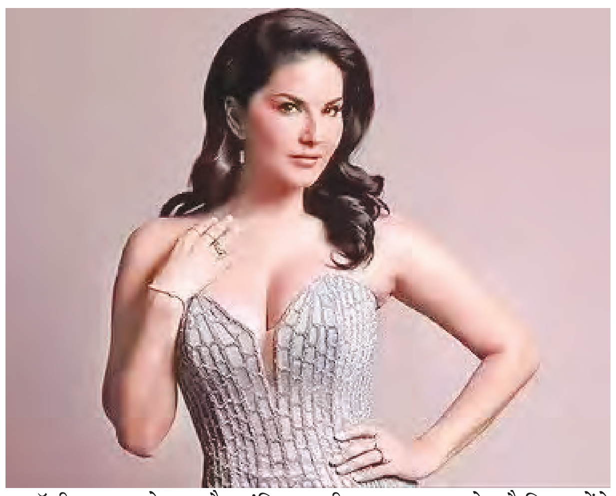

बॉलीवुड एक्ट्रेस और 'बिग बॉस' फेम सनी लियोनी कर्नाटक के क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट के निशाने पर आ गई हैं। मामला 2,400 करोड़ के कथित 'शिवम एसोसिएट्स' इन्वेस्टमेंट फ्रॉड से जुड़ा है। बुधवार को सीआईडी ने एक्ट्रेस सनी लियोनी से उस पेमेंट के बारे में जानकारी मांगी है, जो उन्हें स्कीम के मुख्य आरोपी द्वारा प्रोड्यूस की गई फिल्म में फीस के तौर पर मिली थी। हालांकि, अधिकारियों ने यह साफ किया कि यह नोटिस सिर्फ जरूरी पूछताछ के लिए है, इसका मतलब यह कतई नहीं है कि 45 साल की एक्ट्रेस ने कोई गलत काम किया है।

कर्नाटक के क्रिमिनल इन्वेस्टिगेशन डिपार्टमेंट शिवम एसोसिएट्स और उसके प्रमोटर शिवानंद नीलन्नवर से जुड़े पैसों के लेन-देन की जांच कर रही है। नीलन्नवर पर आरोप है कि उन्होंने कथित तौर पर बिना इजाजत वाले डिपॉजिट और इन्वेस्टमेंट प्रोग्राम के जरिए 40,700 इन्वेस्टर्स से पैसे जमा करवाए। अधिकारियों ने बताया कि नीलन्नवर ने 2023 में रिलीज कन्नड़ फिल्म 'चैंपियन' प्रोड्यूस की थी। इसके गाने 'डिंगारा बिल्लि नानू' में सनी लियोनी ने परफॉर्म किया था। बताया जाता है कि इसके लिए एक्ट्रेस को 1 करोड़ का पेमेंट किया गया था।

सनी लियोनी से क्या जानना चाहती है सीआईडी

सीआईडी का कहना है कि वह सनी लियोनी से बस यह जानना चाहती है कि उन्हें आइटम सॉन्ग के लिए फीस के तौर पर रकम किस तरह दी गई। आगे जांच टीम यह पता लगाएगी कि क्या एक्ट्रेस को दी गई रकम उसी कथित फ्रॉड के पैसे से है या नहीं।

'बंदूक उठाना चाहता था'; नक्सली बनने वाले थे पवन कल्याण! बोले- 'भाई चिरंजीवी की प्रेरणा से बदला रास्ता'

साउथ सिनेमा जगत के चर्चित अभिनेता और आंध्र प्रदेश के उपमुख्यमंत्री पवन कल्याण ने हाल ही में बताया कि एक दौर था जब वे नक्सली बनने की राह पर निकलने वाले थे। वे बंदूक उठाना चाहते थे। यह वो वक्त था, जब वे अपनी किशोरावस्था में थे। हालांकि, बड़े भाई चिरंजीवी के दखल और प्रेरणा के बाद उन्होंने अपनी राह बदली।

पवन कल्याण ने हाल ही में समाचार एजेंसी से बातचीत में यह चौंकाने वाले खुलासा किया है। उन्होंने बताया कि वे एक अलग ही राह पर बढ़ने वाले थे। पवन कल्याण ने कहा कि वे करीब-करीब नक्सली बन ही गए। कुछ सार्वजनिक बैठकों में शामिल भी हुए थे। मगर, बाद में उन्होंने अपना रास्ता बदल लिया। पवन कल्याण के मुताबिक, 'जब मैं अपनी किशोरावस्था के आखिरी दौर में था, तो मैं बंदूक उठाकर नक्सली बनना चाहता था। तभी मेरे भाई ने मुझे एक अधिक रचनात्मक रास्ते पर आगे बढ़ने के लिए प्रेरित किया'।

क्यों आया था पवन कल्याण को गुस्सा?

पवन कल्याण ने बताया कि दुनिया के हालात देखकर उन्हें काफी गुस्सा आया करता था। उन्होंने कहा कि वे 80 के दशक में किशोरावस्था में थे। तब उन पर साउथ अफ्रीका में रेसिज्म, श्रीलंका में लिट्टे (लिबरेशन टाइगर्स ऑफ तमिल ईलम) आंदोलन, कोल्ड वॉर का असर, एक हुए जर्मनी में अशांति, खालिस्तानी उग्रवाद जैसी चीजों का असर पड़ रहा था। पवन कल्याण के मुताबिक, 'मेरे मन में नक्सली बनने का विचार आया था। मैं बंदूक उठाना चाहता था। तभी मेरे भाई ने मुझे कुछ बेहतर और रचनात्मक करने को प्रेरित किया।

पवन कल्याण ने बताया कि भाई ने मुझसे पूछा, 'यह पागलपन भरा गुस्सा कहां से आ रहा है?' मैंने कहा, 'मैं अन्याय के बारे में बात कर रहा हूं। मेरे विचार और फैसले को लेकर वे परेशान थे'।

पवन कल्याण ने यह भी कहा कि वे नक्सली बनने के फैसले को लेकर एकदम क्रेजी थे। उन्हें लगा कि यही इसका समाधान होगा। वे छात्रों के साथ जन-सभाओं में जाते थे, जहां उन्हें कोई नहीं जानता था। वह शॉर्ट फिल्म फेस्टिवल में हिस्सा लेने और डॉक्यूमेंट्री बनाने के लिए मुंबई जाते थे। उन्होंने माना कि वह एक तरह से प्रयोग कर रहे थे, लेकिन इन सबसे खुश नहीं थे और फंसा हुआ और गुस्सा महसूस कर रहे थे। पवन ने आगे कहा, 'तभी मेरे भाई ने दखल दिया। उन्होंने बस एक बात कही। अगर तुम्हारा भाई चिरंजीवी नहीं होता, अगर परिवार के प्रति तुम्हारी जिम्मेदारियां होतीं, अगर कोई तुम्हारी सैलरी और कड़ी मेहनत पर निर्भर होता, तो क्या तुम वही करते? मैं जवाब नहीं दे सका। मेरे पास कोई जवाब नहीं था, मैं चुप रहा'। पवन कल्याण ने बताया कि इसके बाद एक्टिंग क्लास में जाने से पहले उन्होंने आध्यात्मिकता का रास्ता अपनाया।

हंसते-हंसाते समाज का सच दिखाना ज्यादा असरदार : माधुरी दीक्षित

बॉलीवुड की दिग्गज अभिनेत्री माधुरी दीक्षित आज भी अपनी शानदार अदाकारी और दमदार स्क्रीन प्रेजेंस के लिए जानी जाती हैं। पिछले कई दशकों से वह दर्शकों का मनोरंजन करती आ रही हैं और हर दौर में खुद को नए किरदारों के साथ साबित कर रही हैं। इन दिनों उनकी नई फिल्म 'मां बहन' चर्चा में है। फिल्म को लेकर बात करते हुए माधुरी दीक्षित ने मनोरंजन और समाज के रिश्ते पर अपने विचार साझा किए। उनका मानना है कि अगर किसी जरूरी बात को लोगों तक पहुंचाना हो, तो मनोरंजन से बेहतर तरीका कोई नहीं हो सकता। माधुरी दीक्षित ने आईएएनएस से बातचीत में कहा, ''जब लोग किसी फिल्म या शो को देखने बैठते हैं, तो उनका मकसद कुछ समय के लिए तनाव से दूर होकर अच्छा समय बिताना होता है। ऐसे में अगर कहानी के जरिए समाज की सच्चाई भी दिखाई जाए, तो उसका असर कहीं ज्यादा होता है। लोग हंसते हुए भी यह समझ सकते हैं कि हमारे आसपास क्या हो रहा है और समाज में कौन-सी बातें सही हैं या गलत। मनोरंजन के साथ दिया गया संदेश लोगों के दिल और दिमाग तक आसानी से पहुंचता है।

अभिनेत्री ने आगे कहा कि किसी बात को बार-बार समझाने या उपदेश देने से लोग कई बार दूरी बना लेते हैं। लेकिन, जब वही बात मजेदार और दिलचस्प तरीके से दिखाई जाती है, तो लोग उसे ध्यान से देखते हैं और उस पर सोचते भी हैं। फिल्मों और कहानियों की यही सबसे बड़ी ताकत है। मुझे ऐसी कहानियां पसंद हैं, जिनमें मनोरंजन भी हो और कोई अच्छा संदेश भी छिपा हो।

इसके अलावा, माधुरी ने समाज में महिलाओं और पुरुषों के प्रति अलग-अलग नजरिए की बात करते हुए पितृसत्तात्मक सोच पर सवाल उठाया।

माधुरी ने कहा, ₹यह एक पितृसत्तात्मक समाज है जो प्यार और रिश्तों के मामलों में आज भी दोहरे मापदंड अपनाता हुआ आया है। अगर कोई पुरुष गर्लफ्रेंड बनाता है तो उसे रोमियो कहा जाता है, लेकिन अगर कोई महिला वैसा ही करती है तो उसे बुरा-भला कहा जाता है और नकारात्मक नजरिए से देखा जाता है।

अभिनेत्री ने कहा कि मेरी फिल्म 'मां बहन' इन्हीं पुरानी परंपराओं और नियमों को चुनौती देती है। फिल्म में महिलाओं को मजबूत और पारंपरिक नियमों को तोड़ने वाला किरदार दिया गया है। हर महिला सम्मान और गरिमा के साथ जीने की हकदार है।

'मां बहन' का निर्देशन सुरेश त्रिवेणी ने किया है। फिल्म में माधुरी के साथ तृप्ति डिमरी, धारणा दुर्गा, रवि किशन, गीतांजलि कुलकर्णी, अरुणोदय सिंह और शार्दुल भारद्वाज भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में हैं। यह फिल्म नेटफ्लिक्स पर स्ट्रीम हो रही है।

अमृतसर की सरकारी डॉक्टर मिसेज इंडिया के टॉप-10 में सर्जरी के साथ कैट वॉक, पति को लकी फैक्टर बताया

एक तरफ ऑपरेशन थिएटर, मरीजों की जिम्मेदारी और लंबी ड्यूटी... दूसरी तरफ रैंप, कैमरे और मिसेज इंडिया का मंच। अमृतसर के गुरु नानक देव अस्पताल में सीनियर रेजिडेंट डॉ. शिवांशी ने इन दोनों दुनियाओं के बीच ऐसा संतुलन बनाया कि आज वह हजारों महिलाओं के लिए प्रेरणा बन गई हैं।

सर्जन बनने का सपना पूरा करने के बाद अब उन्होंने 'मिसेज इंडिया' के टॉप-10 में जगह बनाकर साबित कर दिया है कि अगर इरादे मजबूत हों तो कोई सपना अधूरा नहीं रहता। डॉ. शिवांशी के लिए 'मिसेज इंडिया' के टॉप-10 फाइनलिस्ट में जगह बनाना सिर्फ एक उपलब्धि नहीं, बल्कि वर्षों से संजोए सपने के सच होने जैसा है।

फरवरी में कॉम्पिटिशन का पता चलाः डॉक्टर शिवांगी (29) ने बताया कि फरवरी में ही उन्हें कॉम्पिटिशन का पता चला। ऑनलाइन अप्लाई करने के बाद कई राउंड के ऑडिशन और इंटरव्यू हुए और इसके बाद टॉप 10 में सिलेक्शन हुआ।

अब जुलाई में ग्रैंड फिनालेः 12 जुलाई को जयपुर में होने वाले मिसेज इंडिया - ग्लैमआनंद ग्रुप प्रोडक्शन के ग्रैंड फिनाले को लेकर तैयारियों में जुटी हुई हैं। इन दिनों वह अपनी परफॉर्मेंस को बेहतर बनाने के लिए लगातार मेहनत कर रही हैं।

बचपन का सपना अब पूराः डॉ. शिवांशी ने बताया कि बचपन में उनका सपना सर्जन बनना तो था ही, लेकिन इसके अलावा उनके और भी कई शौक थे। जिंदगी की भागदौड़ में अक्सर लोगों के शौक पीछे छूट जाते हैं, लेकिन अगर दिल में कुछ करने की चाह हो, तो मौका मिलते ही उसे लपक लेना चाहिए।

शादी के बाद मिला 'मिसेज इंडिया' का मंचः उन्होंने साझा किया कि शादी के बाद उनके जीवन में एक बड़ा बदलाव आया। उन्होंने इसे अपने पति को 'लकी फैक्टर' बताया। शादी के बाद पति के ही कहने पर उन्होंने 'मिसेज इंडिया' प्रतियोगिता के लिए अप्लाई किया।

कड़ी मेहनत और ऑडिशन के दौरः इस मुकाम तक पहुंचने के लिए उन्होंने कड़ी मेहनत की। उन्होंने कई राउंड के ऑडिशंस दिए, औपचारिकताएं पूरी कीं, अपनी तस्वीरें, रैम्प वॉक और इंट्रोडक्शन वीडियो भेजे। इसके बाद इंटरव्यू और ऑडिशन के मुश्किल दौर को पार किया।

ससुराल पक्ष का पूरा सपोर्ट मिलाः डॉक्टरी जैसी व्यस्त नौकरी और शादी के बाद इस तरह की प्रतियोगिता में भाग लेना बेहद चुनौतीपूर्ण था। लेकिन डॉ. शिवांशी ने अपने ससुराल वालों की जमकर तारीफ की।

उन्होंने कहा कि मेरे इन-लॉ बहुत कोऑपरेटिव और सपोर्टिव हैं। उन्होंने शादी का वास्ता देकर मुझे कभी नहीं रोका, बल्कि हमेशा यही सिखाया कि जो सपने वो खुद पूरे नहीं कर पाए, उन्हें मैं पूरा करूं। उन्होंने हमेशा मेरे दिल की चाहत और शौक को पूरा करने के लिए मुझे प्रेरित किया।

'मैं अब खुद जैसी नहीं रही', हुनर हाली ने तलाक के बाद बयां किया दर्द-ए-दिल

टीवी की दुनिया और इससे जुड़े करोड़ों फैंस को तब गहरा झटका लगा, जब हुनर हाली और मयंक गांधी ने अलग होने का फैसला लिया। बीते 9 जून 2026 को आधिकारिक तौर दोनों ने तलाक ले लिया। इसी के साथ नौ साल की शादी का रिश्ता टूट गया। 'थपकी प्यार की' फेम हुनर हाली और मयंक गांधी ने बीते साल सितंबर 2025 में तलाक के लिए अर्जी दी थी। अपने शो 'रिमझिम - छोटी उम्र बड़ा सफर' की शूटिंग के दौरान जब तलाक को लेकर कानूनी आदेश मिला, तब 36 साल की हुनर यह पढ़कर भावुक हो गईं। एक्ट्रेस कहती हैं कि यह उनकी अब तक की जिंदगी का सबसे इमोशनल फैसला रहा है। इस अनुभव ने उन्हें जिंदगी को लेकर क्लैरिटी, क्लोजर और प्यार की गहरी समझ दी है।

साल 2007 में 'कहानी घर घर की' में छोटे से किरदार से डेब्यू करने वालीं हुनर हाली ने 'ईटाइम्स' से बातचीत में कहा, 'आप सिर्फ एक इंसान को नहीं छोड़ रहे होते, बल्कि आप उन सपनों, प्लान्स, यादों और उस भविष्य को भी छोड़ रहे होते हैं, जिसके बारे में आपको कभी लगता था कि वह आपका होगा। लंबे समय तक मैं खुद से यही कहती रही कि अगर मैं ज्यादा प्यार करूं, ज्यादा एडजस्ट करूं, बेहतर समझूं, तो शायद चीजें आखिरकार ठीक हो जाएंगी। लेकिन सबसे मुश्किल हिस्सा तलाक के लिए अर्जी देना नहीं था। सबसे मुश्किल था यह एहसास होना कि मैं अब खुद जैसी नहीं रही।'

'तलाक का फैसला सोच-विचार और क्लैरिटी के बाद लिया'

'ससुराल गेंदा फूल' और 'पटियाला बेब्स' जैसे शोज से मशहूर एक्ट्रेस हुनर हाली ने तलाक को लेकर आगे कहा, 'यह फैसला सोच-विचार, थकान और क्लैरिटी के बाद लिया गया। मैं एक ऐसे मोड़ पर पहुंच गई थी जहां मुझे समझ आया कि अपनी शांति को चुनना शादी को ठुकराना नहीं था, बल्कि खुद के प्रति एक कमिटमेंट था।'

हुनर हाली बताती हैं कि जब 9 जून को तलका का फैसला आया, तब वह टीवी शो 'रिमझिम – छोटी उम्र बड़ा सफर' की शूटिंग कर रही थीं। उन्होंने याद करते हुए कहा, 'डायरेक्टर के 'कट' बोलने के कुछ ही देर बाद, मैंने अपना फोन चेक किया और अपनी लीगल टीम का एक मैसेज देखा जिसमें कन्फर्म किया गया था कि कानूनी कार्यवाही पूरी हो गई है। कुछ सेकंड के लिए, मैं बस वहीं खड़ी रही और इस बात को समझने की कोशिश करती रही। ऐसे भी दिन थे जब मैं सेट पर ऐसी भावनाएं लेकर जाती थी जिन्हें मैं शब्दों में बयां नहीं कर सकती थी। नौ साल के एक अध्याय का अंत कभी आसान नहीं होता। ऐसा लगा जैसे मेरी जिंदगी का एक अहम हिस्सा खत्म हो गया हो। राहत, शुक्रगुजारी और एक तरह का सुकून महसूस हुआ। अब जब कानूनी प्रक्रिया पूरी हो गई है तो मुझे हल्का महसूस हो रहा है। इसलिए नहीं कि एक चैप्टर खत्म हो गया है, बल्कि इसलिए कि अब इसके साथ कोई अनिश्चितता नहीं जुड़ी है।'

हुनर हाली ने कहा- मैं प्यार या शादी के बारे में निराश नहीं

वह जवाब देती हैं, 'इस सफर ने मुझे प्यार या शादी के बारे में निराश नहीं किया है। बल्कि, इसने मुझे दोनों को और गहराई से समझने में मदद की है। प्यार इतना खूबसूरत है कि उसे सिर्फ एक अनुभव से परिभाषित नहीं किया जा सकता। रिश्तों में सबसे ज्यादा अहमियत इमोशनल सच्चाई और भरोसा है। असली भरोसा लोगों को खुद जैसा रहने की आजादी देता है। मैं इमोशन, सहानुभूति और सच्चे जुड़ाव को अहमियत देती हूं।' आपनी बातचीत के आखरि में 'छल- शह और मात' की एक्ट्रेस ने कहा, 'मैं किसी भी रिश्ते की बुनियाद के तौर पर दोस्ती को अहमियत दूंगी। खुलकर बात करने, साथ हंसने और उस व्यक्ति के साथ पूरी तरह से खुद जैसा महसूस करने की क्षमता ही एक सार्थक जुड़ाव बनाती है।'

कौन हैं मयंक गांधी, हुनर हाली से कब-कैसे हुई शादी

हुनर हाली और मयंक गांधी ने 28 अगस्त 2016 को दिल्ली में शादी की। दोनों की मुलाकात उनके परिवारों के जरिए एक अरेंज मैरिज के तहत हुई थी। 2016 की शुरुआत में सगाई के बाद, इस जोड़े ने एक गुरुद्वारे में पारंपरिक सिख शादी की रस्म के साथ शादी की।

मयंक गांधी भी पेशे से टेलीविजन एक्टर और रियलिटी स्टार हैं। वह सबसे पहले रियलिटी शो 'MTV स्प्लिट्सविला 7' जीतने के बाद चर्चा में आए थे। इसके बाद उन्होंने 'कसम तेरे प्यार की' और 'काला टीका' जैसे कई टीवी शोज में काम किया।

चालक की मौत पर कर्मचारियों का चक्का जाम

7 घंटे ठप रहा यातायात

बरेली, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बरेली में बुधवार देर रात आई तेज आंधी और बारिश के बीच फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र में हुए सड़क हादसे ने रोडवेज विभाग को झकझोर दिया। लखनऊ से बरेली आ रही यूपी रोडवेज की एक बस ट्रक से टकरा गई, जिसमें चालक प्रमोद कुमार (30) की मौत हो गई, जबकि कई यात्री घायल हो गए। हादसे के बाद अधिकारियों द्वारा फोन न उठाने के आरोप से नाराज रोडवेज कर्मचारियों ने गुरुवार सुबह चक्का जाम कर दिया। करीब सात घंटे तक बसों का संचालन ठप रहा, जिससे यात्रियों को भारी परेशानी का सामना करना पड़ा।

ट्रक से टकराई रोडवेज बस

जानकारी के अनुसार, लखनऊ से बरेली आ रही रोडवेज बस बुधवार देर रात फतेहगंज पूर्वी क्षेत्र में एक ट्रक से टकरा गई। टक्कर इतनी भीषण थी कि बस चालक प्रमोद कुमार गंभीर रूप से घायल हो गए। उन्हें बचाने के प्रयास किए गए, लेकिन उनकी

मौत हो गई। हादसे में बस में सवार कई यात्री भी घायल हुए हैं।

अधिकारियों पर लापरवाही का आरोप

घटना के बाद रोडवेज कर्मचारियों ने आरोप लगाया कि हादसे की सूचना देने के लिए रोहिलखंड डिपो के सहायक क्षेत्रीय प्रबंधक सहित अन्य अधिकारियों को कई बार फोन किया गया, लेकिन किसी ने कॉल रिसीव नहीं की। कर्मचारियों का कहना है कि यदि समय पर अधिकारियों का सहयोग और बेहतर उपचार की व्यवस्था मिल जाती, तो चालक की जान बचाई जा सकती थी। अधिकारियों की कथित लापरवाही से आक्रोशित कर्मचारियों ने गुरुवार सुबह रोहिलखंड और बरेली डिपो में हड़ताल शुरू कर दी। इसके चलते बसों का संचालन पूरी तरह ठप हो गया।

बसें डिपो और सड़कों पर खड़ी रहीं तथा कोई भी बस अपने गंतव्य के लिए रवाना नहीं हो सकी। अचानक हुई हड़ताल से यात्रियों को भारी परेशानी उठानी पड़ी और कई स्थानों पर यातायात भी प्रभावित हुआ। चक्का जाम की सूचना मिलने पर मामला जिलाधिकारी अविनाश सिंह के संज्ञान में पहुंचा। उन्होंने परिवहन निगम के अधिकारियों को तलब कर नाराजगी जताई। जिलाधिकारी ने स्पष्ट कहा कि आपात स्थिति में फोन उठाना अधिकारियों की जिम्मेदारी है और जिस अधिकारी ने फोन नहीं उठाया, उसके खिलाफ कार्रवाई की जाएगी।

डीएम ने कर्मचारियों से जनहित को देखते हुए बस संचालन बहाल करने की अपील की। इसके बाद कर्मचारियों ने अपना आंदोलन वापस लिया और गुरुवार दोपहर करीब एक बजे से बसों का संचालन फिर से शुरू कर दिया गया।

रोडवेज कर्मचारी नेताओं ने हादसे और उसके बाद अधिकारियों की भूमिका की जांच कर गैर-जिम्मेदार अधिकारियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। उनका कहना है कि भविष्य में ऐसी घटनाओं की पुनरावृत्ति रोकने के लिए जवाबदेही तय की जानी चाहिए।

गुटखा फैक्ट्री पर पुलिस का छापा

दुर्ग-भिलाई, 11 जून (एजेंसियां)। दुर्ग जिले में पुलिस और खाद्य विभाग की संयुक्त टीम ने दो फैक्ट्री पर छापेमारी की है, जहां वाशिंग पाउडर बनाने की आड़ में कथित तौर पर जर्दायुक्त गुटखा तैयार किया जा रहा था। इस कार्रवाई के दौरान मौके से 3 मशीनें जब्त की है।

पुलिस और खाद्य विभाग की टीम फैक्ट्री परिसर की जांच कर रही है, वहां मौजूद सामग्री की भी जांच की जा रही है। इस मामले में अब तक 12 आरोपियों को हिरासत में लिया गया है। मामला अंडा थाना क्षेत्र के ग्राम कुथरेल का है।

पाटन एसडीओपी अनुप लकड़ा ने बताया कि, कुथरेल क्षेत्र में संचालित दो गोदामों पर छापेमार के दौरान अवैध रूप से गुटखा निर्माण का खुलासा हुआ है। एक स्थान से दो मशीनें और दूसरे स्थान से एक मशीन जब्त की गई है, जिनका इस्तेमाल गुटखा निर्माण में किया जा रहा था।

मौके से बड़ी मात्रा में कच्चा माल (रॉ मटेरियल) भी बरामद किया गया है।

केमिकल फैक्ट्री में लगी भीषण आग

दूर तक दिखा काले धुएं का गुबार दमकल की कई गाड़ियां मौके पर

गाजियाबाद, 11 जून (एजेंसियां)। दिल्ली से सटे गाजियाबाद के थाना नंदग्राम क्षेत्र के हिंडन विहार में स्थित एक केमिकल फैक्ट्री में गुरुवार दोपहर अचानक भीषण आग लग गई। देखते ही देखते आग ने विकराल रूप धारण कर लिया और फैक्ट्री से घना काला धुआं निकलने लगा। धुएं का गुबार इतनी दूर तक दिखाई दे रहा था कि आसपास के इलाकों में दहशत फैल गई। घटना की सूचना मिलते ही दमकल विभाग की कई गाड़ियां मौके पर पहुंच गईं और आग बुझाने का अभियान शुरू कर दिया गया।

आग लगते ही मची अफरा-तफरी प्रत्यक्षदर्शियों के अनुसार दोपहर के समय फैक्ट्री परिसर से अचानक धुआं निकलना शुरू हुआ। कुछ ही मिनटों में पूरा भवन काले धुएं की चपेट में आ गया। आग की सूचना फैलते ही आसपास के लोगों की भारी भीड़ मौके पर जमा हो गई। हालांकि सुरक्षा के मद्देनजर पुलिस ने क्षेत्र को घेरकर लोगों को सुरक्षित दूरी पर रखा।

अग्निशमन विभाग के अधिकारियों

के मुताबिक, घंटाघर कोतवाली फायर स्टेशन को नंदग्राम स्थित केमिकल फैक्ट्री में आग लगने की सूचना मिली थी। सूचना मिलते ही फायर ब्रिगेड की कई गाड़ियां मौके पर रवाना कर दी गईं। हालात की गंभीरता को देखते हुए साहिबाबाद और वैशाली फायर स्टेशन से भी अतिरिक्त फायर टेंडर बुलाए गए।

फैक्ट्री के भीतर केमिकल होने के कारण जहरीला धुआं भर गया था। ऐसे में फायरकर्मियों ने ऑक्सीजन सिलेंडर और विशेष सुरक्षा उपकरणों की मदद से भवन के अंदर प्रवेश किया। दमकल कर्मी बालकनी के सहारे पहली मंजिल तक पहुंचे और आग पर काबू पाने के प्रयास में जुट गए।

प्रत्यक्षदर्शियों ने बताया कि इमारत से लगातार काला धुआं निकल रहा था, लेकिन आग की लपटें बाहर से स्पष्ट दिखाई नहीं दे रही थीं।

केमिकल सामग्री की मौजूदगी के कारण आग बुझाने का काम काफी चुनौतीपूर्ण हो गया। दमकल विभाग को आग की प्रकृति को देखते हुए विशेष सावधानी बरतनी पड़ रही है।

रिमांड में भेजे गए कैदी ने फांसी लगाकर की आत्महत्या

जांजगीर, 11 जून (एजेंसियां)। छत्तीसगढ़ के जांजगीर-चांपा जिले की जिला जेल खोखरा से बड़ी खबर सामने आई है। दुष्कर्म के मामले में न्यायिक रिमांड पर जेल भेजे गए आरोपी दुवास केवट ने जेल परिसर के अंदर फांसी लगाकर आत्महत्या कर ली है। घटना के बाद जेल प्रशासन और पुलिस महकमे में हड़कंप मच गया है। पुलिस मामले की जांच में जुट गई है।

जानकारी के अनुसार, बलौदा थाना क्षेत्र में दर्ज एक नाबालिग बच्ची के अपहरण और दुष्कर्म मामले में आरोपी दुवास केवट को 8 जून सोमवार को गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर जिला जेल खोखरा भेजा गया था।

मंगलवार को जेल के बाथरूम में आरोपी का शव कपड़े के फंदे से लटका हुआ मिला। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और प्रशासनिक अधिकारी मौके पर पहुंचे और जांच शुरू कर दी।

चीन की छाती तक चढ़ गया भारत

हिमालय में बना दी सबसे लंबी सुरंग

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। भारत ने 9 जून को रणनीतिक रूप से बेहद अहम माने जाने वाले जोजिला टनल ने अपना 'फाइनल ब्रेकथ्रू' हासिल कर लिया। हिमालय के पहाड़ की चट्टानों के आखिरी हिस्सों को ब्लास्ट करके इसके दोनों सिरों को आपस में जोड़ दिया गया, जिससे लद्दाख और कश्मीर के बीच हर मौसम में और तेजी से कनेक्टिविटी का रास्ता साफ़ हो गया। इसके साथ ही टनल बनाने का काम भी पूरा हो गया, जो अक्टूबर 2020 में शुरू हुआ था। चीन के साथ लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल सीमा पर अक्सर तनाव के बीच इस सुरंग को भारत के इंफ्रास्ट्रक्चर के इतिहास में एक ऐतिहासिक उपलब्धि माना जा रहा है।

समुद्र तल से 11,578 फीट की ऊंचाई पर बन रही जोजिला सुरंग इतनी ऊंचाई पर दुनिया की सबसे लंबी सिंगल-ट्यूब दोनों तरफ से आने-जाने वाली सड़क सुरंग होगी। इस 'ब्रेकथ्रू' कार्यक्रम में

केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी, जम्मू-कश्मीर के उप-राज्यपाल मनोज सिन्हा और जम्मू-कश्मीर के मुख्यमंत्री उमर अब्दुल्ला शामिल हुए। चारों तरफ जमीन से घिरे लद्दाख के लोगों की लंबे समय से यह मांग रही है कि कश्मीर और भारत के बाकी हिस्सों से साल भर संपर्क बना रहे।

सर्दियों की शुरुआत में हिमालय में खतरनाक जोजिला दर्रे पर भारी बर्फबारी के कारण यह इलाका लगभग छह महीने तक कटा रहता है। एक बार इस्तेमाल के लिए खुलने के बाद, 13.15 किलोमीटर लंबी यह सुरंग पूर्वी लद्दाख में चीन के साथ सीमा पर चल रहे तनाव के बीच, लाइन ऑफ एक्चुअल कंट्रोल पर तैनात भारतीय सेना के लिए रणनीतिक और लॉजिस्टिक्स के लिहाज से भी काम आएगी। जोजिला टनल का निर्माण 'न्यू ऑस्ट्रियन टनलिंग मेथड' का इस्तेमाल करके किया जा रहा है, जिसे हिमालय की नाजुक जियोलॉजी और अलग-अलग तरह की चट्टानों की स्थितियों के लिए खास तौर पर उपयुक्त माना जाता है।

अवैध कोयले की काली कमाई, हाथ में कट्टा और बम

सिंडिकेट टूटने के बाद क्यों डेंजर जोन बनता जा रहा धनबाद

धनबाद, 11 जून (एजेंसियां)। पिछले कुछ दिनों में हुई घटनाओं में यह साफ हुआ है कि धनबाद का पुराना 'माफिया राज' अब बिखर चुका है और उसकी जगह छोटे-छोटे स्थानीय गिरोहों यानी 'टुकड़े-टुकड़े गैंग' ने ले ली है। एक दौर था जब धनबाद के अपराध तंत्र का एक निश्चित पदानुक्रम था। कोयला माफिया या बासेपुर जैसे बड़े सिंडिकेट पूरे कोयलांचल को नियंत्रित करते थे। उनके अपराध करने के अपने नियम और सीमाएं थीं। लेकिन अब यह सीमाएं टूट चुकी हैं। बड़े माफिया सरगनाओं के जेल जाने या नेपथ्य में जाने के बाद जो 'पॉवर वैक्यूम' पैदा हुआ, उसे भरने के लिए नए रंगरूटों और छोटे अपराधियों ने सिर उठा लिया है। ये नए लड़के किसी एक आका के प्रति वफादार नहीं हैं। ये तात्कालिक मुनाफे और वर्चस्व के लिए, कुछ भी करने को तैयार हैं, जिससे कोयलांचल का अपराध

अधिक हिंसक और अप्रत्याशित हो गया है। जब पूरी अराजकता के पीछे अवैध कोयला उत्खनन से हो रहे करोड़ों रुपये का काला खेल काम कर रहा है।

रातों-रात अमीर बनने की चाह, अवैध कोयला खनन से जो काली कमाई हो रही है, उससे स्थानीय दबंग रातों-रात धन-पशु बन रहे हैं। इसी पैसे का एक बड़ा हिस्सा बिहार के सीमावर्ती जिलों से अत्याधुनिक अवैध हथियार खरीदने में किया जा रहा है। कतरास और घनुडीह की घटनाओं से साफ है कि ग्रामीण अब अपने अस्तित्व और सुरक्षा के लिए इस अवैध धंधे का विरोध कर रहे हैं। लेकिन, मुनाफे के अंधे खेल में डूबे दबंग इस विरोध को बर्दाश्त नहीं कर पा रहे हैं और ग्रामीणों की आवाज दबाने के लिए सरेआम गोलियां बरसाई जा रही हैं या बम फोड़े जा रहे हैं ताकि ग्रामीण दहशत में आए और अवैध कोयला खनन या कारोबार को प्रभावित न करें।

कहां से मिल रही अपराधियों को हिम्मत?

पुलिस का सुस्त रवैया: पुलिस अक्सर वारदात हो जाने के बाद लकीर पीटती नजर आती है। हथियारों की आसान सप्लाई: अवैध कट्टों और कारतूसों की निर्बाध सप्लाई चेन को तोड़ा नहीं जा सका है।

सफेदपोशों का संरक्षण: आउटसोर्सिंग कंपनियों के साथ कुछ रसूखदारों और सफेदपोशों का गठजोड़ इन अपराधियों के लिए सुरक्षा कवच का काम करता है। **समय पर कड़ा एक्शन जरूरी:** यदि समय रहते पुलिस ने केवल पारंपरिक गश्त छोड़कर इन छोटे गिरोहों की फंडिंग पर वार नहीं किया और हथियारों की सप्लाई चेन को नहीं काटा, तो धनबाद के ये नए रंगरूट पूरे कोयलांचल को अराजकता की ऐसी आग में झोंक देंगे।

76 ग्राम ब्राउन शुगर के साथ 6 आरोपी गिरफ्तार

अवैध कारोबार का खुलासा, नकदी और मोबाइल भी जब्त

देवघर, 11 जून (एजेंसियां)। देवघर जिले के जसीडीह थाना क्षेत्र में ब्राउन शुगर की खरीद-बिक्री में शामिल छह लोगों को गिरफ्तार किया गया है। पुलिस ने आरोपियों के पास से 76.19 ग्राम ब्राउन शुगर, 63 हजार रुपये नकद और छह मोबाइल फोन बरामद किए हैं।

यह कार्रवाई देवघर पुलिस अधीक्षक को मिली गुप्त सूचना के आधार पर की गई। सूचना थी कि जसीडीह स्टेशन के पास रुइया धर्मशाला के पीछे खुले मैदान में कुछ महिला और पुरुष ब्राउन शुगर का कारोबार करने की तैयारी में हैं। सूचना मिलने के बाद पुलिस अधीक्षक के निर्देश पर सदर अनुमंडल पुलिस पदाधिकारी कुलदीप कुमार के नेतृत्व में एक छापेमारी दल का गठन किया गया। टीम ने मौके पर पहुंचकर छह संदिग्धों को पकड़ा। तलाशी के

दौरान उनके पास से सफेद पारदर्शी प्लास्टिक और खैनी के पैकेट में रखा ब्राउन शुगर जैसा मादक पदार्थ बरामद हुआ। इसके साथ ही 63 हजार रुपये नकद और छह मोबाइल फोन भी जब्त किए गए। पूछताछ में पुलिस को पता चला कि गिरफ्तार गुल मोहम्मद उर्फ चाचा और इस्माइल अंसारी उर्फ राजू खान कथित तौर पर रेल और अन्य माध्यमों से ब्राउन शुगर लाकर देवघर जिले के विभिन्न क्षेत्रों में सप्लाई करते थे। पुलिस के अनुसार, दोनों का पहले भी आपराधिक इतिहास रहा है।

गिरफ्तार आरोपियों में गुल मोहम्मद उर्फ चाचा, रवि झा, अरुण कुमार, अजय कुमार महथा, खुशबू देवी और इस्माइल अंसारी उर्फ राजू खान शामिल हैं।

सभी के खिलाफ जसीडीह थाना में एनडीपीएस एक्ट सहित अन्य धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है।

पैक्स चुनाव के दौरान बवाल, सुरक्षा कर्मियों के सामने पोलिंग एजेंट की लाठी-डंडों से पिटाई

जमुई, 11 जून (एजेंसियां)। टाउन थाना क्षेत्र के काकन पंचायत में पैक्स चुनाव को लेकर मतदान के दौरान गुरुवार की सुबह हिंसक झड़प और मारपीट हो गई। इस दौरान आधा दर्जन लोगों ने सुरक्षा कर्मी के सामने ही नवल सिंह के पुत्र सलेंद्र कुमार की लाठी-डंडे से जमकर पिटाई कर दिया। जिससे सलेंद्र कुमार घायल हो गए। देखते ही देखते माहौल तनावपूर्ण हो गई और लोगों के बीच अफरा- तफरी का महौल बन गया। इलाके में दहशत फैल गई।

सूचना के बाद मौके पर एसडीपीओ सतीश सुमन, थानाध्यक्ष अमरेंद्र कुमार दलबल के साथ घटना स्थल पर पहुंचे और घायल सलेंद्र कुमार को इलाज के लिए सदर अस्पताल भेजते हुए घटना की जांच में जुट गए। घायल सलेंद्र कुमार ने मारपीट का आरोप सुभाष महतो उर्फ वीरप्पन, सौदागर महतो, निवास महतो, दीपू महतो , हृदय यादव समेत अन्य लोगों पर लगाते हुए कार्रवाई की मांग की है।

घायल शैलेंद्र कुमार ने बताया कि काकन पैक्स चुनाव में प्रत्याशी के रूप में वे भी नॉमिनेशन करवाए थे। इससे पूर्व सेंसिटिव बूथ रहने के कारण जिलाधिकारी को आवेदन देकर बूथ को बदलने की मांग की गई थी, लेकिन जिला प्रशासन द्वारा संज्ञान नहीं लिया गया और इसी सेंसिटिव बूथ पर मतदान होने की बातें सामने आई थी जिस वजह से वे अपना नामांकन वापस ले लिए थे और प्रत्याशी कोमल कुमारी को समर्थन दे दिए थे। जिसके पक्ष से वे पोलिंग एजेंट बने थे और बूथ पर जा रहे थे।

कारतूस के विवाद में दोस्त ने साथियों संग मिल कर हत्या की, शव नदी में गाड़ा, 3 गिरफ्तार

चतरा, 11 जून (एजेंसियां)। चतरा जिले के राजपुर थाना क्षेत्र में अपहृत युवक प्रमोद कुमार की हत्या का खुलासा हो गया है। पुलिस ने इस मामले में दो आरोपियों को गिरफ्तार किया है और एक नाबालिग को हिरासत में लिया है। मृतक का शव नदी के बालू से बरामद किया गया था।

पुलिस जांच में सामने आया कि हत्या की इस साजिश को मृतक के एक करीबी दोस्त ने ही अंजाम दिया था। अवैध कारतूस के लेनदेन को लेकर हुए विवाद में प्रमोद की गला घोंटकर हत्या की गई थी।

इस मामले में पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए पथेल निवासी सुनील कुमार (19) और सुनील कुमार भोक्ता (21) को गिरफ्तार कर लिया है, जबकि एक नाबालिग को निरुद्ध किया गया है। सदर एसडीपीओ सन्नी वर्धन ने बताया कि गड़िया गांव निवासी देवलाल यादव का पुत्र प्रमोद कुमार 5 जून से लापता था। 7 जून को देवलाल यादव ने राजपुर थाने में प्रमोद कुमार के अपहरण की लिखित शिकायत दर्ज कराई थी। उन्होंने बताया था कि अज्ञात अपराधियों ने उनके बेटे का अपहरण कर लिया है।

मामले की संवेदनशीलता को देखते हुए चतरा एसपी के निर्देश पर एसडीपीओ सन्नी वर्धन के नेतृत्व में एक त्वरित छापेमारी दल का गठन किया गया। पुलिस टीम ने जब अनुसंधान की गति बढ़ाई, तो गड़िया पुल से करीब 200 मीटर उत्तर दिशा में नदी के बालू के अंदर गाड़ा गया प्रमोद कुमार का शव बरामद हुआ, जिससे पूरे इलाके में सनसनी फैल गई।

शव मिलने के बाद पुलिस ने ह्यूमन इंटेलिजेंस और तकनीकी शाखा के सहयोग से पेशेवर तरीके से जांच को आगे बढ़ाया। दरअसल, प्रमोद कुमार की हत्या पथेल गांव के उसके एक दोस्त ने अपने चार अन्य साथियों के साथ मिलकर की थी। हत्या के पीछे की वजह अवैध हथियार और जिंदा कारतूस की खरीद-बिक्री को लेकर हुआ विवाद था।

प्रमोद ने अवैध हथियार और 10 राउंड जिंदा कारतूस दिलाने के नाम पर दोस्तों से 40 हजार पैसा लिया था। प्रमोद 7 राउंड जिंदा कारतूस दिला भी दिया था। लेकिन देसी कट्टा और 3 राउंड जिंदा कारतूस नहीं दिलाया। दोस्तों ने अपने पैसे रिटर्न मांगे तो वो वापस नहीं कर रहा था।

शादी में मिले रसगुल्ले पांच दिन बाद खाए फूड पॉइजनिंग से सात बीमार, बच्चे की मौत

बिजनौर, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बिजनौर जिले के गांव जीतपुर खास में विवाह समारोह से लाए गए रसगुल्ले पांच दिन बाद खाने से सात लोग बीमार पड़ गए। सभी को पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी।

उपचार के दौरान एक बच्चे की मौत हो गई। छह का इलाज चल रहा है। डॉक्टरों का कहना है कि फूड पॉइजनिंग होने से लोग प्रभावित हुए हैं।

मिली जानकारी के अनुसार, गांव जीतपुर खास निवासी सुधा देवी (65) को पांच दिन पहले रिश्तेदारी में हुए एक विवाह समारोह से रसगुल्ले मिले थे। परिवार के सदस्यों के साथ-साथ पड़ोसी परिवार के सदस्यों ने भी रसगुल्ले खाए, लेकिन कुछ समय बाद उन्हें पेट दर्द, उल्टी और दस्त की शिकायत होने लगी।

फूड पॉइजनिंग की चपेट में आने वालों में राजीव का दो वर्षीय पुत्र देव कुमार, कार्तिक (6), सोनू का पुत्र रितिक (4), पुत्री पल्लवी (4), पड़ोसी संदीप, उनकी पत्नी नीतू और पुत्र वंश (12) शामिल हैं। सभी को अस्पताल में भर्ती कराया। उपचार के दौरान दो साल के देव कुमार की मौत हो गई। चार साल की पल्लवी की तबीयत नाजुक बनी है। अन्य लोगों की हालत में सुधार है।

सूचना पर सीओ आकांक्षा गौतम पुलिस के साथ मौके पर पहुंचे। परिजनों और ग्रामीणों से जानकारी की।

प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र नजीबाबाद के प्रभारी चिकित्साधिकारी डॉक्टर अंकित चौधरी ने बताया कि मामले की जानकारी कराई जा रही है।

शादी की उम्र नहीं हुई, लिव-इन में रहने की इच्छा

हाईकोर्ट ने कहा- सुरक्षा मिलेगी लेकिन यूसीसी में दर्ज कराएं रिश्ता

देहरादून, 11 जून (एजेंसियां)। लिव-इन रिलेशन में रह रहा एक टीनएज कपल (किशोर जोड़ा) को उत्तराखंड हाईकोर्ट ने राहत दे दी है। लड़की के परिवार से मिल रही धमकियों के चलते यह कपल हाईकोर्ट की शरण में पहुंचा था। अदालत ने इस टीनएज लिव-इन कपल को पुलिस सुरक्षा दे दी है। दोनों के शादी से पहले एक साथ रहने पर लड़की का परिवार नाराज है। परिवार के लोग इस कपल को धमकियां दे रहे हैं। हाईकोर्ट ने इस कपल को राज्य के यूनिफॉर्म सिविल कोड के नियमों के तहत एक तय समय में अपने रिश्ते का रजिस्ट्रेशन कराने का निर्देश भी दिया है।

लिव-इन में रह रहे कपल में लड़की की उम्र 19 साल और लड़के की उम्र 18 साल है। वे दोनों एक ही धर्म के हैं। इस

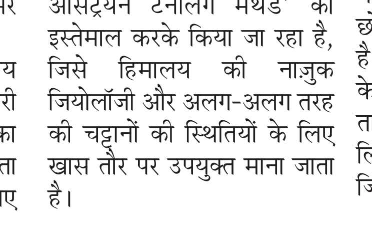

कपल ने कोर्ट को बताया कि वे करीब एक महीने से साथ रह रहे हैं। वे लड़के के शादी के लिए आवश्यक कानूनी उम्र (21 साल) तक पहुंचने के बाद शादी करना चाहते हैं। चूंकि लड़का अभी 18 साल का है, इसलिए वे अभी शादी नहीं कर सकते हैं। इसी कारण उन्होंने मौजूदा लिव-इन अरेंजमेंट के लिए सुरक्षा मांगी थी।

जस्टिस आलोक महरा ने पाया कि कपल को सुरक्षा देने के लिए शुरुआती तौर पर मामला बनता है। उन्होंने उधम सिंह नगर जिले के बाजपुर के स्टेशन हाउस ऑफिसर को निर्देश दिया कि वे खतरे का आकलन करें और अगर कोई वास्तविक खतरा हो तो उचित सुरक्षा दें। कोर्ट ने यह भी निर्देश दिया कि जो लोग कथित तौर पर धमकियां दे रहे हैं, उन्हें कानून का पालन करने और कानूनी तरीके से व्यवहार करने के लिए समझाया जाए।

लिव-इन कपल की ओर से कोर्ट में पेश हुए वकील राहुल अधिकारी ने बताया कि लड़की ने 10वीं कक्षा तक पढ़ाई की है, जबकि लड़का दिहाड़ी मजदूरी करता है और कभी-कभी कॉमर्शियल वाहन भी चलाता है। अधिकारी ने बताया, 'वे दोनों लंबे समय से एक ही इलाके में रह रहे हैं। उनके रिश्ते के बारे में पता चलने पर लड़की के चाचा, भाई और चचेरे भाई नाराज हो गए। वे उनके साथ रहने के फैसले का विरोध कर रहे हैं।'

बजरंग दल के धरना-प्रदर्शन के बाद गरजा बुलडोजर

होली चौक से प्रशासन ने हटाया अतिक्रमण

बदायूं, 11 जून (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के बदायूं जिले के उसावां कस्बे में चर्चित होली चौक विवाद में गुरुवार को कई घंटे चले धरना-प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने कार्रवाई करते हुए कथित अतिक्रमण को हटवा दिया। राष्ट्रीय बजरंग दल और स्थानीय लोगों के आंदोलन के बीच बाजार भी बंद रहा।

दरअसल, नगर पंचायत उसावां स्थित होली चौक को लेकर चल रहा विवाद गुरुवार को उस समय निर्णायक मोड़ पर पहुंच गया, जब कई घंटे तक चले धरना-प्रदर्शन के बाद प्रशासन ने मौके पर पहुंचकर कथित अतिक्रमण हटाने की कार्रवाई कराई। सुबह से ही राष्ट्रीय बजरंग दल, विभिन्न हिंदू संगठनों के कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में स्थानीय नागरिक होली चौक पर एकत्र होने लगे थे।

प्रदर्शनकारियों का आरोप था कि होली चौक की भूमि सार्वजनिक उपयोग और धार्मिक महत्व से जुड़ी है, इसलिए उस पर किसी भी प्रकार का अवैध कब्जा बर्दाश्त नहीं किया जा सकता। इस मांग को लेकर कार्यकर्ताओं ने धरना देते हुए प्रशासन के खिलाफ नारेबाजी की और तत्काल कार्रवाई की मांग उठाई। आंदोलन के समर्थन में कस्बे के अधिकांश व्यापारिक प्रतिष्ठान भी बंद रहे, जिससे पूरे दिन बाजार में सन्नाटा पसरा रहा।

धरना लगातार बढ़ता देख प्रशासनिक अधिकारियों ने मौके पर पहुंचकर स्थिति का जायजा लिया। इसके बाद बुलडोजर और राजस्व विभाग की टीम की मौजूदगी में कथित अतिक्रमण हटाने की प्रक्रिया शुरू कराई गई। कार्रवाई शुरू होते ही प्रदर्शनकारियों ने जयकारे लगाए और प्रशासन के फैसले का स्वागत किया।

राष्ट्रीय बजरंग दल के पदाधिकारियों ने कहा कि यह किसी संगठन की नहीं, बल्कि स्थानीय जनता की एकजुटता की जीत है। उनका कहना था कि लंबे समय से उठाई जा रही मांग को आखिरकार प्रशासन ने गंभीरता से लिया और कार्रवाई की गई। उधर, प्रशासन का कहना है कि पूरी कार्रवाई राजस्व अभिलेखों और निर्धारित प्रक्रिया के अनुरूप की गई है। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि सरकारी भूमि और सार्वजनिक रास्तों पर अतिक्रमण के मामलों में अभियान आगे भी जारी रहेगा। होली चौक पर हुई यह कार्रवाई पूरे जिले में चर्चा का विषय बनी हुई है और इसे प्रशासनिक सख्ती के रूप में देखा जा रहा है।

ट्रंप को महंगाई पसंद है! तेल ने बिगाड़ा अमेरिका के आम लोगों का बजट, 3 साल के टॉप पर पहुंची महंगाई

वाशिंगटन,11 जून (एजेंसियां)। ईरान युद्ध के कारण कच्चे तेल की कीमत में काफी तेजी आई है। इसका असर अब अमेरिका की इकॉनमी पर भी दिखने लगा है। मई में देश में सालाना महंगाई 4.2 फीसदी पर पहुंच गई जो इसका तीन साल का उच्चतम स्तर है। इसकी सबसे बड़ी वजह तेल की कीमत में आई तेजी है। यह फेड रिजर्व के टारगेट से दोगुना हो चुकी है। इससे ब्याज दरों में बढ़ोतरी की भी आशंका बढ़ गई है क्योंकि महंगाई अप्रैल 2023 के बाद उच्चतम स्तर पर है।

ब्यूरो ऑफ लेबर स्टैटिस्टिक्स के मुताबिक मई में मासिक आधार पर सीपीआई महंगाई में 0.50 फीसदी तेजी आई। इसमें तेल की ऊंची कीमत का योगदान 60 फीसदी है। हालांकि खानेपीने की चीजों और ग्रोसरी की कीमत में अप्रैल की तुलना में मई में ज्यादा तेजी नहीं आई। मई में फूड प्राइस में 0.2 फीसदी और ग्रोसरी में 0.1 फीसदी तेजी आई। इससे पहले अप्रैल में फूड प्राइस में 0.5 फीसदी और ग्रोसरी में 0.7 फीसदी की तेजी रही थी।

मुझे महंगाई पसंद है

इस बीच राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने महंगाई पर प्रतिक्रिया देते हुए कहा, 'अच्छे आंकड़े हैं। मुझे यह पसंद है। मुझे महंगाई पसंद है।' उन्होंने कहा कि होर्मुज की खाड़ी से तेल की सप्लाई नॉर्मल होने पर महंगाई में गिरावट आ सकती है। हालांकि पश्चिम एशिया में एक बार फिर घमासान शुरू हो गया है। अमेरिका ने ईरान के कई ठिकानों को निशाना बनाया है और ईरान ने इसका बदला लेने की धमकी दी है।

इससे कच्चे तेल की कीमत में आज कारोबार के दौरान करीब 2% तेजी आई।इस बीच एनर्जी रिसर्च एंड इंटेलीजेंस फर्म रिस्टैड एनर्जी का कहना है कि अगर पश्चिम एशिया में हालात नहीं बदले तो कच्चे तेल की कीमत 150 डॉलर प्रति बैरल तक जा सकता है।

फ्लाइट लेट होने से किसान का पौधा हुआ खराब, एयरएशिया को देना होगा 90,750 रुपये का मुआवजा खाड़ी के छह देशों से रोजाना 11.8 मिलियन बैरल तेल सप्लाई बाधित हुई है।

यही कारण है कि इसे इतिहास के सबसे बड़ा तेल संकट माना जा रहा है। इस लड़ाई के कारण अब तक करीब 1 अरब बैरल तेल की आपूर्ति बाधित हुई है जो अमेरिका के स्ट्रैटजिक पेट्रोलियम रिजर्व का करीब ढाई गुना है।

फ्लाइट लेट होने से किसान का पौधा हुआ खराब

एयरएशिया को देना होगा 90,750 रुपये का मुआवजा

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। एयरलाइन कंपनी एयरएशिया की फ्लाइट लेट होने से केरल के एक किसान का पौधा खराब खराब हो गया। केरल के पल्लकड़ के रहने वाले अब्दुल अजीज हाइब्रिड फलों की खेती और रिसर्च करते हैं। अब्दुल अजीज ने एयरएशिया के खिलाफ केरल के एक कंज्यूमर कमीशन में शिकायत दर्ज कराई। इस मामले की सुनवाई करते हुए कमीशन ने एयरएशिया को आदेश दिया है कि उन्हें किसान को कुल 90,750 रुपये का मुआवजा देना होगा।

मेदान-कुआलानमु फ्लाइट लेट होने से छूट गई कोच्चि जाने वाली फ्लाइट

टीओआई की एक रिपोर्ट के मुताबिक, अब्दुल अजीज हाइब्रिड कटहल का पौधा खरीदने के लिए अगस्त, 2025 में मलेशिया और इंडोनेशिया गए थे।

वापसी में, उन्हें हाइब्रिड कटहल का पौधा लेकर 30 अगस्त को कुआलालंपुर से होते हुए कोच्चि लौटना था। लेकिन, मेदान-कुआलानमु से उनकी फ्लाइट कई घंटे लेट हो गई, जिससे उनकी कोच्चि जाने वाली कनेक्टिंग फ्लाइट भी छूट गई।

एयरएशिया ने नहीं दिया था नोटिस का जवाब

एयरएशिया 7 फरवरी, 2026 को ईमेल के जरिए नोटिस मिलने के बावजूद न तो आयोग के सामने पेश हुआ और न ही कोई जवाब दाखिल किया। इसलिए आयोग ने इस पूरे मामले में एकतरफा कार्रवाई की और किसी भी खंडन के अभाव में शिकायतकर्ता की बात को स्वीकार कर लिया। आयोग ने पाया कि फ्लाइट में देरी और कनेक्टिंग फ्लाइट छूटने की पूरी वजह दूसरी पार्टी की तरफ से सर्विस और तालमेल की कमी थी।

कोर्ट ने अपने फैसले में क्या कहा

कोर्ट ने अपने फैसले में आगे कहा, दूसरी पार्टी की तरफ से सर्विस में कमी के कारण शिकायतकर्ता को आर्थिक नुकसान और मानसिक परेशानी हुई है और इसके लिए उन्हें मुआवजा देना जरूरी है। पलक्कड़ के जिला उपभोक्ता विवाद निवारण आयोग ने मामले की सुनवाई करते हुए कहा, यात्रा पर हुआ किसान का पूरा खर्च बेकार हो गया और अब शिकायतकर्ता को दूसरा पौधा खरीदने के लिए दोबारा इंडोनेशिया की यात्रा करने के लिए मजबूर होना पड़ रहा है।

एयरलाइन कंपनी को 45 दिनों के भीतर करना होगा मुआवजे का भुगतान

आयोग ने एयरएशिया को निर्देश दिया कि वो मेदान-कुआलानामु-कोच्चि यात्रा के लिए 30,750 रुपये की टिकट का पैसा वापस करें, यात्रा और रहने के खर्च के तौर पर 25,000 रुपये दें, सर्विस में कमी के लिए मुआवजे के तौर पर 25,000 रुपये दें और कानूनी खर्च के लिए 10,000 रुपये दें। एयरलाइन को 45 दिनों के भीतर भुगतान करने का आदेश दिया गया है। ऐसा न करने पर, उसे पूरी रकम का भुगतान होने तक हर महीने 500 रुपये हर्जाने के तौर पर देने होंगे। ये सारी रकम मिलाकर 90,750 रुपये होती है।

बालेन शाह और मोदी सरकार का बड़ा फैसला

भारत-नेपाल के बीच शुरू हुई डिजिटल पेमेंट सर्विस, नोट बदलने का झंझट खत्म

नई दिल्ली,11 जून (एजेंसियां)। नेपाल की बालेन शाह और भारत की मोदी सरकार के बीच दोनों करेंसी एक्सचेंज को लेकर बड़ा फैसला हुआ है। दोनों देश के नागरिक अब एक-दूसरे देश में बिना किसी रुकावट के डिजिटल ट्रांजेक्शन कर सकेंगे। दोनों देशों ने यूपीआई-एनपीआई क्रॉस-बॉर्डर रेमिटेंस मैकेनिज्म को आधिकारिक तौर पर शुरू कर दिया गया है। भारत के यूपीआई और नेपाल के एनपीआई के सीधे जुड़ने से अब दोनों देशों के आम नागरिकों, प्रवासियों और व्यापारियों के लिए पैसे का लेन-देन बेहद आसान हो गया है। यह सिस्टम 6 जून 2026 को आधिकारिक तौर पर चालू किया गया है। अब दोनों देशों के नागरिक मोबाइल बैंकिंग ऐप और डिजिटल वॉलेट के जरिए रियल-टाइम, सुरक्षित और तत्काल पैसों का ट्रांजेक्शन कर सकेंगे।

क्या होंगे लोगों को फायदे?

घर पैसे भेजना हुआ आसान

भारत में काम करने वाले नेपाली नागरिक और नेपाल में काम करने वाले भारतीय नागरिक अब बिना किसी झंझट के सीधे अपने मोबाइल बैंकिंग ऐप या डिजिटल वॉलेट से अपने घर पैसे ट्रांसफर कर सकते हैं।

इसके लिए अब किसी मनी ट्रांसफर एजेंसी के चक्कर काटने की जरूरत नहीं होगी।

अकाउंट डिटेल शेयर करने की जरूरत नहीं

पैसे भेजने के लिए अब बैंक खाता संख्या या आईएफएससी कोड जैसी संवेदनशील जानकारियां साझा करने की जरूरत नहीं है। सिर्फ मोबाइल नंबर, यूपीआई आईडी या वर्चुअल पेमेंट एड्रेस के जरिए पलक झपकते ही सुरक्षित तरीके से पैसा ट्रांसफर हो जाएगा।

कैश ले जाने की जरूरत नहीं

भारत और नेपाल की सीमा खुली होने के कारण लोग अक्सर बड़ी मात्रा में नकद लेकर यात्रा करते थे, जिससे चोरी या गुम होने का डर रहता था।अब डिजिटल ट्रांसफर से यह जोखिम पूरी तरह खत्म हो जाएगा।

कम लागत और पारदर्शी व्यवस्था

पारंपरिक तरीकों से पैसे भेजने पर ज्यादा सर्विस चार्ज लगता था। यूपीआई के जरिए पैसे भेजना बहुत सस्ता और पूरी तरह से पारदर्शी होगा, जिससे मेहनत की कमाई का एक-एक पैसा सुरक्षित घर पहुंचेगा।

आईटी शेयरों में भारी गिरावट, 52 हफ्ते के लो पर टीसीएस

विप्रो और एचसीएल, आखिर क्यों आई गिरावट?

नई दिल्ली,11 जून (एजेंसियां)। आईटी शेयरों में आज भारी गिरावट आई। टीसीएस, विप्रो, एचसीएल और एलटीएम के शेयर तो 52 हफ्ते के न्यूनतम स्तर पर पहुंच गए। निफ्टी आईटी में कारोबार के दौरान दो फीसदी गिरावट आई। इन्फोसिस, ओरेकल फाइनेंशियल सर्विसेज सॉफ्टवेयर, परसिसटेंट सिस्टम्स, टेक महिंद्रा, कोफोर्ज और एमफेसिस के शेयरों में भी गिरावट रही। कुछ जानकारों का मानना है कि दुनियाभर में टेक स्टॉक्स में दबाव आया है और उसका असर भारत में भी देखने को मिल रहा है। देश की सबसे बड़ी आईटी कंपनी टीसीएस का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 2,153.90 रुपये पर बंद हुआ था और आज यह 2,129.95 रुपये पर खुला। कारोबार के दौरान यह 2,110 रुपये तक गिर गया जो इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। इसी तरह विप्रो का शेयर भी 175.80 रुपये तक गिरा जो इसका एक साल का लो है। पिछले सत्र में यह 178.95 रुपये पर बंद हुआ था और आज 177.95 रुपये पर खुला।

क्यों आई गिरावट?

एचसीएल का शेयर बीएसई पर पिछले सत्र में 1,132.05 रुपये पर बंद हुआ था और आज 1,119.05 रुपये पर खुला। लेकिन कारोबार के दौरान यह 1,090 रुपये तक गिर गया जो इसका 52 हफ्ते का न्यूनतम स्तर है। एलटीएम का शेयर कारोबार के दौरान करीब 3 फीसदी गिरावट के साथ 3,813 रुपये तक गिरा जो इसका एक साल का न्यूनतम स्तर है। पिछले सत्र में 3,943.85 रुपये पर बंद हुआ था और आज 3,948.90 रुपये पर खुला। जानकारों का कहना है कि दुनियाभर में टेक शेयरों पर प्रेशर है। अमेरिका में टेक्नोलॉजी पर खर्च में कटौती की आशंका, भूराजनीतिक तनाव और विदेशी निवेशकों की लगातार बिकवाली के कारण निवेशक सतर्क रुख अपना रहे हैं। साथ ही एआई के कारण आईटी सर्विसेज पर पड़ने वाले प्रभाव से भी निवेशकों की धारणा प्रभावित हुई है। साथ ही अमेरिका में महंगाई के आंकड़ों से फेड रिजर्व के ब्याज दरों में कटौती की उम्मीदें कम हो गई हैं।

कई महीनों तक नहीं होगी एलपीजी और तेल की किल्लत!

यूएई ने भर दी 'दोस्त' भारत की टंकी

नई दिल्ली,11 जून (एजेंसियां)। पश्चिम एशिया में एक बार फिर घमासान शुरू हो गया है। अमेरिका ने लगातार दूसरे दिन ईरान के ठिकानों को निशाना बनाया है। दूसरी ओर ईरान ने भी इसका बदला लेने की बात कही है। इससे कच्चे तेल की कीमत में तेजी आई है। इस बीच रॉयटर्स की एक रिपोर्ट के मुताबिक भारतीय रिफाइनरीज ने कम से कम अगस्त तक की मांग को पूरा करने के लिए कच्चा तेल जमा कर लिया है। इसी तरह एलपीजी की सप्लाई भी जुलाई के मध्य तक ठीकठाक रहने की उम्मीद है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय रिफाइनरियों ने आने वाले हफ्तो के लिए काफ़ी कच्चा तेल और एलपीजी का स्टॉक जमा कर लिया है। कच्चा तेल अगस्त तक की मांग को पूरा करने के लिए काफी है जबकि जुलाई के मध्य तक एलपीजी को लेकर कोई समस्या नहीं होगी। भारतीय कंपनियों ने हाल में अबू धाबी नेशनल ऑयल कंपनी और दूसरे सप्लायरों से खरीद बढ़ाई है।

कहां से हुई खरीद?

एक रिफाइनरी सूत्र ने कहा, एलपीजी के मामले में हम कम से कम जुलाई के मध्य तक सुरक्षित स्थिति में हैं, और कच्चे तेल की भी कोई समस्या नहीं है। सूत्रों के मुताबिक भारतीय रिफाइनरियां एडीएनओसी से शिप-टू-शिप ट्रांसफर के जरिए कच्चा तेल और एलपीजी कार्गो खरीद रही हैं। अबू धाबी की कंपनी फुजैरा, जिरकू और दास आइलैंड में स्थित अपनी स्टोरेज सुविधाओं के साथ-साथ फुजैरा-सोहार क्षेत्र और मलेशिया में ट्रांसफर के जरिए कच्चा तेल सप्लाई कर रही है।

वहीं, ज्यादातर एलपीजी कार्गो सोहार से मंगाए गए हैं। सरकारी कंपनी हिंदुस्तान पेट्रोलियम कॉर्पोरेशन ने अगस्त में डिलीवरी के लिए यूएई से 4 मिलियन बैरल क्रूड खरीदा। एचपीसीएल ने पिछले हफ्ते ब्राजील और पश्चिम अफ्रीका से भी 2 मिलियन बैरल कच्चा तेल खरीदा था। इसे राजस्थान की रिफाइनरी में प्रोसेस किया जाएगा। इंडियन ऑयल कॉर्पोरेशन और मैंगलोर रिफाइनरी एंड पेट्रोकेमिकल्स लिमिटेड ने भी हाल में कच्चा तेल खरीदने के लिए 'स्पॉट टेंडर' का सहारा लिया है।

दैनिक पंचांग

गृह गोचर

श्री रौद्र /श्री दुर्मती नामके संवत्सरे-विक्रम संवत्- 2083

शक संवत् -1948, सूर्य उत्तरायणे /उत्तर , ऋतु- ग्रीष्म

महावीर निर्वाण संवत् -2551 , राजा गुरु, मन्त्री भौम

कलियुग अवधि - 432000 सूर्योदय 05-44

भोग्य कलि वर्ष. - 426873 सूर्यास्त. 18 -44

कलियुग संवत् - 5127 वर्ष,

कल्पारंभ संवत् - 1972949127

सृष्टि ग्रहारंभ संवत् - 1955885127

दिशाशूल - पश्चिम - दही खाकर घर से निकले

मास - अधिक ज्येष्ठ कृष्ण पक्ष शुक्रवार 12 June 2026

तिथि - द्वादशी 19-36 सांय तक उपरान्त त्रयोदशी

नक्षत्र - अश्विनी 06-28 तक उप भरणी

योग. - अतिगण्ड 04-05 रात्रि तक उप सुकर्मा

करण - कौलव 09-11 तक उप तैतिल

विशेष: पुरूषोत्तम एकादशी व्रत निम्बार्क प्रदोष व्रत

गृह स्थिति			लग्नारम्भ समय	
सूर्य	वृष	मे	वृष	03-58 बजे
चंद्र	मेष	मे	मिथुन	05-58 बजे
मंगल	मेष	मे	कर्क	08-10 बजे
बुध	मिथुन	मे	सिंह	10-23 बजे
गुरु	कर्क	मे	कन्या	12-29 बजे
शुक्र	कर्क	मे	तुला	14-32 बजे
शनि	मीन	मे	वृश्चिक	16-45 बजे
राहु	कुंभ	मे	धनु	18-57 बजे
केतु	सिंह	मे	मकर	21-04 बजे
			कुंभ	22-54 बजे
			मीन	00-33 बजे
			मेष	02-09 बजे

विशेष- राशिफल ग्रहों के गोचर के आधार पर लिखा गया है।सूक्ष्म फलादेश के लिए जन्म पत्रिका हमें दिखावे व पत्रिका की सूक्ष्म स्थिति व दशान्तर्दशा को विशेष प्रभावित समझना चाहिए।

राहुकाल 10-38 से 12-16 तक

पं महेशचन्द्र शर्मा अतापुर Ph. 9247132654

दिन का चौघड़िया			रात का चौघड़िया		
चंचल	05 -44 - 07-21	शुभ	रोग	18-44 - 20-11	अशुभ
लाभ	07-21 - 08-59	शुभ	काल	20-11 - 21-33	अशुभ
अमृत	08-59 - 10-38	शुभ	लाभ	21-33 - 22-54	शुभ
काल	19-38 - 12-16	अशुभ	उत्पात	22-54 - 00-16	अशुभ
शुभ	12-16 - 13-54	शुभ	शुभ	00-16 - 01-38	शुभ
रोग	13-54 - 15-33	अशुभ	अमृत	01-38 - 02-59	शुभ
उत्पात	15-33 - 17-11	अशुभ	चंचल	02-59 - 04-21	शुभ
चंचल	17-11 - 18-44	शुभ	रोग	05-21 - 05-44	अशुभ

स्पासीईएक्स का आईपीओ अंबानी के लिए भी हो सकता है फायदेमंद

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। दुनिया की सबसे चर्चित प्राइवेट टेक कंपनियों में शामिल एलन मस्क की स्पेसएक्स में निवेशकों की भारी दिलचस्पी भारत के सबसे बड़े कारोबारी मुकेश अंबानी के लिए भी अच्छी खबर बन सकती है। जियो प्लेटफॉर्म्स के संभावित आईपीओ को लेकर बाजार में उम्मीदें बढ़ रही हैं। ग्लोबल स्तर पर टेक कंपनियों में निवेश का उत्साह बरकरार रहने से जियो को बेहतर वैल्यूएशन मिलने की संभावना है। हालांकि, बाजार की मौजूदा परिस्थितियां और बड़े आईपीओएस का इतिहास निवेशकों के लिए कुछ सवाल भी खड़े करता है।

ईटी की रिपोर्ट के मुताबिक, एलन मस्क की स्पेसएक्स के लिए निवेशकों की ओर से दिखाई गई मजबूत मांग ने यह संकेत दिया है कि वैश्विक निवेशक अब भी बड़े टेक कारोबारों पर भरोसा जता रहे हैं। ऐसे समय में जब दुनिया के कई हिस्सों में आर्थिक अनिश्चितता बनी हुई है, स्पेसएक्स में अरबों डॉलर का निवेश यह दर्शाता है कि तकनीक आधारित कंपनियों के प्रति आकर्षण कम नहीं हुआ है। इस माहौल का फायदा भारत की जियो प्लेटफॉर्म्स को भी मिल सकता है, जो लंबे समय से अपने आईपीओ की तैयारी कर रही है।

जियो का विशाल कारोबार बना ताकत

रिलायंस जियो आज भारत की सबसे बड़ी टेलीकॉम कंपनियों में से एक है। कंपनी के पास 52 करोड़ से अधिक ग्राहक हैं और हर महीने करोड़ों लोग इसके नेटवर्क पर भारी मात्रा में डेटा का इस्तेमाल करते हैं। जियो का औसत मासिक राजस्व प्रति ग्राहक करीब 214 रुपये है। विश्लेषकों के अनुसार, जियो का वार्षिक परिचालन राजस्व लगभग 15 अरब डॉलर है और इसका ईबीआईटीडीए मार्जिन 50 प्रतिशत से अधिक है। यही वजह है कि कई जानकार कंपनी का मूल्यांकन 130 अरब डॉलर के आसपास मानते हैं।

हालांकि जियो का आकार और कारोबार मजबूत है, लेकिन आईपीओ के लिए बाजार की स्थिति भी महत्वपूर्ण होती है। पिछले एक साल में विदेशी निवेशकों ने भारतीय शेयर बाजार से 37 अरब डॉलर से अधिक की निकासी की है। उभरते बाजारों में बढ़े हुए वैल्यूएशन को देखते हुए कई ग्लोबल फंड निवेश कम कर रहे हैं। यही कारण है कि जियो को अपने आईपीओ में घरेलू निवेशकों और भारतीय संस्थागत निवेशकों पर अधिक भरोसा करना पड़ सकता है।

एआई और डिजिटल सेवाओं पर दांव

जियो भविष्य की कमाई के लिए आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस और डिजिटल सेवाओं पर भी जोर दे रही है। मेटा जैसी कंपनियों के साथ साझेदारी के जरिए सस्ते एआई समाधान उपलब्ध कराने की योजना कंपनी के लिए नया राजस्व स्रोत बन सकती है। इसके अलावा डिजिटल कंटेंट, ई-कॉमर्स और मीडिया कारोबार भी जियो की ग्रोथ रणनीति का अहम हिस्सा हैं। हालांकि, कुछ निवेशकों का मानना है कि जियो का एआई मॉडल अभी उस स्तर का इनोवेशन नहीं दिखाता, जैसा ग्लोबल निवेशक अमेरिका की प्रमुख एआई कंपनियों में देख रहे हैं।

आरबीआई की भूमिका से मिल सकती है मदद

बाजार में लिक्विडिटी बढ़ाने के लिए भारतीय रिजर्व बैंक ने हाल में कुछ कदम उठाए हैं। यदि विदेशों में रहने वाले भारतीयों से बैंकिंग सिस्टम में बड़ी मात्रा में धन आता है, तो इससे बाजार में नकदी बढ़ सकती है। ऐसी स्थिति में जियो जैसे बड़े आईपीओ को पर्याप्त निवेश मिलना आसान हो सकता है। एक्सपर्ट्स का मानना है कि अगर बैंकिंग सिस्टम में अतिरिक्त लिक्विडिटी बनी रहती है तो घरेलू निवेशक बड़े इश्यू में भाग लेने के लिए अधिक तैयार होंगे।

बड़े आईपीओएस का इतिहास देता है चेतावनी

हालांकि हर बड़ा आईपीओ सफलता की गारंटी नहीं होता। मिंट की एक रिपोर्ट में मार्केट एक्सपर्ट आशीष गुप्ता का कहना है कि इतिहास में कई रिकॉर्डतोड़ आईपीओएस बाजार के शिखर के आसपास आए हैं। 2008 में रिलायंस पावर का आईपीओ और 2010 में कोल इंडिया का आईपीओ इसके प्रमुख उदाहरण माने जाते हैं। इन इश्यू के बाद बाजार में बड़ी गिरावट देखने को मिली थी। एक्सपर्ट्स के मुताबिक बड़े आईपीओएस बाजार से बड़ी मात्रा में नकदी खींच लेते हैं, जिससे सेकेंडरी मार्केट पर दबाव बढ़ सकता है। इसलिए निवेशकों को केवल बड़े आकार या लोकप्रियता के आधार पर निवेश का फैसला नहीं करना चाहिए।

उतार-चढ़ाव के बाद नरम पड़ा शेयर बाजार

सेंसेक्स 150 अंक टूटा, निफ्टी 23200 से नीचे

मुंबई,11 जून (एजेंसियां)। भारतीय शेयर बाजार और मुद्रा बाजार (करेंसी मार्केट) में गुरुवार को दोनों में ही सुस्ती और निराशा का माहौल देखने को मिला। एक तरफ जहां शेयर बाजार के प्रमुख सूचकांक लाल निशान पर बंद हुए, वहीं दूसरी तरफ अमेरिकी डॉलर के मुकाबले भारतीय रुपये में भी भारी गिरावट दर्ज की गई।

आज सेंसेक्स और निफ्टी का क्या हाल रहा?

कारोबार के अंत में बॉम्बे स्टॉक एक्सचेंज (बीएसई) का प्रमुख सूचकांक सेंसेक्स 150.63 अंकों की गिरावट के साथ बंद हुआ। इस 0.20% की गिरावट के बाद सेंसेक्स 73,832.55 के स्तर पर आ गया। वहीं, नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी भी इस सुस्ती से अछूता नहीं रहा। निफ्टी में 53.35 अंकों यानी 0.23% की कमजोरी देखी गई, जिसके बाद यह 23,161.60 के स्तर पर बंद हुआ।

डॉलर के मुकाबले रुपये में कितनी कमजोरी आई?

शेयर बाजार की इस गिरावट के साथ-साथ मुद्रा बाजार में भी भारतीय रुपये को बड़ा झटका लगा है। अमेरिकी डॉलर के मुकाबले रुपये में 50 पैसे की भारी गिरावट दर्ज की गई। इस बड़ी कमजोरी के बाद रुपया डॉलर के मुकाबले 95.75 (प्रोविजनल) के स्तर पर बंद हुआ।

आज का दिन भारतीय बाजारों के लिए गिरावट का दिन साबित हुआ। सेंसेक्स और निफ्टी दोनों ही सूचकांक लाल निशान में बंद हुए, जबकि डॉलर के मुकाबले रुपये की कीमत में आई बड़ी गिरावट ने बाजार के इस कमजोर प्रदर्शन को और स्पष्ट कर दिया है।

सोना 1,562 गिरकर 1.45 लाख का 10 ग्राम हुआ

इस महीने 11 हजार सस्ता हो चुका, 1 किलो चांदी की कीमत आज 257 बढ़ी

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। सोने के दाम में आज यानी 11 जून को गिरावट है। इंडिया बुलियन एंड ज्वेलर्स एसोसिएशन के अनुसार, 10 ग्राम 24 कैरेट सोने के दाम 1,562 रुपए गिरकर 1.45 लाख रुपए हो गए हैं। 31 मई को सोना 1.56 लाख पर था। यानी 11 दिन में ही ये 11 हजार रुपए सस्ता हुआ है। वहीं, 1 किलो चांदी की कीमत आज 257 रुपए बढ़कर 2.33 लाख रुपए पर पहुंच गई है। इस साल सोने-चांदी की कीमत में लगातार उतार-चढ़ाव देखने को मिल रहा है। 31 दिसंबर 2025 को सोने के दाम 1.33 लाख रुपए थे, जो 29 जनवरी को बढ़कर 1.76 लाख रुपए के सबसे ऊपरी स्तर पर पहुंच गए थे। तब से अब तक सोना 31 हजार रुपए सस्ता हो चुका है।वहीं, चांदी के कीमत 31 दिसंबर 2025 को 2.30 लाख रुपए थी, जो 29 जनवरी को 3.86 लाख रुपए के ऑलटाइम हाई पर पहुंच गई थी।

तब से अब तक 133 दिन में चांदी 1.52 लाख रुपए सस्ती हो गई है।

आपका राशिफल

मेष (चू,चे, चो, ला, ली, लू , ले, लो, अ,) — कोई लगातार पूरी वफादारी,सहायता और समर्थन से आपके साथ बना हुआ है ,आज आपके पास इसका बदला उतारने और उसका साथ देने का एक मौका आएगा । आपको उसका साथ देने में एक मुश्किल स्थिति से भी गुजरना पद सकता है,पर अंतत इससे आपका रिश्ता मजबूत ही होगा । आपको दया और कृतज्ञता दिखाते हुए बहादुर बने रहना होगा ।

वृष (ई, उ, ए, जो, वा, वी, वू, वे, वो,) — आपको आज खुद का ही चिंतन करना है । आपके जीवन में इस समय सब कुछ सही चल रहा है ,फिर भी आपको एक प्रकार की बेचैनी महसूस हो रही है जिसे आप व्यक्त नही कर पा रहे । इसका एकमात्र समाधान यह है कि आप खुद के बारे में शांत दिमाग से सोचें जिससे आपको अपनी स्थितियों को बेहतर तरीके से देखने में मदद मिलेगी और आप सही समाधान खोज पायेंगे ।

मिथुन (का, की, कू, घ, ड, छ, के, को, ह,) — आप आजकल हर किसी की नजर में हैं । जल्दी ही आप अपने दुश्मनों को पहचान जायेंगे । इनसे निपटते हुए सावधान रहें क्योंकि ये लोग आपको भड़काकर आपको गलत साबित करना चाहते हैं । यदि बहुत ज्यादा विरोध हो रहा हो तो पीछे हट जाएँ । हालाँकि आपको कोई ऐसा भी मिलेगा जिसपर आप यकीन कर सकते हो ।

कर्क (ही, हू ,हे , हो, डा , डी, डू, डे, डो,) — आज आप आकर्षण का केंद्र रहेंगे । फोकस का केंद्र रहना आपकी सहज विशेषता है जिसके कारण कई लोग आपसे इर्ष्या करेंगे । जब आप सहज रूप से वर्त्तमान .भूतकाल और भविष्य के बारे में सोचेंगे तो आपको बहुत से अपने जवाब और समाधान मिल जायेंगे । आज आप शारीरिक और मनोविज्ञानिक दोनों ही दृष्टियों से खुद को बहुत अच्छी स्थिति में पायेंगे ।

सिंह (मा, मी ,मू ,मे, मो, टा, टी ,टू ,टे,) — आज दिनभर आपका मूड बदलता रहेगा लेकिन आपका भाग्य आपके साथ है ,इसका एक नुक्सान यह है कि आप भाग्य के भरोसे पर अधिक रह सकते हैं । इस बात का ध्यान रखें कि इसके कारण परियोजनाओं की तैयारी में कोई कमी ना रहे । वित्तीय फायदे तो होंगे किन्तु अनावश्यक खर्च ना करें । वित्तीय लाभ का यह सिलसिला अधिक समय तक नही चलेगा ।

कन्या (टो पा पी पू ष ण ठ पे पो) — आज आप जो भी कुछ शुरू करेंगे ,उसमे चाहे कितनी ही बाधाएं आयें,आपको सफलता मिलनी तय है । दिन के अंत तक आप दूसरों से फिर से बेहतर सम्बन्ध बना पायेंगे । अपनी प्रकृति में एक जरुरी बदलाव लायें-हर सम्बन्ध में केवल अधिकार जताने की कोशिश में ना रहें । सबको बराबरी का दर्जा दें और आपको भी बदले में सबसे प्यार मिलेगा ।

तुला (रा, री, रू ,रे ,रो , ता, ती, तू ,ते,) — आज आप बहुत जल्दी में हैं । आपको अपने सब कामों को निपटाने की गति जरा धीमी करनी होगी क्योकि जल्दी मे काम निपटाने के चक्कर में आपसे गलतियाँ हो सकती हैं । इसीलिए धीमे चलें ।इस बात का विशेष ध्यान रखें कि आप क्या कह और कर रहें हैं । आपको अपने कार्य को संतोषजनक ढंग से पूरा करने के लिए सभी बारीकियों पर ध्यान देने की जरुरत है ।

वृश्चिक (तो,ना,नी, ने,नू, नो, या, यी ,यू,) — काफी समय से जिन्दगी एक ही ढर्रे पर चल रही है,कुछ मजेदार भी नही हो रहा । अपनी नीरस जिंदगी में कुछ साहसिक गतिविधि शामिल करें । अपने पसंदीदा पर्यटन स्थल पर जा सकते हैं या कहीं भी बाहर घूम आयें । महत्वपूर्ण कामों को पूरा करने के लिए कुछ समय तक खुद को कुछ सामाजिक और निजी गतिविधियों से दूर कर लें ताकि एकाग्रता से काम कर पायें ।

धनु (ये, यो,भा, भी, भू धा ,फा, ढा, भे) — आज दुविधा और उलझन की स्थिति बनी रहेगी । लेकिन यह बस उपरी आवरण है ,जैसे ही स्थिति साफ़ होगी ,आप वास्तविकता को देख पाएंगे । शुरुआत में सब कुछ उलझा हुआ सा लगेगा ,लेकिन समय के साथ साथ सब ठीक होगा,अपना समय लें और चलते रहें । आपको सफलता मिलेगी।

मकर (भो, जा, जी, खो, खू, खे, खो, गा, गी) — आपके आस पास कोई आपको व्यर्थ के पावर गेम में उलझाने की कोशिश करेगा । इससे बचने का रास्ता यही है कि आप खुद पर नियंत्रण रखकर ठंडे दिमाग से काम लें और किसी और की चालों का शिकार न बनें । इससे आप व्यर्थ की परेशानियों से भी बच जायेंगे । अगर आप सावधान रहेंगे तो बहुत सुंदर और चिंतामुक्त दिन गुजार सकते हैं ।

कुंभ (गू, गे ,गो, सा, सी, सू, से, सो, दा,) — आज अपने सिद्धांतों की व्याख्या और पुनर्मुल्यांकन का दिन है । आप पिछले फैसलों के लिए खुद से और अपने साथी से भी सवाल कर सकते हैं । फिर भी आप उसके प्रति बहुत अच्छे बने रहेंगे और उससे भी बदले में यही उम्मीद रखेंगे । जब पुराने विचारों से कोई काम बनता दिखाई न दे रहा हो तो नए विचारों को अपना लेने में कोई बुराई नही है ।

मीन (दी, दू,थ, झ, ञ, दे, दो, चा,ची) — आज का दिन अलग अलग तरह के विचारों और दुनियाभर के नए पैदा हो रहे अवसरों के चलते थोडा सा उलझाने वाला रहेगा । विभिन्न शक्तियां आपको अपनी तरफ खीचेंगी । अधिक सोचने और हर किसी को खुश करने की कोशिश न करें । इसके स्थान पर,अपने मन की ही सुनें.आपके लिए सर्वोत्तम होगा । भले ही आपको इस समय यह सही ना लग रहा हो ।

पं महेशचन्द्र शर्मा फोन : 9167555710

प्रसूताओं की मौत पर हंगामा : चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह की बैठक के बाहर पुलिस-कांग्रेस कार्यकर्ताओं में झड़प

बीकानेर, 11 जून (एजेंसियां)। बीकानेर के पीबीएम अस्पताल में प्रसूताओं की तबीयत बिगड़ने और स्वास्थ्य सेवाओं में लापरवाही को लेकर गुरुवार को शहर में भारी हंगामा हुआ। इस मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रदेश के चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर खुद स्थिति का जायजा लेने बीकानेर पहुंचे। मंत्री के दौरे से ठीक पहले अस्पताल की बदहाली और प्रसूताओं की मौत व गंभीर स्थिति को लेकर यूथ कांग्रेस के कार्यकर्ताओं ने उग्र प्रदर्शन किया, जिसके बाद पुलिस को हल्का बल प्रयोग करना पड़ा।

बीकानेर पहुंचे चिकित्सा मंत्री गजेंद्र सिंह खींवसर ने एसपी मेडिकल कॉलेज में एक महत्वपूर्ण बैठक की। इस बैठक में मेडिकल कॉलेज के प्रिंसिपल डॉ. सुरेंद्र वर्मा, पीबीएम अधीक्षक डॉ. बी.सी. घीया और सभी विभागों के विभागाध्यक्ष मौजूद रहे। बैठक का मुख्य एजेंडा प्रसूताओं की अचानक बिगड़ी तबीयत, संक्रमण के कारणों और

अस्पताल की व्यवस्थाओं की समीक्षा करना था। इसके अलावा जोधपुर मेडिकल कॉलेज की विशेष टीम द्वारा सौंपी गई जांच रिपोर्ट पर भी चर्चा की गई।

दिलचस्प बात यह रही कि चिकित्सा मंत्री के पहुंचने से ठीक पहले अस्पताल प्रशासन ने आनन-फानन में पूरे परिसर का कायाकल्प कर दिया। दीवारों पर जमी गंदगी, पान-गुटके की पीक के निशानों को मिटाने के लिए रातों-रात रंग-रोगन किया गया। गैलरियों को साफ कर नया पेंट किया गया और विशेष रूप से उस पोस्ट कोविड वार्ड के बाहर भारी सफाई अभियान चलाया गया, जहां पीड़ित प्रसूताएं भर्ती हैं।

अस्पताल की अव्यवस्थाओं और प्रसूताओं के मौत मामले को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने यूथ कांग्रेस के नेतृत्व में शहर में एक विशाल रैली निकाली और पीबीएम अस्पताल के बाहर अनिश्चितकालीन धरना शुरू कर दिया। जैसे ही कार्यकर्ताओं को चिकित्सा मंत्री के आने की सूचना मिली, उन्होंने मेडिकल कॉलेज परिसर में घुसने का प्रयास किया।

स्थिति को नियंत्रित करने के लिए मौके पर भारी पुलिस जाब्ता तैनात था। जब कांग्रेस कार्यकर्ताओं और पुलिस के बीच तीखी नोकझोंक हुई और माहौल बिगड़ने लगा, तो पुलिस ने लाठियां भांजकर और धक्के देकर प्रदर्शनकारियों को वहां से खदेड़ दिया।

इस दौरान यूथ कांग्रेस के जिलाध्यक्ष भंवर कूकना को पुलिस की लाठियां लगीं और वे जमीन पर गिर गए, जिसके बाद उन्हें हिरासत में ले लिया गया। महिला कार्यकर्ताओं ने भी गेट के अंदर घुसने की कोशिश की, जिन्हें महिला पुलिसकर्मियों ने रोका। इस प्रदर्शन में देहात कांग्रेस अध्यक्ष बिशनाराम सियाग, शहर अध्यक्ष मदन गोपाल मेघवाल और पूर्व अध्यक्ष यशपाल गहलोत सहित कई बड़े नेता शामिल रहे।

पीबीएम अस्पताल में भर्ती प्रसूताओं में से श्रीगंगानगर के सूरतगढ़ की रहने वाली प्रीति नायक की हालत अब भी अत्यंत गंभीर बनी हुई है। संक्रमण के कारण उनका अब तक 13 बार डायलिसिस हो चुका है।

'मुझसे बेटे वैभव जैसा स्नेह रखते हैं अशोक गहलोत' पूर्व सीएम के बयानों पर सचिन पायलट का जवाब

दौसा, 11 जून (एजेंसियां)। पूर्व केंद्रीय मंत्री स्वर्गीय राजेश पायलट की पुण्यतिथि के अवसर पर दौसा जिले के भंडाना स्थित उनके स्मृति स्मारक पर कांग्रेस पार्टी के कई दिग्गज चेहरों का जमावड़ा देखने को मिला। प्रतिवर्ष की भांति इस बार भी भंडाना में एक विशेष सर्वधर्म प्रार्थना सभा का आयोजन किया गया, जिसमें विभिन्न धर्मों के धर्मगुरुओं ने हिस्सा लिया और स्वर्गीय पायलट की सादगीपूर्ण एवं जन-कल्याणकारी विरासत को याद किया। इस भावुक कार्यक्रम के दौरान पूर्व उपमुख्यमंत्री सचिन पायलट अपने दोनों बेटों- आरान पायलट और विहान पायलट के साथ अपने पूज्य पिता के स्मारक पर पहुंचे और पुष्प चक्र अर्पित कर उन्हें भावभीनी श्रद्धांजलि दी। प्रार्थना सभा के संपन्न होने के ठीक बाद जब मीडिया के कैमरों ने सचिन पायलट को घेरा, तो उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री अशोक गहलोत के साथ अपने बहु-चर्चित

राजनैतिक संबंधों को लेकर एक ऐसा बयान दिया, जिसकी गूंज अब दिल्ली से लेकर जयपुर के सियासी गलियारों तक साफ सुनाई दे रही है।

पिछले कुछ दिनों से राजस्थान कांग्रेस के भीतर अंदरूनी समीकरणों और नेतृत्व परिवर्तन की सुगबुगाहटों को लेकर चल रही खबरों के बीच सचिन पायलट का यह बयान बेहद परिपक्व और सकारात्मक राजनैतिक संदेश देने वाला माना जा रहा है। अशोक गहलोत के पुराने बयानों का संदर्भ देते हुए पायलट ने बेहद खुलकर और बिना किसी लाग-लपेट के अपनी बात मीडिया के सामने रखी।

सचिन पायलट ने मुस्कुराते हुए कहा, ₹मैंने वरिष्ठ नेता अशोक गहलोत जी का वह वक्तव्य बहुत अच्छी तरह से सुना है। उस बयान के संदर्भ में मुझे मीडिया के माध्यम से बस इतना ही कहना है कि अशोक गहलोत जी का स्नेह, अपनापन और गहरा लगाव जैसे उनके अपने बेटे वैभव गहलोत के साथ हमेशा रहता है, ठीक वैसा ही स्नेह, आशीर्वाद और लगाव मेरे साथ भी उनका निरंतर बना हुआ है। हम सब आखिरकार कांग्रेस पार्टी के ही सच्चे और समर्पित सिपाही हैं।

उन्होंने कांग्रेस के राष्ट्रीय नेतृत्व के विज़न का जिक्र करते हुए कहा, ₹हमारे नेता राहुल गांधी ने भारत जोड़ो यात्रा के दौरान जो सबसे बड़ा और ऐतिहासिक संदेश पूरे देश की जनता को दिया था कि हमें नफरत के बाजार में 'मोहब्बत की दुकान' खोलनी है, हम सब उसी रास्ते पर आगे बढ़ रहे हैं। हम सभी नेताओं और कार्यकर्ताओं को मिलकर भारतीय जनता पार्टी के इस दमनकारी और जन-विरोधी शासन का पूरी मजबूती से मुकाबला करना है। उस महान मुहिम के भीतर कांग्रेस पार्टी का हर एक छोटा-बड़ा कार्यकर्ता, पदाधिकारी, नेता और हर पीढ़ी के लोग कंधे से कंधा मिलाकर धरातल पर कड़ा संघर्ष कर रहे हैं।

मुझे पूरा विश्वास है कि राजस्थान कांग्रेस हमेशा से आंतरिक रूप से बेहद मजबूत रही है और पूरे देश के लिए एक अनुकरणीय मिसाल बनी है।

'जनता की आवाज उठाना अपराध है तो मैं अपराधी हूं' गिरल आंदोलन के बाद भाटी का सरकार पर हमला

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। गिरल क्षेत्र में चल रहे आंदोलन के सफल होने के बाद शिव विधायक रविंद्र सिंह भाटी ने राज्य सरकार और प्रशासन पर जमकर निशाना साधा। भाजपा प्रदेशाध्यक्ष मदन राठौड़ द्वारा उनके पेट्रोल लेकर आत्मदाह की चेतावनी देने वाले कदम को आपराधिक करार दिए जाने पर प्रतिक्रिया देते हुए भाटी ने कहा कि यदि देवतुल्य जनता की आवाज उठाना अपराध है तो वह स्वयं को अपराधी मानने के लिए तैयार हैं।

रविंद्र सिंह भाटी ने कहा कि गिरल में वह लगातार 30 दिनों तक खुले आसमान के नीचे सुबह, दोपहर, शाम और रात धरने पर बैठे रहे, लेकिन सरकार और प्रशासन पूरी तरह मूकदर्शक बने रहे। उन्होंने सवाल उठाया कि आखिर मजदूर ऐसी कौन-सी अनुचित मांग कर रहे थे, जिसे

सुनने तक का समय सरकार के पास नहीं था। उन्होंने कहा कि जिन मजदूरों की मेहनत से उद्योग और व्यवस्था चलती है, उनके अधिकारों की लड़ाई लड़ना जनप्रतिनिधियों का कर्तव्य है और वह इस जिम्मेदारी से पीछे हटने वाले नहीं हैं।

विधायक ने कहा कि प्रदेश की जनता ने उन्हें कम उम्र में विधानसभा तक केवल सुविधाओं का लाभ लेने के लिए नहीं भेजा है, बल्कि जनता की उम्मीदों और समस्याओं को उठाने के लिए चुना है। उन्होंने कहा कि जनहित से जुड़े हर मुद्दे पर वह मजबूती से अपनी आवाज उठाते रहेंगे।

भाटी ने कहा कि चाहे जैसलमेर में गायों की मौत का मामला हो, बिजली के गिरे हुए खंभों की समस्या हो या फिर आम लोगों को बिजली आपूर्ति में आने वाली परेशानियां, वह हर मुद्दे को लगातार उठाते रहेंगे। उन्होंने कहा कि जनता की समस्याओं को अनदेखा नहीं किया जा सकता और जनप्रतिनिधि होने के नाते उनकी जिम्मेदारी है कि वे लोगों की आवाज सरकार तक पहुंचाएं।

रविंद्र सिंह भाटी ने बिजली विभाग पर भी सवाल खड़े किए। उन्होंने कहा कि यदि कोई उपभोक्ता बिजली बिल जमा करने में थोड़ी भी देरी करता है तो उस पर तुरंत पेनल्टी लगा दी जाती है, लेकिन कई दिनों तक बिजली आपूर्ति बाधित रहने पर विभाग की कोई जवाबदेही तय नहीं होती। उन्होंने अधिकारियों से आग्रह किया कि वे वातानुकूलित कार्यालयों से बाहर निकलकर भीषण गर्मी में रहने वाले आम लोगों की परेशानियों को समझें और उनका समाधान करें।

खेजड़ी बचाओ और अरावली संरक्षण अभियान का जिक्र करते हुए भाटी ने कहा कि सरकार बड़े स्तर पर पौधारोपण के दावे करती है, लेकिन जमीन पर उसकी वास्तविकता दिखाई नहीं देती। उन्होंने सवाल किया कि यदि एक पेड़ काटने पर 20 पेड़ लगाने का नियम है तो वे पेड़ आखिर कहां लगाए गए हैं। उन्होंने कहा कि राजस्थान जैसे जल संकट वाले प्रदेश में पेड़ों की कटाई पर्यावरण के साथ बड़ा अन्याय है।

भाटी ने बताया कि उन्होंने खेजड़ी संरक्षण के लिए विधानसभा में एक विधेयक भी प्रस्तुत किया था, लेकिन सरकार ने केवल औपचारिक निर्देश जारी कर अपनी जिम्मेदारी पूरी मान ली। उन्होंने कहा कि पर्यावरण संरक्षण और जनहित से जुड़े मुद्दों पर उनकी लड़ाई आगे भी जारी रहेगी और जनता के अधिकारों के लिए वह हर स्तर पर आवाज उठाते रहेंगे।

नाबालिग लड़कियों की खरीद-फरोख्त मामले में 3 और आरोपी गिरफ्तार, अकाउंट से मिली मोटे लेनदेन की जानकारी

झालावाड़, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में नाबालिग लड़कियों की खरीद-फरोख्त से जुड़े मामले में पुलिस ने बड़ी कार्रवाई करते हुए 3 और आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार किया है। इसके साथ ही इस मामले में गिरफ्तार आरोपियों की संख्या बढ़कर 11 हो गई है। पुलिस की जांच में आरोपियों के बैंक खातों में बड़े वित्तीय लेनदेन की जानकारी भी सामने आई है, जिसकी विस्तृत जांच की जा रही है।

पुलिस ने इस अंतरराज्यीय गिरोह का खुलासा 5 जून को किया था। जांच में सामने आया था कि गिरोह राजस्थान के कई जिलों के साथ-साथ मुंबई तक सक्रिय था। आरोपी आर्थिक रूप से कमजोर परिवारों को झांसा देकर लड़कियों की खरीद-फरोख्त करते थे। इस मामले में स्पेशल टीम लगातार कार्रवाई कर रही है। जांच

के दौरान पुलिस ने अब तक 15 लड़कियों को सुरक्षित रेस्क्यू किया है। इनमें अधिकांश नाबालिग हैं। पुलिस का कहना है कि पीड़ितों की पहचान और गोपनीयता को सुरक्षित रखा जा रहा है। मामले में नई जानकारियां मिलने के बाद अलग-अलग स्थानों पर दबिश देकर अन्य पीड़ितों तक भी पहुंचने का प्रयास किया जा रहा है।

पुलिस टीम ने पूर्व में गिरफ्तार 8 आरोपियों के अलावा अब 3 और आरोपियों को मुंबई से गिरफ्तार किया है। पहले गिरफ्तार आरोपियों को कोर्ट में पेश किया वहीं, नए गिरफ्तार आरोपियों से पूछताछ के लिए पुलिस रिमांड पर लिया है। जांच के दौरान पुलिस को आरोपियों के बैंक खातों में भारी रकम के लेनदेन के सबूत भी मिले हैं। प्रारंभिक जांच में पता चला है कि विभिन्न खातों के माध्यम से बड़ी राशि का ट्रांजेक्शन हुआ था। अब पुलिस इन खातों के लेनदेन और आरोपियों की संपत्तियों की जांच कर रही है।

पाली में पुलिस-तस्कर मुठभेड़

डोडा पोस्त से भरी स्कॉर्पियो जब्त

एक तस्कर घायल; दूसरा गिरफ्तार

पाली, 11 जून (एजेंसियां)। पाली जिले के रानी थाना क्षेत्र में गुरुवार अलसुबह पुलिस और डोडा पोस्त तस्करों के बीच मुठभेड़ हो गई। नाडोल के पास की गई नाकेबंदी के दौरान तस्करों ने पुलिस टीम पर फायरिंग कर दी। जवाबी कार्रवाई में पुलिस ने भी गोली चलाई, जिसमें एक तस्कर घायल हो गया। वहीं उसके एक साथी को मौके से गिरफ्तार कर लिया गया।

पुलिस को सूचना मिली थी कि दो वाहनों में भारी मात्रा में डोडा पोस्त की तस्करी की जा रही है। सूचना के आधार पर नाडोल क्षेत्र में नाकेबंदी की गई। इस दौरान पुलिस ने संदिग्ध वाहनों को रुकने का इशारा किया, लेकिन तस्करों ने वाहन रोकने के बजाय पुलिस पर फायरिंग शुरू कर दी।

पुलिस की जवाबी कार्रवाई में एक तस्कर के पैर में गोली लग गई। घायल तस्कर की पहचान बाड़मेर निवासी खेताराम के रूप में हुई है। उसे उपचार के लिए पाली के बांगड़ अस्पताल में भर्ती कराया गया है।

कार्रवाई के दौरान पुलिस ने खेताराम के साथी भैराराम, निवासी बाड़मेर, को भी गिरफ्तार कर लिया। मौके से डोडा पोस्त से भरी एक स्कॉर्पियो जब्त की गई है। प्रारंभिक जानकारी के अनुसार वाहन में बड़ी मात्रा में अवैध मादक पदार्थ भरा हुआ था।

कचरा समझकर जिसे फेंक दिया, वो निकला खजाना!

मार्बल वेस्ट में मिले दुर्लभ खनिज, पूरे प्रदेश में खोज शुरू

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान की मरुधरा अपनी कोख में छिपे अनमोल खनिजों के लिए दुनियाभर में मशहूर है, लेकिन अब एक चौंकाने वाली वैज्ञानिक रिसर्च ने प्रदेश के माइनिंग सेक्टर में खलबली मचा दी है। राज्य में जिन मार्बल वेस्ट डंप्स (संगमरमर के कचरे के ढेरों) को अब तक बिल्कुल बेकार और पर्यावरण के लिए आफत माना जा रहा था, वे असल में बेशकीमती खनिजों की खान निकले हैं। एक नए अध्ययन में इन कचरों के ढेरों के भीतर निकल, कोबाल्ट, क्रोमियम और गैलियम जैसे अत्यंत दुर्लभ और रणनीतिक खनिजों की मौजूदगी पाई गई है। इस अविश्वसनीय खोज के सामने आते ही राजस्थान सरकार ने तुरंत बड़ा कदम उठाया है और प्रदेश के कई जिलों में फैले माइनिंग कचरे के मूल्यांकन का दायरा बढ़ाने का फैसला किया है। यह अभूतपूर्व कामयाबी खान विभाग, राजस्थान स्टेट माइंस एंड मिनरल्स एक्सप्लोरेशन ट्रस्ट और IIT (ISM) धनबाद के एक संयुक्त पायलट

प्रोजेक्ट के जरिए मिली है। इस प्रोजेक्ट का मुख्य मकसद यह पता लगाना था कि खानों से निकलने वाले अनुपयोगी मलबे और कचरे में क्या व्यावसायिक रूप से निकालने योग्य महत्वपूर्ण खनिज मौजूद हैं। शुरुआती चरण में विभाग ने पूरे प्रदेश में 78 मिनरल डंप्स की पहचान कर उन्हें क्लस्टर्स में बांटा। विस्तृत अध्ययन के लिए सबसे पहले उदयपुर और उसके आसपास के इलाके से 8 पिंक मार्बल और 2 ग्रीन मार्बल के डंप्स को चुना गया। जब इन डंप्स से लिए गए सैंपल्स की लैब में जांच की गई, तो वैज्ञानिक भी अपनी आंखें मलने पर मजबूर हो गए। शुरुआती अनुमानों के मुताबिक, इन कचरों के ढेरों में इन दुर्लभ खनिजों की सांद्रता पृथ्वी की सामान्य परत में पाए जाने वाले औसत की तुलना में 25 से 40 गुना अधिक है। हालांकि, व्यावसायिक रूप से इन्हें बाहर निकालना कितना व्यवहार्य होगा, इसके लिए अभी और अध्ययन किए जा रहे हैं।

उदयपुर क्लस्टर में मिली इस बड़ी सफलता के बाद, बाकी बचे 68 डंप्स और कचरों की भी जियो-रेफरेंस्ड मैपिंग, सैंपलिंग और मिनरलॉजिकल एनालिसिस शुरू कर दी गई है। इसके तहत आने वाले दिनों में टंगस्टन, लिथियम और रेयर अर्थ एलिमेंट्स जैसे भविष्य के ईंधनों की खोज की जाएगी। यह महा-सर्वे मुख्य रूप से इन क्षेत्रों में फैला हुआ है। अधिकारियों के मुताबिक, राज्य सरकार की यह अनूठी पहल केंद्र सरकार के 'नेशनल क्रिटिकल मिनरल मिशन' के विजन से पूरी तरह मेल खाती है, जिसका उद्देश्य देश में महत्वपूर्ण और रणनीतिक खनिज संसाधनों की खोज को बढ़ावा देना है।

आईएमडी अलर्ट; जयपुर समेत 12 जिलों में तेज आंधी और बारिश की चेतावनी

जयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। राजस्थान में भीषण गर्मी और उमस से जूझ रहे लोगों को गुरुवार से राहत मिलने की उम्मीद है। मौसम विभाग के अनुसार प्रदेश में सक्रिय हो रहे पश्चिमी विक्षोभ के प्रभाव से मौसम का मिजाज बदलने जा रहा है। जयपुर, अलवर समेत 12 जिलों में तेज आंधी, बारिश और कुछ स्थानों पर ओलावृष्टि की संभावना को देखते हुए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है। मौसम विशेषज्ञों के मुताबिक यह मौसम तंत्र 14 जून तक प्रभावी रह सकता है। इसके असर से बीकानेर, जयपुर और भरतपुर संभाग के कई जिलों में 50 से 70 किलोमीटर प्रतिघंटा की रफ्तार से तेज हवाएं चलने, गरज-चमक के साथ हल्की से मध्यम बारिश होने और कहीं-कहीं ओले गिरने की संभावना है। इससे तापमान में 2 से 4 डिग्री सेल्सियस तक गिरावट आ सकती है। प्रदेश के अधिकांश हिस्सों में मौसम शुष्क रहा और तेज धूप के कारण गर्मी का असर बना रहा। श्रीगंगानगर प्रदेश का सबसे गर्म शहर रहा, जहां अधिकतम तापमान 45.9 डिग्री सेल्सियस दर्ज किया गया। चूरू में 44.7, फलोदी में 43.8, जैसलमेर में 43 और अलवर में 42.2 डिग्री सेल्सियस तापमान रिकॉर्ड किया गया। राजधानी जयपुर में अधिकतम तापमान 42.1 डिग्री सेल्सियस पहुंच गया, जबकि रात का तापमान भी 30 डिग्री से ऊपर बना रहा। अजमेर, कोटा, जोधपुर, सीकर और उदयपुर में भी दिनभर गर्मी और उमस ने लोगों को परेशान किया। हालांकि उदयपुर और दक्षिणी राजस्थान के कुछ हिस्सों में अगले दो दिनों के दौरान बारिश की संभावना जताई गई है।

श्रीगंगानगर में गैंग के खिलाफ पुलिस हुई सख्त, चार माह में तीसरी मुठभेड़

श्रीगंगानगर, 11 जून (एजेंसियां)। इलाके में लॉरेंस बिश्नोई और रोहित गोदारा गैंग कारोबारियों से रंगदारी वसूलने और अपना प्रभाव जमाने के लिए लगातार शूटरों के जरिए रैकी और फायरिंग करवा रहे हैं। पिछले डेढ़ साल में इन गैंगों की गतिविधियों के कारण रंगदारी के मामले बढ़े हैं। पुलिस ने चुनिंदा शिकायतों के आधार पर मामलों को दर्ज किया है। मार्च से अब तक चार महीनों में पुलिस ने गैंग से जुड़े शूटरों की आवाजाही पर कड़ी नजर रखी और तीन मुठभेड़ें की गईं। पुलिस अधीक्षक हरीशंकर ने बताया कि जिला मुख्यालय से पंजाब महज 8 किलोमीटर दूर है, जिससे गैंग के लोग आसानी से बाइक पर आवाजाही कर लेते हैं। इस वजह से रात्री नाकेबंदी और ऑपरेशन लंगड़ा के तहत विशेष कार्रवाई की जा रही है। ऑपरेशन लंगड़ा के तहत नाकेबंदी और रात्री गश्त बढ़ाई गई। शूटरों को पकड़ने के लिए घेराबंदी और जवाबी कार्रवाई की जाती है। पैरों या टांग में गोली मारकर गंभीर चोट से बचाते हुए गिरफ्तारी की जा रही है। एसपी हरीशंकर का कहना है कि सीमा के पास होने की वजह से गैंग के लोग आसानी से आवाजाही करते हैं, लेकिन अब उन्हें रोकने के लिए कड़ी निगरानी और सघन अभियान चलाए जा रहे हैं।

मकान बना 'नागलोक', 30 मिनट में एक-एक कर सामने आए 23 जहरीले सांप

उदयपुर, 11 जून (एजेंसियां)। झीलों की नगरी उदयपुर का एक शांत सा घर उस समय अचानक 'नागलोक' में तब्दील हो गया, जब वहां रहने वाले परिवार के पैरों तले से जमीन खिसक गई। प्रतापनगर क्षेत्र के ढीकली गांव में एक घर के पीछे बने ट्यूबवेल चेंबर से महज 30 मिनट के भीतर एक-एक कर पूरे 23 बेहद जहरीले सांप बाहर निकल आए। रोंगटे खड़े कर देने वाले इस नजारे को जिसने भी देखा, उसकी रूह कांप गई।

दरअसल, घरवालों ने चेंबर के पास सिर्फ एक सांप रेंगते हुए देखा था और घबराकर रेस्क्यू टीम को फोन किया था। लेकिन उन्हें अंदाजा भी नहीं था कि चेंबर का ढक्कन हटाते ही वह सांपों के एक बड़े 'डेरे' का सामना करने वाले हैं। वाइल्ड एनिमल रेस्क्यू सेंटर के संभागीय अध्यक्ष चमन सिंह चौहान जैसे ही सूचना पाकर अपने साथी लक्ष्मीलाल गमेती के साथ मौके पर पहुंचे, तो मामला बेहद गंभीर निकला। टीम ने जैसे ही चेंबर के भीतर हाथ डाला और अपना रेस्क्यू ऑपरेशन शुरू किया, वहां मौजूद लोगों की सांसें अटक गईं। महज आधे घंटे के भीतर चेंबर के अंधेरे कोने से 1 विशाल मादा सांप और उसके 22 नवजात बच्चे यानी कुल 23 रेंगते हुए कटीले मेहमान बाहर निकाले गए। डॉ. चमन सिंह ने बताया कि ये सभी सांप भारत के सबसे विषैले और जानलेवा सांपों में शुमार 'रसेल वाइपर' प्रजाति के हैं।

ठगों को कमीशन पर देते थे बैंक खाते

पुलिस ने 3 को किया गिरफ्तार

अलवर, 11 जून (एजेंसियां)। आजकल ऑनलाइन ठगी के मामले तेजी से बढ़ रहे हैं, लेकिन क्या आप जानते हैं कि इन ठगों के पीछे कुछ ऐसे लोग भी होते हैं जो इन्हें बैंक खाते किराए पर देते हैं? अलवर पुलिस ने ऐसे ही तीन आरोपियों को दबोचा है जो सीधे तौर पर साइबर अपराधियों की मदद कर रहे थे। पुलिस ने अलग-अलग थानों में तीन केस दर्ज कर इन आरोपियों के पास से दो मोबाइल फोन, दो सिम कार्ड, एक एटीएम कार्ड और एक चेक बुक जब्त की है। अलवर के एसपी सुधीर चौधरी ने मामले का खुलासा करते हुए बताया कि अरावली विहार, नौगावां और लक्ष्मणगढ़ थाना पुलिस ने मिलकर इस पूरी कार्रवाई को अंजाम दिया है। पकड़े गए आरोपियों की पहचान 21 साल के यांशु सैनी, 20 साल के गोविंदा और 21 साल के मुजाईद खान के रूप में हुई है। ये सभी उम्र में भले ही कम हैं, लेकिन इनके कारनामे बेहद शातिर हैं। फिलहाल तीनों से अलग-अलग मामलों में पूछताछ की जा रही है। साइबर अपराध की भाषा में जिन खातों का इस्तेमाल ठगी का पैसा मंगाने और छिपाने के लिए किया जाता है, उन्हें 'म्यूल अकाउंट' कहते हैं। पुलिस की शुरुआती जांच में सामने आया है कि ये तीनों आरोपी साइबर ठगों के लिए नए-नए बैंक खाते खुलवाते थे और उन्हें खुद ऑपरेट करते थे। जब भी ठग किसी आम इंसान से ऑनलाइन धोखाधड़ी करते थे, तो वे ठगी की रकम सीधे इन्हीं खातों में ट्रांसफर करवाते थे। ऐसा इसलिए किया जाता था ताकि मुख्य अपराधियों की असली पहचान और लोकेशन पुलिस की नजरों से छिपी रहे।

बालश्रम पर एक्शन, 5 दिनों में 10 से अधिक बच्चों का रेस्क्यू, बालश्रम करवाने वालों पर एफआइआर

प्रतापगढ़, 11 जून (एजेंसियां)। जिले में बालश्रम उन्मूलन अभियान के तहत लगातार कार्रवाई जारी है। जिला प्रशासन, पुलिस विभाग, गायत्री सेवा संस्थान एवं चाइल्ड लाइन की संयुक्त टीम की ओर से चलाए जा रहे बालश्रम मुक्त प्रतापगढ़ एवं उमंग-07 अभियान के तहत पिछले पांच दिनों में 10 से अधिक बाल श्रमिकों को मुक्त कराया जा चुका है। साथ ही बालश्रम करवाने वाले नियोक्ताओं के खिलाफ पांच प्रकरण भी दर्ज किए गए हैं। राजस्थान बाल आयोग के पूर्व सदस्य एवं अभियान के नोडल अधिकारी डॉ. शैलेंद्र पण्ड्या ने कहा कि बालश्रम मुक्त बनाने के लक्ष्य को मजबूती मिलेगी।

गायत्री सेवा संस्थान के जिला समन्वयक रामचन्द्र मेघवाल ने बताया कि पीपलखूंट थाना पुलिस ने बालश्रम के खिलाफ विशेष कार्रवाई करते हुए 7 बाल श्रमिकों को मुक्त कराया। कार्रवाई में उप निरीक्षक गौतमलाल मीणा, पुलिस जाप्ता, पूजा राजपूत, अंबालाल निनामा, गायत्री सेवा संस्थान एवं चाइल्ड हेल्पलाइन की टीम शामिल रही। रेस्क्यू किए गए बच्चों को बाल कल्याण समिति के समक्ष प्रस्तुत किया गया, जहां से उन्हें शेल्टर होम में प्रवेश दिलाया गया।

नियोक्ताओं के खिलाफ बालश्रम निषेध कानून के तहत पीपलखूंट थाने में प्रकरण दर्ज किया गया है। रामचन्द्र मेघवाल ने बताया कि 1 जून से 30 जून तक जिला प्रशासन एवं पुलिस विभाग के निर्देशन में एक्शन मंथ और उमंग-07 अभियान संचालित किया जा रहा है।

जग्गा रेड्डी का तीखा हमला : भाजपा पर चुनाव आयोग के दुरूपयोग का आरोप

कांग्रेस जनता के मुद्दों को उठाना जारी रखेगी

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस कमेटी (टीपीसीसी) के कार्यकारी अध्यक्ष जग्गा रेड्डी ने भाजपा पर तीखा हमला करते हुए उस पर निम्नस्तरीय राजनीति करने के आरोप लगाए हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा पिछले 12 वर्षों से केंद्र में सत्ता में रहते हुए भी राजनीतिक मर्यादाओं का उल्लंघन कर रही है और गंदी राजनीति कर रही है। जग्गा रेड्डी ने कहा कि भाजपा ने जानबूझकर कांग्रेस नेता मीनाक्षी नटराजन को निशाना बनाया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मध्य प्रदेश में राज्यसभा सीट के लिए भाजपा ने अनुचित और गिरती हुई राजनीति की है। उन्होंने कहा कि मीनाक्षी नटराजन एक सरल और विचारधारा आधारित नेता हैं और उनके जैसे नेताओं को रोकना दुर्भाग्यपूर्ण है। उन्होंने भाजपा पर आरोप लगाया कि वह चुनाव आयोग का दुरूपयोग कर रही है और कांग्रेस के राज्यसभा प्रयासों को बाधित कर रही है।

कांग्रेस नेता ने सवाल उठाया कि प्रधानमंत्री कार्यालय और भाजपा नेतृत्व का इस तरह की कार्रवाई में क्या उद्देश्य है, और उन्होंने कहा कि मामूली शिकायतों के आधार पर नामांकन को खारिज करना उचित नहीं है।

उन्होंने आरोप लगाया कि चुनाव आयोग की प्रक्रिया का उपयोग कर लोकतांत्रिक अधिकारों को प्रभावित किया जा रहा है तथा विपक्षी दलों को कमजोर करने की कोशिश हो रही है। जग्गा रेड्डी ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी पर भी निशाना साधते हुए कहा कि 12 वर्षों के शासन के दौरान बेरोजगारी और अन्य वादों पर सरकार विफल रही है। उन्होंने भाजपा पर यह भी आरोप लगाया कि वह अपनी विफलताओं से ध्यान हटाने के लिए विपक्ष पर आरोप लगाती है और विभिन्न मुद्दों पर भ्रम फैलाती है।

कांग्रेस नेता ने कहा कि पार्टी में आंतरिक लोकतंत्र मौजूद है, जबकि अन्य दलों में इस प्रकार की स्वतंत्रता नहीं है। उन्होंने यह भी कहा कि अफवाहों और आरोपों के आधार पर राजनीति नहीं चल सकती। उन्होंने स्पष्ट चेतावनी देते हुए कहा कि यदि पार्टी में कोई कोवर्ट या अंदरूनी तत्व पाए जाते हैं तो उस पर सख्त कार्रवाई की जाएगी। जग्गा रेड्डी ने अंत में कहा कि भाजपा अपने कथित गलत कार्यों पर चर्चा से बचने के लिए विपक्ष पर आरोप लगा रही है, जबकि कांग्रेस जनता के मुद्दों को उठाना जारी रखेगी।

नशा मुक्ति जागरूकता के लिए 1,000 किलोमीटर साइकिल यात्रा

कुमराम भीम आसिफाबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। जिले के सामाजिक कार्यकर्ता ओरुगंटी रंजीत कुमार ने आंध्र प्रदेश के 13 जिलों में 17 दिनों में 1,000 किलोमीटर की साइकिल यात्रा पूरी कर भारत विश्व रिकॉर्ड और तेलुगु रिकॉर्ड्स पुस्तिका में अपना नाम दर्ज कराया है। उन्होंने यह यात्रा युवाओं और आम जनता को नशे के दुष्परिणामों के प्रति जागरूक करने के उद्देश्य से की। रंजीत कुमार ने अपनी यात्रा तिरुपति से शुरू की और विशाखापट्टनम में इसे सफलतापूर्वक पूरा किया। इस दौरान उन्होंने विभिन्न स्थानों पर रुककर लोगों को नशे के दुष्प्रभावों के बारे में जागरूक किया और नशामुक्त समाज के निर्माण का संदेश दिया। इस उपलब्धि पर कुमराम भीम आसिफाबाद की पुलिस अधीक्षक नितिका पंत ने उन्हें बधाई दी। उन्होंने कहा कि युवाओं में नशे की लत के खिलाफ जागरूकता फैलाना आज के समय की बड़ी आवश्यकता है। उन्होंने कार्यकर्ता के प्रयासों की सराहना करते हुए कहा कि इस तरह की पहल समाज के लिए प्रेरणादायक हैं। सामाजिक कार्यकर्ता रंजीत कुमार ने बताया कि यह उपलब्धि उनके लिए गर्व का विषय है और इससे उनकी जिम्मेदारी और बढ़ गई है।

पत्नी की हत्या के मामले का कुछ ही घंटों में खुलासा, मुख्य आरोपी गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। मल्काजगिरि पुलिस ने थाना क्षेत्र में दर्ज एक हत्या के मामले का कुछ ही घंटों में सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने आरोपी के कब्जे से एक देसी पिस्तौल, जिंदा कारतूस, चाकू तथा अन्य आपत्तिजनक सामग्री बरामद की है। पुलिस के अनुसार, 11 जून को सुबह करीब 9.10 बजे मौला-अली रेलवे स्टेशन के निकट आरोपी को गिरफ्तार किया गया। यह कार्रवाई मल्काजगिरि थाने में दर्ज अपराध संख्या 479/2026, भारतीय न्याय संहिता की धारा 103(1) तथा शस्त्र अधिनियम, 1959 की धारा 25(1)(ए) एवं 27 के तहत की गई। गिरफ्तार आरोपी की पहचान 48 वर्षीय धामरा अरुण कुमार के रूप में हुई है, जो रियल एस्टेट व्यवसाय से जुड़ा है और मारुति नगर, मल्काजगिरि का निवासी है। मामले में हरिंदर सिंह उर्फ हरभजन सिंह फरार है, जबकि 23 वर्षीय मीर मुजम्मिल अली खान को भी आरोपी बनाया गया है। पुलिस जांच में सामने आया कि मृतका धामरा निशारानी आरोपी अरुण कुमार की पत्नी थी। अरुण कुमार ने पहले निशारानी की बड़ी बहन से विवाह किया था और बाद में निशारानी से शादी की। आरोपी अपनी पत्नी के चरित्र पर लगातार संदेह करता था और उसे मानसिक तथा शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता था। प्रताड़ना से तंग आकर निशारानी कई बार अपने रिश्तेदारों के यहां मेदक जिले के नरसापुर में शरण लेने के लिए मजबूर हुई थी। जांच के दौरान यह भी पता चला कि अरुण कुमार पूर्व में अंबरपेट थाने के एक शस्त्र मामले में गिरफ्तार होकर न्यायिक हिरासत में रह चुका था। जेल से रिहा होने के बाद वह अपनी पत्नी के पुनः मारुति नगर स्थित घर ले आया था।

पुलिस के अनुसार, दंपति के बीच पिछले कुछ दिनों से विवाद बढ़ गया था। इसी क्रम में 10 जून की सुबह लगभग 4.30 बजे आरोपी ने अपने घर में पत्नी निशारानी पर अवैध हथियार से गोली चला दी, जिससे उसकी मौके पर ही मृत्यु हो गई। तकनीकी साक्ष्यों और अन्य सुरागों के आधार पर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए आरोपी को गिरफ्तार कर हत्या में प्रयुक्त हथियार, जिंदा कारतूस और अन्य सामग्री बरामद कर ली। मामले की आगे जांच जारी है। बरामद सामग्री में एक देसी पिस्तौल, तीन जिंदा कारतूसों से भरी मैगजीन, एक बटनदार चाकू, दो स्टेनलेस स्टील के चाकू, एक सर्जिकल ब्लेड, एक मारुति बलेनो कार, एक बजाज चेतक स्कूटर तथा अन्य सामग्री शामिल है।

यह मामला पुलिस आयुक्त बी. सुमति के नेतृत्व तथा पुलिस उपायुक्त सीएच. श्रीधर, अतिरिक्त डीसीपी राम कुमार और एसीपी वी. यादवगिरि रेड्डी के मार्गदर्शन में सुलझाया गया। मल्काजगिरि थाना प्रभारी बी. सत्यनारायण, डिटेक्टिव इंस्पेक्टर सीएच. श्रीनु तथा उनकी टीम ने कार्रवाई को अंजाम दिया। पुलिस उपायुक्त मल्काजगिरि सीएच. श्रीधर ने बताया कि पुलिस आयुक्त ने मामले के त्वरित खुलासे और पेशेवर जांच के लिए पुलिस टीम की सराहना की। उन्होंने कहा कि मल्काजगिरि पुलिस ने नागरिकों से घरेलू हिंसा, जान से मारने की धमकी, अवैध हथियार रखने या किसी भी आपराधिक गतिविधि की सूचना तत्काल निकटतम पुलिस थाने अथवा डायल-100/112 पर देने की अपील की है। पुलिस ने कहा कि पारिवारिक विवादों की अनदेखी गंभीर अपराधों का रूप ले सकती है और इससे जान-माल का अपूरणीय नुकसान हो सकता है। पुलिस ने यह भी चेतावनी दी कि अवैध हथियारों का कब्जा, खरीद-फरोख्त, परिवहन या उपयोग गंभीर अपराध है और ऐसे मामलों में कानून के अनुसार कठोर कार्रवाई की जाएगी।

सदर्न कमांड के जीओसी-इन-सी ने राज्यपाल से की शिष्टाचार भेंट

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। पुणे स्थित सदर्न कमांड के जनरल ऑफिसर कमांडिंग-इन-चीफ (जीओसी-इन-सी) लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन (एवीएसएम, एसएम) ने तेलंगाना के आधिकारिक दौरे के दौरान गुरुवार को लोक भवन में राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से शिष्टाचार भेंट की। बैठक में सदर्न कमांड के कई वरिष्ठ सैन्य अधिकारी भी उपस्थित रहे। इस अवसर पर लेफ्टिनेंट जनरल संदीप जैन ने राज्यपाल को सदर्न कमांड के अधीन संचालित विभिन्न पहल, कल्याणकारी कार्यक्रमों तथा सुरक्षा उपायों की जानकारी दी। इसके बाद मेदक—निजामाबाद—आदिलाबाद—करीमनगर शिक्षक निर्वाचन क्षेत्र के एमएलसी मल्का कोमरैया ने भी लोक भवन में राज्यपाल से मुलाकात की। गंडीपेट स्थित चैतन्य भारती इंस्टीट्यट ऑफ टेक्नोलॉजी (सीबीआईटी) के प्राचार्य प्रोफेसर सी.वी. नरसिंहुलु ने भी राज्यपाल से भेंट की। वहीं, वासवी क्लब्स इंटरनेशनल के अंतरराष्ट्रीय अध्यक्ष सिद्दा वेंकट सूर्य प्रकाश राव ने संगठन के अन्य सदस्यों के साथ राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात कर विभिन्न विषयों पर चर्चा की।

बिल भुगतान प्रणाली में वियोना फिनटेक को मिली मान्यता

अब विभिन्न संस्थानों के बिल भुगतान संग्रहण का करेगी संचालन

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद स्थित वित्तीय प्रौद्योगिकी कंपनी वियोना फिनटेक इंडिया प्राइवेट लिमिटेड को भारत बिल भुगतान प्रणाली के अंतर्गत बिल संचालन इकाई के रूप में सफलतापूर्वक मान्यता प्राप्त हो गई है। इस उपलब्धि के बाद कंपनी देशभर में विभिन्न संस्थानों के बिल भुगतान संग्रहण से जुड़ी सेवाएं प्रदान कर सकेगी। कंपनी ने बताया कि यह मान्यता राष्ट्रीय भुगतान निगम की सहयोगी संस्था द्वारा संचालित भारत बिल भुगतान प्रणाली के तहत प्रदान की गई है। इसके माध्यम से अब बिजली, पानी, गैस जैसी उपयोगिता सेवाओं, शिक्षा, बीमा और वित्तीय सेवाओं से जुड़े संस्थान इस नेटवर्क के जरिए भुगतान प्राप्त कर सकेंगे। कंपनी के अनुसार, इस नई मान्यता के साथ उसके भुगतान प्रौद्योगिकी सेवाओं के दायरे का और विस्तार हुआ है। इससे पहले भी कंपनी को त्वरित भुगतान प्रणाली, एकीकृत भुगतान प्रणाली, बैंकिंग संपर्क सेवाओं तथा इलेक्ट्रॉनिक ग्राहक पहचान सत्यापन जैसी विभिन्न सेवाओं के लिए मान्यता प्राप्त है।

वियोना फिनटेक के अध्यक्ष एवं मुख्य कार्यकारी अधिकारी रविंद्रनाथ यारलागड्डा ने कहा कि बिल भुगतान व्यवस्था डिजिटल वित्तीय समावेशन को आम लोगों तक पहुंचाने का एक महत्वपूर्ण माध्यम है।

मंत्री ने सीतारामा परियोजना की मंजूरी प्रक्रिया तेज करने के दिए निर्देश

पूर्व खम्मम जिले की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा बैठक

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। सिंचाई एवं नागरिक आपूर्ति मंत्री कैप्टन एन. उत्तम कुमार रेड्डी ने गुरुवार को अधिकारियों को निर्देश दिए कि सीतारामा सागर लिफ्ट सिंचाई योजना से संबंधित पर्यावरणीय मंजूरी की प्रक्रिया को तेजी से आगे बढ़ाया जाए। जलासौधा में पूर्व खम्मम जिले की प्रमुख सिंचाई परियोजनाओं की व्यापक समीक्षा बैठक की अध्यक्षता करते हुए मंत्री ने कहा कि परियोजना के क्रियान्वयन में आ रही सभी बाधाओं को प्राथमिकता के आधार पर दूर किया जाए। बैठक में उपमुख्यमंत्री मल्लू भट्टी विक्रमार्क, राजस्व, आवास एवं आई एंड पीआर मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी, कृषि मंत्री तुम्मला नागेश्वर राव, जिला प्रभारी मंत्री वाकिटी श्रीहरी, सांसद, विधायक एवं एमएलसी शामिल हुए। उत्तम कुमार रेड्डी ने स्पष्ट किया कि भूमि अधिग्रहण, पुनर्वास एवं पुनर्स्थापन, वन एवं पर्यावरणीय मंजूरी तथा न्यायालय से जुड़े मामलों को प्राथमिकता के आधार पर हल किया जाए। उन्होंने अधिकारियों को लंबित प्रस्ताव तुरंत तैयार कर जिला कलेक्टरों एवं आरडीओ को समयबद्ध कार्रवाई के लिए भेजने के निर्देश दिए। उन्होंने सीतारामा लिफ्ट सिंचाई परियोजना की समीक्षा करते हुए कहा कि सभी लंबित पर्यावरणीय मंजूरियों को शीघ्र पूरा किया जाए। अधिकारियों ने बताया कि परियोजना को पहले ही केंद्रीय जल आयोग की तकनीकी सलाहकार समिति से मंजूरी मिल चुकी है। मंत्री ने कहा कि प्रक्रियागत देरी के कारण किसानों को सिंचाई लाभ से वंचित नहीं रखा जा सकता। उन्होंने सभी संबंधित विभागों के बीच समन्वय बनाकर पर्यावरणीय मंजूरी शीघ्र प्राप्त करने के निर्देश दिए। उन्होंने परियोजना से जुड़े न्यायालय मामलों की भी समीक्षा की और सुप्रीम कोर्ट सहित अन्य न्यायिक मंचों पर लंबित मामलों की निगरानी तेज करने को कहा। साथ ही उन्होंने अतिरिक्त महाधिवक्ता को दिल्ली में तैनात कर राज्य के हितों की प्रभावी पैरवी सुनिश्चित करने का सुझाव दिया। बैठक में भूमि अधिग्रहण की स्थिति की भी समीक्षा की गई। मंत्री ने अधिकारियों को मुआवजा भुगतान और आपसी समझौतों के माध्यम से लंबित मामलों को शीघ्र निपटाने के निर्देश दिए। उन्होंने वन मंजूरी जुलाई अंत तक प्राप्त करने और ठेकेदारों द्वारा देरी के बहाने को स्वीकार न करने की चेतावनी दी। बैठक में मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी द्वारा बय्यारम आदिवासी क्षेत्रों में सीतारामा लिफ्ट पैकेज-1 से जल आपूर्ति के प्रस्ताव को मंत्री ने सैद्धांतिक मंजूरी प्रदान की। उन्होंने अधिकारियों को व्यवहारिक और लागत-प्रभावी योजना तैयार करने के निर्देश दिए।

दक्षिण तट रेलवे
विशाखापट्टनम
हमें x@SCoRailway पर फॉलो करें। वेबसाइट: www.scr.indianrailways.gov.in

सं.-डीवाय.सीईई-जीएस-बीजेडए-42-2026-27,दि.10/06/2026 (ireps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, दक्षिण तट रेलवे-दतरे, विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यो हेतु खुली निविदा/निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-बीजेडए-जीएसयु-इलेक.-42-2026-27, दि.01-06-2026, कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजन-गुडीवाडा तथा मछलीपट्नम रेलवे स्टेशनों पर शेष कार्यो हेतु बिजली व्यवस्थाओं का प्रावधान (फेज-॥).

निविदा मूल्य रु.31991549.49, अग्रधन रु.639800.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य, बंद करने की तिथि & समयः 30-06-2026 के 15.00 बजे

1 बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया वेबसाइटः https://iरेeps.gov.in पर लागिन करें।

2. अग्रधन (इएमडी) का भुगतान, नेट बैंकिंग/आईआरईपीएस पर उपलब्ध पेमेन्ट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से करना चाहिए (अथवा) बोली सुरक्षा के प्रति बैंक गारण्टी को मैन्युएल तौर पर, एफए & सीएओ/सीओएन/एस.सी. रेलवे, सिकंदराबाद के पक्ष में प्रस्तुत करना चाहिए।

3. निविदाकार, अपने आफर्स को, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति/बिड्डिंग अवधि के दौरान, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते हैं।

4. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति/बिड्डिंग अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, विजयवाडा

सं.-डीवाय.सीईई-जीएस-बीजेडए-44-2026-27,दि.10/06/2026 (iरेeps.gov.in द्वारा)

भारत के राष्ट्रपति की ओर से, मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, दक्षिण तट रेलवे-दतरे, विजयवाडा द्वारा निम्न कार्यो हेतु खुली निविदा/निविदाकरण की एकल पैकेट प्रणाली में ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.1, निविदा सं.-बीजेडए-जीएसयु-इलेक.-44-2026-27, दि.03-06-2026, कार्य विवरणः बीजेडए डिवीजन-बिट्टागुन्टा पर सीसी रेक रखरखाव के लिए, फ्राइट ट्रेन एग्जामिनेशन की सुविधाओं के विकास हेतु बिजली आपूर्ति व्यवस्थाओं का प्रावधान (बीआइटीटीआर)।

निविदा मूल्य रु.7086461.33, अग्रधन रु.141700.00, कार्य पूरा करने की अवधिः 09 महिने, निविदा प्रपत्र मूल्य रु.शून्य, बंद करने की तिथि & समयः 30-06-2026 के 15.00 बजे

1 बोली दस्तावेज तथा अन्य विवरण हेतु कृपया **वेबसाइटः** https://ireps.gov.in पर लागिन करें।

2. अग्रधन (इएमडी) का भुगतान, नेट बैंकिंग/आईआरईपीएस पर उपलब्ध पेमेन्ट गेटवे सुविधाओं के माध्यम से करना चाहिए (अथवा) बोली सुरक्षा के प्रति बैंक गारण्टी को मैन्युएल तौर पर, एफए & सीएओ/सीओएन/एस.सी. रेलवे, सिकंदराबाद के पक्ष में प्रस्तुत करना चाहिए।

3. निविदाकार, अपने आफर्स को, आनलाइन में निविदा प्रस्तुति/बिड्डिंग अवधि के दौरान, निविदा बंद करने की तिथि से पहले, पंद्रह दिन की अवधि में प्रस्तुत कर सकते है।

4. निविदाकार, किसी भी शुध्दिपत्र (केवल आनलाइन पर जारी) को निविदा प्रस्तुति/बिड्डिंग अवधि की प्रारंभिक तिथि तक ही देख सकते हैं।

मुख्य परियोजना प्रबंधक, गति शक्ति, विजयवाडा

ई-निविदा सूचना सं.-जीइएम/2026/बी/7607306

अधोहस्ताक्षरी द्वारा निम्न कार्यो हेतु ठेकेदारों से दि.30-06-2026 के 18.00 बजे तक ई-निविदाएं आमंत्रित है।

क्रम सं.01, निविदा सं.-जीइएम/2026/बी/7607306, दि.05-06-2026, कार्य विवरणः जीएनटी डिवीजन-दो वर्ष की अवधि के लिए, एमयुके-एनडीएल सेक्शन में एसवाईएम, जीजेजे, वाईएडीए & एनडीएल पर संचालन, स्टाफ की तैनाती या मैन्निंग & टीएसएस की 4 स्टाफ का रखरखाव।

अनुमानित मूल्य रु.1,12,71,591.00 अग्रधन रु.2,06,400.00 निविदा प्रपत्र मूल्य (अप्रतिदेय) रु. शून्य, ई-बिड्स की आनलाइन प्रस्तुति की अंतिम तिथि व समयः 30-06-2026 के 18.00 बजे तक

यदि निविदा खोलने की निर्धारित तिथि को तदनंतर अवकाश घोषित होता है तो, निविदाओं को उसके अगले कार्यदिवस पर खोला जायेगा।

किसीभी विस्तृत विवरण हेतु दि. 05-06-2026 को या इसके बाद दि. 30-06-2026 के 18.00 बजे तक **वेबसाइटः www.GeM.gov.in** पर लाग आन करें। कोई भी अधिक संचार/शुध्दिपत्र को, केवल ई-पोर्टलः www.ireps.gov.in द्वारा सूचित किया जायेगा।

वरिष्ठ विभागीय बिजली अभियन्ता, टीआरडी, गुन्टूर

SCoR-A026

निविदा नियम शर्ते/अधिक जानकारी तथा निविदा दस्तावेजों की डाउनलोडिंग हेतु कृपया वेबसाइटः https://www.ireps.gov.in पर जाएं।

फर्जी मल्टी-लेवल मार्केटिंग रैकेट का भंडाफोड़

उच्च मुनाफे का लालच देकर लोगों से ठगी, छह गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस ने एक कथित मल्टी-लेवल मार्केटिंग (एमएलएम) रैकेट का पर्दाफाश करते हुए छह लोगों को गिरफ्तार किया है। आरोप है कि ये लोग उच्च आय और भारी मुनाफे का लालच देकर आम लोगों से बड़ी रकम वसूल रहे थे। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान ओनील गुप्ता, दिनेश कुमार साहिल, प्रियांशु सक्सेना, प्रवीण कुमार डाकलिया, परितोष कुमार डाकलिया और रियाज के रूप में हुई है। पुलिस के अनुसार, ये सभी 'इग्नाइट' नामक कंपनी में अलग-अलग भूमिकाओं में कार्यरत थे और लोगों को निवेश के लिए प्रेरित कर रहे थे। हैदराबाद पुलिस आयुक्त वी.सी. सज्जनार ने बताया कि इग्नाइट कंपनी का मुख्यालय हांगकांग में है और इसका नेटवर्क देशभर में फैला हुआ है। उन्होंने कहा कि कंपनी के संस्थापक पथमन सेनाथिराजाह और अन्य सहयोगियों के खिलाफ देश के विभिन्न राज्यों में पहले से कई मामले दर्ज हैं।

सज्जनार के अनुसार, पथमन सेनाथिराजाह, प्रबंध निदेशक अदली हसन और ओनील गुप्ता पहले क्यूनेट से जुड़े थे। पुलिस की कार्रवाई के बाद उन्होंने इग्नाइट कंपनी शुरू की और कथित रूप से लोगों को अधिक कमाई का सपना दिखाकर नए निवेशकों को जोड़ने का काम शुरू किया। पुलिस का दावा है कि पिछले 25 वर्षों के दौरान यह गिरोह गोल्डक्वेस्ट, क्वेस्टनेट, क्यूनेट/विहान और इग्नाइट जैसे विभिन्न नामों से काम करता रहा और करोड़ों रुपये की धोखाधड़ी को अंजाम देता रहा। आयुक्त ने बताया कि शहर में इग्नाइट कंपनी के संचालन शुरू होने के महज 18 दिनों के भीतर पुलिस ने कार्रवाई करते हुए तीन प्राथमिकी दर्ज कीं और जांच शुरू कर दी। शुरूआती जांच में सामने आया कि प्रत्येक पीड़ित से 60 हजार रुपये लिए गए और उन्हें चुंबकीय पेन, एनर्जी हार्मोनाइजिंग डिवाइस तथा इलेक्ट्रिक टूथब्रश जैसे उत्पाद बेचने के लिए कहा गया। पुलिस के अनुसार, इन उत्पादों को स्वास्थ्य या कल्याण संबंधी उपयोग के लिए किसी भारतीय अथवा अंतरराष्ट्रीय नियामक संस्था से स्वीकृति प्राप्त नहीं है। साथ ही निवेशकों को अपनी रकम वापस पाने के लिए दो नए सदस्यों को जोड़ने की शर्त रखी जाती थी। पंजागुट्टा, काचीगुड़ा और एसआर नगर थानों में दर्ज तीनों मामलों को बाद में केंद्रीय अपराध केंद्र (सीसीसी) को स्थानांतरित कर दिया गया। जांच के लिए गठित विशेष टीम ने कार्रवाई करते हुए छह आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस का कहना है कि इस मामले के मुख्य आरोपी अभी हांगकांग और अन्य देशों में छिपे हुए हैं। उन्हें पकड़ने के लिए केंद्र सरकार के माध्यम से आवश्यक कानूनी प्रक्रिया शुरू की जाएगी तथा उनके खिलाफ रेड कॉर्नर नोटिस जारी कराने के प्रयास किए जाएंगे।

फैंसी नंबर आरक्षित कराने की अवधि बढ़ी

अब दो महीने के भीतर चुन सकेंगे पसंदीदा पंजीकरण नंबर

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। परिवहन विभाग ने नए वाहन खरीदने वाले लोगों को बड़ी राहत देते हुए फैंसी अथवा विशेष पंजीकरण नंबर आरक्षित कराने की समय सीमा बढ़ा दी है। अब वाहन मालिक अस्थायी पंजीकरण (टीआर) जारी होने की तारीख से दो महीने के भीतर अपनी पसंद का पंजीकरण नंबर चुनकर आरक्षित करा सकेंगे। विभाग के अनुसार, वर्तमान में 'वाहन' प्रणाली के तहत नए वाहन को जारी किया गया अस्थायी पंजीकरण 30 दिनों तक वैध रहता है। हालांकि, वाहन मालिकों को अधिक सुविधा प्रदान करने के उद्देश्य से फैंसी या विशेष नंबर आरक्षित करने के लिए अतिरिक्त समय देने का निर्णय लिया गया है। परिवहन विभाग के अधिकारियों ने बताया कि कई वाहन मालिक वाहन खरीदते समय फैंसी नंबर लेने का विकल्प चुनते हैं, लेकिन निर्धारित अवधि में उसे आरक्षित नहीं करा पाते। ऐसे मामलों को देखते हुए अब उन्हें दो महीने का समय दिया जाएगा ताकि वे अपनी पसंद का नंबर सुरक्षित कर सकें। विभाग ने वाहन मालिकों को सलाह दी है कि जिन्होंने अभी तक अपने वाहन के लिए फैंसी या विशेष पंजीकरण नंबर आरक्षित नहीं कराया है, वे निर्धारित अवधि के भीतर यह प्रक्रिया पूरी कर लें।

मलेरिया-डेंगू रोकथाम को लेकर तैयारियां तेज

एंटोमोलॉजी स्टाफ को दिया गया रिफ्रेशर प्रशिक्षण

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। ग्रेटर हैदराबाद नगर निगम (जीएचएमसी) के मेट्रोपॉलिटन सर्विलांस यूनिट ने मानसून से पहले डेंगू, मलेरिया और चिकनगुनिया जैसी वेक्टर जनित बीमारियों की रोकथाम के लिए फील्ड स्तर के एंटोमोलॉजी स्टाफ का रिफ्रेशर प्रशिक्षण कार्यक्रम आयोजित किया है। यह प्रशिक्षण कार्यक्रम 9 जून से 11 जून तक पांच बैचों में आयोजित किया गया, जिसमें जीएचएमसी के सभी जोनों सिकंदराबाद, गोलकुंडा, चारमीनार, शमशाबाद, खैरताबाद और राजेंद्रनगरके कर्मचारी शामिल हुए। कुल मिलाकर लगभग 900 प्रतिभागियों ने इस प्रशिक्षण में भाग लिया, जिनमें एमएसयू अधिकारी, एएमओएच, वरिष्ठ एंटोमोलॉजिस्ट, वार्ड एंटोमोलॉजी सुपरवाइजर तथा फील्ड स्टाफ शामिल थे। कार्यक्रम की अध्यक्षता जीएचएमसी के मुख्य चिकित्सा अधिकारी डॉ. अमर सिंह और अतिरिक्त निदेशक डॉ.के. पद्मजा ने की। डॉ. अमर सिंह ने कहा कि एंटोमोलॉजी फील्ड स्टाफ को फ्रंटलाइन वर्कर के रूप में कार्य करते हुए डेंगू के प्रभाव को कम करने और मृत्यु-दर घटाने में महत्वपूर्ण भूमिका निभानी होगी।

वहीं डॉ. पद्मजा ने पूर्व-मानसून तैयारियों, सामुदायिक जागरूकता, क्षमता निर्माण, तथा विभिन्न विभागों के बीच समन्वय को अत्यंत आवश्यक बताया। प्रशिक्षण में वेक्टर जनित रोगों की रोकथाम एवं नियंत्रण, मच्छरों के प्रजनन स्थलों की पहचान और नष्टिकरण, एंटी-लार्वल ऑपरेशन एवं फॉगिंग की मानक प्रक्रियाएं, कीटनाशकों के सुरक्षित उपयोग, एंटोमोलॉजिकल सर्विलांस, फील्ड रिकॉर्ड प्रबंधन, आउटब्रेक रिस्पॉन्स, तथा आईईसी गतिविधियों के माध्यम से जनजागरूकता जैसे विषयों पर विस्तार से जानकारी दी गई। अधिकारियों ने फील्ड स्टाफ को स्रोत नष्टिकरण गतिविधियों को तेज करने, निगरानी प्रणाली को मजबूत करने और समयबद्ध तरीके से नियंत्रण उपाय लागू करने के निर्देश दिए।

साथ ही सामुदायिक स्तर पर जागरूकता अभियान को और प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। जीएचएमसी ने कहा है कि वह क्षमता निर्माण, निगरानी व्यवस्था को मजबूत करने और प्रभावी वेक्टर नियंत्रण उपायों के माध्यम से शहर की जनता को स्वास्थ्य सुरक्षा प्रदान करने के लिए प्रतिबद्ध है।

दो बहनों की मौत मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार

खाद्य विषाक्तता की आशंका, कई पहलुओं से जांच में जुटी पुलिस

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस नारायणगुडा क्षेत्र की दो बहनों की संदिग्ध मौत के मामले में पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार कर रही है। प्रारंभिक तौर पर दोनों की मौत खाद्य विषाक्तता से होने की आशंका जताई जा रही है, हालांकि पुलिस का कहना है कि वास्तविक कारण रिपोर्ट आने के बाद ही स्पष्ट हो सकेगा। मृतक बहनों की पहचान भुवनेश्वरी और उसकी छोटी बहन संध्या के रूप में हुई है। जानकारी के अनुसार, रविवार को दोनों बहनों ने आम सहित कुछ खाद्य पदार्थों का सेवन किया था। इसके बाद उनकी तबीयत अचानक बिगड़ गई और उन्हें उल्टी तथा पेट दर्द की शिकायत होने लगी।

परिजनों ने दोनों को उपचार के लिए एक स्थानीय अस्पताल में भर्ती कराया, जहां इलाज के दौरान सोमवार को भुवनेश्वरी और मंगलवार को संध्या की मृत्यु हो गई। घटना के बाद परिवार और आसपास के लोगों में शोक का माहौल है। बताया जा रहा है कि दोनों बहनों ने रविवार को अपने घर के पास से कुछ आम तोड़कर खाए थे। इसके कुछ समय बाद उनकी तबीयत खराब हो गई। इस जानकारी के आधार पर खाद्य विषाक्तता की आशंका जताई जा रही है, लेकिन पुलिस अभी किसी निष्कर्ष पर नहीं पहुंची है। नारायणगुडा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि फोरेंसिक विशेषज्ञों द्वारा तैयार की जा रही पोस्टमार्टम रिपोर्ट का इंतजार किया जा रहा है। अधिकारी के अनुसार, एक-दो दिनों में प्रारंभिक रिपोर्ट मिलने की उम्मीद है, जिसके बाद मौत के वास्तविक कारणों का पता चल सकेगा। जांच के दौरान पुलिस को यह जानकारी भी मिली है कि दोनों बहनों ने घटना वाले दिन कहीं बाहर भी भोजन किया था। इस पहलू को ध्यान में रखते हुए पुलिस परिवार के सदस्यों, मित्रों और अन्य संबंधित लोगों से पूछताछ कर रही है। पुलिस का कहना है कि सभी संभावित कारणों की जांच की जा रही है और रिपोर्ट आने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी।

प्रथम पृष्ठ का शेष भाग

केरलम में...

संक्रमण रोकने के लिए सरकार को 10 लाख से ज्यादा सूअरों को मारना पड़ा। इससे मलेशिया के पोर्क इंडस्ट्री को भारी आर्थिक नुकसान हुआ।

मलेशिया के बाद निपाह वायरस 6 देशों में फैला : मलेशिया के बाद यह वायरस बांग्लादेश, भारत, सिंगापुर, फिलीपींस में फैला। कंबोडिया और थाईलैंड में भी वायरस के कुछ केस मिले थे। हालांकि, यह ज्यादा नहीं फैल पाया।

भारत में 2001 में पहला निपाह केस सामने आया : भारत में 2001 में पश्चिम बंगाल के सिलीगुड़ी में पहली बार निपाह फैला था। तब 66 मामले सामने आए थे जिसमें 45 मौतें हो गईं थीं। इसके बाद 2007 में बंगाल के नादिया में पांच केस सामने आए, सभी की मौत हो गई। 2018 मे केरलम में निपाह ने एंट्री ली। राज्य में 8 सालों में छह बार निपाह के केस सामने आ चुके हैं।

भारत में संक्रमण का पैटर्न अलग क्यों है : मलेशिया में वायरस मुख्य रूप से सूअरों के जरिए फैला था। लेकिन भारत और बांग्लादेश में अधिकतर मामलों में यह चमगादड़ों से फैला।

निपाह फैलता कम है लेकिन कोरोना से ज्यादा खतरानाक : कोरोना ज्यादा तेजी से फैलता है, इसलिए दुनिया भर में करोड़ों लोग संक्रमित हुए हैं। निपाह उतनी तेजी से नहीं फैलता लेकिन संक्रमित होने पर जान का खतरा कहीं ज्यादा होता है। कोरोना फेफड़ों पर हमला करता है जबकि निपाह दिमाग में सूजन (एन्सेफलाइटिस) पैदा कर सकता है। कोरोना में अधिकांश लोग ठीक हो जाते हैं, लेकिन निपाह में मृत्यु दर काफी अधिक है।

स्वतंत्र वार्ता
Email :
svaarttha2006@gmail.com
svaarttha@rediffmail.com
svaarttha2006@yahoo.com
Epaper :
epaper.swatantravaartha.com
For Advertisement :
swadds1@gmail.com

4 अक्तूबर से 21 नवंबर के बीच खेला जाएगा वनडे विश्व कप

दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में होना है आयोजन

नई दिल्ली, 11 जून (एजेंसियां)। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट परिषद (आईसीसी) ने 2027 पुरुष वनडे विश्व कप के लिए प्रस्तावित कार्यक्रम को मंजूरी दे दी है। यह मेगा टूर्नामेंट 4 अक्तूबर से 21 नवंबर के बीच दक्षिण अफ्रीका, जिम्बाब्वे और नामीबिया में आयोजित किया जाएगा। ईएसपीएनक्रिकइन्फो की रिपोर्ट के अनुसार, इन तारीखों पर मई में अहमदाबाद में हुई आईसीसी बोर्ड बैठक में सहमति बनी थी, जबकि अंतिम मुहर जुलाई में एडिनबर्ग में होने वाली आईसीसी की वार्षिक आम बैठक (एजीएम) में लगाई जाएगी। जानकारी के मुताबिक, टूर्नामेंट के कुल 54 मैचों में से कम से कम 41 मुकाबले दक्षिण अफ्रीका के आठ स्टेडियमों में खेले जाएंगे। वहीं, जिम्बाब्वे को आठ से 10 मैचों की मेजबानी मिलने की संभावना है, जबकि नामीबिया में तीन मैच आयोजित किए जाएंगे। जिम्बाब्वे में इस बार तीन वेन्यू होंगे। हरारे स्पोर्ट्स क्लब और क्वींस स्पोर्ट्स क्लब (बुलावायो) के अलावा विक्टोरिया फॉल्स को भी मेजबानी सौंपी जाएगी। विक्टोरिया फॉल्स स्थित फाले मोसी-ओआ-टुन्या इंटरनेशनल क्रिकेट स्टेडियम का निर्माण इस वर्ष पूरा होने की उम्मीद है।

24 साल बाद अफ्रीका में वनडे विश्व कप

यह टूर्नामेंट 2003 के बाद पहली बार अफ्रीका में आयोजित होने वाला पुरुष वनडे विश्व कप होगा। हालांकि दक्षिण अफ्रीका इससे पहले 2007 टी20 विश्व कप, 2009 चैंपियंस ट्रॉफी और 2023 महिला टी20 विश्व कप की सफल मेजबानी कर चुका है। 2027 विश्व कप में फिर से 14 टीमें हिस्सा लेंगी। इससे पहले 2019 और 2023 विश्व कप में केवल 10-10 टीमों ने भाग लिया था।

टूर्नामेंट का प्रारूप

14 टीमों को दो समूहों में बांटा जाएगा। प्रत्येक समूह में 7-7 टीमें होंगी। दोनों समूहों से शीर्ष तीन टीमें सुपर सिक्स चरण में पहुंचेंगी। इसके बाद नॉकआउट मुकाबले खेले जाएंगे। मेजबान होने के कारण दक्षिण अफ्रीका और जिम्बाब्वे को सीधे प्रवेश मिलेगा, जबकि नामीबिया को क्वालिफिकेशन प्रक्रिया से गुजरना होगा।

खेल जगत के 100 प्रभावशाली लोगों की सूची जारी

स्मृति ने महिला क्रिकेट को नई ऊंचाई दी; ड्रॉपआउट बच्चों को स्कूल लौटा रहे लेब्रन

न्यूयॉर्क, 11 जून (एजेंसियां)। 'टाइम' मैगजीन ने पहली बार खेल जगत की 100 सबसे प्रभावशाली हस्तियों की सूची जारी की है। इसके कवर पेज पर चार बार के एनबीए चैम्पियन लेब्रन जेम्स को जगह मिली है। भारतीय महिला क्रिकेट की ओपनर स्मृति मंधाना के अलावा मेसी, रोनाल्डो और हालेंड जैसे फुटबॉलर्स भी शामिल हैं। जानिए चुनिंदा लीडर्स को, जो खेल के जरिए बिजनेस, कल्चर व समाज को प्रभावित करने के साथ खेल की सीमाओं से परे जाकर दुनिया को नई दिशा दे रहे हैं...

स्मृति मंधाना- 17 अंतरराष्ट्रीय शतक, रिकॉर्ड बनाती जा रहीं

बाएं हाथ की सलामी बल्लेबाज लगातार नए रिकॉर्ड बना रही हैं। घरेलू वनडे में दोहरा शतक लगाया। तीनों फॉर्मेट में शतक बनाने वाली पहली भारतीय महिला बनीं। 17 अंतरराष्ट्रीय शतक के साथ एक साल में 1,000 से

ज्यादा वनडे रन बनाने वाली पहली महिला हैं। आरसीबी को 2024 व 2026 डब्ल्यूपीएल खिताब दिलाया। महिला वर्ल्ड कप 2025 इनकी उप कप्तानी में जीता।

लेब्रन जेम्स - बिजनेस-राजनीति के साथ समाज के लिए भी जुटे हैं

41 साल की उम्र में भी एनबीए के शीर्ष स्तर पर खेल रहे हैं और रिकॉर्ड तोड़ रहे हैं। 22 ऑल-स्टार चयन, एनबीए के सर्वाधिक स्कोरर समेत कई खिताब जीते। ड्रॉप आउट बच्चों को 'आई प्रॉमिस स्कूल' से पढ़ाई से जोड़ रहे। सामाजिक अभियानों व निवेश से लोगों की मदद की। परिवार के साथ वक्त बिताना चाहते हैं। पर कहते हैं,'बास्केटबॉल ही असली जुनून है।'

लियोनेल मेसी - गोलों की झड़ी से फुटबॉल में नई जान डाल दी

2023 में इंटर मियामी से जुड़कर अमेरिकी फुटबॉल में नई जान डाल दी। संदेह था कि वह कॅरियर खत्म करने आए हैं, पर उन्होंने गोलों की झड़ी लगाकर एमएलएस की लोकप्रियता बढ़ा दी। 2022 में कतर वर्ल्ड कप जीतकर सर्वश्रेष्ठ खिलाड़ी बने। अमेरिका में उनका शायद आखिरी वर्ल्ड कप है, जहां लगातार दूसरी जीत अर्जेंटीना को पेले जैसी उपलब्धि दिला सकती है।

कार्लोस अल्कारेज - जोकोविच-सिनर जैसे दिग्गजों को हरा चुके

23 वर्षीय स्पेनिश टेनिस स्टार, नडाल की ताकत और फेडरर की निपुणता का संगम हैं। 2022 यूएस ओपन जीतकर सबसे युवा वर्ल्ड नंबर 1 बने। 2025 फ्रेंच ओपन में यानिक सिनर को हराना और ऑस्ट्रेलियन ओपन में जोकोविच पर जीत से कॅरियर ग्रैंड स्लैम पाने वाले सबसे युवा बने। 7 ग्रैंड स्लैम विजेता अपनी गति व मूवमेंट से विरोधियों को थकाते हैं।

अर्लिंग हालेंड - 3 गोल्डन बूट जीते, कार्टून किरदार को देंगे आवाज

6 फुट 4 इंच के नॉर्वेजियन फुटबॉल स्टार ने 2025-26 सीजन में प्रीमियर लीग में सर्वाधिक 27 गोल दागे और तीसरा 'गोल्डन बूट' जीता। बीते साल वह इतिहास में सबसे तेज 100 प्रीमियर लीग गोल करने वाले खिलाड़ी बने थे। मई में उनकी टीम, मैनचेस्टर सिटी ने एफए कप जीता। अब वर्ल्ड कप में दिखेंगे। एक कार्टून फिल्म में अपनी आवाज भी देंगे।

ट्राई सीरीज : *अफगानिस्तान-ए ने इंडिया-ए को 4 रन से हराया*

इमरान-बहीर के नाबाद अर्धशतक, अब्दुल्लाह को 5 और फरमनुल्लाह को 3 विकेट

दांबुला, 11 जून (एजेंसियां)। अफगानिस्तान-ए ने श्रीलंका में खेली जा रही ट्राई नेशन सीरीज के दूसरे मैच में आज इंडिया-ए को 4 रन से हरा दिया। यह मैच दांबुला के रंगिरी दांबुला इंटरनेशनल स्टेडियम में खेला गया।

पहले बैटिंग करते हुए इंडिया-ए ने इस मुकाबले में 49 ओवर में 349 रन बनाए। बारिश की वजह से अफगानिस्तान-ए को 38 ओवर में 294 रन का टारगेट मिला। 25.2 ओवर में टीम का स्कोर 2 विकेट पर 177 रन था। इसके बाद बारिश आ गई और खेल शुरू नहीं हुआ। डकवर्थ लुईस नियम से अफगानिस्तान ने मैच को 4 रन से जीत लिया।

अफगानिस्तान-ए की शुरुआत अच्छी रही। हसन इसाखिल ने 29 गेंदों में 34 रन बनाए और पहले विकेट के लिए 63 रन जोड़े। हालांकि 7.6 ओवर में अरशद खान ने उन्हें आउट कर इंडिया-ए को पहली सफलता दिलाई। इसके बाद अनुकूल रॉय ने खालिद

तनिवाल (2) को एलबीडब्ल्यू कर स्कोर 69/2 कर दिया।

मुश्किल समय में कप्तान इमरान मीर और बहीर शाह ने जिम्मेदारी संभाली। दोनों ने तीसरे विकेट के लिए नाबाद 108 रन की साझेदारी की। इमरान मीर ने 70 गेंदों पर 75 रन की नाबाद पारी खेली, जिसमें 6 चौके और 2 छक्के शामिल रहे। वहीं बहीर शाह ने 52 गेंदों में नाबाद 51 रन बनाए।

इससे पहले, भारतीय ओपनर वैभव सूर्यवंशी ने 22 बॉल पर 44 रन बनाकर आउट हुए। उन्होंने बॉलर्स फ्रेंडली कंडीशंस में प्रभसिमरन सिंह के साथ 43 बॉल पर 74 रन की ओपनिंग पार्टनरशिप की।

भारतीय टीम की ओर से ओपनर प्रभसिमरन सिंह (84 रन), ऋतुराज गायकवाड (66 रन) और तिलक वर्मा (66 रन) ने अर्धशतक लगाए। सूर्यांश शेडगे ने 40 रन बनाए। अफगानिस्तान की ओर से अब्दुल्लाह अहमदजई ने 5 विकेट झटके। फरमनुल्लाह सफी को 3 सफलताएं मिलीं। एक विकेट कप्तान इमरान मीर को मिला।

जीरो रन पर नप गए टॉप ऑर्डर के सारे हीरो

बांग्लादेश ने ऑस्ट्रेलिया की ऐसी हालत बनाकर रचा इतिहास

ढाका, 11 जून (एजेंसियां)। बांग्लादेश और ऑस्ट्रेलिया के बीच दूसरा वनडे ढाका के शेर ए बांग्ला नेशनल स्टेडियम पर खेला जा रहा है. इस मुकाबले में मेजबान बांग्लदेश ने ऑस्ट्रेलिया की ऐसी हालत कर दी की इतिहास ही बन गया. टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला खुद ऑस्ट्रेलिया के लिए ही गले की हड्डी बन गया. उसके टॉप ऑर्डर का जो भी बल्लेबाज आया, वो एक रन बनाने को तरसता दिखा. नतीजा ये हुआ कि ऑस्ट्रेलिया के स्कोर बोर्ड पर 0 रन पर ही 3 विकेट लग गए. वनडे क्रिकेट में ऑस्ट्रेलियाई टीम के साथ घटी ये अपने तरह की पहली घटना रही.

बांग्लादेश ने एक इतिहास पहले वनडे में तो रचा ही था, जहां

नाहिद राणा के शानदार स्पेल के दम पर उसने ऑस्ट्रेलिया पर अपनी दूसरी जीत दर्ज की थी. उसके बाद ऑस्ट्रेलिया की कोशिश दूसरे वनडे में जरूर पलटवार की रही होगी. इस कोशिश में वो नाहिद राणा से निपटने की तैयारी करके भी उतरे होंगे. लेकिन, दूसरे वनडे में ऑस्ट्रेलियाई बल्लेबाजों से सवाल नाहिद राणा ने नहीं बल्कि मुस्तफिजुर रहमान ने पूछ लिए. ऑस्ट्रेलिया का टॉप ऑर्डर मुस्तफिजुर रहमान की गेंदों में फंसता और उलझता दिखा.

ऑस्ट्रेलिया के टॉप के 3 बल्लेबाजों विकेट उनकी इनिंग के पहले 2 ओवर में ही गिर गए. वो भी स्कोर बोर्ड पर बिना कोई रन लगाए. ऑस्ट्रेलिया का पहला विकेट मैथ्यू शॉर्ट के तौर पर गिरा, दूसरा विकेट कूपर कॉनोली और तीसरा विकेट मैट रेनशॉ के तौर पर गिरा. 0,0, 0 रन बनाने वाले इन 3 बल्लेबाजों में से दो के विकेट मुस्तफिजुर रहमान ने लिए. जबकि एक को तस्कीन अहमद ने चलता किया.

मेंस वनडे क्रिकेट में वैसे तो ये चौथी घटना है जब किसी टीम के टॉप के 3 विकेट 0 रन पर गिरे हैं. लेकिन ऑस्ट्रेलिया के साथ वनडे क्रिकेट में ऐसा पहली बार ही हुआ है. उसने पहली बार अपने टॉप के 3 विकेट वनडे में 0 रन पर गंवाए हैं.

फीफा विश्व कप : ईरान ने दी चेतावनी

राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारेबाजी होने पर मैच रोकने की धमकी

वाशिंगटन, 11 जून (एजेंसियां)। फीफा विश्व कप की शुरुआत से पहले ही टूर्नामेंट विवादों में घिरता जा रहा है। ईरान के खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने चेतावनी देते हुए कहा है कि अगर मैच के दौरान राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारेबाजी होती है तो वह मैच को रोक देंगे।

ईरान के खेल मंत्री अहमद दुन्यामाली ने चेतावनी दी है कि अगर फीफा विश्व कप मुकाबलों के दौरान स्टेडियम में आधिकारिक रूप से स्वीकृत नहीं किए गए झंडे प्रदर्शित किए गए या राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारेबाजी की गई तो ईरानी टीम मैच रोक सकती है। ईरान ग्रुप-जी में है। इस टीम का पहला मुकाबला 15 जून को लॉस एंजिलिस में न्यूजीलैंड से होगा। 21 जून को उसी जगह पर

ईरान की टीम बेल्जियम से भिड़ेगी, जबकि 26 जून को सिएटल में मिस्र के खिलाफ इस टीम का सामना होगा।

ईरानी मीडिया के अनुसार, दुन्यामाली ने कहा, 'हमने फीफा को बता दिया है कि जहां ईरान विश्व कप में खेलेगा, अगर उन स्टेडियम में आधिकारिक रूप से स्वीकृत नहीं किए गए झंडे लाए जाते हैं या राष्ट्रीय टीम के खिलाफ नारे लगाए जाते हैं तो टीम मैनेजर निश्चित रूप से मैच रोकने के लिए जिम्मेदार होंगे।' मंत्री ने आगे कहा कि ईरानी अधिकारियों को टीम के ग्रुप-स्टेज के आखिरी मैच को लेकर आश्वासन मिला है। उन्होंने कहा, हमें भरोसा दिलाया गया है कि मिस्र के खिलाफ मुकाबले के दौरान स्टेडियम में कोई भी गड़बड़ी वाली घटना नहीं होगी।

अप्रैल में वैंकूवर में फीफा कांग्रेस के बाहर प्रदर्शनकारी जमा हुए, जिन्होंने ईरान को विश्व कप से बाहर करने की मांग की थी। उनका तर्क था कि राष्ट्रीय टीम ईरानी लोगों के बजाय इस्लामिक रिवोल्यूशनरी गार्ड कॉर्प्स का प्रतिनिधित्व करती है। मिस्र के खिलाफ ईरान के मैच ने भी तब ध्यान खींचा जब दोनों देशों के फुटबॉल संघों ने कथित तौर पर फीफा से खेल के दौरान एलजीबीटीक्यू से जुड़ी गतिविधियों को रोकने का आग्रह किया। स्थानीय आयोजकों ने इस मैच को सिएटल के प्राइड वीकेंड समारोह के लिए प्राइड मैच के तौर पर तय किया है।

मैदान के बाहर, ईरानी टीम को टूर्नामेंट से पहले कई संगठनात्मक समस्याओं का सामना करना पड़ा है। ईरान के फुटबॉल महासंघ ने बताया कि विश्व कप से कुछ दिन पहले ही उनके टिकट आवंटन को रद्द कर दिया गया था। इससे वे समर्थक, जिन्होंने पहले ही यात्रा की योजना बना ली थी उन्हें मैच देखने का मौका नहीं मिल सकेगा। टीम अभी तिजुआना (मैक्सिको) में ट्रेनिंग कर रही है और जारी भू-राजनीतिक तनाव के कारण यात्रा संबंधी चुनौतियों का भी सामना कर रही है। अमेरिकी होमलैंड सिक्योरिटी विभाग ने पुष्टि की है कि ईरानी टीम को अपने प्रत्येक विश्व कप मैच से एक दिन पहले अमेरिका में प्रवेश करने की अनुमति दी जाएगी।

भारत 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलेगा

15 अगस्त से गॉल में पहला टेस्ट

वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप का हिस्सा होगी सीरीज

खेल डेस्क, 11 जून (एजेंसियां)। भारत 9 साल बाद श्रीलंका में टेस्ट सीरीज खेलेगा। टीम 15 अगस्त से श्रीलंका दौरे की शुरुआत करेगी। 2017 में विराट कोहली की कप्तानी में भारतीय टीम ने श्रीलंका को टेस्ट सीरीज में क्लीन स्वीप किया था।

शुभमन गिल की कप्तानी वाली टीम दो टेस्ट मैच खेलेगी। पहला टेस्ट गॉल में खेला जा सकता है। वहीं दूसरा टेस्ट 23 अगस्त से कोलंबो में हो सकता है। यह सीरीज वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप 2025-27 का हिस्सा होगी।

3 टी-20 मैच भी हो सकते हैं

टेस्ट सीरीज के अलावा भारत और श्रीलंका के बीच 3 टी-20 मैच भी खेले जा सकते हैं। क्रिकबज के मुताबिक बीसीसीआई सचिव देवजीत सैकिया ने हाल में ही कहा था कि श्रीलंका क्रिकेट बोर्ड से तीन मैचों की बात हुई है।

श्रीलंका प्रीमियर लीग 9 अगस्त को खत्म होने वाली है। ऐसे में टेस्ट सीरीज के बाद टी-20 मुकाबले कराना ज्यादा आसान माना जा रहा है।

भारत-ए की टीम अभी श्रीलंका दौरे पर ट्राई-सीरीज खेल रही है। टीम का पहला मुकाबला 9 जून को खेला गया। भारत ने इस वनडे मैच में श्रीलंका को 8 रन से हरा दिया। टीम इस सीरीज के बाद दो अनऑफिशियल टेस्ट मैच भी खेलेगी।

रूट 4 साल बाद इंग्लैंड की कप्तानी करेंगे

नाइटक्लब केस के चलते स्टोक्स-एटकिंसन दूसरे टेस्ट से बाहर; आर्चर की वापसी

लंदन, 11 जून (एजेंसियां)। न्यूजीलैंड के खिलाफ दूसरे टेस्ट के लिए इंग्लैंड की कप्तानी जो रूट करेंगे। वे 4 साल बाद टीम की कमान संभालेंगे। नाइटक्लब केस के चलते नियमित कप्तान बेन स्टोक्स और गस एटकिंसन को बाहर कर दिया गया है। दूसरा टेस्ट 17 जून से शुरू होगा।

लॉर्ड्स टेस्ट जीतने के बाद स्टोक्स और एटकिंसन एक क्लब में गए थे, जहां विवाद हुआ था। हालांकि पूरा मामला अब तक सामने नहीं आया है। इंग्लिश बोर्ड पूरे विवाद की जांच कर रही है। पहले टेस्ट में 7 जून को इंग्लैंड ने न्यूजीलैंड को 115 रन से हराया था।

रविवार को पहले टेस्ट के आखिरी दिन गस एटकिंसन ने 30 रन देकर 5 विकेट झटके थे। जीत का जश्न मनाने के लिए ही खिलाड़ी रात में बाहर गए थे, जहां रग्बी क्लब के खिलाड़ियों के साथ उनकी बहस हो गई।

इंग्लैंड के खिलाड़ियों का मैदान

से बाहर का व्यवहार पिछले कुछ समय से ECB के लिए सिरदर्द बना हुआ है। हाल ही में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ एशेज दौरे के दौरान भी खिलाड़ियों के देर रात तक पार्टी करने और शराब से जुड़े अनुशासनात्मक मामलों पर भारी आलोचना हुई थी।

इसके बाद ECB ने टीम के लिए 'मिडनाइट कर्फ्यू' (आधी रात के बाद बाहर न रहने का नियम) दोबारा लागू किया था। स्टोक्स और एटकिंसन की ओर से इस प्रोटोकॉल को तोड़ना गलत माना गया है।

स्टोक्स और एटकिंसन की जगह जॉर्डन कॉक्स और जोफ्रा आर्चर को 15 सदस्यीय टीम में शामिल किया गया है। आर्चर IPL में राजस्थान रॉयल्स के साथ व्यस्त रहने के कारण पहला टेस्ट नहीं खेल पाए थे। अब उनकी टेस्ट टीम में वापसी हुई है।

विकेटकीपर-बल्लेबाज जॉर्डन कॉक्स को एक बार फिर इंग्लैंड टेस्ट टीम में जगह मिली है। चोट के कारण वह दो बार टेस्ट डेब्यू से चूक चुके हैं। उन्होंने पिछले साल सितंबर के बाद कोई फर्स्ट क्लास मैच नहीं खेला था।

रूट ने 2017 से 2022 के बीच 64 टेस्ट मैचों में इंग्लैंड की कप्तानी की थी। स्टोक्स ने 2022 से कप्तानी संभाली थी। हालांकि टीम के उपकप्तान हैरी ब्रूक है। उन्हें पिछले साल न्यूजीलैंड में एक नाइटक्लब घटना के बाद जुर्माना और चेतावनी दी जा चुकी है। जिसकी वजह से उन्हें कप्तानी नहीं दी गई।

इंग्लैंड की टीमः जो रूट (कप्तान), रेहान अहमद, जोफ्रा आर्चर, सॉनी बेकर, शोएब बशीर, जैकब बेथेल, हैरी ब्रूक, जॉर्डन कॉक्स, बेन डकेट, मैथ्यू फिशर, एमिलियो गे, जेम्स रियू, ओली रॉबिन्सन, जेमी स्मिथ (विकेटकीपर), जोश टंग।

आईपीएल 2026 में खेले सिर्फ 2 मैच

लियाम लिविंगस्टन बना लंदन स्पिरिट टीम का कप्तान, दिनेश कार्तिक के साथ करेगा काम

लंदन, 11 जून (एजेंसियां)। इंग्लैंड क्रिकेट टीम के स्टार ऑलराउंडर लियाम लिविंगस्टन के करियर में एक नया अध्याय जुड़ गया है. 100 गेंदों वाले इंग्लैंड के मशहूर क्रिकेट टूर्नामेंट द हंड्रेड के 2026 सीजन के लिए लंदन स्पिरिट की टीम ने लिविंगस्टन को अपना नया कप्तान नियुक्त किया है. लॉर्ड्स के ऐतिहासिक क्रिकेट मैदान पर आधारित इस फ्रेंचाइजी ने टीम की कमान अब इस धाकड़ खिलाड़ी के हाथों में सौंप दी है.

लियाम लिविंगस्टन को कप्तानी सौंपने का फैसला एक बड़ा दांव है, क्योंकि इस फॉर्मेट में उनका रिकॉर्ड काफी बेमिसाल रहा है. वह 'द हंड्रेड'लीग के इतिहास में सबसे ज्यादा 71 छक्के लगाने वाले बल्लेबाज हैं. इस शॉर्ट-फॉर्मेट गेम की बारीकियों को वह बहुत अच्छी तरह समझते हैं. वह

मैदान पर अपने कप्तानी कौशल के साथ-साथ अपनी आक्रामक बल्लेबाजी और कामचलाऊ स्पिन गेंदबाजी से टीम को संतुलन देंगे.

बतौर कप्तान लियाम लिविंगस्टन अकेले नहीं होंगे, बल्कि उन्हें दुनिया के सबसे अनुभवी कोचिंग स्टाफ का रणनीतिक साथ मिलने वाला है. वह हेड कोच एंडी फ्लावर और भारत के पूर्व दिग्गज खिलाड़ी दिनेश कार्तिक के साथ मिलकर काम करेंगे. दिनेश कार्तिक इस टीम के बल्लेबाजी कोच और मेंटर हैं. एंडी फ्लावर और दिनेश कार्तिक की जोड़ी का प्रदर्शन आईपीएल में भी काफी शानदार रहा है. इस जोड़ी ने आरसीबी को लगातार 2 बार चैंपियन बनाया है.

लियाम लिविंगस्टन आईपीएल 2026 में सनराइजर्स हैदराबाद की टीम का हिस्सा थे. सनराइजर्स हैदराबाद ने उन्हें ऑक्शन में 13 करोड़ रुपए खर्च करके खरीदा था. लेकिन पूरे सीजन में उन्हें 2 मैच खेलने का ही मौका मिला. वह बाकी के सीजन में सिर्फ बेंच पर ही बैठे रहे. लेकिन लंदन स्पिरिट की टीम ने उन पर पूरा भरोसा दिखाया है और बड़ी जिम्मेदारी दी है.

तहसीलदार, आरडीओ और उप-पंजीयक कार्यालयों के लिए बनेंगे स्थायी भवन : पोंगुलेटी

मंत्री ने वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना सरकार ने राज्य में प्रशासनिक सेवाओं को अधिक पारदर्शी, सुलभ और सम्मानजनक बनाने के उद्देश्य से तहसीलदार, राजस्व मंडल अधिकारी (आरडीओ) तथा उप-पंजीयक (सब-रजिस्ट्रार) कार्यालयों के लिए स्थायी भवनों के निर्माण का निर्णय लिया है। राज्य के राजस्व, आवास तथा सूचना एवं जनसंपर्क मंत्री पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने गुरुवार को यह जानकारी दी। सचिवालय में आयोजित समीक्षा बैठक में मंत्री ने राजस्व, आवास और पंजीकरण विभाग के वरिष्ठ अधिकारियों के साथ विभिन्न मुद्दों पर चर्चा की। बैठक में राजस्व सचिव डी.एस. लोकेश कुमार, स्टाम्प एवं पंजीकरण महानिरीक्षक राजीव गांधी हनुमंतु, आवास सचिव वी.पी. गौतम सहित अन्य अधिकारी उपस्थित थे। मंत्री ने बताया कि राज्य में किराये के भवनों में संचालित हो रहे तथा जर्जर स्थिति में मौजूद तहसीलदार, आरडीओ और उप-पंजीयक कार्यालयों का विवरण एकत्र किया गया है। उन्होंने कहा कि सरकारी कार्यालयों का किराये के भवनों में संचालित होना उचित नहीं है। मुख्यमंत्री रेवंत रेड्डी की सोच के अनुरूप जनता को सम्मानजनक वातावरण में सेवाएं उपलब्ध कराने के लिए यह निर्णय लिया गया है। उन्होंने बताया कि प्रथम चरण में किराये के भवनों अथवा जर्जर संरचनाओं में संचालित 125 तहसीलदार कार्यालयों और 11 आरडीओ कार्यालयों के लिए आधुनिक सुविधाओं से युक्त स्थायी भवनों का निर्माण किया जाएगा। जहां आवश्यकता होगी, वहां मौजूदा भवनों की मरम्मत भी कराई जाएगी। अधिकारियों को आवश्यक भूमि की पहचान कर निर्माण कार्य शीघ्र प्रारंभ करने के निर्देश दिए गए हैं। मंत्री ने कहा कि राज्यभर में बनने वाले सभी भवन एक समान डिजाइन और आधुनिक सुविधाओं के साथ विकसित किए जाएंगे, ताकि नागरिकों को बेहतर सेवाएं मिल सकें। अंतिम डिजाइन मुख्यमंत्री से चर्चा के बाद तय किए जाएंगे। उन्होंने कहा कि कम लागत में अधिकतम सुविधाएं उपलब्ध कराने पर विशेष ध्यान दिया जाएगा।

पोंगुलेटी श्रीनिवास रेड्डी ने कहा कि तेलंगाना गठन से पहले और उसके बाद भी अधिकांश राजस्व कार्यालय पर्याप्त सुविधाओं से वंचित रहे और बड़ी संख्या में किराये के भवनों में संचालित होते रहे। उन्होंने आरोप लगाया कि पिछली सरकार ने बिना समुचित योजना के मंडलों का पुनर्गठन किया, जिसके कारण कई प्रशासनिक समस्याएं उत्पन्न हुईं। उन्होंने कहा कि वर्तमान सरकार ने नए मंडलों के लिए आवश्यक पदों को स्वीकृति देकर प्रशासन को मजबूत किया है। स्टाम्प एवं पंजीकरण विभाग के संबंध में मंत्री ने बताया कि अत्याधुनिक सुविधाओं वाले एकीकृत भवनों के निर्माण का कार्य पहले ही शुरू किया जा चुका है। आउटर रिंग रोड क्षेत्र के अंतर्गत हैदराबाद, रंगारेड्डी, मेडचल-मलकाजगिरि और संगारेड्डी जिलों के 39 उप-पंजीयक कार्यालयों को 12 क्लस्टरों में विभाजित कर एकीकृत भवन बनाए जा रहे हैं। गच्चीबावली, मेडचल-मलकाजगिरि, पठानचेरुवु और कोहेड़ा में भवन निर्माण कार्य शुरू हो चुका है। उन्होंने कहा कि जिला एवं विधानसभा मुख्यालयों में स्थित उप-पंजीयक कार्यालयों के लिए दस्तावेज पंजीकरण की संख्या के आधार पर भवनों का निर्माण किया जाएगा। दो डीआईजी कार्यालयों, चार जिला उप-पंजीयक कार्यालयों और 52 उप-पंजीयक कार्यालयों के लिए 4,000 से 10,000 वर्ग फुट क्षेत्रफल वाले एक समान मॉडल के भवन बनाए जाएंगे। मंत्री ने यह भी बताया कि 'क्योर' क्षेत्र में इंदिरम्मा आवास योजना के लिए आवश्यक भूमि की पहचान का कार्य तेज गति से चल रहा है।

कंपनी ने तेलंगाना सरकार को दिया 12.28 करोड़ रुपये का लाभांश

वित्त वर्ष 2025-26 में कुल लाभांश भुगतान 49.14 करोड़ रुपये से अधिक

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का संचालन करने वाली कंपनी ने तेलंगाना सरकार को लगभग 12.28 करोड़ रुपये का अंतरिम लाभांश देने की घोषणा की है। कंपनी ने कहा कि यह भुगतान अपने सभी हितधारकों को निरंतर लाभ पहुंचाने की प्रतिबद्धता का हिस्सा है। कंपनी के अनुसार, यह राशि वित्त वर्ष 2025-26 के लिए घोषित 25 प्रतिशत के दूसरे अंतरिम लाभांश के अंतर्गत दी गई है। इससे पहले फरवरी 2026 में भी कंपनी ने तेलंगाना सरकार को 36.85 करोड़ रुपये का लाभांश प्रदान किया था। जारी जानकारी के मुताबिक, वित्त वर्ष 2025-26 के दौरान कुल लाभांश वितरण 49.14 करोड़ रुपये से अधिक रहा, जो घोषित लाभांश का शत-प्रतिशत है। कंपनी के संचालन शुरू होने के बाद से अब तक तेलंगाना सरकार को कुल 149.87 करोड़ रुपये का लाभांश दिया जा चुका है।

कंपनी ने कहा कि वह तेलंगाना सरकार सहित अपने सभी हितधारकों के लिए दीर्घकालिक और सतत लाभ सृजन के लिए प्रतिबद्ध है। नियमित रूप से लाभांश का भुगतान कंपनी के मजबूत संचालन, वित्तीय मजबूती और अनुशासित प्रबंधन को दर्शाता है। प्रेस विज्ञप्ति में कहा गया है कि कंपनी भविष्य में भी अपने कार्यों को और अधिक सुदृढ़ बनाने तथा हितधारकों को बेहतर प्रतिफल प्रदान करने के लिए प्रयास जारी रखेगी।

एसआईआर का उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना : रामचंदर राव

अब तक कई बार हो चुका है मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। तेलंगाना भाजपा प्रदेश अध्यक्ष एन. रामचंदर राव ने सिद्धिपेट में मीडिया को संबोधित करते हुए विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के मुद्दे पर विस्तार से अपनी बात रखी। उन्होंने कहा कि कांग्रेस, बीआरएस और एआईएमआईएम एसआईआर को लेकर जनता के बीच गलत जानकारी फैलाकर भ्रम पैदा कर रही हैं। उन्होंने स्पष्ट किया कि एसआईआर भाजपा का कार्यक्रम नहीं है, बल्कि यह भारत निर्वाचन आयोग द्वारा समय-समय पर किया जाने वाला एक संवैधानिक और नियमित प्रक्रिया है, जिसका उद्देश्य मतदाता सूची को अद्यतन और शुद्ध करना है। श्री राव ने कहा कि 1951 से अब तक कई बार मतदाता सूची का गहन पुनरीक्षण किया गया है और अंतिम बार यह प्रक्रिया वर्ष 2002 में हुई थी। उन्होंने कहा कि 2002 से 2026 के बीच अनेक मतदाता या तो दिवंगत हो चुके हैं, स्थानांतरित हो गए हैं या एक से अधिक स्थानों पर पंजीकृत हो सकते हैं। ऐसे में मृत, दोहरे और अवैध नामों को हटाकर एक व्यक्ति, एक वोट के सिद्धांत को सुनिश्चित करना आवश्यक है। उन्होंने कहा कि एसआईआर का उद्देश्य लोकतंत्र को मजबूत करना है, न कि किसी भी वास्तविक मतदाता को उनके अधिकार से वंचित करना। उन्होंने स्पष्ट किया कि कोई भी पात्र मतदाता नहीं हटाया जाएगा और प्रत्येक नागरिक को अपने निवास स्थान पर मतदान का अधिकार प्राप्त है। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष ने कांग्रेस और बीआरएस पर आरोप लगाया कि वे यह झूठा प्रचार कर रहे हैं कि वोट स्थानांतरित करने से लोगों के संपत्ति अधिकार प्रभावित होंगे, जो पूरी तरह निराधार है। उन्होंने कहा कि एक ओर कांग्रेस सरकार बीएलए की नियुक्ति करती है, वहीं दूसरी ओर उसके नेता एसआईआर पर भ्रम फैला रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि एआईएमआईएम एसआईआर के लिए हेल्प डेस्क चला रही है, लेकिन विपक्षी दल जनता में डर का माहौल बना रहे हैं। रामचंदर राव ने कहा कि मतदाता सूची निर्वाचन आयोग द्वारा तैयार और संशोधित की जाती है, जो एक स्वतंत्र संवैधानिक संस्था है। इसमें भाजपा या केंद्र सरकार की कोई भूमिका नहीं होती। उन्होंने कहा कि राज्य सरकार बीएलओ की नियुक्ति करती है, इसलिए हर मुद्दे के लिए भाजपा को जिम्मेदार ठहराना गलत है। उन्होंने आरोप लगाया कि कांग्रेस, बीआरएस और अन्य विपक्षी दल केवल वोट बैंक की राजनीति के लिए इस प्रक्रिया का विरोध कर रहे हैं। उन्होंने यह भी कहा कि जब कांग्रेस जीतती है तो ईवीएम और निर्वाचन आयोग पर सवाल नहीं उठाती, लेकिन हारने पर इन्हीं संस्थाओं पर प्रश्न खड़े करती है।

दो ट्रकों की टक्कर के बाद लगी भीषण आग, चालक की जिंदा जलकर मौत

निर्मल, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। निर्मल मंडल के मेडिपल्ली गांव के पास राष्ट्रीय राजमार्ग-44 पर बुधवार रात हुए भीषण सड़क हादसे में एक ट्रक चालक की जिंदा जलकर मौत हो गई। हादसा दो ट्रकों की टक्कर के बाद एक वाहन में आग लगने से हुआ। पुलिस के अनुसार, मृतक की पहचान आदिलाबाद जिले के सोनाला मंडल निवासी जवारी सिंह के रूप में हुई है। वह एक ट्रक चला रहा था, तभी राष्ट्रीय राजमार्ग पर उसका वाहन दूसरे ट्रक से टकरा गया। टक्कर इतनी जोरदार थी कि एक ट्रक में तुरंत आग लग गई और देखते ही देखते लपटों ने पूरे वाहन को अपनी चपेट में ले लिया। हादसे के समय चालक जवारी सिंह वाहन के अंदर ही फंस गया। सूचना मिलने पर पुलिस और अन्य बचावकर्मी मौके पर पहुंचे तथा उसे बचाने का प्रयास किया, लेकिन आग की तीव्रता अधिक होने के कारण उसे समय पर बाहर नहीं निकाला जा सका। परिणामस्वरूप उसकी मौके पर ही दर्दनाक मौत हो गई। घटना के बाद क्षेत्र में कुछ समय के लिए अफरा-तफरी का माहौल बन गया। पुलिस ने आग पर काबू पाने और यातायात को सामान्य करने के लिए आवश्यक कदम उठाए।

हिल रिज विला चोरी का बड़ा खुलासा, पूरा माल बरामद

दो महिला समेत नेपाली गिरोह के तीन आरोपी गिरफ्तार

गिरोह का मुख्य आरोपी सुरेश उर्फ सूरज, नेपाल से लोगों को लाकर उन्हें घरेलू कामगार के रूप में नियुक्त करवाता था और फिर खाली घरों की जानकारी लेकर चोरी की योजना बनाता था।

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। साइबराबाद पुलिस ने गच्चीबावली के हिल रिज विला में हुई बड़ी चोरी के मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए नेपाली गिरोह के तीन आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस ने पूरी चोरी की गई संपत्ति भी बरामद कर ली है।

पुलिस के अनुसार यह घटना बीते 6 जून को उस समय हुई जब विला में रहने वाले लोग घर पर नहीं थे। आरोपियों ने मौके का फायदा उठाकर चोरी को अंजाम दिया। बीते 7 जून को जब बुजुर्ग दंपति घर लौटे तो उन्होंने पाया कि घर में रखी एक छोटी मूर्ति से सोने की चेन गायब थी। शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर जांच शुरू की गई। बीते 8 जून को परिवार के बेटे ने लॉकर खोलकर जांच की तो पाया गया कि लॉकर से लगभग 7-8 किलोग्राम सोने के आभूषण और करीब 1.5 किलोग्राम चांदी के आभूषण गायब थे। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने कहा कि मामले की गंभीरता को देखते हुए विशेष ऑपरेशन टीम, क्राइम टीमों और स्थानीय पुलिस को जांच में लगाया गया। उन्होंने कहा कि कई पुलिस टीमें उत्तर प्रदेश, बिहार और उत्तराखंड भेजी गईं तथा संदिग्धों की जानकारी संबंधित राज्य पुलिस के साथ साझा की गई।

बीते 9 जून को गच्चीबावली पुलिस निरीक्षक पी. नरेश और उनकी टीम ने रामपुर जिले (उत्तर प्रदेश) में स्थानीय पुलिस के सहयोग से तीन आरोपियों को बिलासपुर रोड पर गिरफ्तार किया। गिरफ्तार आरोपियों की पहचान नेपाल निवासी कमल शाही, विमला शाही उर्फ बिमला शाही और कल्पना शाही के रूप में हुई है।

पुलिस जांच में सामने आया कि यह गिरोह उच्च वर्गीय इलाकों की विला कॉलोनियों को निशाना बनाता था और घरेलू सहायकों के माध्यम से घरों की गतिविधियों की जानकारी एकत्र कर चोरी को अंजाम देता था। गिरोह का मुख्य आरोपी सुरेश उर्फ सूरज, नेपाल से लोगों को लाकर उन्हें घरेलू कामगार के रूप में नियुक्त करवाता था और फिर खाली घरों की जानकारी लेकर चोरी की योजना बनाता था। इसी मामले में विला नंबर 73, हिल रिज विला में घरेलू कर्मचारियों की तैनाती कर चोरी की गई थी। पुलिस ने बताया कि फरार आरोपी करण बिश्वकर्मा और सुरेश उर्फ सूरज की भूमिका भी सामने आई है। बरामद संपत्ति में लगभग 7 किलोग्राम 837 ग्राम सोना, 1361 ग्राम चांदी, 33,170 रुपये नकद और 2 मोबाइल फोन शामिल हैं। आरोपियों को स्थानीय अदालत में पेश किया जा रहा है और ट्रांजिट वारंट के माध्यम से उन्हें हैदराबाद लाने की कार्रवाई की जा रही है।

पूछताछ में आरोपियों ने स्वीकार किया कि उन्होंने लॉकर की चाबी का उपयोग कर लॉकर खोला और चोरी को अंजाम दिया। साइबराबाद पुलिस आयुक्त डॉ.एम. रमेश ने इस सफल खुलासे और पूरे माल की बरामदगी के लिए पुलिस टीम की सराहना करते हुए नकद पुरस्कार की घोषणा की। यह मामला डीसीपी सेरिलिंगमपल्ली जोन च. श्रीनिवास (आईपीएस) के मार्गदर्शन में, एडीसीपी एन. उदय रेड्डी, एसीपी कलिंगाराव, गच्चीबावली एसएचओ बलराजू तथा पुलिस टीमों के समन्वय से सुलझाया गया।

लापरवाही से चोरी होने पर मकान मालिकों पर भी हो सकती है कार्रवाई

घरेलू कर्मचारियों का पुलिस सत्यापन कराने की अपील

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद पुलिस अब ऐसे लोगों के खिलाफ भी कार्रवाई करने पर विचार कर रही है जो अपनी कीमती वस्तुओं और घर की सुरक्षा को लेकर गंभीर लापरवाही बरतते हैं, जिसके कारण चोरी और सेंधमारी जैसी घटनाएं होती हैं। एक वरिष्ठ पुलिस अधिकारी ने बताया कि पुलिस द्वारा समय-समय पर जारी की जाने वाली सुरक्षा संबंधी सलाह के बावजूद कई लोग आवश्यक सावधानियां नहीं बरतते। इसका फायदा उठाकर अपराधी चोरी की वारदातों को अंजाम देते हैं और बाद में पुलिस को जांच में काफी संसाधन लगाने पड़ते हैं। अधिकारी ने हाल के कुछ मामलों का उल्लेख करते हुए बताया कि घरेलू सहायकों और सुरक्षा गार्डों के रूप में कार्यरत कुछ लोगों से जुड़े चोरी के मामलों में यह पाया गया कि मकान मालिकों ने पर्याप्त सावधानी नहीं बरती थी।

उन्होंने एक हालिया घटना का उदाहरण देते हुए बताया कि एक मकान मालिक अपनी तिजोरी की चाबियां घर में ही छोड़कर दूसरे शहर चला गया था और अपने बुजुर्ग माता-पिता को घर पर अकेला छोड़ दिया था। बाद में घर में चोरी हो गई।

अधिकारी का कहना है कि यदि आवश्यक सुरक्षा उपाय अपनाए गए होते तो ऐसी घटना को रोका जा सकता था। पुलिस का मानना है कि ऐसी लापरवाही के कारण जांच में अतिरिक्त समय और सरकारी संसाधनों का उपयोग करना पड़ता है। कई मामलों में पुलिस टीमों को आरोपियों की तलाश में विभिन्न राज्यों की यात्रा करनी पड़ती है, जिससे आवास, परिवहन और अन्य व्यवस्थाओं पर भारी खर्च होता है।

दो कारों की आमने-सामने टक्कर

तीन लोग घायल, एक की हालत गंभीर

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। रंगा रेड्डी जिले में गुरुवार सुबह एक दर्दनाक सड़क हादसा हो गया। इब्राहिमपटनम क्षेत्र के नागार्जुनसागर रोड पर स्थित अघापल्ली गांव के पास दो कारों की आमने-सामने जोरदार टक्कर हो गई। इस दुर्घटना में कम से कम तीन लोग घायल हो गए, जिनमें एक व्यक्ति की हालत गंभीर बताई जा रही है। पुलिस के अनुसार, हादसा सुबह उस समय हुआ जब दोनों कारें विपरीत दिशाओं से आ रही थीं। तेज रफ्तार के कारण चालक वाहन पर नियंत्रण नहीं रख सके और दोनों कारें सीधे एक-दूसरे से टकरा गईं। टक्कर इतनी जोरदार थी कि दोनों वाहनों के अगले हिस्से बुरी तरह क्षतिग्रस्त हो गए।

दुर्घटना की सूचना मिलते ही आसपास के ग्रामीण और राहगीर मौके पर पहुंच गए। स्थानीय लोगों ने तुरंत राहत कार्य शुरू किया और घायलों को कारों से बाहर निकालने में मदद की। इसके बाद एम्बुलेंस बुलाकर सभी घायलों को नजदीकी अस्पताल पहुंचाया गया। घायलों में से एक व्यक्ति की हालत गंभीर होने के कारण उसे विशेष चिकित्सा निगरानी में रखा गया है, जबकि अन्य दो घायलों का उपचार जारी है।

टीजीआईआईसी स्पोर्ट्स मीट में चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी ने खेला बैडमिंटन और कैरम

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्रि भुवनगिरि जिले के आलैर तेलंगाना इंडस्ट्रियल एंड इंफ्रास्ट्रक्चर कॉरपोरेशन (टीजीआईआईसी) की वार्षिक स्पोर्ट्स मीट के दूसरे दिन कर्मचारियों ने उत्साहपूर्वक विभिन्न प्रतियोगिताओं में भाग लिया। हैदराबाद के एलबी स्टेडियम में दो दिवसीय खेल प्रतियोगिताओं के तहत गुरुवार को टीजीआईआईसी की चेयरपर्सन निर्मला जग्गा रेड्डी ने कर्मचारियों के साथ इंडोर खेलों में हिस्सा लिया। उन्होंने बैडमिंटन और कैरम खेलकर कर्मचारियों का उत्साहवर्धन किया तथा खेल भावना को बढ़ावा दिया। दो दिनों तक आयोजित इस स्पोर्ट्स मीट में विजेता खिलाड़ियों को शुक्रवार को गाचीबौली स्थित आईएसबी में आयोजित समारोह में सम्मानित किया जाएगा। पुरस्कार वितरण के साथ-साथ टीजीआईआईसी के कर्मचारी विभिन्न सांस्कृतिक कार्यक्रम भी प्रस्तुत करेंगे। इस अवसर पर निर्मला जग्गा रेड्डी ने कहा कि इस प्रकार के खेल एवं सांस्कृतिक कार्यक्रम कर्मचारियों के बीच एकता, आपसी सहयोग और मित्रता की भावना को मजबूत करने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। उन्होंने उम्मीद जताई कि ऐसे आयोजन भविष्य में भी कर्मचारियों को एक मंच पर लाकर संगठनात्मक सौहार्द को बढ़ावा देंगे। कार्यक्रम में टीजीआईआईसी के वरिष्ठ अधिकारी एवं कर्मचारी बड़ी संख्या में उपस्थित रहे।

एसआईआर पर बीएलए जागरूकता एवं प्रशिक्षण सम्मेलन आयोजित

तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन सावंत व सांसद चामला ने किया संबोधित

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। यादाद्रि भुवनगिरि जिले के आलैर विधानसभा क्षेत्र मुख्यालय में विशेष गहन पुनरीक्षण (एसआईआर) के संबंध में बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) के लिए जागरूकता एवं प्रशिक्षण सम्मेलन उत्साहपूर्ण वातावरण में आयोजित किया गया। कार्यक्रम का आयोजन यादाद्रि भुवनगिरि जिला कांग्रेस कमेटी के अध्यक्ष एवं आलैर विधायक तथा सरकारी मुख्य सचेतक (व्हिप) बीरला इलैया के नेतृत्व में किया गया।

सम्मेलन में अखिल भारतीय कांग्रेस कमेटी के राष्ट्रीय सचिव व तेलंगाना प्रदेश कांग्रेस के सह प्रभारी सचिन सावंत, भुवनगिरि लोकसभा क्षेत्र के सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी तथा भुवनगिरि संसदीय क्षेत्र के प्रभारी एवं पूर्व मंत्री बसवराजु सारैया अतिथि के रूप में उपस्थित रहे। इस अवसर पर सांसद चामला किरण कुमार रेड्डी ने कहा कि पार्टी को मजबूत बनाने तथा निर्वाचन प्रक्रिया के प्रभावी संचालन में बूथ स्तरीय एजेंटों (बीएलए) की भूमिका अत्यंत महत्वपूर्ण है।

उन्होंने कहा कि विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस संगठन को और अधिक सशक्त बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं एवं पदाधिकारियों को समन्वय और जिम्मेदारी के साथ कार्य करना चाहिए। उन्होंने बीएलए से मतदाता सूची के विशेष गहन पुनरीक्षण कार्यक्रम में सक्रिय भूमिका निभाने तथा जमीनी स्तर पर पार्टी संगठन को मजबूत करने का आह्वान किया। प्रशिक्षण सम्मेलन में राज्य महिला निगम की अध्यक्ष बंद्रु शोभारानी, मार्केट कमेटी के अध्यक्ष चैतन्य महेंद्र रेड्डी, विभिन्न नगरपालिकाओं के अध्यक्ष, मंडल कांग्रेस अध्यक्ष, नगर पार्षद, जनप्रतिनिधि, पार्टी के वरिष्ठ नेता तथा बड़ी संख्या में बूथ स्तरीय एजेंट (बीएलए) उपस्थित रहे।

राष्ट्रीय आदिवासी जनजातीय अभ्युदय संघ के प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से मुलाकात की

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। राष्ट्रीय आदिवासी जनजातीय अभ्युदय संघ के अध्यक्ष चंदा लिंगैया डोरा के नेतृत्व में एक प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को लोक भवन में तेलंगाना के राज्यपाल शिव प्रताप शुक्ल से मुलाकात की। इस दौरान प्रतिनिधिमंडल ने राज्यपाल से आग्रह किया कि भारतीय संविधान की पांचवीं अनुसूची के प्रावधानों के अनुरूप तेलंगाना के अनुसूचित क्षेत्रों में पेसा अधिनियम (पीईएसए) तथा विनियमन 1/70 का प्रभावी और सख्ती से क्रियान्वयन सुनिश्चित किया जाए।

प्रतिनिधियों ने यह भी मांग की कि जनजातीय क्षेत्रों में रेत एवं खनिज संसाधनों के दोहन की जिम्मेदारी स्थानीय आदिवासी समुदायों को सौंपी जाए तथा इससे प्राप्त राजस्व को केवल जनजातीय क्षेत्रों के विकास पर ही खर्च किया जाए। उन्होंने आदिवासी एवं जनजातीय समुदायों की संस्कृति, परंपराओं और भाषाओं के संरक्षण एवं संवर्धन के लिए विशेष पहल करने का भी अनुरोध किया।

हैदराबाद में आयोजित होगी निःशुल्क कथक कार्यशाला

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। हैदराबाद में शास्त्रीय नृत्य प्रेमियों के लिए एक विशेष सांस्कृतिक आयोजन होने जा रहा है। नाद भेद नृत्य संस्थान की संस्थापक एवं निदेशक अर्चना मिश्रा की पहल पर एक निःशुल्क कथक कार्यशाला का आयोजन किया जा रहा है, जिसमें सभी इच्छुक प्रतिभागी भाग ले सकेंगे। यह कार्यशाला प्रसिद्ध कथक गुरु डॉ. पुरु दाधीच की 88वीं जयंती के उपलक्ष्य में आयोजित की जा रही है।

कार्यक्रम का उद्देश्य देशभर में कथक की दुर्लभ और पारंपरिक शैलियों को संरक्षित करना तथा नई पीढ़ी तक पहुंचाना है। यह आयोजन प्रत्युष दाधीच की परिकल्पना के अनुरूप आयोजित किया जा रहा है।

195 करोड़ रुपये के शराब परिवहन घोटाले में ईडी की छापेमारी

पूर्व मंत्री नागेश्वर राव समेत कई ठिकानों की तलाशी

अमरावती, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने आंध्र प्रदेश में कथित 195 करोड़ रुपये के शराब परिवहन घोटाले से जुड़े धन शोधन (मनी लॉन्ड्रिंग) मामले में गुरुवार को कई स्थानों पर छापेमारी की। इस कार्रवाई के तहत पूर्व वाईएसआर कांग्रेस पार्टी (वाईएसआरसीपी) मंत्री करुमुरी नागेश्वर राव और उनके परिवार से जुड़े परिसरों की भी तलाशी ली गई। अधिकारियों के अनुसार, मामले में कथित रूप से शामिल पांच व्यक्तियों के परिसरों पर एक साथ तलाशी अभियान चलाया गया। इनमें पूर्व नागरिक आपूर्ति मंत्री के. नागेश्वर राव तथा उनके पुत्र के ठिकाने भी शामिल हैं। यह कार्रवाई धन शोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत की गई।

ईडी की जांच आंध्र प्रदेश स्टेट बेवरेजेज कॉर्पोरेशन लिमिटेड (एपीएसबीसीएल) से जुड़े कथित वित्तीय अनियमितताओं और शराब परिवहन में हुए घोटाले से संबंधित है। जांच एजेंसी का आरोप है कि इस मामले में सरकारी खजाने को 195.33 करोड़ रुपये का नुकसान पहुंचाया गया। छापेमारी के दौरान ईडी ने 8 लाख रुपये नकद, दो रोलेक्स घड़ियां, कुछ वाहन, महत्वपूर्ण दस्तावेज और डिजिटल उपकरण जब्त किए हैं। अधिकारियों ने इन सामग्रियों को जांच के लिए महत्वपूर्ण बताया है। हालांकि यह स्पष्ट नहीं किया गया कि बरामद की गई वस्तुएं किस व्यक्ति या परिसर से प्राप्त हुईं। ईडी के अधिकारी मामले से जुड़े वित्तीय लेनदेन, संपत्तियों और अन्य दस्तावेजों की जांच कर रहे हैं। एजेंसी का कहना है कि तलाशी के दौरान प्राप्त साक्ष्यों के आधार पर आगे की कानूनी कार्रवाई की जाएगी। मामले की जांच जारी है और ईडी विभिन्न पहलुओं की पड़ताल कर रही है ताकि कथित घोटाले में शामिल लोगों की भूमिका स्पष्ट हो सके।

पत्नी की हत्या के आरोप में पति गिरफ्तार

हैदराबाद, 11 जून (स्वतंत्र वार्ता)। बहादुरपुरा पुलिस ने पत्नी की हत्या के एक सनसनीखेज मामले का सफलतापूर्वक खुलासा करते हुए मुख्य आरोपी पति को गिरफ्तार कर लिया है। पुलिस के अनुसार आरोपी ने अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह और उसके बार-बार मायके जाने से नाराज होकर इस जघन्य वारदात को अंजाम दिया। गिरफ्तार आरोपी की पहचान सुलेमान सईद उर्फ सुलेमान (32) निवासी किशन बाग, हैदराबाद के रूप में हुई है। मृतका निशाद फातिमा (30) आरोपी की पत्नी थी। पुलिस जांच में सामने आया कि आरोपी लंबे समय से अपनी पत्नी के चरित्र पर संदेह करता था और उसके मायके जाने का विरोध करता था। दंपति के बीच लगातार विवाद होते रहते थे। यहां तक कि दोनों के बीच सुलह कराने के लिए लोक अदालत के माध्यम से समझौते के प्रयास भी किए गए, लेकिन आरोपी के व्यवहार में कोई बदलाव नहीं आया। वह मृतका को मानसिक और शारीरिक रूप से प्रताड़ित करता रहा। पुलिस के अनुसार आरोपी ने गहरी शंका और दुर्भावना के चलते पत्नी की हत्या की साजिश रची। 7 जून को दोनों के बीच मायके जाने के मुद्दे पर फिर विवाद हुआ। इसके बाद आरोपी ने घर में एक रसोई का चाकू छिपाकर मौका तलाशना शुरू कर दिया। जब निशाद फातिमा घर में अकेली थी और गहरी नींद में सो रही थी, तब आरोपी ने उस पर हमला कर दिया। उसने चाकू से उसका गला रेत दिया, जिससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई। हत्या के बाद सबूत मिटाने और पुलिस से बचने के उद्देश्य से आरोपी ने दोनों के मोबाइल फोन ठिकाने लगा दिए और घटनास्थल से फरार हो गया। शिकायत मिलने के बाद बहादुरपुरा पुलिस ने मामला दर्ज कर जांच शुरू की। तकनीकी साक्ष्यों, स्थानीय सूचनाओं और गहन जांच के आधार पर पुलिस ने आरोपी की पहचान कर उसे गिरफ्तार कर लिया। मामले के खुलासे में बहादुरपुरा थाने के डिटेक्टिव इंस्पेक्टर वी. मधन लाल, उपनिरीक्षक जी. अंबेडकर तथा कानून-व्यवस्था शाखा के कर्मचारियों ने महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। यह कार्रवाई फलकनुमा एसीपी एम.ए. जावेद के मार्गदर्शन और राजेंद्रनगर जोन के पुलिस उपायुक्त एस. श्रीनिवास के प्रत्यक्ष पर्यवेक्षण में की गई। पुलिस अधिकारियों ने मामले का शीघ्र खुलासा करने वाली टीम की सराहना की है। मामले की आगे की जांच जारी है।

Printed and published by Dr. Gireesh Sanghi on behalf of AGA Publications Ltd., at 396, Lower Tankbund, Hyderabad-500080 Editor: *Dhirendra Pratap Singh *responsible for selection of news under the PRB Act. Postal Licence H/SD/380/21-22, Phone:27644999. Fax:27642512, RNI No.69340/98, Regd.:No.AP/HIN/00196/01/1/97/TC.